पेज 1

परमेश्वर सेवकों/पादरियों के क्या उम्मीद करता है

परमेश्वर के झुंड के चरवाहे बने जो अपकी देखरेख में हैं।(इफिसीया 4:11–12)

रेर्वन्ड0 डा0 जैरी सिकमोर

(C) 2011

पेज 2

(C) सभी अधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशकों की पूर्व अनुमति बिना ईस प्रकाशन का कोई भी हिसा पुनः प्रस्तुत नहीं किया जा सकता और ना ही किसी पुनप्राप्ति प्रणाली में संग्रहित वे प्रेषित किया जा सकता हैं। जैसे फोटोकॉपी, रिकाडिंग या अन्य किसी भी इलेक्ट्रानिक आदि के माध्यम से।

प्रतियाँ के लिएः

बेथल प्रेअर फैलो"ाप

मकान नं0–8–2–293 / 129 रोड नं0 14 वेकटेशवर नगर, बनजारा हिलस, हैदराबाद–500034, आन्ध्रा प्रदेश, भारत

bpfellowstrip@gmail.com

दूरभाष नं0–9866543468

पेज–3

परमे”वर सेवकों/पादरियों से क्या उम्मीद करता है।

1- परमेश्वर हमसे उम्मीद करता है कि हम उन उपहारों का उपयोग करें तो वो हमें देता है। 7

क– हम चुने हुए हैं।– 7
ख– हम बुलाऐ हुए हैं– 7
ग– हमें योग्य होना चाहिए– 8
घ– हम भरे हुए है– 10
ड़– हमें उपहार दिया गया है।– 11
च– परमेश्वर क्या उम्मीद करता है।– 14

2- परमेश्वर हम से लगातार आत्मीकता में बड़ते रहने की उम्मीद करता है। 18

क– परमेश्वर क्या उम्मीद करता है।– 18
ख– परमेश्वर इसकी क्यों उम्मीद करता हैं।– 20
ग– कैसे बढ़ते रहें।– 21
घ– इसको कैसे मापे/तोले।– 24

3- परमेश्वर उम्मीद करता है कि हम उसकी भेड़ों की अगुवाई करें।– 29

क– सेवकों/पादरियों एक पुर्नीया की तरह– 29
ख– सेवकों/पादरियों एक जिम्मेदार रखवाले की तरह– 30
ग– सेवकों/पादरियों एक अगुये की तरह – 30
घ– परमेश्वर हमारी कलीसीया से क्या उम्मीद करता है– 34

4- परमेश्वर उम्मीद करता हैं कि हम उसकी भेड़ों की रक्षा करें– 37
क– सेवकों/पादरियों चरवाहे की तरह – 37
ख– भेड़े परमेश्वर की है।– 38
ग– एक चरवाहा अपनी भेड़ों की रक्षा करता है– 38
5- परमेश्वर उम्मीद करता हैं कि हम अपना पालन पोषण करें।– 52
क– अपना पालन पोषण क्यों करें।– 52
ख– अपना पालन पोषण किस से करें।– 54
ग– अपना पालन पोषण कब करे।– 54
घ– अपना पालन पोषण कैसे करें।– 55

6- परमेश्वर उम्मीद करता हैं कि हम उसकी भेड़ों का पालन पोषण करें।– 62

क– भेड़ों का पालन पोषण क्यों करें।– 62

ख– भेड़ों का पालन पोषण किससे करें।– 63

ग– भेड़ों का पालन पोषण कब करें।– 63

घ– भेड़ों का पालन पोषण कैसे करें।– 63

ड़– संदेश कैसे तैयार करें।– 64

7- परमेश्वर उम्मीद करता हैं कि हम अन्य सेवकों को प्रशिक्षत करें।– 70

क– दूसरों को प्रशिक्षत करने का आदेश– 70

ख– दूसरों को प्रशिक्षत करने का कारण– 72

ग– दूसरों को प्रशिक्षत करने का तरीका– 75

8- परमेश्वर उम्मीद करता हैं कि हम उसकी भेड़ों की सेवा करें।– 81

क– सेवक/पादरी एक सेवक है– 81

ख– पादरी सेवा के माध्यम से अगुवाई करते हैं।– 82

ग– एक अच्छा अगुआ, सेवक रूपी अगुआ होता हैं।– 83

घ– एक सेवक/पादरी को दीन होना चाहिए– 84

ड़– दीनता को सीखना आसान नही है।– 85

9- परमेश्वर उम्मीद करता हैं कि हम अपने परिवार की सेवा प्रथम करें।– 88

क– आपकी पत्नी आपकी पहली भेड़ है।– 88

ख– बच्चे कलीसीया से पहले है।– 90

ग– परमेश्वर पतियों से क्या उम्मीद करता है।– 91

घ– परमेश्वर पत्नीयों से क्या उम्मीद करता है।– 95

किताब का परिचय–

परमेश्वर सेवक/पादरी से क्या उम्मीद करता है।

शाबाश–अच्छे और वफादार सेवक! तुम थोड़े में वफादार बने रहेः मै तुम्हें बहुत चीजों का अधिकारी बनाऊगाँ। आओं अपने स्वामी की खुशी में शामिल हो। (मत्ती 25:23) यह वचन है जिनको सुनने के लिए मैं तरसता रहा है कि मै सुनू जब मै धरती पर अपना जीवन पूरा कर प्रभु के सममुख खड़ा हूगाँ। पालूस के साथ–साथ मैं इस योग्य होना चाहता हूँ यह कहने को कि '' मैने अच्छी लड़ाई लड़ी है, मैने दौड़ पूरी की है, मैने विश्वास रखा है (रतिमोथयस 4:7–8) मै यकीन करता हूँ कि आप भी ऐसा ही सोचते व चाहते हैं। मैं यह किताब वो सब बांटने के लिए लिख रहा हूँ जो परमेश्वर मुझे लगातार मेरी सेवक/पादरी होने के जीवन काल में मुझे सीखला रहा है। इसका उद्देश्य आपकी अगुवाई करना है कि आप उस कार्य को जो पमेश्वर ने आपको दिया है उसे वफादारी से पूरा करें।

सेवक/पादरी होना एक विशेष आदर व बड़े सौभाग्य की बात है। (तिम्मोथीयस 3:1) लोगो की आत्मिक उनके लिए मदद करना बहुत आनन्द की बात है। परमेश्वर कहता है कि हम आशिक्त है, क्या ही आशीष बरे वो पैर है जो सुसमाचार लाते हैं (रोमीयो 10:15, यहशाय 52:7) एक पादरी होना अदभुत है।

हांलाकि एक सेवक/पादरी होना आसान नहीं है। काम कठिन भी है और लम्बा भी है। जो कुछ हम सदा पूरा कर सकते हैं यह उससे भी बड़ा है। हमारे बहुत लोगों को उच्च उम्मीदें होती है कि हमें क्या करना चाहिए। अकसर हमें अपने आप से बहुत ज्यादा उम्मीदें होती है। हम दूसरे सेवकों/पादरियों को देखते हैं और महसूस करते हैं। कि हमे भी वो करना चाहिए जो वह कर रहे हैं। यह हम पर बहुत भारी दबाव डाल सकता है। हम हैरतअंगेज होते हैं कि वहां ऐसे काम है जो परमेश्वर करना चाहता है परन्तु वह पूरा नहीं हो पा रहा। या फिर हो सकता है कि हम उन बातों पर अपना समय अधिकतर उन बातों पर लगाते है। जो परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। यह आम बात है कि हम सेवक/पादरी होते हुये व्यसत है परन्तु क्या हम वही कर रहे हैं जो

अधिक महत्वपूर्ण है? एक सेवक/पादरी के लिए वह अति महत्वपूर्ण काम क्या है? यहां पर यह प्रश्न है जिससे हम सब हैरान व परेशान हो जाते हैं।

जब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के द्वारा काम पर लगाया जाता है तो उसे बताया जाता है कि काम देने वाला उससे क्या उम्मीद करता है। त बवह जान लेता है कि उसे क्या करना और क्या नहीं करना चाहिए। अपने मालिक को खुश करने के लिए वह व्यक्ति जो उसे उम्मीद किया जाता है। वो करता है। यही हमारी सच्चाई है सेवक/पादरी होते हुए। परमेश्वर बाईबल में बताता है कि वह हमसे क्या करने और क्या ना करने की उम्मीद करता हैं और हम यह जान लेते है। तो भी बहुत से सेवक/पादरीगण है जो नहीं जानते कि परमेश्वर उनसे क्या चाहते और क्या नहीं चाहता है। यह किताब दर्शायेगी कि परमेश्वर हमसे सेवक/पादरी होते हुए क्या उम्मीद करता है। वही है जिसकी हम सेवा करते हैं, वही है जिसे हम खुश करना चाहते है। हम उसके प्रतिनिधित्व करते हैं। हमारी कलीसीया में जो लोग है वह उसकी भेड़े है और हम उनकी देखरेख करते हैं, उसके लिए। इसलिए हम वो कराना चाहिए जो वह हमसे चाहता है।

मै बीते चालीस वर्ष से सेवक/पादरी हूँ और परमेश्वर मुझे बहुत वफादारी से मुझे सिखला रहा है कि मुझे क्या करना चाहिए। मैने बहुत सी गलतियां भी की है परन्तु परमेश्वर मेरे साथ नर्म रहा है। जब भारत जाता हूँ तो मै यह बातें सेवकों/पादरियों के सम्मेलन में सिखाता हूँ। मै इन बातों को किताब में लिखना चाहता हूँ कि जो मैने सीखा है वो आप भी सीख सकें। यह किताब खास आप के लिए लिखी गयी है। आपका काम इस संसार में अति महत्वपूर्ण है और आप जो कर रहे हैं मै उसकी प्रशंसा करता हूँ। मै प्रार्थना करता हूँ कि परमेश्वर इस किताब को आप को आशीश देने तथा आप की सेवाई के प्रति प्यार करने के लिए उपयोग करें।

पेज–6

रेवन्ड डाक्टर जैरी सिकमोर डालस थिडोलोजीकल सेमीनरी से स्नातक है और 1975 में उन्होने मास्टर डिग्री प्राप्त की और 2000 में डाक्टर की उपाधि प्राप्त की। उन्होने 1981 से डोलस टाउन पी0ए0 में मेन स्ट्रीट बैपरिसट चर्च में सेवा की है। उनके 6 बच्चों के पिता 8 बच्चों के दादा/नाना है। उनका विवाह नैनसी नामक महिला से हुआ है जो पेशे से 32 वर्ष से नर्स है। एक चर्च में सेवक/पादरी कार्यभार को सभालते हुए वह पारिवारिक विवाह तथा नौजवान सम्मेलनों की अगुवाई करते हैं और नौजवान सेवकों/पादरियों को सलाह मशवरा देने व उनका मार्गदर्शन करने में अति सक्रिय हैं 2006 में उन्होने 4 बार, सेवक/पादरी के सम्मेलन सेमीनार शिक्षा व अन्य सेवाकार्य से जुड़े कार्यक्रमों को आयोजन किया है उनके साथ संम्पर्क करने के लिए यह माध्यम है। ieery@schmoyer.net.

परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उन उपहारों का उपयोग करें जो वह हमे देता है।

इस अध्याय में मुख्य विचारः जब वो आपको एक सेवक/पादरी होने के लिए बुलाता है तो वहो आपको उपहार भी देता है ताकि आप सेवक/पादरी बन सके। वह हम से प्रत्येक को भिन्न –भिन्न उपहार देता है। हमे किसी दूसरे की जैसा बनने का प्रयास नहीं करना है। उसके के दीये हुए उपहारों को जानना और उनका उपयोग करना महत्वपूर्ण है। अगर आप बुलाये गय हैं तो आप को उपहार में दिये गय हैं।

नौजवान लोग कभी–कभी मुझे पूछते हैं कि वह कैसे जाने कि परमेश्वर चाहता है कि वह सेवक/पादरी बने। जब मैने सेवाकार्य शुरू किया तो मैं सुनिश्चित होना चाहता था कि यह वही है जो परमेश्वर चाहता है ना कि वह मैं सोचता हूँ कि मुझे करना चाहिए। यह जानना महत्वपूर्ण है कि सख्स की प्रशाई के पीछे परमेश्वर हमसे चाहता है कि हम सेवक/पादरी बने। यह उस सम्य सच होता है जब जीवन कठिन हो जाता है और हम सोच विचार में पड़ जाते हैं कि हम सेवक/पादरी होना चाहिए या नहीं। हम इसे कैसे सुनिश्चित कर सकते है? परमेश्वर ने किस तरह हमें बुलाया है इसको समझ लेने में ही इसका सबूत हो जाता है कि हम वही पर है जहां वह हमे उसकी इच्छा है वह हमे कैसे उपहार देता है। इसको समझ लेना हमारी सहायता करता है कि वह हमसे कैसी सेवाई चाहता है।

क– हमें चुना गया है।

परमेश्वर उनको चुनता है जो उसमें मुक्ति के लिए विश्वास करते हैं (यहुबा 6:37–46, 15:16,19, इफसीयों 1:3–6, 11: रोमियो 9:23) संसार बनाने से पहले ही उसने हमे चुना है (इफसीयो 1:4 यिर्मयाह 1:5) कई बार पवित्र आत्मा हमें हमारी उससे (परमेश्वर) से माफी की आवश्यकता दिखाता है (यहूबा 16:8–11) यह हमारी अपनी मर्जी है कि हम उसकी मुक्ति के उपहार को स्वीकार करें या अस्वीकार करें।

हम में से जिन्होने ने उसकी मुक्ति के उपहार को स्वीकार किया है उनके लिए दूसरा चुनाव है वो उसकी भेड़ों की अगुवाई करे एक सेवक/पादरी होते हुए। पुराने नियम से प्रेरित (ईबरानीयों 5:4) और नवी (यशाहय 6:9)

परमेश्वर द्वार चुने जाते थे। पौलस परमेश्वर द्वारा चुना गया था (ईफसियों 3:7–9) और इसी तरह हम भी (ईफसियों 4:11) हम संसार बनने से पूर्व चुने गये थे। परमेश्वर जब हमे सेवाई में बुलाता है तो चाहता है कि हम जाने कि हम चुने जा चुके हैं। हम यह वास्तविकता कैसे जाने कि हम बुलाये जा चुके हैं।

ख– हमे बुलाया गया है।

अंतरगत में से

तब हम अपने अन्दर दूसरों को आत्मिकता में बढ़ने में सहायता करने में परमेश्वर करने में, एक इच्छा और बोझ महसूस करते हैं, यही वह पहला क्षण होता है जब हमें पता चलता है कि हम सेवाई के लिए बुलाये गये हैं।

पवित्र आत्मा हमारे अंदर यह डालता है (प्रेरितों के काम 20:28) यह हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम महसूस करते हैं कि हमें यह हर कीमत पर करना ही है, और हम उसके लोगों की आत्मिक जीवनों में बढ़ने में सहायता कार्य करने कि बिना संतुष्ट महसूस नहीं करते। पौलूस कहता है कि मैं प्रचार करने को विवश मजबूर है लानत है मुझ पर अगर मै सुसमाचार का प्रचार नहीं करता हूँ (कुरनिथयों 9:16) महिलायें भी दूसरी महिलाओं और बच्चों की सेवाकाई की इच्छा को प्राप्त करें।

मैं बालक ही था जब से यह इच्छा ने बढ़ना शुरू किया। यह सब परमेश्वर की तरफ से था जिससे मैं फिर नहीं सकता था। मैने अन्य रूप से अपने जीवन को चलाना चाहा, परन्तु किसी में भी संतुष्ट ना हुआ सेवाकाई के कार्य छोड़। मुझे दूसरों को विश्वास में बढ़ने में सहायता करने में संतुष्टी प्राप्त हुई। परमेश्वर मेरे अंदर एक सेवक/पादरी का हृदय बना रहा था। यह आज भी ऐसा ही है, परमेश्वर की सच्चाई को फैलाने और मसीही लोगों को विश्वास में बढ़ने में उनकी सहायता करने की इच्छा को अपने अंदर महसूस करता हूँ। मुझे इस से बहुत आशीष प्राप्त होती है कि मैं किसी को प्रभू यीशू मसीह के बारे ज्यादा जानने में सहायक बना हूँ।

बाहर सेः

जैसे मैने कुछ सेवाकाई का काम और बाईबल कि शिक्षा देने शुरू किया लोग मुझे इस अधिक बढ़ाने के लिए कहने लगे। कुछ मेरे पास सहायता और सलाह की लिए आने लगे।

मैं उनको बाईबल मे से सलाह देने में सक्षम था। वह सुनते और वही करते जो मै उन्हे कहता। मैने नौजवानों से यह कार्य शुरू किया और जैसे बढ़ा हुआ मसीह लोगों की सब आयु श्रेणी के लोगों के लिए सेवकाई करने लगा। दूसरे लोग इसको पहचानने लगे कि परमेश्वर मेरे माध्यम से कार्य कर रह था। मेरे लिए यह बहुत बड़ी सहानुभूति तथा मान्यता थी। परमेश्वर हमारे दिलों में पादरी होने की इच्छा भरता है और जो हम सेवकाई में करते हैं उसे आशीष देता है।

परमेश्वर की सेवा करने के अनेक राह है। वो लोगों को सहायता करने को कई तरह से बुलाता है। उनको जो अपने मन में दूसरे मसीह लोगों को विश्वास में बढ़ने में उनकी सहायता करने व शिक्षा देने की इच्छा रखते हैं, उनको पादरी होने की बुलाता है। जैसे एक पिता अपने बच्चों के प्रति प्यार और जिम्मेदारी महसूस करता है ठीक उसी तरह एक पादरी उन भेड़ों की रखवाली करने में, जो परमेश्वर ने उसे दी है, अपनी जिम्मेदारी महसूस करता है। जैसे बच्चें उन मां–बाप को पहचानते है, जो उन्हे प्रेम करते हैं, और उन के पास सहायता की लिए जाते हैं इसी प्रकार मसीह लोग उन सेवकों/पादरियों को पहचानते है जिनको परमेश्वर ने उनकी सहायता व देख–रेख करने को बुलाया है। एक मां–बाद की तरह हमें बहुत प्रसन्नता होती है अपने आत्मिक बच्चों को देखकर जब वो बढ़ते व परिपक्व होते हैं, परन्तु बहुत दुख होता है जब वो विद्रोह करते व आज्ञा नहीं मानते।

इसी प्रकार यीशू महसूस करते है, जैसे हमारा दिल दुखी होता है उसका भी होता है।

ग– हमे योग्य होना चाहिए

परमेश्वर हमें चुनता और बुलाता है हम जानते हैं कि हम सेवक/पादरी हैं क्योकि अंतराल इच्छा है कि हम मसीह लोगों की अगुवाई करें और वह हमारे अंदर पहचानतें हैं और हमारे पीछे चलते हैं। वोह सब जो वोह हम से चाहता है यह है कि हम उसकी आज्ञा को मानने के लिए उपलब्ध रहें। इसका मतलब हमारा उसके प्रति सच्चाई, वफादारी और पवित्रता का जीवन जीना अनिवार्य (जरूरी) है अगर हम यीशु के अच्छे प्रतिनिधि नहीं हैं तो भले हम चुने हुए और

बुलायें हुए हों हमे सेवक/पादरी नहीं होना चाहिए। परमेश्वर उम्मीद करता है कि हम दूसरों के लिए पवित्र जीवन उदाहरण के लिए जीएं।

यह योग्यताऐं तीभुथियुस 3:1–7 और तीतस 1:5–9 में दर्ज है। ये आवश्यकताऐं है सुक्षाव नहीं, जरूरी नहीं है के एक सेवक/पादरी ऐसा ही हो तो है, क्योकि हम सब के पास हमारे अतीत की ऐसी बातें हैं जिन पर हमे गर्व नहीं है। पालुस खुद मसीहों के कत्ल किया गया और उपयोग किया गया था। यह विशेषताऐं संकेत करती है कि हमें वर्तमान में कैसे होना चाहिए, इसके साथ ही इन योग्यताओं का शिक्षा एवं प्रशिक्षण से कोई लेन–देन नहीं है, परन्तु उस जीवन से जो अच्छे उदाहरण स्थापित करता है, एक जीवन जैसा यीशु ने व्यतीत किया।

इन्हें इस प्रकार संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है:

परमे”वर के प्रति वि”ेशताऐं

एक नया विश्वासी नही: विकास और परिपक्वता के बिना एक व्यक्ति गर्व और गलती के लिए अधिक खुला हो सकता है। यह महत्वपूर्ण है कि वोह यीशु के लिए जीवित रहा हो और एक बढ़ता हुआ मसीह करते हैं यह उसे समझने के लिए ज्ञान लाता है।

भक्ति: हमें पाप रहित और पुण्य होने की जरूरत नही हैं परन्तु हर हाल में परमेश्वर के लिए जीवित रहने को समर्पित होना चाहिए। यह पवित्रता के जीवन में दिखता है। जब हम पाप करते है तो हम परमेश्वर के सामने मानते हैं और जो लोग प्रभावित हुए है उनसे माफी मांगते हैं, तब इस से सीखते हैं कि अगली बार ऐसा न हों।

सिखाने वाला:

हमें परमेश्वर से और दूसरे लोगो से सीखने के लिए खुल रहना चाहिए। हम ऐसा नहीं सोच सकते कि हम सब कुछ जानते हैं परन्तु दूसरों की सलाह लेने के तैयार होना चाहिए। हमें परमेश्वर की अगुवाई और सुधार के लिए खुला होना चाहिए। हमारे पास परमेश्वर के बचत को सीखने और उसे अपने जीवन में लागू करने की भूख और प्यास होनी चाहिए।

भलाई से प्रेम रखो: भला करना कठिन हैं, परन्तु भलाई को प्रेम करना उससे भी कठिन है क्योकि यह हमारे अंदर शुरू होता है। हम केवल गतियों के माध्यम में ही के नही जा सकते और बाहरी तौर से एक सेवक/पादरी की तरह दिखाने का जीवन नहीं जी सकते। यह पाखंड है परमेश्वर इसे नफरत करता है(मती 22:18, 23:13–29)

कुछ इस तरह से कार्य करते है कि जैसे वोह दूसरों के बारे में बहुत चिन्तित है क्योकि वह अगुवापन और शख्यित का घमण्ड चाहते हैं। परमेश्वर इस से भी नफरत करता है (इतिमिथियुस 2:22–23)। हमारे पास भला करने की भीतरी इच्छा होनी चाहिए।

हमारी अंदरूनी वि''ोशतायें

एक स्वस्थ दिमागः हमें अपने फैसलों और निर्णयों में सामान्य ज्ञान का उपयोग करना चाहिए। जो सलाह हम देते हैं वह समझदारी और स्वस्थ होनी चाहिए। हमारी अगुवाई ईश्वरीय और बुद्धिमान होनी चाहिए।

भीतोशण और स्व–नियंत्रितः

हमें सब बातों में संतुलित होना चाहिए और आत्म नियंत्रण रखना चाहिए। हम शराब या ड्रग्स से प्रभावित नहीं हो सकते।

ईमानदार (निश्पक्ष): हमें निष्पक्ष और ईमानदार रहें। दूसरे के साथ अपने रिश्तों प्रति हमारे निर्णय और मूल्यांकन परिपक्व व उचित होने चाहिए।

भौतिकवादी नहींः हम लालची नही हो सकते या अधिक धन और भौतिक सम्पत्ति की इच्छा नहीं कर सकते। सेवक/पादरी होते हमारे पास अधिक पैसा नहीं होगा परन्तु हम अभी भी इसका लालसी या इच्छुक हो सकते हैं। हम उन लोगों से जिनके पास अधिक पैसा है अपने आप को मोहित नहीं होने दे सकते और न ही उनका खास पद करने के लिए अपने आप को ढीलाकर सकते है।(याकूब 2:1–4)

अपने परिवार के प्रति वि''ोशताएंः–

वफादार पतिः

हमें अपने साथी के प्रति वफादार रहें और उनकी जरूरतें को पूरा करें। हमारी पत्नी हमारी पत्नी हमारी कलीसीया से पहले है (देखें अध्याय 9) हमें अपनी पत्नी के लिए बिना शर्त प्रेम करना चाहिए जैसा मसीह को हमारे लिए है।(ईफसियों 5:25–32)

अच्छे पिताः

यदि हम अपने परिवार का प्रबंधन नहीं कर सकते तो हम परमेश्वर की कलीसीया का प्रबंधन करने में सक्षम नहीं होगें। (तिमोथीयस 3:4–5) हमारा परिवार परिपूर्ण नहीं होगा परन्तु उसमें आदेश, प्रेमपूर्ण, अनुशासन और मार्गदर्शन

होना जरूरी है। हमें एक प्यारा, सुसंगती, विनम्र अगुआ होना चाहिए जो अपने परिवार की सेवा करता है। इससे पूर्व के हम कलीसीया की अगुवाई करें।(देखें अध्याय 9)

<u>दूसरों के प्रति वि”ोशताऐं:</u>

<u>गुस्से में जल्दबाजी नही:</u>

हम झगड़ालू तेज स्वभाव वाले, गुस्सैल, हिसंक लोग नही हो सकते। हमारे कार्य और वचन यीशु की तरह होने चाहिए। हमे आत्मा के फल दिखने चाहिए। धीरज, प्रेम और सौम्यता एक तेज मिजाज और गुस्से वाला चरवाहा भेड़ के लिए अच्छा नहीं होता।

<u>स्व–केंद्रित नही:</u>

हम छठी, जिद्दी लोग नहीं हो सकते जो हमेशा अपनी राह चाहते हो और कभी भी झुकने के लिए तैयार न हो।

<u>सज्जन:</u>

वह तेज स्वभाव और आत्म केंद्रित के विपरीत हैं। हमें दूसरे लोगों की भावनाओं पर विचारदारी होना चाहिए। हमें दूसरों के साथ दया, प्रेम और सम्मान के साथ पेश आना चाहिए, जैसा परमेश्वर हमारे साथ व्यवहार करता है।

<u>मेहमान नवाज:</u>

हमें दूसरों के साथ, जो जरूरत मन्द है, साक्षा होने में खुश दिल होना चाहिए। हमारे घर दूसरों की सहायता के लिए खुले होने चाहिए। हम गोपनीयता के हकदार हैं और जो कुछ हमारे पास है उसके अच्छे भंडारी होना चाहिए, परन्तु जैसे यीशु ने किया, हमें भी जो कुछ हमारे पास है उसे दूसरें जरूरतों मन्दों के पास साक्षा करन के लिए पहूँचना चाहिए। यह विशेषता सेवक/पादरी की पत्नी पर निर्भर करती हैं। अधिकांश सेवक/पादरी की पत्नियां जो मुझे मिली है, वे बहुत मेहमान नवाज महिलाऐं हैं।

अच्छी भाोहरतः

यह अन्य सभी विशेषताओं को संरक्षित करता है। बाईबल में सूचियों के अंत में सबसे पहले और बार–बार यह उल्लेख किया गया है कि यह कितना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें पूर्ण होना चाहिए, लेकिन हमारे संबंधों में अखण्डता होनी चाहिए। जब हम गलत होते है तो हमे इसे स्वीकार करना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। हमें मसीह चरित्र के व्यक्ति के रूप में पहचाना जाना चाहिए। इस तरह से दूसरें हमारा सम्मान करेगें और उसका भी जिसकी हम सेवा करते हैं।

जब परमेश्वर हमें सेवकाई के लिए चुनता और बुलाता है, हमारे लिये जरूरी है के हमें इन योग्यताओं को पुरा करके उसके लिये अच्छा उदाहरण बनें। यह वह चीज है जो वह हम से निश्चित रूप से उम्मीद करता है। हम उन सभी में कभी भी परिपूर्ण नहीं होगें, लेकिन उस दिशा में बढ़ते रहना चाहिए। परमेश्वर हमें अपने पवित्र आत्मा से भरकर हमारी मदद करता है।

हमें भरे हुए हैः

अपने अन्दर उसके पवित्र आत्मा के बिना हम उसकी योग्यताओं को पुरा नहीं कर पायेगें, और न ही उसके लोगों को सेवक/पादरी जन की सेवा कर पायेगें। पवित्र आत्मा हमें उसके लिए जीने और उसके लोगों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम बनाता हैं। आइये हम पवित्र आत्मा के बारे और जो कुछ वो हमारे लिए करता है उसके बारे में बात करें।

हमारा एक परमेश्वर है जिसमें तीन व्यक्ति है (त्रिमूर्ति) परमेश्वर पिता, परमेश्वर पुत्र और परमेश्वर पवित्र आत्मा (मत्ती 28:19,:2 कुरिथियों 13:14, 1 पतरस 1:1–2)। परमेश्वर पिता सर्वशक्तिमान जो हम से प्यार करता है और सभी चीजों को नियंत्रित करता है। परमेश्वर पुत्र वह है जो पृथ्वी पर हमारे पापों का भुगतान करने आया था, जो अब स्वर्ग में राज्य करता है औ अपनी कलिसीया की देख–रेख करता है। परमेश्वर पवित्र–आत्मा हमारे यहाँ पृथ्वी पर सेवकाई करता हैं। यह पवित्र–आत्मा के कुछ कायी है।

मुक्ति से पहलेः

पवित्र–आत्मा वोह बल है जो पाप को बढ़ने से रोकता हैं ताकि संसार में बुराई बद से बदतर न हो (2 थिस्सलुनीकियों 2:7)। वह अविश्वासियों के दिलों में काम

करता हैं और परमेश्वर के सामने उनके पापों को दिखाता है और उनको मुक्ति की आवश्यकता है यह बताता है।

<u>मुक्ति के समय परः</u>

पवित्र आत्मा हमें उद्धार के लिए यीशु की ओर ले जाता है (तीतस 3:5)। वह मुक्ति के समय हमारे जीवनों में आता है और नया जीवन लाता है (2 कुरिन्थियों 5:17; यहून्ना 14:17)। हमारा नया स्वभाव बनता है (रोमियों 7:7–25) और वह हमारे अन्दर रहता है (1 कुरिन्थियों 6:19)।

वह हम पर मेहर करता है, हमारी प्रकृति को सुरक्षित करता है और गांरटी देता है कि ऐसा कुछ नहीं हो सकता जो इसे हम से दूर से जा सके (इफिसियों 4:30, यूहन्ना 10:28–29)। वह प्रत्येक विश्वासी को आध्यात्मिक उपहारों को अनूठा संयोजन देता है। (1 कुरिन्थियों 12:1–11, 14:1–18, 37, से रोमियों 12:1–8, इफिसियों 4:11)। जब हम मुक्ति के लिए परमेश्वर के पास आते हैं तो वह हमारे लिए कई अद्‌भुत काम करता है। वह हमारा पिता बन जाता है और हम उसके बच्चें (यूहन्ना 3:1–2, यूहन्ना 1:12,) उसने हमें पाप की गुलामी से बचाया है (गलतियों 4: 4–7) वह हमें अपने पुत्र यीशु के साथ समान विरासत देता है, (रोमियों 8:14–17), हम उसकी दृष्टि में पवित्र के रूप में देखें जाते हैं (रोमियों 1:7), हम मृत्यु से जीवन की ओर चले गये हैं (यूहन्ना 5: 24, 1 यूहन्ना 3:14) हमारे सभी पापों को सदा के लिए माफ कर दिया जाता है (इकिसियों 1:7, कुलस्सियों 1:14,) हमारा परमेश्वर के साथ मेल हो जाता है (2 कुरिन्थियों 5:18–19, कुलस्सियों 1:20,) हमें यीशु के खून से छुड़ाया गया है। (इफिसियों 2:13,) हम कभी भी पाप के लिए न्याय के आधीन नही होगे, (यूहन्ना 5:24, रोमियों 8:1,)। हर आत्मिक आशीष हमारी है (इकिसियों 1:3), हम मसीह में नई रचना बन जाते हैं (2 कुरिन्थियों 5:17, इकिसियो 2:10, 4: 24, कुलस्सियों 3:10), हम उसके साथ हमेशा राज करेगें (प्रकाशित वाक्य 1:6, 5:10, 20:6), हम मसीह में है और वह हम में है (यूहन्ना 14:20), हम पाप के नियंत्रण से मुक्त हैं (रोमियों 6:7, 18–22), हम स्वर्ग के नागरिक हैं (फिलिप्पियों 3:20), और परमेश्वर हमें अपने मित्र कहता हैं (यूहन्ना 16:15–16), कई अन्य चीजें भी हैं, बहुतों की यहाँ सूची है। मै उनका उल्लेख करता हूँ, हालांकि, यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप अद्‌भुत उपहार मुक्ति की सराहना करते हैं। हम बहुत ही खास है बहुत ही धन्य लोग हैं। हमेशा वह सब याद रखें जो परमेश्वर ने आप के लिए किया है और उसकी सेवा करना क्या ही सौभाग्य की बात है। हम सभी लोगो में से अमीर है वह सब के कारण जो परमेश्वर ने हमारे लिए किया है।

पेज–11

परमेश्वर चाहता है कि हम आपकी सब अशीषों का आन्नद ले और वो सब बने जो बनने के लिए उन्होने हमें बनाया है। वह चाहता है कि हम आपने व्यक्तित्व का विकास करें, ईश्वरीय निर्णय लेना सीखें, दूसरों तक पहुँचने और मिलने को स्वंतत्र रहे तथा जिस प्रकार भी हम अपने जीवन में आगे बढ़ सकते है आगे बढ़े। वह हम प्यार करता है और चाहता है कि संसार के निर्माण से पूर्व जब उसने हमें चुना, डिजाइन किया और योजना में लाया था, ठीक उसी तरह उसके सामने बने।(यूहन्ना 14:16) पादरी का कार्य ऐसा नही है जिसे हम अपनी ताकत से पुरा कर सकते हैं, केवल उसकी ताकत में। बिना उसके पवित्र आत्मा की अगुवाई और इस्तेमाल हम वह सब पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकते जो वह चाहता है। इसलिए हमें उसके पवित्र आत्मा में भरे रहने की जरूरत है जैसे उसने हमें इकिसियों 5:18 में आज्ञा दी हैं। आत्मा से भरे होने का मतलब यह है कि हमारे जीवन में ऐसा कुछ भी न हो जो उसे पुरी तरह से हमारा उपयोग करने से और मार्गदर्शन करने से रोके। यहाँ भरने शब्द का अर्थ है नियंत्रण। वह हमें नियत्रंण करने के लिए तैयार है लेकिन वह अपने आप को हम पर बल पूर्वक नहीं होना चाहता। जितना हम अपने आप को उसके लिए खोलेगे उतना ही अधिक वह भरेगा। एलिशा के दिलों में परमेश्वर ने विधवा के सभी खाली पात्रों को भर दिया (2 राजा 4:6) और जो हम उसे देगे वह हम सभी के लिये भर देगा।

पाप और अन आज्ञाकारी (अवज्ञा) परमेश्वर को दु:खी करता और चोट पहूँचाता है (इकिसियों 4:30), आत्मा जो हमें दिखाता और बताता है, उसका पालन न करने का नतीजा होता है कि जो कुछ वह चाहता है हम करे हम नही कर पाते (1 थिस्सलुवीकियों 5:19) परमेश्वर चाहता है कि हम अपने जीवन के प्रत्येक क्षण परमेश्वर की आज्ञकारिता में जीए और उसके आत्मा के द्वारा दिखाई और बतायी गई सब बातों के प्रति संवेदनशील रहे (गलतियों 5:16)। इसका परिणाम यह होगा कि पवित्र आत्मा हमारे दुवारा अपने फलों का उत्पदान करेगा, जिससे हम यीशु की तरह बनेगें। आत्मा का फल प्रेम, आनंद, शांति, धैर्य, दया, अच्छाई, विश्वास, सौम्यता और आत्म–नियंत्रण है। (गलतियों 5:22–23) सभी मसीहियों के लिए सच है, लेकिन विशेष लोगों के लिए महत्वपूर्ण है जो पादरी के रूप में सेवा करते हैं।

ड़ हमें उपहार दिया गया हैं

पवित्र आत्मा के हमें भरने और हमारी अगुवाई करने और हमारी सहायता करने के इलावा जैसे वह सब विश्वासियों को करता हैं, वह उनको उपहार देता है जिन्हे वोह पादरी के रूप में पुकारता है ताकि वह पूर्ण रीति से वह सब कुद जो वो चाहता है करने में सक्षम हो जाये। परमेश्वर हर ऐक को मुक्ति के क्षण आध्यात्मिक उपहार देता है (कुरिन्थियों 12:1–11, रोमियों 12:1–8, इकिसियों 4:11)। यहाँ पर उन सभी मूल आध्यात्मिक उपहारों की सूची है जो परमेश्वर आपने लोगो को देता है।

क भेजे गये तोहफे

प्रेरितः प्रेरित का अर्थ है भेजा हुआ एक दूत।

एक प्रेरित वह था जो यीशु के पुनरूत्थान का प्रत्यक्षदर्शी था। उन्हें व्यक्तिगत रूप से यीशु द्वारा चुना गया था और उनके पास शुरूआती कलिसीया का प्रारम्भ करने के लिए विशेष अधिकार और क्षमता थी। प्रेरितों का उपहार उस पहली पीढ़ी के बाद आगे नहीं दिया गया।

मसीह प्रचारक (मि’’ानरी)

मसीह प्रचार का उपहार वह विशेष क्षमता है जिसे परमेश्वर मसीह के देह रूपी कलिसीया के कुछ सदस्यों को देता हैं, ता कि वह उन सब अध्यात्मिक उपहारों की सेवकाई करें जो उनके पास अन्य संस्कृति से आये हैं जिनकी तुलना में वह अध्यात्मिक उपहार जिन में वह पले बड़े है भिन्न हैं।

सुसमाचार वादः

सुसमाचार का उपहार वह विशेष क्षमता हैं जो परमेश्वर मसीह के देह रूपी कलिसीया के कुछ सदस्यों को देता हैं कि वह मुक्ति के सुसमाचार की प्रभावी ढ़ंग से घोषणा करें ताकि लोग व्यक्तिगत या समूह के रूप में मन फिराने और शिष्यत्व में मसीह के दावों का प्रति उत्तर दे सकें।

<u>पेज नं0–12</u>

सुसमाचार का प्रचारकः

प्रचारक होने का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह के देह रूपी कलिसीया के कुछ सदस्यों को अविश्वासियों के साथ खुशखबरी साझा करने के लिऐ देता है कि पुरूष और महिलाये यीशु के चेले बन जाये।

ख बोलने का उपहारः

ज्ञानः

ज्ञान का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह के देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को बाइबल के तथ्यों का पालन करने और निष्कर्ष निकालने के लिए देता है।

बुद्धिमत्ताः

बुद्धि का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर के मसीह के देह रूपी कलिसीया के कुछ सदस्यों को पवित्र आत्मा के मन को जानने के लिए इस तरह देता है, ताकि वह मसीह की देह रूपी कलिसीया में उत्पन्न होने वाली विशिष्ट आवश्यकताओं के प्रति परमेश्वर द्वारा दिये गये ज्ञान को लगाने के लिए अन्तदृष्टि प्राप्त करें।

f"k{k.k:

शिक्षण का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह के देह रूपी कलीसीया के सदस्यों को देता है कि वह देह रूपी कलिसीया और इसके सदस्यों के स्वास्थ्य और सेवकाई से संबंधित जानकारी के इस तरह से संप्रेषित करे के दूसरे लोग भी इस जानकारी को जान सके और उसे आपने जीवनों में लागू कर सकें।

भविष्यदुवक्ता का उपहार– भविष्यवाणी वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह के देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को देता है कि वह लिखती बचत को स्पष्टता के साथ विशेष स्थिति में सुधार या सम्पादन की घोषित और लागू करें। यहाँ घोषण शब्द का अर्थ है प्रचार करना। यहाँ इसका उस व्यक्ति से उल्लेख नही है जो भविष्य को पूर्व निर्धारित कर सकता है, बल्कि उस व्यक्ति से जो परमेश्वर के वचन का प्रचार करता है।

ग सेवा भावना का उपहारः

सेवाः का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलिसीआ के कुछ सदस्यों को परमेश्वर के कार्यों से संबंधित जुड़ी अतृप्त आवश्यकताओं को पहचान करने तथ उन से उपेक्षित (उपेक्स्त) नतीजों की प्राप्ति के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने के लिए देता है।

दयाः दया का उपहार परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को देता है कि वह उनके प्रति जो शरीरक, मानसिक या भावनात्मक समस्याओं में से गुजरते है, सच्ची सहानुभूति और तरस को महसूस करे और इनको हर्ष से किये गये कामों में तबदील करे जो मसीह के प्यार को दर्शते है और दुख को दूर करते है।

सहायताः सहायता का उपहार परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया को कुछ सदस्यो को देता है कि वह अपने उन प्रतिभाओं (तोढ़ो) को दूसरे सदस्यों के साथ निवेष करने को देता है जिससे वह अपने अध्यात्मिक उपहारों की प्रभावशीलता को बढ़ा सके।

देने का उपहारः देने का उपहार परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्योकं के देता है कि प्रभू के कार्य के लिए खुशी ओर उदारता के साथ अपने भौतिक संसाधनों का योगदान करें।

मेहमाननवाजी (अतिथ्य) अतिथ्य का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को देता हे कि वह भूखे और बेघरों का अपने घरों में गर्मजोशी से सहायता प्रदान करें। इसमें अपनी संपत्ति को जरूरतमंदो के साथ साक्षा करना भी शामिल हो सकता है।

प्रोत्साहन–प्रोत्साहन का उपहार वह विशेष उपहार है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को देता है कि वह दूसरे लोगों के साथ उनकी प्रेरना व मजबूती को महसूस कराने के लिए आराम, सांत्वना, प्रोत्साहन और परामर्श के शब्दों को साक्षा करें ताकि वह अपने आप को जारी रहते के लिए बलवंत और प्रेरित महसूस करे।

घ— **विशेष** उपहार

विश्वासः विश्वास का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को विश्वास करने के अलौलिक (इलाही) क्षमता का उपयोग करने के लिए देता है। बखत सिंह के पास यह उपहार था।

मेल कराने के लिए मध्यस्थता—

मध्यसथता का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को देता है कि वह नियमित समय पर विस्तारित अवधि के लिए बार—बार प्रार्थन करे अपनी प्रार्थना के उत्तर को देखे। आमतौर पर मसीह लोग द्वारा किया जाने वाले अनुभव से ईस अनुभव का दर्जा कही ऊचाँ है।

परखने की योग्यताः परखने की योग्यता वह विशेष उपहार है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को इसकी परख करने को देता है कि क्या कुछ व्यवहार या सत्य परमेश्वर की तरफ से है या मानव और शैतानी।

दुशात्माओं को भगानेः दुशात्माओं को भगाने का अधिकार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को देता है कि वह शैतान के कामों को समझ सके और लोगो के जीवनों में उसको रोक सके।

ब्रहमचर्यः ब्रहमचर्य का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को देता है कि वह शरीरक अतिलाशवों और अकेलेपन सथिती के उपर काबू पाकर अपने अकेलेपन का आनन्द ले।

स्वैच्छिक गरीबीः स्वैच्छिक गरीबी का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को देता है कि वह अपनी भौतिक आराम और विलासता का त्याग करे और जिनकी वह सेवा कर रहे है उनकी जीवन शैली के समान गरीबी को अपनाने जिससे वह प्रभावी ढंग से उनके सेवक बनते है।

शहादतः शहादत का तोहफा वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को देता है विश्वास के कारण दुख उठाने। यहां तक कि मौत को खुशी से एक योद्धा की तरह उठाने जिससे परमेश्वर की महिमा होती है।

ड़ **चरवाहेपन के उपहारः**

सेवक/पादरीः सेवक/पादरी का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीय के कुछ विश्वासियों को समूह के दूसरे विश्वासियों के

आत्मिक कल्याण के प्रति दीर्घकालिक व्यक्तिगत जिम्मेदारी संभालने के लिए देता है।

अगुवाईः अगुवाई करने का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को परमेश्वर के उद्देश्य के अनुसार लक्ष्य निर्धारित करने के लिए देता है और इन लक्षयों को दूसरों तक संचारत करने के लिए ताकि वह इसके नतीजे में परमेश्वर की महिमा के लिए इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए स्वेच्छा और सांमजस्य (मिल जुल के) काम कर सकें।

प्र”ाासनः प्रशासन का उपहार विशेष क्षमता है जिसे परमेश्वर मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ सदस्यों को एक विशेष इकाई के तत्काल और लंबी दूरी के लक्ष्यों को समझने के लिए और इन लक्ष्यों सिद्धि के लिए योजनाओं को तैयार करने को देता है।

च चिन्न का उपहार

चमत्कारः चमत्कारों का उपहार वह विशेष क्षमता है जो परमेश्वर ने प्रेरितों या निकट प्रेषितों को परमेश्वर की शक्ति का शैतान और प्रकृति पर इस तरह प्रयोग करने के लिए दिया था ताकि देखने वाले जान ले कि परमेश्वर प्रेरित मनुष्यों और उनके संदेश को प्रमाणित कर रहा था।

(परमेश्वर अभी भी चमत्कार करता है परन्तु किसी के पास यह उपहार नहीं है ि कवह यहां कही और जब कभी कोई चाहे चमत्कार कर सके। अधिक जानकारी के लिए परिशिष्ट देखे)।

पेज नं0–14

चंगाईः चंगाई का उपहार वह विशेष उपहार है जो परमेश्वर के प्रेरितों या निकट प्रेषितों को परमेश्वर की समाधि को शारीरिक बीमारियों और यहां तक के मृत्यु पर इस तरह उपयोग करने के लिए दिया कि देखने वाले जान ले कि परमेश्वर प्रेरित मनुष्य और उसके संदेश को प्रमाणित कर रहा था। (परमेश्वर आज भी चंगा करता है लेकिन किसी के पास किसी को या सब ठीक करने का उपहार नहीं हैं। अधिक जानकारी के लिए परिशिष्ट देखे।)

जुबानेंः(भाषाऐं) जुबानों का उपहार वह विशेष क्षमता थी जो परमेश्वर ने मसीह के देह रूपी कलिसीयां के कुछ सदस्यों को ही थी कि वह उस विदेशी भाषा में बोले जिसकी बोलने की उनको कोई क्षमता नहीं थी, यह यूहदियों पर आने वाले परमेश्वर के न्याय, जो 70 ई0वी0 में आया, का चिन्न था और इसी के साथ इस उपहार की जरूरत समाप्त हो गई। (अधिक जानकारी के लिए के यह उपहार आज हमारे लिऐ क्यो नहीं है, परिशिष्ट देखें) जुबानों (भाषयों) का व्याख्याः जुबानों की व्याख्या का उपहार वह विशेष क्षमता थी जिसे परमेश्वर ने मसीह की देह रूपी कलीसीया के कुछ लोगों को दिया था कि वह विदेशी भाषाओं की व्याख्या करें जिसकी क्षमता उन में पहले न थी ताकि विश्वासीगण परमेश्वर के अनुक्रम ग्रह के लाभकारी हो, यह खास तौर पर यूहदियों पर आने वाले परमेश्वर के न्याय का, जो 70ई0वी0 में आया, चिन्न था। और इसके साथ ही इस उपहार की जरूरत समाप्त हो गई। (अधिक जानकारी के लिए, कि यह उपहार आज हमारे लिए क्यों नही हैं, परिशिष्ट देखें)।

प्रत्येक विश्वासी के पास इन उपहारों का एक अनूठा समिश्रण हैः

यह मूल अध्यात्मिक उपहार है जिनकी सूची बाईबल में है (1 कुरिन्थियों 12:1–11, 14:1 –18, 37, रोमियों 1:8, इफिसियां 4:11) मुक्ति के क्षण प्रत्येक

विश्वासी उपहारों के एक अनूठा समिश्रण प्राप्त करता है। जैसे तीन रंग पीला, लाल और नीला, घुलने के बाद हजारों रंगों को बनाने का मिश्रित होते है, इसी तरह मूल उपहारों से एक अनूठा संमिश्रण बनाने के लिए एक विश्वासी में मिश्रित किया जाता है। हम में से कोई भी दो पूर्ण रूप से एक नहीं हैं।

परमेश्वर ने मुझे, दूसरे सेवकों/पादरियों की तरह सेवक/पादरी होने के लिए आत्मिक उपहारों से आशियत किया है। ताकि मै ऐसा करने में सक्षम हो जाऊँ उसने मुझे शिक्षण और परामर्श (बुद्धि और ज्ञान) के उपहार भी दिऐ हैं। मुझे

दुष्ट आत्माओं को निकालने का उपहार भी दिया गया है। मेरे पास कुछ प्रशासन क्षमता है जो मुझे परियोजनाओं को व्यवस्थित करने और उन्हे पुरा करने में सक्षम बनाती हैं। मेरी पत्नी के उपहार सुसमाचारवाद, मदद, देने और आतिथ्य के क्षेत्रों में है।

कैसे पता करे कि आप के आध्यत्मिक उपहार क्या हैः मूल रूप से जिन क्षेत्रों में आपको उपहार दिया जाता है वह क्षेत्र है जिन्हे आप पसंद करते हैं और खुशी से करते हैं। कई बार सेवकाई के दौरान दूसरे लोग आपकी सामर्थ के क्षेत्रों को आप से बेहतर देखते हैं। आप जानते है कि सेवकाई के कौन से हिस्से आप को सबसे ज्यादा पसंद आते हैं और आप खुद को उनमें सब से बेहतर पाते हैं। यही वह है। या आपको उपहार दिया जाता है।

च. परमेश्वर हम से क्या उम्मीद करता हैः

परमेश्वर हमें मुक्ति और सेवकाई के लिए चुनता है, वह हमारे दिलों में परमेश्वर और उसके लोगों की सेवा करने की इच्छा डालता है, जिस से मसीह आध्यात्मिक रूप से बढ़ सके। जैसे हम दूसरों की सेवा करनी शुरू करते है, वह हमे पहचानते है और हमारी सेवकाई के प्रयासों का प्रति उत्तर देते हैं। हमे एक ऐसा जीवन जीना चाहिए, जो यीशु के सम्मान और महिमा लाऐ, जो उसके लिये एक अच्छा उदाहरण पेश करें। हम इसे अपनी ताकत से नहीं कर सकते। उसका पवित्र–आत्मा हमें सक्षम होने के लिए भरता है, और हमारा मार्गदर्शन करता है। वह जिन मसीहों की मदद करना चाहता है उनके लिए हमें सेवक/पादरी का दिल देता है। यह सेवक/पादरी होने का अध्यात्मिक उपहार है। इसके अलावा वह हमें अध्यात्मिक उपहारों का एक संमिश्रण देता है। जो हमें सेवक/पादरी के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करने में मदद करता है।

पेज. नं0 15

आपके उपहार क्या है यह जानना अति जरूरी है अगर आपको इसी की जानकारी नहीं है कि परमेश्वर ने आप को क्या उपहार दिए हैं तो हो सकता है कि जो वह चाहता है आप करें तो वह आप नहीं कर रहे हो जब मैं एक नौजवान पादरी था तो वहां पर एक बुजुर्ग पादरी भी था जिसका मैं बहुत सम्मान करता था और प्रशंसा करता था। जैसा वह था मैं उसी तरह का पादरी बनना चाहता था। वह एक बहुत खुशमिजाज व्यक्ति था। । मिलनसार और अधिक बातें करने वाला वह उन लोगों के पास जाने जिनको मैं नहीं जानता होता, और यीशु के बारे में बात करने में बहुत बेहतर था। मैंने उसी तरह बनने की कोशिश की परंतु वह बहुत कठिन था। मैं हमेशा शांत अवसर मिला रहा हूं। मैं अजनबी हूं तक जानने और मुकति के बारे में बात करने में आरामदायक नहीं था, और मैं इसमें सफल नहीं था। क्योंकि मैं उनके जैसा नहीं बन पाया मुझे लगा जैसे मैं एक पादरी के रूप में असफल था। तब परमेश्वर ने मुझे दिखाना शुरू किया कि उसने मुझे उस तरह से पादरी होने का उपहार नहीं दिया था। परंतु उसने मुझे अन्य तरीकों से उपहार दिया था। मुझे हमेशा हवाई बाइबिल का अध्ययन कम करने और उसे दूसरों को सिखाने में बहुत आनंद आया। मेरे शिक्षण की प्रतिक्रिया हमेशा बहुत सकारात्मक रही है। इसके अलावा मैंने पाया कि मैं लोगों को अच्छी सलाह दे सकता हूं और उनकी मदद करने में आनंद पा सकता हूं मेरे पास बातचीत के लिए ज्यादा से ज्यादा लोग आते हैं यह क्षेत्र है यह परमेश्वर ने मुझे उपहार दिए हैं। मुझे सीखना पड़ा कि आपने तुलना अन्य

पादरियों से नहीं करनी चाहिए। मैं किसी दूसरे के उपहारों या चर्च सेविकाओं में ऐसा नहीं कर सकता हूं। मेरी पत्नी सुबह 4रू00 प्रचार करने में महान है लेकिन मेरे लिए अभी भी मुश्किल है इसका मतलब यह नहीं कि जब मेरे पास अफसर होता है मैं लोगों के साथ विश्वास के बारे में बात नहीं करता क्योंकि मैं करता हूं हालांकि मैं अपनी अधिकांश समय ऐसा करने में नहीं बिताता । एक पादरी के रूप में मुझे यह सब करना चाहिए जो एक पादरी को करना जरूरी है लेकिन मुझे उन बातों पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए जो मैं बहुत अच्छी तरह से कर सकता हूं। परमेश्वर ने मुझे मई लोगों ने के एक छोटे समूह के साथ कार्य करने की को उपहार दिए हैं जो परमेश्वर का वचन सीखना चाहते हैं और बैठना चाहते हैं इस प्रकार की कलीसिया है जिसका मैं पादरी हूं प्रत्येक पादरी विभिन्न है कुछ पादरियों को बड़ी का कलीसिया का नेतृत्व करने का उपहार दिया जाता है अन्य और अन्य को अधिक समय प्रार्थना में व्यतीत करने को फिर भी अन्य संगीत और आराधना में अच्छे होते हैं।

कुछ तो जरूरतमंद लोगों की मदद कर सकते है और को कलीसिया शुरू करने का उपहार दिया जाता है फिर भी कुछ पादरी स्थापित की गई कलीसिया उस में बेहतर कार्य करते हैं, कुछ अच्छे शिक्षक हैं दूसरे लोगों के साथ व्यक्तिगत रूप में बेहतर कार्य करते हैं क्रम में से हर एक जन दूसरे से भिन्न होता है परमेश्वर हमें भी ऐसे से हर एक से उम्मीद करते हैं हम पादरी होते हुए उसके दिए हुए उपहारों का प्रयोग करें।

अगर हम अपनी तुलना दूसरों से करेंगे तो हम आ प्रभारी और हतोत्साहित हो जाएंगे। की उम्मीद करता है जो उसने आपको बनाया है। प्रत्येक कलीसिया भिन्न है। कुछ पादरी बहुत ही कल विदाई सेविकाओं और कलियों का नेतृत्व करने के लिए बुलाया जाता है जो बहुत जल्दी बढ़ती हैं। अन्य पादरी कई वर्षों तक एक ही छोटे झुंड के साथ संघर्ष करते हैं। परमेश्वर हमें उस सेविकाओं में उपयोग करता है जहां वह हमें चाहता है। पुष्पा देवी दूसरे के लिए रास्ता तैयार करते हैं जो बाद में आते और फसल काटते हैं।यहां पर जमीन को तैयार करने वाले बीज बोने वाले हैं पौधों को पानी देने वाले और फल की कटाई करने वाले लोग हैं। (कुरिनियियो ३रू५रू६) अगर आप किसी से भी काय जमीन को तैयार करने का बोझ बोने की है तो इस विशेष अधिकार के लिए परमेश्वर का ध्यान धन्यवाद करें।क्योंकि आपकी कलीसिया धीरे–धीरे बढ़ती हैं आप यह मत सोचें कि आप एक विफलता है।

यदि आपके पास तेजी से बढ़ने वाली कलीसिया है तो आप इसका श्रय मत ले। उन लोगों के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें जिन्होंने आपके यहां धोने से पहले जमीन तैयार करने और बीज बोने के कार्य किया। आप उन अन्य पादरियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं और उनकी मदद कर सकते हैं जो उस जमीन को तैयार करने में संघर्ष कर रहे हैं जहां परमेश्वर ने उन्हें रखता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में चर्च के आकार और संख्या पर अधिक जोर दिया जाता है परंतु इस बाइबिल में किसी भी चर्च के आकार को नहीं जानते हैं हम जानते हैं कि वे आत्मक रूप से कितने स्वस्थ थे क्योंकि यह परमेश्वर के सामने मायने

रखता है।हालांकि हम किसी भी प्रकार के चर्च के आकार को नहीं जानते क्योंकि वह उसके लिए महत्वपूर्ण नहीं है। जिस चर्च का में पादरी हूं वह छोटा सा है और वह हमेशा छोटा रहा है मैं 31 साल से वहां पादरी हूं और इसका आकार जब से मैं आया हूं । वही है। लोग दूसरे स्थानों पर चले जाते हैं और नल लोग उनकी जगह लेते हैं लेकिन कुल संख्या लगभग वही रहती है जिसका मतलब यह नहीं कि परमेश्वर ने उस चर्च और उसकी सेविकाओं का आपने उद्देश्य के लिए उपयोग नहीं किया।बहुत से लोगों को प्रशिक्षित किया गया है और विश्वास इयों के इस छोटे से समूह के द्वारा राज्य के लिए कई बड़े कार्यों को पूरा किया गया है। मैं पीछे मुड़ कर देख सकता हूं कि कैसे छोटे बने रहना हमारे लिए उसकी पूर्ण इच्छा थी कुछ पहले साल कठिन थे मुझे असफलता महसूस हुई और मैंने अक्सर इसे छोड़ना चाहा परमेश्वर ने मुझे सिखाया की प्रत्येक पादरी भिन्न है और प्रत्येक कलीसिया भिन्न है। मैंने ध्यान रखा और दृढ़ रहना सीखा।

पेज नंबर 16

यदि आप किसी बुजुर्ग पादरी को उत्तरण सकते हैं और उसे सीख सकते हैं तो यह बहुत मददगार होगा परंतु किसी ऐसे ही जन को दृढ़ जिसकी सेविका ए और जिसके उपहार आपके सेविकाओं और उपहार आपसे मिलते जुलते हो। फिर उसके जैसा बनने की प्रयास ना करें पर आपने उससे जो सीखा है उसे आपकी सेव काय में लागू करें। याद रखें उपहार केवल उपहार है उपहार सबसे महत्वपूर्ण जो मैंने सीखा है कि मुझे आपने विकास और अपनी कीमत को परमेश्वर के दिए गए उपहारों के उपयोग करने की योग्यता से नहीं माना मेरे लिए उस सत्य को महसूस करना महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर मैं नहीं करता तो मैं कैसा सोचना शुरु कर देता हूं।कि किसी भी तरह से मैं जो करता हूं उसके कारण मैं बहुत अच्छा हूं हमारे लिए यह आसान है विशेष रूप से पुराणों के लिए आपने आपको माय ना उससे जो कुछ हम करते हैं बजाए उसके लिए हम क्या है क्या है।एक व्यक्ति के रूप में मैं क्या हूं लैला की है उससे बिल्कुल अलग है कि मैंने परमेश्वर के द्वारा दिए गए उपहारों का प्रयोग करने में क्या सीखा है मैं जो उत्पन्न करता हूं उसके द्वारा नहीं परंतु जो मैं अंदर से हूं उसके द्वारा परिभाषित किया जाता हूं मैं अपनी सेविकाओं के कर्ज कैसे निभाता हूं यह उससे अलग है।जब परमेश्वर मुझे देखता है तो वह मुझे अंतिम उपदेश और परामर्श सत्र से प्रभावित नहीं होता हैउदासर गांव में कुशल था इतना कि उसके पैसों का एक थैला थामने में भरोसा किया जाता था जब यीशु ने कहा कि कोई उसके साथ विश्व बात करेगा तो किसी को आयुदा पर शक नहीं हुआ। अहिरा शायद सबसे अति प्रतिभाशाली और व्यक्ति तत्वों में से एक अकेला था वह बहुत अच्छा काम कर सकता था लेकिन इस मामले में किसी भी चीज का माइना नहीं रहा क्या कर रहा है कोई बाय ना मैं सेविका ए करने में सक्षम हूं क्योंकि परमेश्वर दे मुझे यही करने का उपाय हार दिया है यह सब उसकी कृपा से है। (कुरिनंथियो १५रू१०)! उसकी सहायता के बिना मैं कुछ नहीं कर सकता था जो परमेश्वर करता है मैं उसका श्रेय नहीं लेना चाहता क्योंकि वह उसकी महिमा

को चुराने जैसा होगा (रोमियो 15 और 17) मैं परमेश्वर के उपहारों का उपयोग अपने आप दूसरों को जो परमेश्वर को प्रभावित करने के लिए नहीं

करना चाहता जो कुछ उसने मुझे दिया है और जो कुछ मेरे माध्यम से करता है , उससे खुद का मूल्यांकन नहीं कर सकता हूं इसीलिए अगर आप पर मेरे परमेश्वर के दिए हुए उन उपहार और प्रतिभागियों का उपयोग करने में प्रभावी और कुशल हो रहे हैं बहुत अच्छा है लेकिन इसका श्रेय ना ले जो आप करते हैं उसके कारण आपने आपको बेहतर मत समझे। उसको आपने आत्मिक वृद्धि जा अपनी कीमत का मूल्यांकन करने के लिए उपयोग ना करें।परमेश्वर का धन्यवाद करें कि वह आपको इस्तेमाल करता है और आपके द्वारा यह काम करता हूं परंतु इसका से मत ले वह वही है जो आप पखरमेश्वर के अनुग्रह से करते हुए हैं। ना कि जो आप है उससे। मुझे रोहित अभिषेक गान (रचना) जब मैं पादरी के रूप में अभिषेक किया गया था तो मैंने निम्नलिखित कविता का उपयोग किया क्योंकि यह सब उसका संछेप है जो मैं पादरी होने के बारे में महसूस करता हूं मैं इसको यहां आपके प्रोत्साहन के रूप में शामिल करता हूं। मैं यह नहीं मांगता की धकेल पर भी ना पड़े उस खड़े कमरे की कीमत लगाएं मैं केवल यही मांगता हूं कि जैसे ही मैं संदेश सुनाओ बे मसीही को देखें। मैं कलीसिया धूमधाम और लीला नहीं मांगता यहां उस संगीत को जिस केवल धन खरीद सकता हूं मैं केवल यही मांगता हूं कि जब मैं संदेश सुनाऊं तो वह नजदीक हो। मैं नहीं मांगता कि लोग मेरी प्रशंसा गाय और सुर्खियों में मेरा नाम विदेशों में तालियों मैं केवल यही प्रार्थना करता हूं कि जब मैं संदेश सुना हूं दिल परमेश्वर से मिल जाए। मैं सांसारिक जगहिया प्रतिष्ठा नहीं मांगता यह इस संसार की प्रतिष्ठा का कोई भाग मैं केवल यह मांगता हूं कि जब मैं संदेश सुनाओ मेरे उउद्धार करता का दिल।

पेज नंबर 17

परमेश्वर क्या उम्मीद करता है? परमेश्वर प्रत्येक पादरी से उम्मीद करता है कि वह उसके दिए हुए उपहारों का उपयोग करें ना कि खुद की तुलना दूसरों से करें या किसी और की तरह बनने की कोशिश करें। परमेश्वर आपसे उम्मीद करता है कि आप जो हैं वही बने। परमेश्वर आपसे सबसे बड़ी या सबसे तेज भरने वाली कलीसिया की उम्मीद नहीं करता है। वह आपसे किसी दूसरी कलीसिया जैसे होने की उम्मीद नहीं करता है वह आपसे यह उम्मीद नहीं करता है कि आपके पास सभी उपहार हो, परंतु वह यह उम्मीद करता है कि जो उपाय आपके पास हैं आप उनका उपयोग करें। इसलिए सुनिश्चित करें कि आपको पता है कि आप को क्या उपहार दिए गए हैं और आप से कई के उस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करें। इसके बारे में सोचो परमेश्वर ने आपको कौन से आत्मिक उपहार दिए हैं? आप अपनी क्षमताओं के अनुसार उनका उपयोग करने के लिए क्या कर रहे हैं? आप अपने उपहारों का बेहतर उपयोग करने के लिए क्या कर सकते हैं? क्या वहां कोई ऐसा व्यक्ति या कलीसिया है जिसे आप अपनी तुलना करते हैं या ईशा करते हैं? आप उनसे क्यों ऐसा करते हैं? आप उनसे क्या सीख सकते हैं? आप ऐसा करना क्या आपको असंतोष करता है यहां पर परमेश्वर ने आपको रखा है? २ टी यू वी यूज २रू३–७ पर यह। बने रहना (टिके रहना) का अर्थ है बुरे उपचार को सहन करना पूर्व रामपाल उसका रहा है कि पादरी अफसर कठिनाइयों और मुश्किलों का सामना करते हैं। परमेश्वर क्यों हमारी सब परेशानियों को दूर नहीं करता और हमारे जीवन को आसान बनाता है। पाल उस एक पादरी होने को एक सिपाही होने के बराबर ठहराता है (आयात 3) कुछ समानता है क्या है? पौलुस पादरियों के लिए एक सिपाही से क्या सबक बनाता है (आयत 4)? पौलुस एक पादरी होने का एक बाय मी होने के बराबर ठहर आता है (आयत 5) पॉलिश एक पादरी होने को एक किसान होने के बराबर ठहरा ता है (आयत ६) आयत ७ पढ़िए और इस हिस्से के बारे में कुछ समय सोचने में व्यतीत करें। परमेश्वर से मांगे कि वह आप को अंतर्दृष्टि दे। जो कुछ आपको दिखाता है उसे लिखे। इन आयतों के बारे में सोचो और परमेश्वर इन के माध्यम से क्या सिखाना चाहता है? परमेश्वर से प्रार्थना करें और

उसके दिए हुए उपहारों के लिए धन्यवाद करें। उससे कहे कि जो कुछ आप कर रहे हैं उस के माध्यम से उसकी सेवा करने में आपकी सहायता करें। पेज नंबर 18 दो परमेश्वर हमसे आत्मिक ता में बढ़ते रहने की उम्मीद करता है इस अध्याय में प्रस्तुत विचाररूपरमेश्वर प्रत्येक पाजी से यह उम्मीद करता है कि वह अपने विश्वास में बढ़ते रहें,अपने विचारों और कार्यों में यीशु की तरह अधिक बने। बच्चे पैदा होने पर छोटे और असहाय होते हैं, लेकिन वह उस तरह से बहुत लंबे समय तक नहीं रह सकते हैं। तुरंत वह बढ़ने लगते हैं और खाते हैं, रिंगटोन और चलना सीखते हैं। साल दर साल वह बढ़ते जाते हैं। अगर वह नहीं बढ़ते हैं तो इसका मतलब कुछ गड़बड़ है (गलत)क्योंकि वरना पैदा होने के बाद एक प्राकृतिक परिणाम है। यह जानवरों और पेड़ पौधों में भी सच है। यही मशीन के लोगों का भी सच है। यदि कोई नया मशीन नहीं बढ़ता है परंतु अपरिपक्व, कमजोर और असहाय रहता है तो यह इसका संकेत है कि कुछ तो गलत है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आप जिसको एक छोटा बालक देखते हुए बात कर रहे हैं वह वास्तव में 30 वर्ष का है? आप बहुत जल्द समझ जाते हैं कि कुछ सही नहीं है। यहां पर लोग हैं जो कई वर्षों से मशीन है परंतु उनके विश्वास में कभी विकास नहीं हुआ। यह वह नहीं जिसकी परमेश्वर उम्मीद करता है। वह सभी मशीन लोगों से मजबूत होने की उम्मीद करता है विशेष पादरियों से। का परमेश्वर क्या उम्मीद करता है परमेश्वर हम से आत्मीयता में बढ़ने की उम्मीद करता हैरूपहले अध्याय में हमने देखा कि परमेश्वर हमें सेब काय के लिए चुनता है, बुलाता है,उपहार देता है और भरता है। एक पादरी के रूप में सेवा करना एक विशेष अधिकार और सम्मान की बात है। कभी–कभी यह सोचने की आजमाईश होती है कि आत्मिक परिपक्वता के स्तर पर दूसरों से ऊपर पहुंच गए हैं और इसलिए अपने विकास को बढ़ने से रोक कर दूसरों को बढ़ने में मदद करने में अपना ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। यह सच नहीं है। परमेश्वर हमें बढ़ते रहने की उम्मीद करता है। (१ पतरस २,१–३)

वह हमें अपने सेव काय के लिए कि हम बढ़ चुके हैं। वास्तव में,वह अक्सर हमारे विश्वास को फैलाने और अधिक आत्मिक विकास लाने के लिए अपने उपकरण के रूप में सेव काई का उपयोग करता है। कुछ लोगों के लिए यह स्वस्थ समस्याएं हो सकती हैं जिन्हें परमेश्वर उपयोग करता है, या आर्थिक मुद्दे या रिश्तो की मुश्किलें। लेकिन उन लोगों के लिए जो पादरी हैं,परमेश्वर पादरी होने की शिव

का इसको हमें यीशु की तरह बनाने की उसके तरीके के रूप में उपयोग करता है। मैं अफसर सोचता हूं कि परमेश्वर मुझे मेरी कलीसिया की परिपक्वता से बढ़कर मेरी कलीसिया का मेरी प्रवक्ता के लिए उपयोग करता है। पादे होने की कठिनाइयों और दिल दिल के दर्द,चुनौतियों और निराशा ने मुझे मेरी कलीसिया और मेरे जीवन में,और भरोसा रख कर काम करने का अवसर दिया है। मेरे आत्मिक उपहारों में शिक्षण और परामर्श शामिल है। मैं अपनी कलीसिया में लोगों की सहायता करना और उन को शिक्षा देने को प्यार करता हूं और विराट यह एक छोटी कलीसिया है और लोगएक दूसरे को भली–भांति जानते हैं। मेरे लिए उन लोगों का समूह को जीने मैं नहीं जानता बात करना मुश्किल होता है। मेरे लिए यह बहुत ही आ सुविधाजनक होता है और मैं वास्तव में इसे करने के लिए परमेश्वर के अनुग्रह की आवश्यकता होती है मुझे ज्यादा यात्रा करना भी अच्छा नहीं लगता है मैंने कभी नहीं किया।मुझे अपने घर में रहना और छोटे शहर में रहने में आनंद आता है। परंतु इससे दूर जाने में मुझे आनंद नहीं आता है परंतु जब परमेश्वर किसी को भारत में पादरियों के साथ काम करने के लिए भेजने के लिए तलाश कर रहा था, उसने मुझे चुना! मुझे ही क्यों? किसी ऐसे को क्यों नहीं जिसको यात्रा करना और नए लोगों के समूह से बातचीत करना अच्छा लगता है। यह इसलिए नहीं था कि मैं दूसरे की तुलना में यह काम करने के लिए उनसे ज्यादा सक्षम था,लेकिन वह जानता था कि मेरे विश्वास की फैलाए जाने की आवश्यकता है। वह जानता था कि मुझे उस पर भरोसा करने की जरूरत है इसलिए उसने मुझे भारत में 4 बार आने के लिए चुना। भारत में मैं उन लोगों के कई समूहों से बात करता हूं जिन्हें मैं नहीं जानता। यह मेरे लिए आसान नहीं रहा। यह बहुत कठिन है। लेकिन परमेश्वर मुझे सिखा रहा है कि उसका अनुग्रह मेरे लिए काफी है (२ कुरीतियों १२रू६)पादरी होने के कई हिस्से हम सब के लिए मुश्किल हैं और विराम जो मेरे लिए आसान है यह हो सकता है आपके लिए कठिन हो और जो आपके लिए आसान है वह किसी दूसरे के लिए कठिन हो

परमेश्वर हमारे विश्वास को बढ़ाने में मदद करने के लिए कठिन भागों का उपयोग करता है और उसकी सामर्थ्य पर निर्भर होना सीखते हैं। यदि हम अपने बल पर कुछ कर सकते हैं तो हम मदद के के लिए उस पर निर्भर नहीं होंगे,परंतु अगर किसी कठिन समय के साथ हैं तो हम उस पर निर्भर करेंगे। यही है जो पॉलिश कहता है कि वह कमजोर होता है (अपनी सामर्थ्य) तो वह बलवान होता है (परमेश्वर असमर्थ) (२ कुर्तियों १२रू१०)दूसरों के लिए पादरी होने का मतलब यह नहीं है कि हम अपने आत्मिक विकास को अनदेखा करें। इसके बजाय,परमेश्वर पर अपना विश्वास और निर्भरता बढ़ाते रहना सबसे महत्वपूर्ण है। इससे पहले कि हम अपने लोगों के आत्मिक स्वास्थ्य के बारे में चिंतित हो सके,हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परमेश्वर के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं और हमारा संबंध घनिष्ठ और निकट होता जा रहा है। परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसका सम्मान करें और उसकी आज्ञा को माने

परमेश्वर के साथ रिश्ता हमारे लोगों के साथ जहां तक कि हमारे परिवार के साथ रिश्ते से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। वह वही है जिसकी हम सेवा करते हैं वह वही है जिससे हमें अपनी सोच सोच और कार्य के द्वारा खुश करते हैं। यह वही हमारा प्राथमिक कर्तव्य है सबो प्रदेश अप 12 13हम अपने लोगों से यह करने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं अगर हम खुद ऐसा नहीं नहीं कर सकते अगर हम खुद ऐसा नहीं कर रहे हैं जब तक हम उनके आगे उस रास्ते पर नहीं चलते, हम उन्हें नहीं दिखा सकते कि कैसे बढ़ना है। परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसके द्वारा दूसरों को प्रेम करें यह सम्मान और आज्ञा पालन हमारे द्वारा किए जाने वाला कोई दिखावटी काम नहीं है। कोई भी पाखंडी ऐसा कर सकता है। यह हमारे दिल से होना चाहिए। यह हमारे उसके और दूसरों के प्रति प्रेम से आना चाहिए। मती 20,36.40 प्रेम तभी विकसित होता है जब हम प्रत्येक दिन परमेश्वर से बात करने और उसको सुनने में समय बिताते हैं। परमेश्वर कभी भी हमें अब इतने व्यस्त नहीं बना बनाता है कि हम उसके साथ प्रत्येक दिन विशेष समय बिताएं। उसने हमें इसलिए बनाया है क्योंकि वह हम से प्रेम करता है और हमारे साथ एक रिश्ता रखना चाहता है। वह हमें करने के लिए

इतना काम नहीं देता है कि हमारे पास उसके लिए समय ही ना हो परमेश्वर हमें सप्ताह के सातों दिन और दिन के 24 घंटे समय देता है। वह हमें इससे ज्यादा काम करने को नहीं देता है जितना हम उस समय में कर सकते हैं जो हमारे पास है। अगर हम इतने व्यस्त हैं कि हम परमेश्वर के साथ समय नहीं बिता सकते तो हम बहुत ऐसे काम कर रहे हैं जिनकी उम्मीद नहीं करता और बहुत सी ऐसी चीजों को नजरअंदाज कर रहे हैं जिनकी हम उम्मीद नहीं करता है। और बहुत सी ऐसी चीजों को नजरअंदाज कर रहे हैं जिनकी हम उम्मीद करता है । वह हमसे उम्मीद करता है कि हम उसके साथ और अपने परिवार के साथ भी समय बिताएं। परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसके प्रति वफादार बने पाल उसने दी थी उसकी चेतावनी दी थी कि पादरी बनना आसान नहीं होगा एक लड़ाई होगी। (तीमुथयुस 1,18.19) पायल उसने उसे वफादार बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया उसने खुद को किसी ऐसे व्यक्तित्व के उदाहरण के रूप में इसने माल किया जिसने महेश के कारण सब कुछ छोड़ दिया था और वफादार बना रहा यह मेरी इच्छा है मुझे यकीन है कि यह आप की भी इच्छा होगी कि जब मैं अपने जीवन के अंत में आओ तो यह कहने के काबिल रहूं। हम हमेशा परिपूर्ण नहीं होते और हमारे पास संघर्ष और असफलता का समय होता है कोमा लेकिन जब जब हम अपने पापों को स्वीकार करते हैं परमेश्वर हमें माफ करता है और हमें बाहर करता है(पहुला १रू६)१ परमेश्वर हमें इस जीवन में और अंत काल के लिए आशीष देने का वादा करता है जब हम उसके लिए वफादारी से जीते हैं तिमोथी पादरी होते हुए कई बार ऐसा ऐसा सोचते हैं कि हमें उन समस्याओं और कठिनाइयों की छूट होनी चाहिए जो दूसरे के जीवन में आती है वह सच नहीं है। कभी—कभी हमें बहुत कठिन समय का सामना करना पड़ता है ताकि हम दूसरों के लिए एक उदाहरण बन सके और इसीलिए हम आप अपने अनुभव से जान सकते हैं कि उसकी कृपा पर्याप्त है। एक नौकर अपने स्वामी से बेहतर नहीं होता, और उन चीजों में से जाने से वही छूट जाता है जिनमें से उसका गुरु होकर गुजरा हो (यहूनना 13.16,15.२०, लुका 6.40) परमेश्वर हमसे वादा करता है कि वह उन सभी चीजों में से परम भलाई निकालेगा (रोमियो 8.28) और हमें मई की तरह बनने के लिए काम करेगा।

(फिलिपिपयो 1.5—6) क्या आप अपने पिछले जीवन को देख सकते हैं और जान सकते हैं कि परमेश्वर कैसे काम कर रहा है। क्या आप अपने विश्वास में वृद्धि को पहचानते हैं जो जीवन के संघर्ष के बावजूद इमानदारी से उसकी सेवा करने

में आई है। आपके और मेरे लिए परमेश्वर का लक्ष्य में एक आदर्श कलिसीयो के साथ आसान जीवन देना नहीं है। उसका उद्देश्य में यीशु की तरफ बनाना है। उसको कलीसिया में हमें पादरी बनाने की जरूरत नहीं है, वह हमारे बिना अभी यह कर सकता है। हमें अपनी कलीसिया ओं की जरूरत है कि वह हमें यीशु की तरह बनाने में हमारी सहायता करें। हमारी कलसियाम में लोगों की गिनती और गतिविधियों से कहीं ज्यादा उसके हमारे और उसके बीच रिश्ते वृद्धि में अधिक रुचि है।

पेज नंबर २०

परमेश्वरी है क्यों उम्मीद करता है कि हम उसकी नजदीकी में बड़े फिल्मों में मेरा पसंदा हिस्सा है। जब मैं अपने सेविका ने शुरू की हैं मैं परमेश्वर के साथ अपनी नजदीकियां आत्मीयता को बढ़ाना चाहता हूं। मैंने उसे बेहतर जानना चाहा मैं उसको जानना जानना चाहता हूं ना कि उसके बारे में अधिकार परमेश्वर के बारे में अधिक जानना कोई कठिन काम नहीं है परंतु उसको बेहतर व अधिक जानने और उसके साथ अपनी नजदीकियों को बढ़ाने में समय और प्रयास लगाता है। उसने हमें ऐसी इसी लिए बनाया है। उसे यह जरूरत नहीं कि हम अपने अपने काम करें वह हमारी सहायता के बिना कुछ भी कर सकता है जो वह चाहता है पूर्णविराम वह जो चाहता है वह है हमारा प्रेम और हमारी उसकी साथ नजदीकी। जब मैं अपने अतीत जीवन में झांकता हूं तो देखता हूं कोई परमेश्वर धीरे–धीरे परंतु निश्चित रूप से मेरी प्रार्थना कर उत्तर दे रहा है। उसने मुझे भावनात्मक नजदीकी सिखाने के लिए मेरी पत्नी और बच्चों का उपयोग किया। वास्तविक नजदीकी विकसित करने के लिए गुणवत्ता और मात्रा दोनों में समय लगता है यह हर रिश्ते की सच्चाई है हा परमेश्वर से हमारे रिश्ता भी इससे शामिल है। हमें विनम्र और भरोसेमंद होना चाहिए पादरी के लिए अपनी कलीसिया के कार्य में इतना व्यस्त होना आसान है कि वह परमेश्वर के साथ अपना व्यक्तिगत समय निकालेगा और नजरअंदाज करें हम सोच सकते हैं कि हम जितने व्यस्त हैं और जो हम करते हैं परमेश्वर उससे प्रभावित होता है परंतु ऐसा नहीं करता है। उसको हमारी जरूरत है और वह जानता है कि हमें इसकी जरूरत है। मैं आया है कि परमेश्वर के साथ नजदीकी का कोई विकल्प नहीं है जब उसका आत्मा मेरे पास सेविकाओं को आता है तो प्रार्थना आराधना में बिताया गया समय उसके साथ मीठी सहभागिता 1 जाती है जिसकी अभिलाषा में किसी भी चीज से ज्यादा करता हूं। उसके साथ व्यतीत किया गया मेरा समय केवल कार्य हो तो मुझसे नहीं होता क्या कब और कैसे करें यह संबंध के बारे में होना चाहिए कि मेरे लिए उसकी

आवश्यकता उसके लिए मेरा प्रेम और आराधना विवाह में भी ऐसा ही है जब हमारी बातचीत केवल किसी लक्ष्य की पूर्ति के लिएअपने प्यार और उनकी प्रशंसा को समझा करते हैं और बदले में उन्हें हमसे प्यार करने देते हैं, नजदीकी ऐसे ही नहीं बन जाती। इसके लिए काम करना पड़ता है। इसका मतलब हुआ कि हम दूसरों दूसरे सब कामों से हमने इसकी प्राथमिकता पर रखना होता है। इसके बिना जीवन खाली है। इसके बिना हम सिर्फ गलतियों से गुजरते हैं। इसके बिना नतीजे के तौर पर हम अपने आप को जला हुआ और किसी पापी विकल्प का पीछा करते हुए पाते हैं। परमेश्वर के साथ निकटता का कोई सरल सूत्र नहीं है। यह कुछ ऐसा होना चाहिए जिससे हम किसी और चीज से अधिक चाहते हुए नहीं चाहते हैं नहीं तो यह नहीं होगा। इससे समय कौन भेजता और विनम्रता लगती है। लेकिन यह निश्चित रूप से इसके लायक है। स्वर्ग ऐसे ही होगा। यह पृथ्वी पर स्वर्ग का स्वाद है। कीनन हम स्वर्ग में परमेश्वर की सेवा करेंगे, लेकिन यह उनके साथ सच्ची नजदीकी और आधारित होगा। तब तक का इंतजार क्यों करें जब हम इसका अनुभव अभी कर सकते हैं। परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम आध्यात्मिक रूप से बढ़े। यदि हम मजबूत और स्वस्थ नहीं है तो हम अपनी भेड़ों को मजबूत और स्वस्थ बनाने में मदद नहीं कर पाएंगे पूर्णब्रह्म हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि हम खुद को परमेश्वर के करीब रखें और उसके साथ समय बिताएं। परमेश्वर अपने लोगों के लिए और विशेष रूप से जो उसके अगुवा हैं उनके मानक का ध्यान रखता है वह हमारी आर्थिक संघर्ष का उपयोग करता है तो कि हम देखें कि वह हमारे लिए मुहैया कराता है वह हमारी आलोचना करने की गलत सोचे जाने और चोटिल होने की इजाजत देता है कि हम उसके पास चंगाई के लिए जाएं। हमारे सामने बड़े बड़े मुद्दे आते हैं तो कि हम उस पर निर्भर होना सीखे पूर्व वह इस सब के पीछे ही क्योंकि हम से बढ़ते रहने की उम्मीद करता है।

पेज नंबर 21

गा बढ़ते कैसे रहे परमेश्वर के अनुग्रह पर निर्भर करो विकास कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे हम खुद अपने अंदर पैदा कर सकते हैं। यह तब आता है जब उसका आत्मा सेविकाओं के लिए हमारे पास आता है जब हम उस पर विश्वास करते हैं और उसका पालन करते हैं। है उसका अनुग्रह है जो सब कुछ लाता है दो कुर्तियों यह ऐसा कुछ नहीं है जिसका शहर हम ले सकते हैं परमेश्वर का वचन सीखें परमेश्वर को बेहतर जानने की रहा है परमेश्वर के वचन को बेहतर तरीके से जानना। बाहुबल हमारी सब जरूरतों का उत्तर देता है भजन संहिता पादरी होते हुए वह हमारा साधन है, हमारा आत्मिक भोजन है हमारा सब कुछ है। हम इसके बारे में 5 अध्याय में अधिक विस्तार से बात करेंगे परमेश्वर से बातचीत करना प्रार्थना केवल वही क्रिया नहीं है जो हम सेविकाओं से पहले करते हैं यह सेव काय का अति महत्वपूर्ण हिस्सा है प्रार्थना के दरमियान की जंग जीते और हारे जाते हैं अक्सर लोगों को अपने आप से दूर भेजा था कि वह प्रार्थना में समय बिता सके। वह सुबह जल्दी उठ जाता था। अगर उसे परमेश्वर से बातचीत करने की आवश्यकता थी तो हमें निश्चित रूप से उतना ही आवश्यक है। प्रार्थना केवल परमेश्वर को यह बताने के लिए नहीं है कि वह हमारे लिए क्या करें। वह उससे उससे कहीं ज्यादा है। यह तब होता है जब हम उसकी उपस्थिति का आनंद लेते हैं और उसकी उपस्थिति में समय व्यतीत करते हैं। यह तब होता है जब नजदीकी बढ़ती है किसी को अच्छी तरह से जानने में समय लगता है इसीलिए हमें परमेश्वर को बेहतर जानने के लिए उसके साथ समय बिताना चाहिए। वायरल बताती है कोमा हमारे पास है नहीं क्योंकि हम मांगते नहीं याकूब 4.23 परमेश्वर कहता है जब हम मांगे तब हम प्राप्त करेंगे,

(लूका 11.9–10) परमेश्वर की आवाज सुनना प्रार्थना पर बहुत सारी कविताएं उपलब्ध है इसीलिए मैं यहां इसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं बोलूंगा। हाल हाला की प्रार्थना का एक और पहलू है जिसमें मैं अधिक विस्तार में जानना चाहूंगा। वह है परमेश्वर की आवाज को सुन ना पूर्णविराम बहुत वर्ष मैंने परमेश्वर की आवाज को सुना और सीखा है जैसे वह मुझे बोलता है एक व्यक्तिगत अध्ययन के माध्यम से जो कुछ मैंने सीखा है मैं उसका कुछ हिस्सा यहां साझा करना चाहता हूं। क्योंकि मैं महसूस करता हूं कि यह पादरियों के लिए महत्वपूर्ण है, प्रार्थना करना परमेश्वर को सूचना देना नहीं है। क्योंकि वह सब कुछ पहले से जानता है। यह परमेश्वर को बताना नहीं है कि वह क्या करें, वह जानता है, की उत्तम क्या है, प्रार्थना का उद्देश है परमेश्वर के साथ जोड़ना और उसके साथ रिश्ते बढ़ाना। जैसे हर रिश्ते में होता है। इसका मतलब है दोनों का बोलना वह सुनना। जब मैं अपनी पत्नी के साथ होता हूं केवल मैं ही बोलता जाऊं उसकी बिल्कुल ना सुनो तो हमारा रिश्ता नही बढ़ रहा है । पादरियों के लिए और पतियों के लिए महत्वपूर्ण है कि वह अच्छा सुनने वाले हो जब हमारे लोग बात करते हैं तो हमें सुनना चाहिए, परंतु इससे भी ज्यादा जब परमेश्वर बात करता है तो हमें सुनना चाहिए। वास्तव में परमेश्वर को अधिक सुनना प्रार्थना में परमेश्वर को बताने से ज्यादा महत्वपूर्ण है तो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण क्या हुआ जो हम परमेश्वर से कहते हैं या जो परमेश्वर हमसे कहता है। वक्त सिंह एक ऐसा ऐसा व्यक्ति है जिसका मैं लंबे समय से सम्मान करता हूं। उनके जीवन का मेरे जीवन पर बहुत प्रभाव है। उनके जीवन का एक सबक है प्रार्थना का महत्व। वह प्रार्थना में घंटों तक दिन भी बिता देता है। अक्सर वह हमारी सारी रात जाग कर प्रार्थना करता है। उसने जो कुछ परमेश्वर को बताना होता था करने के लिए उसके लिए इतने समय की जरूरत नहीं थी उसको परमेश्वर को सुनने के लिए इतने समय की जरूरत होती थी वह जानना चाहता था कि परमेश्वर उसे क्या करने और क्या प्रचार करने के लिए कहना चाहता है इसीलिए जो कुछ वह करता था उसके पीछे परमेश्वर का सामर्थ्य था क्योंकि उसने परमेश्वर को यह कहता सुनने में समय व्यतीत किया था जो परमेश्वर चाहता था कि वह करें परमेश्वर को सुनने के लिए हमें यह जानना जरूरी होगा कि उसकी आवाज कैसी है।

पेज नं0 22

कभी–कभी बड़ी भावनाओं या अलौकिक घटनाओं के साथ परमेश्वर की उपस्थिति और प्रकाशन को बराबर समझाते हैं । 1राजा 19;11.13 परमेश्वर के लिए यह कौशिक आया कि उसकी आवाज कैसी है। वह भूकंप, तेज हवा यह स्वर्ग से आग में नहीं था। परमेश्वर धीमी और छोटी आवाज में बोला। वह हमसे वैसे ही संत स्वभाव स्वर्ग में बोलता है। पेज नंबर वाइज मेरे लिए परमेश्वर की आवाज कुछ ऐसा नहीं जिसे मैं अपने कानों से सुनता हूं कोमा परंतु आपने आत्मा से। यह मेरी आत्मा के अंदर एक गहरी छाप है। एक ऐसा विचार जिसका मुझे पता है कि वह परमेश्वर का है प्रोग्राम यह भावनात्मक नहीं है और ना ही किसी बड़े अनुभव का हिस्सा है। यह एक विचार है जिसे मैं अपने अंदर उसकी तरफ से आते हुए होने की मानता देता हूं। जब मैं सोचता था कि वह सिर्फ मेरा अपना विचार है तो मैं इसे अनदेखा करता था

लेकिन जब से मैंने सीखा है कि यह परमेश्वर का मुकाम से बात करना है, मैं जानता हूं कि मुझे इनको सुनना और इसका पालन करना अति आवश्यक है। हो सकता है कुछ ऐसा ही जिस आप अभी तक नहीं पहचानते कोमा लेकिन ध्यान से सुने और परमेश्वर से मांगे कि उसका बोलना क्या है और आप इस पहचानना शुरू कर देंगे। जैसे किसी भी रिश्ते में, किसी की आवाज को जानने में समय लगता है। मैं अपनी पत्नी को बहुत जल्दी पहचान सकता हूं और उसकी आवाज के लिए हाई जैसे जान सकता हूं कि वह क्या सोच रही है, और क्या महसूस कर रही है। जब हम परमेश्वर की आवाज को पहचानना सीखते हैं, यह तो यही बात सच साबित होती है। कई साल पहले एक दिन एक जोड़े की शादी होने वाली थी जिनके साथ में काउंसिलिंग करता आ रहा था। पति जी अपने जीवन में पाप के साथ कुश्ती लड़ता आ रहा था और ऐसा लगता था कि उसने उस पर जीत हासिल कर ली हो तब तक की जब शादी से 1 दिन पहले मुझे पता चला कि वह फिर पाप में गिर चुका था। शादी के लिए बहुत

बड़ी योजनाएं बनाई गई थी और दुल्हन उनके साथ आगे बढ़ना चाहती थी पर मैंने अपने अंदर परमेश्वर को

बोलते सुना कि मैं इनकी शादी ना करूं मैंने उसकी आज्ञा का पालन किया और उनसे कहा मैं यह शादी नहीं करूंगा। मेरे साथ बहुत परेशान थे, और उन्होंने किसी और को दृढ़ और शादी करवा ली लेकिन शादी अच्छी तरह रही बहुत जल्दी उनका तलाक हो गया। परमेश्वर की आवाज का पालन करना हमेशा आसान नहीं है पर यह हमेशा महत्वपूर्ण है। कभी–कभी परमेश्वर की आवाज हमारे मन में विचार पैदा करती हैं। क्या तुमने कभी अचानक एक बहुत अच्छा विचार प्राप्त किया की है, ऐसा विचार जो आपके दिमाग में बस गया हो। यह अच्छा लगता है और आप जान जाते हैं कि केवल यही समाधान है जिसकी आप तलाश करते आ रहे हैं और जिस विचार की आपको आवश्यकता है यह परमेश्वर का बोलना है वह हमारे दिमाग में विचार डालता है परमेश्वर को आत्मा हमारे मनों में परमेश्वर के विचार डालता है यहून्ना 2; 22 14;26

किसी संदेश की योजना बनाते समय या किसी की काउंसलिंग करते समय मुझे परमेश्वर की बुद्धि व ज्ञान की आवश्यकता होती है। जब मैं भारत आता हूं तो मुझे परमेश्वर को सुनते समय व्यतीत करना जरूरी है, मुझे क्या बात करनी है उसके प्रति उसका मार्गदर्शन खोजते हुए। मेरे अपने दम पर में पादरियों के सम्मेलनों की योजना और अगुवाई करने में सक्षम नहीं हूं। मैं कौन हूं, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक पादरी, जो भारत में पादरियों के साथ बात करने के लिए जाऊं जो अपनी सेवाएं में कठिनाइयों का सामना करते हैं जो मेरे सामने कभी भी नहीं आएंगे। मैं संभवत कोमा उनसे क्या कहा कह सकता हूं जिस समय वह मेरे पास मुझसे सुनने के लिए आते हैं उसका मैं कैसे अच्छा उपयोग कर सकता हूं मैं ऐसा नहीं कर सकता कोमा लेकिन परमेश्वर उनकी जरूरतों को जानता है और इसीलिए मेरी अगुवाई करता है कि मैं क्या बोलूं और कैसे बोलूं। जैसे मैं बोलता हूं वह मुझे अपने सच बोलने के लिए सही शब्द देता है जब मुझे भारत के चर्च में शाम की आराधना या रविवार को बोलने के लिए अनुमति आमंत्रित किया जाता है तो मुझे परमेश्वर से पूछना जरूरी है कि मैं किसके बारे में बोलूं और क्या संदेश देता हूं। मैं लोगों की जरूरतों के बारे में जानने की कोशिश करता हूं फिर मैं प्रार्थना करता हूं और उसकी अगुवाई के प्रति संवेदनशील होता

हूं, मैं उसकी आवाज को सुनता हूं जैसे वह मुझे उस सभा में बोलने के लिए विचार देता है मैं संदेश प्रभारी होने का एकमात्र कारण है कि परमेश्वर मेरी अगवाई करता है कि मैं क्या बोलूं तन मेरी मदद करता है कि मैं उसकी सच्चाई के किन शब्दों में पेश करूं परमेश्वर की

मीठी धीमी आवाज हमारे मन के विचार को और दिल के भावनाओं को बयां करती हैं। इसकी वजह कि वह एक विचार होगा यह उस से बढ़कर हमारे दिल के अंदर एक मजबूत इच्छा या भोज होता है (लुका 24;32, भजन संहिता 39;1–3) यह सिर्फ एक भावनात्मक एहसास नहीं कमा पर हमारे अंदर एक हलचल है कोमा कुछ करने की गहराई इच्छा पूर्ण ब्रह्म कुछ ऐसा हो सकता है जिसके बारे में प्रार्थना की जाए या किसी से बातचीत की जाए। यह समाचार के साथ किसी ऐसे क्षेत्र में पहुंचाने का बोध हो सकता है यह अभी तक कोई नहीं पहुंचा है या फिर आपकी सेविकाओं मैं कुछ नया करने की इच्छा हो सकती है। जैसे मैंने अध्याय में कहा, मुझे यात्रा करना पसंद नहीं है। मुझे अपने घर में रहना और कल सेनाओं के उन लोगों को सिखाना जिन्हें मैं जानता हूं पसंद है हर साल एक प्रचारक उद्देश वादी जिसकी हमने सहायता की हो हमारी कलसियाम में आता है और भारत में काम के लिए बारे में बताता है हर बार वह मुझे भारत आने और वहां से पादरियों को सिखाने के लिए कहता है। मुझे नहीं पता वह और किसी को कहता जो मुझे कहता, परंतु हर साल में उसे ना कह देता कि मुझे यह करने में दिलचस्पी नहीं है 1 साल मुझे अच्छी तरह चांद है यह जनवरी 2005 की बात है जब उसने मुझे फिर एक बार कहा पूर्णब्रह्म मेरा पूरा इरादा था उसे ना कहने का परंतु मैं कह नहीं सका परमेश्वर ने मेरे अंदर भारत जाने की इच्छा को डालना शुरू किया। मैंने अपने अंदर एक बोझ महसूस किया कि मैं भारत में आकर वहां के पादरियों की जैसे मैं कर सकता हूं मदद करूं

पेज नंबर 23

परमेश्वर ने मेरी यात्रा करने और उन लोगों को जिनको मैं नहीं जानता बात करने के नापसंद स्वभाव को दूर नहीं किया परंतु उसने मुझे किसी भी तरह से पादरियों की सहायता करने का बोल दे दिया उसने मेरे दिल में बात की और मुझे भारत आने के लिए प्रेरित किया। इसने मुझे भारत के लिए प्रार्थना करने भारत के बारे में जितना हो सके शिक्षकों और यहां तक कि हिंदी भी सीखी इस बात ने मुझे भारत की सेविका ए मुझे साल भर कई प्रकार से जुड़े रहने के लिए वह कलीसिया जिसकी मैं पास वाणी करता हूं वह छोटा है और हमारे पास अधिक पैसा नहीं है परंतु परमेश्वर अपने लोगों के उपहारों के माध्यम से हमारी जरूरतों को पूरा करता है। परमेश्वर हम में से प्रत्येक अपनी धीमी मीठी आवाज में बोलता है। कई बार वह हमारे मन की बात बोलता है। दूसरे समय वह हमारे दिलों को भावनाओं और इच्छाओं को बोलता है। वह हमसे किस तरह की बातें करता है संभवत पहली बार हम उसकी आवाज तब सुनते हैं जब वह हमारे पाप और हमारे उद्धार की आवश्यकता के बारे में बताता है।

(यहुन्ना 16;7–11, 1थिसलुनीकियो 1;4–5) मुक्ति के बाद वह हमें हमें पाप के बारे में बताता है और हमें चेतावनी देता है जब हम पाप करने को होते हैं भजन संहिता 139;13.14 पादरियों के रूप में जो अपनी भेड़ों का मार्गदर्शन कर रहे हैं वह हमें मार्गदर्शन और दिशा प्रदान करता है कोमा और उसकी मर्जी के अनुसार उनकी अगुवाई करने के लिए जिस सूचना की जरूरत होती है, वह भी । प्रेरितो के काम 20 कोमा 22 कोमा 23 लुका दो 25;28 28 प्रेरित के काम 9;11. 15 यहुन्ना 10;4 16.27 मैं अपनी कलीसिया की अगुवाई किस दिशा में करूं इसके लिए मुझे परमेश्वर को सुनने की जरूरत है यह तक कि मैं क्या प्रचार करना है और क्या सिखाना है। उसके बाद तीनों से बात करने का एक और तरीका है, जब वह हमें शांति और प्रोत्साहन देता कि पापियों जरूरत पड़ने पर

वह शक्ति और प्रदान करता है ऐसे कई समय थे जब मैंने अपने छोटे फॉर्म आ गया रित कलियों को बंद करना अच्छा सोचा लेकिन परमेश्वर ने हर बार मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन और जरूरी रखने के लिए शांति दी। लोगों और अधिक कमी के बावजूद उसने अपनी महिमा के लिए हमें लगातार आशीष देने और उपयोग करना जारी

रखा। जैसे हमने अध्याय 1 में देखा था, कि परमेश्वर पादरियों को दिया हुआ कर्तव्यों को पूरा करने में आवश्यक बुद्धि और शब्द दे कर सक्षम करता है वह मुझे यह जानने में सहायता करता है कि मैं भारतीय संयुक्त राज्य अमेरिका में क्या और कैसे करना कहना है। वह मेरे मन में पवित्र शास्त्र की आई थी डालता है जिनकी मुझे उस वक्त जरूरत होती है जब मैं लोगों के साथ बात करता हूं, वह मुझे उन परिस्थितियों का सामना करने का एहसास देता है जो खतरनाक और चुनौतीपूर्ण है। जब मैं लंबी दूरी की यात्रा करता हूं और अलग–अलग जगह पर रहता हूं वह मुझे शक्ति देता है। और रास्ता जिसके माध्यम से वह हमारे साथ बात करता है वह तब होता है जब हमारी उनकी अराधना करते हैं वह हम पर अपने आप को प्रकाशित करता है।

वह हमें अपनी महानता और यीशु की महिमा दिखाता है और इसीलिए हम अपनी महिमा और आराधना में प्रत्युत्तर देते हैं। ऐसे समय के बारे में सोचें जब परमेश्वर के लिए आपका प्रेम और प्रशंसा आपके अंदर बढ़ने लगे। यह वही आपको बोल रहा है। सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा उसको चुपचाप सुनने के लिए समय निकालता है। उसकी आवाज पहचानना और उसकी आज्ञा को मानना सीखे एक मसीही के रूप में बढ़ते रहना यह महत्वपूर्ण है। याद रखें, जो परमेश्वर आप से कहता वह उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है जो आप उसे कहते हैं पूर्ण ब्रह्म आज्ञा पालन बढ़ते रहने के लिए हमें परमेश्वर की आज्ञा का पालन करते रहना आवश्यक है इससे पाप के क्षेत्रों से बच्चे रहने के साथ–साथ उसके निर्देशन के तरीके भी शामिल हैं। जब यीशु ने पतरस के नाम से बाहर निकालने के लिए कहा तो पतरस ने तुरंत आज्ञा का पालन किया एक नाम से बाहर निकालना और पानी को चलाना एक जोखिम भरी बात है परंतु अगर यीशु ऐसा कहता है तो उसका पालन करना जरूरी है इस उपाधियों को वह करने के लिए बुलाता है जो हमें असंभव लगता है तो कि हम अपनी आंखें लगाए रखें और उस पर भरोसा करना सीखें पूर्णब्रह्म इससे हमारा विश्वास बढ़ता है और मजबूत होता है जब पत्नी यीशु से आंखें हटाई और तूफान पर लगाई हुई डुबाने लगा लेकिन

फिर वह यीशु के पास पहुंचा तो यीशु उसके लिए वहां था इस तूफान को नहीं रोका परंतु पत्र की सहायता की जब पतरस ने उसकी आज्ञा का पालन किया पूर्व राम आराधना जैसे जैसे मैं इस ज्ञान और बुद्धि में बड़ा हूं कि परमेश्वर क्या है और आराधना के माध्यम से उसके लिए आप ने प्रत्युत्तर में बड़ा हूं जैसे मैंने व्यक्तित्व से परमेश्वर को प्यार बारे अधिक जागरूक हुआ हूं मैंने अपने आप को उसके प्यार के बदले अपना प्यार देने के माध्यम से जवाब देने को बेहतर पाया है यह सच्चाई आराधना बड़ा दिल है

<u>पेज नंबर 24</u>

आराधना केवल उससे के में है यह मेरे लिए नहीं कि मुझे कैसा अच्छा लगता है, यह सिर्फ उनके बारे में है पूर्व में सबसे पहले हवाई बिल में आराधना शब्द का उपयोग किया गया था आराधना जब इब्राहिम ईसाई को बलिदान करने पहाड़ पर ले गए उत्पत्ति 2;25 और दूसरी बार जब अयूब ने अपने बच्चों को दफन किया निश्चित रूप से उन दोनों के लिए भावनात्मक रूप से उच्च समय नहीं था कोमा फिर भी उन्हें अपनी आंखों इस पर लगाया रही कि परमेश्वर कौन है और कैसा है मामा यह है जिसको आज ना कहते हैं जैसे जैसे मैं उसके साथ अपने रिश्ते में आगे बढ़ता हूं और उसे बेहतर जानता हूं वैसे वैसे उसके लिए मेरी आराधना में उन्नति आती है। मैं अपने आप को उस धन्यवाद देने उसकी प्रशंसा करने और प्यार करने में बेहतर पाता हूं। परमेश्वर का धन्यवाद देता अच्छा है कोमा लेकिन आमतौर पर यह मेरी मन मान्यता और समझ पर आधारित होता है। तब क्या होगा जब मैं अब्राहिम और आयु की तरह समझ नहीं पाता और ना ही मान्यता देता हूं तब जब आराधना और प्रशंसा होती है तो हमारे जीवन में परिस्थितियों के बावजूद परमेश्वर की भलाई की पुष्टि होती है। उस समय उसे प्रेम करना जब हम नहीं समझते फिर यह कहो कि क्या हो रहा है यह परमेश्वर के दिल को छुपाता है। आराधना में समय और प्रयास लगता है। मैं अपने लिए समय निर्धारित करता हूं तो कि मैं आराधना कर सकूं। परमेश्वर की भलाई और महानता का उत्तर देते हुए संगीत आराधना में मेरी सहायता करता है मैं उस समय आराधना नहीं करता जब मैं जल्दी में होता हूं पूरा क्योंकि याद ना करने में समय लगता है। किसी भी रिश्ते को विकसित होने में

समय लगता है और यह विशेष रूप से घनिष्ठ सार्थक बातचीत के लिए समय लेता है। उनके साथ जल्दबाजी नहीं की जा सकती नहीं तो उनका गर्भपात हो जाएगा परमेश्वर हमारे व्यस्त कार्यक्रम में निचोड़ जाने में दिलचस्पी नहीं रखता पूर्णब्रह्म वह हमारे समय और शक्ति का सबसे अच्छा हिस्सा चाहता है जिसका वह हकदार है क्या आप उसे देते हैं। विकास को कैसे मापे तो ले आज हम जिस मानक और उपयोग किसी कंपनी का व्यवसाय की सफलता को आंकने के लिए करते हैं वह है निकली रेखा संख्याएं जो बताते है कि कंपनी ने कितना लाभ कमाया है। दुर्भाग्य से कभी–कभी हम उस मानक को कलीसिया तक भी ले जाते हैं। कई लोग महसूस करते हैं कि जितने अधिक लोग कलीसिया में हाजिर होते हैं उतनी बड़ी कलीसिया होती है और उतना बड़ा उसका बजट

होता है पूर्ण ब्रह्म परमेश्वर कलीसिया का मूल्यांकन ऐसे नहीं करता पूर्णब्रह्म मैं 30 साल से अधिक एक छोटे से चर्च की वासवानी करता आ रहा हूं। मुझे अक्सर लगता था कि मैं एक अच्छा पादरी नहीं होगा क्योंकि मेरा चर्च नहीं बड़ा। परमेश्वर ने मुझे यह सिखाया कि वह किसी कलीसिया की स्वास्थ्य का मूल्यांकन उसमें लोगों की संख्या से या उसके पास कितना पैसा है इससे नहीं करता पूर्व रन आखिरकार हम भाई बिल में किसी भी चर्च के आकार को नहीं जानते हैं।हम जानते हैं कि व्यवस्था और आत्मिक रूप से बढ़ रहे हैं, लेकिन हम उनके आकार को नहीं जानते क्योंकि परमेश्वर के दिल के लिए यह महत्वपूर्ण नहीं है। बड़ी संख्या में कुछ गलत नहीं है पूर्ण ब्रह्म परमेश्वर चाहता है कि हर कोई उसके पास आए ताकि हम और बेहतर तरीके से सेवक आएं कर सकें। पर केवल संख्याओं का मतलब यह नहीं कि परमेश्वर प्रभावित है तब परमेश्वर एक स्वस्थ कलीसिया का क्या उम्मीद करता है हम यह कैसे बता सकते हैं कि कोई कलीसिया स्वस्थ है और उसका विकास हो रहा है हम यह कैसे जान सकते हैं कि हम व्यक्तिगत रूप से स्वस्थ हैं और हमारा विकास हो रहा है हम पढ़ने की आज्ञा है पर इसका क्या मतलब है हम अपने विकास को कैसे माफ सकते हैं जब मेरे बच्चे छोटे थे तो हम उनकी वृद्धि को हर 6 महीने में मापते थे पूर्व राम हमारे पास एक चार्ट था जिसे हम दीवार के साथ लगाते थे और एक रेखा खींचते थे जो उनकी ऊंचाई दर्शाती थी हम यह देख सकते थे कि वह अपनी

पिछली बार से कितना बड़े हैं पूर्व राम हमारे पास ऐसा कोई मापने का यंत्र नहीं है जो हमारे और हमारी कलीसिया के विकास को बता सके प्रोग्राम लेकिन हमारे पास परमेश्वर का वचन से कुछ मानक है जो हमें विकास को मापने में सहायक होते हैं पूर्व मैं उनमें से आपको 10 देना चाहता हूं देखेगी आप उनकी तुलना में कैसा कर रहे हैं और देखें कि आप की कलीसिया कैसे कर रही है।

पेज नंबर 25

1- क्या आप पहले से ज्यादा स्वर्ग जाने की चाहत और इसके बारे में सोचते हैं? पवित्र शास्त्रः फिलिप्पियों 1:21–24, तीतुस 2:11–13
जैसे आप आतमिकता में बढ़ते हैं, आप स्वर्ग के बारे में सोचते है और इसके लिए अधिक से अधिक चाहत रखेगें। जब हम नए मसीही होते हैं तो स्वर्ग का एक अच्छा लेकिन अस्पष्ट स्थान स्थान होता है लेकिन जितना अधिक हम परमेश्वर के नजदीक आएंगे उतना ही हम उसके साथ स्वर्ग में रहने की आशा करेंगे जैसे जैसे हम यीशु की तरह होते जाते हैं संसार की चीजें कम महत्व पूर्ण होती जाती हैं पाप और कष्ट हमारे लिए अधिक से अधिक विश्वास हो जाते हैं हम अक्सर स्वर्ग के बारे और परमेश्वर के साथ अनंत काल के लिए पूर्णता में होने के बारे में सोचते है। इस पृथ्वी की चीजे फीकी पड़ जाती है लेकिन स्वर्गीय घर अधिक से अधिक वास्तविक हो जाता हैं। क्या आप स्वर्ग के लिए पहले से ज्यादा तरसते है? यह एक संकेत है कि आप आत्मिक रूप से बढ़ रहे हैं।

2- क्या आप दूसरो के प्रति व्यवहार में अधिक प्यार करने वाले बन रहे है?
पवित्र शस्त्रः मती 22:36–40, 1यहून्ना 4:21–21
क्या आप देखते हैं कि आप पहले से ज्यादा धीरजवान और दयालु बन रहे हैं दूसरो के लिए? क्या आप दूसरों की जरूरतों और दुखों के प्रति अधिक संवेदनशील है? क्या आप के दिल दूसरों के दुख, कठिनाइयों और

परीक्षण का सामना करते देख दर्द होता है? क्या आप पाते है कि आप वास्तव के दूसरों में रूची रखते हैं? क आप जरूरत लोगो की मदद करने के लिए ज्यादा तैयार है।

जैसे हम यीशु की तरह अधिक होते जाते हैं हम दूसरों से प्यार करते है जैसे वह प्यार करता हैं— पूरी तरह और बिना शर्त। वह हमत से ऐसे प्यार करता हैं। यह केवल स्वाभाविक है कि जैसे हम उसके जैसा होने में विकास करते हैं वैसे वैसे हम अपने आप को लोगां से ज्यादा प्यार करने वाले पाते हैं जैसे वह करता हैं। लोगो के बारे में आप क्या महसूस करते हैं और उनके साथ कैसा व्यवहार करते हैं क्या आप इस में अधिक प्यार करने वाले बन रहे हैं? यह एक और चिन्न है कि आप आत्मिकता में बढ़ रहे हैं।

<u>पेज नंबर 26</u>

क्या आपने बाइबल पढ़ते हुए बिताया समय आपको अधिक दर अधिक कीमत भी होता है? क्या बाइबल में पड़ी सच्चाई या आपके जीवन के सभी क्षेत्रों में अधिक प्रभाव डालती हैं? क्या आपको लगता है? कि परमेश्वर जो कहां है उसके अनुरूप आपका जीवन बदल रहा है? जैसे—जैसे हम बढ़ते हैं हमारी भूख बढ़ती है। यह बच्चों की सच्चाई है और यह मसीही के लोगों की सच्चाई है सब बढ़ती चीजों को भोजन स्रोत की आवश्यकता होती है और बाइबिल हमारी आत्मा का भोजन सोच है क्या आप अपने बाइबल आधारित प्रेम का विकास देखते हैं? क्या यह आपके जीवन में पहले की तुलना अधिक प्रभावशाली है? अगर है तो यह आत्मिक विकास का संकेत है।

5. क्या अपनी आराधना अधिक परमेश्वर केंद्रित है और पहले से अधिक होती है? पवित्र शास्त्र अयूब १:२०—२१, भजन संहिता 100 क्या आप अपने आप को पहले की तुलना में अधिक आराधना करते देखते हैं? क्या परमेश्वर की महिमा करना आपके मन में दिनभर रहता है? जब आप आराधना करते हैं तो क्या आप अपने आप को पहले की तुलना में अधिक नजदीक देखते हैं? जब हमने मशीन होते हैं हम आराधना का आनंद लेते हैं क्योंकि यह अच्छा महसूस कराती है। परमेश्वर की महिमा हमारे लिए महान और सुखद है। परंतु आराधना का उद्देश्य में अच्छा महसूस करना नहीं है। परमेश्वर की महिमा करना हमारे लिए महान और आनंद की बात है। यह इसके लिए है क्योंकि इसमें परमेश्वर को अच्छा महसूस होता

है। आराधना परमेश्वर के बारे में है हमारे बारे में नहीं। जैसे हम पढ़ते हैं हमारी आराधना अधिक से अधिक परमेश्वर कौन और क्या है इस पर केंद्रित होती है। हम बाहर चलते फिरते घर में उठते बैठते और यहां तक कि बिस्तर पर आराम करते भी आराधना करते हैं। आराधना हमारे रोजाना जीवन का हिस्सा बन जाती है। यह केवल वही नहीं है जो हम इतवार के दिन गाने दोबारा करते हैं। क्या आप अपने आपको परमेश्वर और उसकी महिमा वर्क के बारे में पहले की तुलना अधिक संस्था हुआ पाते हैं? जब आप उसके प्रेम और कुछ उसने आपको दिया है उनके बारे में सोचते हैं तो क्या आपके अंदर उसकी आराधना दिनभर निकलती है? जब आप परमेश्वर की आराधना करते हैं तो क्या आप अपने आप को उसके साथ पहले की तुलना में अधिक जुड़ा हुआ महसूस करते हैं? यह एक अच्छा दिन है आपके आत्मिक विकास का।

6. क्या आप पाप के प्रति अधिक संवेदनशील है कितना आप हुआ करते थे? पवित्र शास्त्र रोमियो 12:1–2, 7:14–19 युवा मसीहीयो के रूप में हम उन चीजों के बारे में जानते हैं जो पाप है जिनको हमे ना करना चाहिए और उनके बारे में सोचना ही नहीं चाहिए। परंतु जैसे हम बढ़ते हैं तो हमें अपने जीवन के हर क्षेत्र में पाप को देखते हैं। हम पहचानने लगते हैं कि हमारे स्वार्थी इरादे और घमंडी रवाया पाप है। हम अधिक से अधिक जागरूक हो जाते हैं कि हम परमेश्वर की पूर्णता से कितनी दूर गिरे हुए हैं। जब वालुज एक नया मशीन था तो उसने लिखा कि वह सभी देशों में से सबसे छोटा है और मेरा बाद में उसने लिखा कि वह मशीनों में सबसे छोटा है। अपने जीवन के अंत में उसने लिखा कि वह सब लोगों में कम और छोटा है। क्या आप प्रगति को देखते हैं? जैसे जैसे वह बड़ा हुआ वह अपने पाप और विफलता के बारे में अधिक से अधिक जागरूक हो गया। क्या आप अपने जीवन में 5 से अधिक संवेदनशील हैं जितना आप पहले थे? जब आप पाप करते हैं तो क्या आप अधिक जागरूक होते हैं और इससे अधिक परेशान परेशान होते हैं? क्या आप उन चीजों के लिए खुद को श्रेय देने के लिए कम उपयोग है जो आप करते हैं? क्या आप पहले की तुलना में अधिक धन्यवाद करते हैं आपके जीवन पर हुए उसके अनुग्रहित के लिए? क्या आप पहले की तुलना में उसकी मूआफी के लिए अधिक धन्यवाद ही है? आपके

जीवन में पाप के प्रति संवेदनशील बनना एक संकेत है कि आप आत्मिक रूप से बढ़ रहे हैं।

<u>पेज नंबर 27</u>

7. क्या आप उनके माफ करने के लिए तेज हैं जो आप को चोट पहुंचाते हैं

पवित्र शास्त्र मती 6:14–15, मरकुस 11:25, कुलस्सियों 3:13

क्या आप अपने आप की पिछले की तुलना में अधिक जल्दी से दूसरों को माफ करने के लिए तैयार देखते हैं जो आपको चोट पहुंचाते हैं उनसे बहस करने या बदला लेने की कम संभावना रखते हैं जो लोग आपको चोट पहुंचाते हैं क्या आप उनके आपसे माफी मांगने की प्रतीक्षा ना करके उन्हें माफ कर देते हैं। यीशु हमारे लिए क्षमा का आदर्श उदाहरण है ग्राम इससे पहले कि हम उसे माफी मांगे और हमें बुरी तरह से और तुरंत माफ कर देता है जैसे कि हम उस की तरह बनते हैं हम खुद को दूसरों को माफ करने के लिए तेज होते जाते हैं ग्राम वह हमें उद्देश्य या गलती से चोट पहुंचा सके, परंतु हमारी पहली प्रक्रिया उन्हें जल्द माफ करने की होगी। क्या आप अपने आप को पहले की तुलना माफ करने के लिए तेजी पाते हैं यह एक अच्छा संकेत है कि आत्मिक विकास हो रहा है

8. परमेश्वर कितना महान और शक्तिशाली है क्या दूर इसके बारे में आप अधिक जागरूक हो रहे हैं ।

पवित्र शास्त्र भजन 19:1. यशयाह 64:8 , कुरिन्थियों 12:10, फिलिप्पियों

क्या परमेश्वर आपके जीवन में बढ़ रहा है हम जानते हैं कि परमेश्वर बढ़ता नहीं वह बड़ा नहीं होता अब उतना ही बड़ा है जितना संभवत हो रहा हो सकता है यह और वह हमेशा से ऐसा ही हो रहा है। लेकिन जब हम विश्वास में बढ़ते हैं तो हम ज्यादा से ज्यादा जागरूक हो जाते हैं कि क्या अद्‌भुत भयानक कॉमर्स शक्तिशाली परमेश्वर है जैसे हम उसके संप्रभु नियंत्रण के प्रमाण सबूतों को देखते हैं कोमा दिनवा दिन हमारी अवधारणा उसके प्रति बढ़ती जाती है क्या परमेश्वर आपको अब पहले की तुलना में अधिक बड़ा लगता है। क्या आप लगातार अधिक से अधिक रूपों में उसकी सब चीजों पर नियंत्रित देख सकते हैं जब परमेश्वर आपके जीवन में बड़ा हो जाता है तब उस पर आप क्या भरोसा और विश्वास भी बढ़ जाता है। हमें महान परमेश्वर पर बड़ा विश्वास है। क्या परमेश्वर पर आपका विश्वास और भरोसा भी बढ़ रहा है यह दर्शाता है कि परमेश्वर आपके जीवन में

बढ़ रहा है। अगर आप पहले की तुलना अब अधिक जागरूक हैं कि परमेश्वर कितना महान, आप आत्मिक रूप से बढ़ रहे हैं। नंबर 9. क्या आप प्रार्थना जीवन अधिक व्यक्ति व्यक्तिगत मजबूत होता जा रहा है पवित्र शास्त्रः याकूब 5:16, यर्मयाह 29:12–13, मती 7:7–8

क्या आप पहले की तुलना अपने आपको परमेश्वर के साथ तो बात करना अधिक पाते हैं। क्या आप प्रार्थना अधिक स्वाभाविक है राम ऐसा जीवन आप के दिन भी कर सकते हैं और कभी–कभी इसे महसूस नहीं करते हैं क्या परमेश्वर से बात करना आपके लिए स्वाभाविक रूप में होता है कुछ ऐसा जो संचालित रूप से होता है क्या आपको पहले विचार परमेश्वर की वृद्धि मांगना या समस्या के बारे में बात करना होता है जिनका आप सामना कर रहे हैं। क्या आप अपने आपको

परमेश्वर के साथ सभी प्रकार की बातों के बारे में बात कर रहे हैं करते हुए पाते हैं ना कि उसमें यह कहते हुए कि हमारी क्या आपकी प्रार्थना से एम के बजाय मतलब जो आप चाहे हैं चाहते हैं कि परमेश्वर आपके लिए करें उससे अधिक परमेश्वर पर केंद्रित है क्या आप पहले की तुलना में अब प्रार्थना करना अधिक सहज महसूस करते हैं । जब एक रिश्ता बढ़ता है तो लोग बेहतर बातचीत करना सीखते हैं क्या आप देखते हैं कि आपका आपका प्रार्थना जीवन अधिक व्यक्तिगत और मजबूत होता जा रहा है प्रोग्राम यदि हां तो आप आध्यात्मिक रूप से बढ़ रहे हैं

पेज नंबर 28

10 जब मैं आपसे बात करता है क्या आपने अपने आप को उसी की आवाज को पहचानने में बेहतर पाते हैं।

पवित्र शास्त्री यहून्ना 14:26, 10:4, 16:27, प्रेरितों के काम 9:11–15

क्या आप अपने आपको परमेश्वर को सुनने में अधिक रुचि रखते हैं बजाय उसको यह बताने की इच्छुक इच्छुक अदा से कि वह आपके लिए यह करें उसको सोने की चाहत में क्या आप पहचानते हैं कि जो कुछ परमेश्वर ने आपको कहना है वह उससे अधिक महत्वपूर्ण है जो आप मैं उसको कहना है।

क्या आप पहले से बेहतर पहचानते हैं जब परमेश्वर आप से बोल रहा है क्या आप अपने विचारों से और शैतान के जलसा जहां से उसकी आवाज को बेहतर बता सकते हैं। क्या आप मजबूत इच्छा उसको सुनने की और जो कुछ वह कहता है वह सुनने की क्या आप परमेश्वर को विचारों को मां ज्ञान को मां और मार्गदर्शन दृढ़ विश्वास अगुवाई और प्रेरणा के लिए जो वह हर दिन आपको प्रदान करता है इन सब के लिए श्री देता है पूर्णब्रह्म अगर आप बेहतर तरीके से पहचान सकते हैं कि परमेश्वर आपसे कब बोलता है तो आप आत्मिक रूप से बढ़ रहे हैं। यह 10 मानक आपकी यह देखने में सहायता कर सकते हैं कि आप कैसे और कहां बढ़ रहे हैं। हर एक को ध्यान से देखें, प्रार्थना करें कि आप इस क्षेत्र में कहां है और अगर आप इस क्षेत्र में बढ़ रहे हैं। यदि आप एक ऐसा स्थान पाते हैं यहां आप पढ़ नहीं रहे हैं कोमा तो आप को उस ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि आपको क्षेत्र में बढ़ सकें। यदि आप कुछ देखते हैं यहां आपकी कलीसिया कमजोर है, तो आप उस विषय के बारे में कुछ संदेश दे सकते हैं। आप मेरे पास प्रत्येक प्रश्न के साथ आए हैं उनका उपयोग करें। आपने खुद के जीवन के द्वारा विशेषता का मॉडल बनाए। याद रखें, यह परमेश्वर है जो हमारे अंदर विकास लाता है जैसे हम उसके आत्मा को हमारे जीवन में काम करने और उसके फलों का उत्पन्न करने की अनुमति देते हैं (यूहन्ना 15:1–8)(गलतियों 5:22–26) प्रोग्राम जैसे एक मां देश बाप अपने बच्चों की परिपक्व की निगरानी करता है, इसी तरह हमारा स्वर्गीय पिता हमारी वृद्धि की देखरेख करता है। उसका वादा है कि जब तक हम इस धरती पर है कोमा वह हमारे

अंदर काम करेगा ताकि हम यीशु की तरह बनने में लगातार आगे बढ़ते रहें। (फिलिप्पियो 1:6)

क्या की सौभाग्य और आशीष की बात है। ईश्वर हमसे बढ़ने की उम्मीद करता है कोमा लेकिन हम से यह उम्मीद नहीं करता है कि हम यह अपने बलबूते पर करें। जैसे हम उसके पीछे चलते हैं वह हमारे लिए इसे आने देगा। परमेश्वर क्या उम्मीद करता है? परमेश्वर प्रत्येक पादरी से उसके विश्वास में बढ़ते रहने की उम्मीद करता है कोमा कि वह अपने कार्य और विचारों में यीशु जैसा बनता जाए। इसके बारे में सोचोरू आत्मिक रूप में बढ़ते रहना आप के लिए कितना

महत्वपूर्ण है? यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह रहा है आप क्या कर रहे हैं? क्या ऐसा कुछ है जो आपको करना चाहिए पर आप नहीं कर रहे हैं जो आप को आत्मिक रूप से बदलने में मदद कर सकता है? फिलिपययो १५रू६ पढ़िए। परमेश्वर इस समय आपके जीवन में कहां काम कर रहा है जिससे आप विकसित हो जाएं? क्या आपका कोई व्यवहार है जिससे वह बदलने की कोशिश कर रहा है? यह क्या है? क्या कोई ऐसी चीज है जिसे परमेश्वर आपको सिखाने की कोशिश कर रहा है ताकि आप यीशु की तरह बनने में बड़े? यह क्या है? आपके जीवन में किस जगह परमेश्वर चाहता है कि आप यीशु की तरह बनने के लिए काम कर रहे हैं? प्रार्थना करें और परमेश्वर को धन्यवाद करें जिस तरह से वह आपको बढ़ने में सहायता कर रहा है। जिन क्षेत्रों में आप कमजोर है उनके लिए उससे मदद मांगे।

<u>पेज नंबर 29</u>

3 परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसकी भेड़ों की अगुवाई करें इस पाठ का मुख्य विचार परमेश्वर प्रत्येक पादरी से उम्मीद करता है कि वह अपनी कलीसिया के लोगों की अगुवाई करें, मार्गदर्शन और निगरानी करें। जब वियतनाम में युद्ध हुआ मैं 2 साल के लिए संयुक्त राज्य की सेना में था। हम

चलते थे। यह एक ऐसा व्यक्ति था जिसके पास प्रशिक्षण और अनुभव था जो जो उसे हमारी अगुवाई कर दे और दिशा निर्देशित करने में सक्षम किया था। अपने दम पर क्या करता है हम ने नहीं जाना होता और ना ही हम एक समूह के रूप में एक साथ काम कर सके होते। बिना किसी अगवा के सैनिकों का एक समूह प्रभावी ढंग से नहीं लड़ सकता और ना ही अपना कर्तव्य निभा सकता है। वास्तव में, सैनिक केवल अपने आंखों के कारण ही जो होते हैं वह होते हैं,इसलिए अच्छा हुआ होना आवश्यक है। कलीसिया का भी यही सच है। हम परमेश्वर की सेना है? शैतान और पाप के विरुद्ध लड़ाई लड़ रहे हैं। कलीसिया केवल उतनी मजबूत होगी जितने मजबूत इसके अगवे। परमेश्वर हमें अगुआ कहता है और उम्मीद करता है कि हम अपने लोगों की अगुवाई करें, पर कलीसिया की अगुवाई करने का क्या मतलब है।   का पादरी बुजुर्ग की तरह। अब तक हमने देखा कि परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसने हमें जो उपहार दिए हैं उनका उपयोग करें और अन्य पादरियों की तरह बनने की कोशिश ना करें। हमने यह भी देखा है कि वह हमसे आत्मिक रूप से बढ़ते रहने की उम्मीद करता है। अब इसके बारे में बात करेंगे कि वह हमसे क्या उम्मीद करता है जैसे हम अपनी कलीसिया की अगुवाई करते हैं। पादरियों के लिए नलरू ऐसे कई नाम है जो परमेश्वर पादरी को देता है और प्रत्येक एक अलग पहलू दिखाता है उसका जो परमेश्वर हम से उम्मीद करता है। पादरी (युवरानी में इसे पोयम कहते हैं इफसीओ 4:11, 1पतरस 5:1–4) पेड़ों का चरवाहे। पार है जो परमेश्वर हमें अपनी भेड़ों की अगुवाई करने उनकी रक्षा करने और उनको खिलाने के लिए देता है। बुजुर्ग (प्रेस ब्यूटी यूनानी में 1 पतरस 5:1–4, १तीमु 5:1,17,19) एक कमान अधिकारी है। जो हम करते हैं यह उसका वर्ण, आराधना ले के प्रमुख के लिए यहूदी उपाधि है। निगेहबान(यूनानी में इसको पास 1   तीमू 3:1–7, 1पतरस) एक आयोजक और अगुवा है।जो हम करते

हैं यह उसका विवरण है, एक समूह के लिए अगुवाई करने वाले व्यक्ति के लिए एक गैर यहूदी उपाधि सेवक (यूनानी में डाईकोनोस १ तीमू 4:6, 2तीमू 4:5)एक सेवक है, यह हमारे दिल का एक दृष्टिकोण है, यही है कि हम पादरी कमा बुजुर्ग और निगेहबान कैसे हैं। इनमें से प्रत्येक शब्द का कुछ अलग दिखता है परमेश्वर हम से उम्मीद करता है। हम सब इन बातों पर पाठ में और अगले पाठ में गौर करेंगे। बुजुगर्रू पतरस अपनी पत्नी 1पतरस 5:1–4 कलीसिया के प्राचीन ओ को लिखता और कहता है कि वह भी एक बुजुर्ग है। पतरास यहूदियों को लिख रहा है जो अपना पूरा जीवन एक धर्म स्थल (सिम यू गो) मे गए हैं। क्योंकि लोग इस बात को जानते हैं कि यह आदमी (पोलिस) क्या करता है, इस शब्द का उपयोग उनके पार्टी के लिए करता है। (1तिमोथीयस 5:1,17,19 तीतुस 1:5,6) उनकी सिंनव के अगुआ को बुजुर्ग कहा जाता है। यूनानी भाषा का शब्द जिस भाषा में नया नियम लिखा गया उसे इसे प्रेस शोरस का जाता है। प्रेसबेटेरियन इसे यूनानी शब्द से निकाला गया है यह उस व्यक्ति के लिए है जो परिपक्व सम्मानित है और समूह की अगुवाई करने में सक्षम है श्री योगराज लाले के पुराने अगुआ तो योजना बनाता है और संगठन करता है कि क्या होगा वह बुजुर्ग था। दिशा निर्धारित करता है और जो योजना बनाई गई थी उसे पूरा करने के लोगों के समूह के लिए जिम्मेदार था बुजुर्ग शब्द हमेशा बहुवचन होता है कलीसिया मैं बुजुर्ग कलीसिया की आत्मिक जरूरतों के लिए जिम्मेदार है शिक्षकों का उपदेश कौवा परामर्श कलीसिया की दिशा निर्धारित करना और लोगों की आत्मिक वृद्धि को देखना है।

ऐसा करने के लिए कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं होना चाहिए जब तक कोई चर्च नया या छोटा ना हो बुजुर्ग शब्द यहां पादरी और अन्य पर वक्त लोगों की तरफ एक संकेत करता है जो आत्मिक रूप से कलीसिया की अगुवाई करते हैं। बुजुर्ग शब्द दर्शाता है कि परमेश्वर हमसे यह उम्मीद करता है कि हम उन पेड़ों की अगुवाई करें जिन्हें वह हमें देता है। हमारे लिए यह जरूरी है कि हम योजना बनाएं ताकि कलीसिया सही ढंग से काम करें और लोग आत्मिक ता में विकास करें। पादरी निगेहबान के तौर पर पादरी के लिए एक शब्द जिसका अर्थ बुजुर्ग को मानेगी बांधी है इसका उपयोग पत्र और पुलिस भी करते थे। (1पतरस 5:1–4, प्रेरित के काम 20:28,

(1तीमुथियुस 3:1–7, तीतुस 1:7–9) बाइबिल में इसके लिए मूल शब्द एपीस्कोपस है। हमें इस शब्द से विषम शब्द मिलता है। हालांकि एक निगेहबान एक बुजुर्ग के समान था। बुजुर्ग यहूदी शब्द था और निगेहबान गैर यहूदी। शुरुआती कलीसिया में कुछ यहूदी थे इसलिए वह शब्द बुजुर्गों को समझते थे, और जो गैर यहूदी। शुरुआती कलीसिया में कुछ यहूदी थे इसलिए वह शब्द बुजुर्गों को समझते थे और जो गैर एवजी थे वह निगेहबान शब्द को बेहतर समझते थे। यह किसी ऐसे व्यक्ति का उल्लेख करता है जो लोगों के समूह का प्रभारी था। विश्व के रूप में शब्द का उपयोग आज, एक पादरी के लिए होता है जो अन्य पादरियों से बड़ा है (पद अधिकारी)। बाइबिल में इसका मतलब यह नहीं बोल बिरादरी सबसे ऊंचा पद है। कलीसिया में निगहबान की हस्ती स्कूल के प्रधानाचार्य के समान होती है। स्कूल प्रधानाचार्य योजना बनाता है तय करता है कि स्कूल में क्या किया जाएगा कामों को व्यवस्थित करता है और यह सब करना अन्य शिक्षकों के लिए आवश्यक है। प्रधानाचार्य स्वयं कुछ नहीं करता, लेकिन योजना बनाता है परीक्षण करता और आवश्यक सामग्री प्रदान करता। यही पादरी से भी उम्मीद की जाती है। पीड़ितों के काम २८रू२८–२६ लिवोन का वर्णन एक ऐसे व्यक्ति के रूप में किया गया है जो परमेश्वर की भेड़ों की देखरेख करता है। यह दृश्य शहर की एक रात का हैजब एक पहरेदार एक शहर की निगरानी करता है और सुनिश्चित करता है कि सब सुरक्षित है और सब कुछ नियंत्रण में है और विराम पादरियों को भी अपने

लोगों के लिए इसी तरह निगरानी करनी होती है। पादरी अगले के रूप में शब्द पादरी, बुजुर्ग और निगेहबान अगुआ के रूप में हमारी भूमिका को बताता है। पाती जिसका है चरवाहा कामा उसका भी यही विचार है। परमेश्वर पात्री योगेश अगवा होने की उम्मीद करता है मैं कोई प्राकृतिक अगुआ नहीं हो। मैं शांत और शर्मीला हूं और लोगों के समूह का प्रभारी होने में आनंदित नहीं होता। परंतु जब परमेश्वर ने मेरे दिल में वासवानी करना डाला तो उसने साथ–साथ मेरे अंदर उन पेड़ों की कमाई करने की इच्छा भी दे दी, जो उसने मुझे दी है 4 ग्राम मैं इसलिए अगुवाई नहीं करता क्योंकि एक वह बरगामी, मितवा कामा आत्मविश्वास और बातूनी व्यक्ति हूं और मेरा यह अगबाई करना आसान करता है लेकिन यह जरूरी नहीं कि व्यक्ति को अच्छा अगवा बना दें। परमेश्वर ने मुझे अगुवाई करने की स्थिति में रख दिया है इसलिए मुझे उसकी मदद से अपनी क्षमता के अनुसार सबसे अच्छा करना चाहिए और विराम मैंने सीखा है की अगुवाई करना क्या है और मैं आपके साथ इसे साझा करना चाहता हूं। एक अगले को पता होना चाहिए कि वह किधर जा रहा है सबसे पहले एक अगुआ वह होता है जिसके पास दृष्टि का लक्ष्य जीवन की एक दिशा होती है जिसमें वह जा रहा होता है। मैं अपने जीवन के सब बातों में यीशु को पहल देना चाहता हूं और दूसरों की अगुवाई करता हूं कि वह भी ऐसा करें। मैं उनकी जो मशीन है विश्वास में बढ़ने में मदद करना चाहता हूं। मैं उनको जो मशीन नहीं है दिखाना चाहता हूं कि यीशु ने उनके लिए क्या किया है और वह उसके साथ कैसे अपना रिश्ता रख सकते हैं। जानता हूं कि परमेश्वर चाहता है कि मैं यह करूं।

मुझे उसकी अगुवाई चलने की जरूरत है कि उसको कैसे पूरा किया जाए। मुझे पता होना चाहिए कि मैं अपने जीवन में क्या पूरा करना चाहता हूं और कैसे अपने लोगों की अगुवाई करूं। एक अजूबा को पता होना चाहिए कि वह कहां जा रहा है नहीं तो वह वहां कभी नहीं पहुंचेगा। अगर आप एक लक्ष्य पर निशाना लगा रहे हैं तो आपको स्पष्ट रूप से लक्ष्य दिखना चाहिए नहीं तो आप इस पर कभी भी निराशा हो नहीं लगा सकते यह वह नहीं जो मैं अपना करना चाहता हूं लेकिन वह जो परमेश्वर मुझे से करवाना चाहता है जिसे कलीसिया कि मैं पर वासवानी करता हूं कमा उसके लिए जो मुझे परमेश्वर ने दर्शन दिया है वह यह है कि उन लोगों को तक पहुंचाएगा जो बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं और जीवन में संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें बहुत सारा प्यार, परामर्श, शिक्षा और प्रोत्साहन देकर हम उन्हें आत्मिक रूप से स्वस्थ होने और उनके विश्वास में बढ़ने के लिए सहायता करते हैं। मैं अपनी कलीसिया को एक शिक्षण अस्पताल के रूप में देखता हूं हमें ऐसे लोग मिलते हैं जो दुख दर्द से भरे होते हैं, परमेश्वर की मदद से उन्हें चंगा करते हैं और फिर उनके प्रशिक्षित करते हैं तो वह दूसरों की मदद कर सके। एक छोटी सी कन्या है हम अपने आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को जान सकते हैं और उसकी मदद कर सकते हैं लोग सहायता और सेवा करने के लिए प्यार करने वाले और आशीर्वाद उपहार प्राप्त किए हुए होते हैं, शिक्षण और परामर्श के मेरे ऊपर उनके उपहारों के अतिरिक्त है। हम मिलकर इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम करते

कई सालों तक मेरा लक्ष्य एक बड़ी कलीसिया विकसित करने था लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ और मैं बहुत निराश था पुलिस टॉप तब मुझे एहसास हुआ कि जो भी आकार हो कोमा प्रत्येक चर्च के लिए परमेश्वर की अलग योजना है। जिस चर्च कि मैं पास वाणी करता हूं वह उन लोगों की मदद करने जो संघर्ष कर रहे हैं और उनके विकास के लिए शिक्षा देने जैसे कुछ अच्छे काम कर सकता है ऐसे अन्य कार्य हैं जो जैसे सुसमाचार का प्रचार करना जो करने से हम बहुत ज्यादा अच्छे नहीं हैं जैसे मैंने अपनी कलीसिया के लिए परमेश्वर की योजना को मांगा मैं उस पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम था जो वह चाहता था। हमारा लोगों का विकास करना है ना कि चर्च बढ़ाना पुलिस करती हुई और उसके कार्यक्रम

परमेश्वर की इच्छा को पूरा करने का एक तरीका हो सकता है लेकिन वह अंतिम लक्ष्य नहीं है बड़ी संख्या में लोगों की कलीसिया बहुत सारे लोगों के लिए अच्छा है क्योंकि इसके द्वारा बहुत सारे लोगों के पास पहुंच जा रहा है जिनकी यीशु की जरूरत है।

लेकिन अधिकांश कलीसिया आओ कभी बड़ी गलतियां कि नहीं बदलती कॉम और परमेश्वर के पास उनके लिए भी एक योजना और उद्देश्य होता है। अधिक से अधिक लोगों हमारी सांसों में शामिल होना बाइबिल का लक्ष्य नहीं है कोमा बल्कि लोगों का यीशु के पास लाना और उन्हें आत्मिक रूप से परिपक्व बनाने में मदद करना भाई बिल का लक्ष्य है। पादरी होते हुए परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि आप उसे जाने ना जाने जो परमेश्वर हमारी कलीसिया के लिए चाहता है अक्सर एक पादरी दूसरी कलीसिया से 14 प्राप्त करेगा ऐसा सोचा कि उसी की तरह होते और उसको अपना लक्ष्य बना लेता है। कि फिर वह परमेश्वर से ऐसा हो जाने के लिए प्रार्थना करता और हैरान होता है कि ऐसा क्यों नहीं होता। हम उसकी पेड़ों की पास बानी करते हैं और हमें उसी की तरीके से उसे करने की जरूरत है। जैसे हम अपनी बुद्धि की तलाश करेंगे कौन है हमारा मार्गदर्शन करेगा और हमारी अगवाई करेगा। हमें पता होना चाहिए कि वह हमारी सेवाएं में क्या पूरा करना चाहता है और फिर हमें उस सब को अपना लक्ष्य बनाना चाहिए पूर्ण ब्रह्म परमेश्वर क्या चाहता है प्रार्थना यह जानने की एक कुंजी है पूरा ऑन यहां तक कि स्वयं परमेश्वर के मार्गदर्शन और दिशा के लिए प्रार्थना में बहुत समय बिताते थे उन्होंने परमेश्वर को अपने मानो और जिलों में उसके सपनों और दिशा को डालने दिया और फिर उन्होंने इनका चालान किया इसीलिए परमेश्वर की आवाज को सुनना सीखना महत्वपूर्ण है इसके बारे में अधिक अधिक जानकारी के लिए अध्याय 2 देखें एक अगुवा को पता होना चाहिए कि यहां की जा रहा है वह कैसे पूछेंगे पूर्णविराम जब कोई अखबार लेता है कि वह कहां जा रहा है कोमा तो उसका अगला कदम होता है कि वह कैसे पहुंचे पहुंचा जाए इसके लिए कि मेरी गलियों की सहायता करें जो दुखी है और जीवन में संघर्ष कर रहे हैं हमारे लिए यह जानना जरूरी है कि हम उन्हें पर पाक बनाने में क्या सहायता करें रूप में करना होगा सच्चाई सीखनी चाहिए ताकि वह उसे समझा उसका पालन करें

उनकी व्यक्तिगत जरूरतों की सहायता करने के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से शिष्य बनाना चाहिए पूर्णिया के लोगों को उनकी मदद करने के लिए प्यार और दोस्ती की भावनाओं के साथ हर संभव तरीके से पहुंचना चाहिए मुझे अपने लोगों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने और प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है पूर्व एक दृष्टि का होना महत्वपूर्ण है लेकिन फिर एक अगुआ को यह जानना जरूरी है कि वह उस दृष्टि की ओर बढ़ने के लिए क्या कदम उठाने चाहिए पुणे दिल पर रखा है कि आप की कलीसिया पास में एक और कलीसिया को शुरू करें तो आपको यह जानना होगा कि इसके लिए कौन सा कदम उठाना चाहिए प्रोग्राम पेज नंबर 32आपको सभा शुरू करने के लिए समय और स्थान की योजना बनाने की आवश्यकता है कोमा और उन लोगों को प्रशिक्षित करने की जो सेवाओं की अगुवाई करने के लिए जाएंगे। फिर आपको यह जानने की जरूरत होगी कि आप उन लोगों के साथ कैसे काम करने जा रहे हैं जो उन्हें आत्मिक रूप से साथ लाने के लिए आने लगते हैं। याद रखें कि केवल कमा आपके पास परमेश्वर के दर्शन है और वह कैसे पहुंचना है इसका पता है इसका एक मतलब नहीं होगा यह बहुत तेज और आसान होगा पूर्णब्रह्म आगे बढ़ते रहने के लिए धैर्य और प्रतिबद्धता चाहिए पूर्ण ब्रह्म परमेश्वर सभी बाधाओं को दूर नहीं करेगा, क्योंकि जैसे हम उनका सामना करते हैं वह हमें सिखाते हैं और परिपक्व करते हैं पूर्ण ब्रह्म परमेश्वर हमारे विकास में उनका उपयोग करता है जैसे हमने अध्याय 1 में देखा है। एक धर्म अगवा को दृढ़ता की आवश्यकता होती है (इब्रानियों 12:1–2) हम उन किसानों की तरह है जो जमीन तैयार करते हैं काम में बीज होते हैं और पौधों को देखभाल करते हैं। किसी भी परिणाम को देखने से पहले धैर्य और दृढ़ता लगते हैं उड़ गया और तब भी फसल हमेशा उतनी ही होती है जितनी कि हम उम्मीद करते हैं पूर्व या एक अगवा को पता होना चाहिए कि दूसरे को अपने साथ लेने कैसे लेना है जब एक अगवा यह जानता है कि वह कहां जा रहा है और वह कैसे पहुंचना है तब उसे सक्षम होने की आवश्यकता है कि वह अपने साथ दूसरों को कैसे ले। कुछ युवाओं के साथ काम करना मुश्किल होता है क्योंकि वह खुद को और दूसरों को अधिक दबाव में ले आते हैं लोग किसी ऐसे व्यक्ति के अनुसार नहीं चलते जो कठोर और मांग

करने वाला है। बहुत से लोग मजबूत इरादे करने वाले हैं जो जानते हैं कि वह कहां जा रहा है और वह वहां कैसे पहुंचे लेकिन वह

दूसरों के साथ अच्छा काम नहीं कर सकते इसीलिए वह असफल हो जाते हैं। यह व्यवसाय के साथ कलीसिया की भी सच्चाई है पूर्ण ब्रह्म कई अगुवाई आगे बढ़ने में बहुत धीमे होते हैं और लोग उनके अनुसार नहीं चलते पूर्व लोगों को आत्मविश्वास नहीं जगाते क्योंकि आगे बढ़ने का जोखिम लेने से डरते हैं एक अगुआ को दूसरे लोगों के साथ लेने में सक्षम होना आवश्यक है जो वह कहता है और जो वह करता है उसी से अभी ऐसा है ऐसा करता है। हमारा शिक्षण और हमारा उदाहरण दूसरों को उस दिशा में अगुवाई करना होना चाहिए जिस दिशा में परमेश्वर चाहता है कि हम जाएं पूर्णब्रह्म हमेशा हंसी होना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि परमेश्वर हमसे क्या करवाना चाहता है नहीं तो लोग हमारे अनुसार नहीं चलेंगे (कुरिनथियो 14:8) ऐसे लोग भी हैं जो स्वभाविक अगुवा है जिनके पास आत्मविश्वास और वही गिरी आओ व्यक्तित्व हैं। वह दूसरों की और अपनी और आकर्षित करने करते हैं और लोग कहीं भी उनके अनुसार चलने के लिए तैयार रहते हैं। अगर वे परमेश्वर की इच्छा को परमेश्वर के ढंग से पूरा करने के लिए प्रतिबंध नहीं है कोमा तो दूसरों का ध्यान उन पर गर्व करेगा और वे अपने स्वयं के अहंकार के लिए अपने नेतृत्व कौशल और उपयोग करेंगे पूर्व उनकी अगुवाई से और आए लोगों का ध्यान का यह आनंद लेते हैं और चाहते हैं कि सभी उनको पसंद करें पूर्ण ब्रह्म पाल उस की मूर्ति को यह कहते हुए इसके पूर्व चेतावनी देता है कोमा की अगुवाई को कितना परिपक्व होना चाहिए ताकि ऐसा ना हो (1तीमुथियुस 3: 6) कभी–कभी हमारी कलियों में अब तक के लोग किसी भी अगवा के पीछे भागने की जल्दी करते हैं जो उन्हें आकर्षक लगता है। यह एक पादरी के लिए कठिन है जो अपनी भेड़ों से प्यार करता है पूर्व रहे उनके लिए भी खतरनाक है। बस दूसरों की अगुवाई कर लेने से सक्षम होना ही काफी नहीं है, हमें परमेश्वर के निर्देशन में उनकी अगुवाई करनी चाहिए पूर्णिमा को योगिता कविता की आवश्यकता है लोगों को उस दिशा में ले जाने के लिए जिनमें परमेश्वर चाहता है कि हम उनकी अगुवाई करें इसके लिए प्रवीणता चाहिए जो लोग इसे सिर्फ अपने व्यक्तित्व को दोबारा करते हैं अक्सर ही करने के लिए जाते हैं जो सही होते हैं होने की बजाय लोकप्रिय हैं इसके अखबारों परमेश्वर और लक्ष्य की बजाय अपने को समर्पित हो जाते हैं

इसीलिए अगर यापन करने के लिए स्वाभाविक रूप से नहीं आता है ठीक है और बहुत से अगवा परमेश्वर चुनता है वह मुझे होते हैं जिनके पास प्राकृतिक नेतृत्व कौशल नहीं है पूर्व यह निश्चित रूप से मेरे लिए भी सच है यह वह

ऐसे लोग करते हैं जो हमें उस पर निर्भर होना पड़े और जो कुछ भी जो हमारे माध्यम से करता है उसके शहर को प्राप्त करें। वह निश्चित कौशल है जिन्हें किसी भी अगवा को विकसित करना होगा पूर्व प्रभारी रूप से संवाद बातचीत करने में सक्षम होना अधिक महत्वपूर्ण है मैं 11 है पूर्व में बात कर सकते हैं परंतु जिस दिशा को हम जा रहे हैं उसको समझने के लिए सही शब्दों का उपयोग करना कमा और यह सुनिश्चित करना कि लोग समझ रहे हैं और उसे सहमत हैं जो हम कहते हैं यह एक कौशल प्रवीणता है जो समय के साथ विकसित होता है। जो कुछ आप कहेंगे उसकी पहली योजना बनाएं से रेखांकित करें ताकि वह सब कुछ कहे तो आपको सही क्रम में कहना है पूर्व लोगों को प्रसन्न पूछने दें ताकि आप जान सके कि लोग क्या नहीं समझते हैं पूर्व उनके सुझाव के लिए खुले रहे कि परमेश्वर उन के माध्यम से बोल सकता है पूरा एक और कौशल और प्रेरणा को एक व्यक्ति एक महत्वपूर्ण है जिसको आवश्यकता है और जाना है मैंने पाया है कि मेरी गलियां मेरे ईमानदारी से पूरा करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने और उन्हें बनाने के लिए क्षमता ने उसको कलीसिया को मुझ पर विश्वास करने और मेरी अगुवाई से चलने का कारण बनी है। इसलिए मेरे चलते हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उन्हें प्यार किया जाता है कॉमन आवश्यक है और उनका सामान होता है हम में से प्रत्यय को यह जानना जरूरी है

पेज नंबर 33

संगठन एक और कौशल है जिसकी एक युवक की जरूरत है । हमें दूसरे के साथ बूज साझा करने में सक्षम होना चाहिए जिसे हम ने प्रशिक्षित किया है (अध्याय 7 देखें) हमें अपनी योजना बनाते और उन्हें पुनः करने में सक्षम होने की आवश्यकता है जैसे हम अपने लक्ष्य की ओर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचते हैं छोटे–छोटे विवरणों का ध्यान रखना चाहिए ताकि काम आसानी से चले अगर कोई पादरी इस पर अच्छा (सक्षम)नहीं है तो परमेश्वर उसे एक पत्नी देगा या फिर उसके साथ मदद कर सकता है एक अगुआ देगा । परमेश्वर उम्मीद करता है कि हर पादरी अपने संगठनात्मक कौशल में सुधार करता रहे।

एक युवक को चरित्र की जरूरत हैरू एक अगुआ के रूप में हमें अच्छी तरह से कार्य करने के लिए कौशल की आवश्यकता होती है परंतु हमें चरित्र की भी आवश्यकता होती है। हम जो करते हैं उसके लिए हुनर की जरूरत होती है , लेकिन जो हम हैं उसके लिए हमें परिपक्व और परमेश्वर के आत्मिक जन होने की जरूरत है। अगुवाई के कौशल सीखना महत्वपूर्ण है लेकिन वे तब तक किसी काम के नहीं होंगे जब तक हम अपने दैनिक जीवन में अधिक से अधिक नहीं बन जाते हैं। अध्याय 1 में हमने उन नेताओं को देखा है जो परमेश्वर के पास उन लोगों के लिए है जो वासवानी करते हैं। (तिमोथियस 3: ,1–7, तेतुस 1:5–9) योग्यता कुछ ऐसी चीज है जो परमेश्वर हमें देता है लेकिन सेवा करने के लिए उपलब्धता केवल एक विकल्प है जिसे हम बना सकते हैं यही कारण है कि हमें आत्मिक रूप से बढ़ते रहना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है जिसे हमने अध्याय 1 में भी देखा था। किसी भी अच्छी इमारत की एक ठोस नींव की आवश्यकता होती है। हमारे जीवन की यही सच्चाई है।खुश से पहल नहीं देता आखिर असफल हो जाता है।

हमारे परिवार और किल सिया के लोग बता सकते हैं कि हम किस तरह के लोग हैं। अक्सर में हमसे बेहतर बता सकते हैं जितना हम अपने बारे में बता सकते इसलिए एक चर्च को अगवा होने से पहले हमारे लिए अपने घर का अगुआ होना महत्वपूर्ण है। (तिमोथियस 3रू4–5) हमारे अनुसार चलने के लिए योग्यता का हम

पर विश्वास होना जरूरी है । उन्हें विश्वास होना चाहिए कि हम जो कर रहे हैं वह सही है और परमेश्वर यही चाहता है। अगर उन्हें लगता है कि हम यह अपने गौरव के लिए कर रहे हैं तो वे इसका पालन नहीं करेंगे।

हमें उन भेड़ों से सच्चा प्यार करना चाहिए जिनकी हम देखभाल करते हैं जैसे एक मां बाप उन बच्चों से प्यार करते हैं जिसकी वह परवाह करता या करती है। हमें उन लोगों की कमजोरियों को जानना जरूरी होगा जिनकी हम बुवाई करते हैं ताकि हम इनको दूर करने में उनकी मदद कर सके लेकिन उनके विकास में सहायक करने के लिए हमें उनकी कुशलता पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए अगर हम क्रोध भाई कड़वाहट नियंत्रण की कमी या आत्म केंद्रित से चरित्र हैं तो लोग हमारा पालन करना नहीं चाहेंगे। हम यीशु के पीछे इसलिए चलते हैं क्योंकि हम उसका सम्मान करते हैं और उसकी अगुवाई का प्रत्युत्तर देते हैं।

बहुत से अगवा घमंड के कारण ऐसा करने में असफल होते हैं। जब भी गलती करते हैं तो वे इसे स्वीकार करने और सीखने के बजाय दूसरों को दोष देते हैं। में सुधार के लिए खुले नहीं हैं और उनके पास सिखाने की आत्मा नहीं है। उनके पास ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसके प्रति वे जवाब दें हो या कोई और अधिक परिपक्व और अनुभवी परामर्शदाता हो।

सच्ची अगुवाई करना हमारी विनम्रता मांगती है यूसुफ ने शिष्यों के पैर धोए और दाऊद ने अखंडता से अगुवाई की (भजन संहिता 78:72) । हम लोग वही करने में जितना ऊपर जाते हैं हमें अपने चरित्र विकास में उतना ही गहरा जाना चाहिए जैसे हमारी सेविका ई बढ़ती है हमारा दिल भी उतना बढ़ना चाहिए। और अगर हमारी सेविका ही आगे नहीं बढ़ती जैसा हम चाहते हैं तो यह हमें परमेश्वर की तरफ मोड़ने पर और अपने चरित्र में अधिक वृद्धि करने के लिए मजबूर करता है।

एक पादरी और बुआ के रूप में हम लोगों के सामने हैं जहां वे हमें बढ़ता हुआ देख सकते हैं। में देखते हैं कि हम दवा विफलता और जीवन की दैनिक समस्याओं को कैसे संभालते हैं यह परमेश्वर पर भरोसा करने और लोगों को हमारी उदाहरण से सिखाने के अवसर हैं परमेश्वर यह वादा नहीं करता कि उसके लिए हमारा एक अगुआ बनना आसान होगा। हम कठिनाइयों में से होकर गुजरेंगे जैसे वह भी गुजरा इसलिए कि हम हर हाल में वफादार रहें।

पेज नंबर 34

प्राथमिकताएं चाहिए हमारे समय के लिए उससे अधिक उपयोग है कोमा जितने की उपयोग करने के लिए समय कोमा एक अच्छा अगवा होने के लिए हमें चुनना होगा कि इनमें से क्या—क्या महत्वपूर्ण है और उन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसीलिए कि हम कुछ कर सकते हैं और इच्छा है इसका मतलब यह नहीं कि हम इससे समय का उपयोग करते रहे पूर्व हमें इसकी जानकारी होनी चाहिए कि हमें अपने समय का सबसे अच्छा क्या—क्या करना चाहिए। धन की तरह,समय भी केवल एक बार उपयोग किया जा सकता है इसीलिए सुनिश्चित करें कि आप इसे समझदारी से उपयोग करते हैं। इसका अक्सर मतलब होता है, लोगों को और उनकी इन नेताओं को ना कहना पूर्णविराम यह मुश्किल हो सकता है कि हमारे लिए वह ना करना जो दूसरे सोचते हैं कि हमें करना चाहिए, पर एक दिन आपको परमेश्वर के सामने खड़े होकर इसका जवाब देना होगा, कि आपने अपने समय और लोगों को कैसे प्रयोग किया प्रोग्राम जो वह सोचता है वह दूसरों की सोच से अधिक महत्वपूर्ण है। अच्छी चीजों को ना कहना सीखे तो कि आप सबसे अच्छी चीजों पर ध्यान केंद्रित कर सकें उन चीजों पर जिनकी परमेश्वर उम्मीद करता है कोमा उन चीजों को जिनके बारे में हम इस किताब में बात कर रहे हैं। एक अच्छा अगुआ बनने के लिएएक अच्छा अगुआ बनने में समय लगता है। यह जीवनकाल चलने वाली प्रक्रिया है। परमेश्वर अगुवा के रूप में हमारी स्थिति का प्रयोग करेगा ताकि हम की सुविधाएं बढ़ने में सहायता पा सके एक पुरवा जैसे यीशु, परमेश्वर हमारी कलीसिया से क्या उम्मीद करता है पादरियों के रूप में परमेश्वर हमसे यह उम्मीद करता है कि हम अपनी कलीसिया के जवानी करें पूर्ण परंतु किस दिशा में पुलिस टॉप 10 से क्या

उम्मीद करता है एक जानता है कि वह कहां जा रहा है लेकिन परमेश्वर कहां चाहता है कि हम कलीसिया के साथ जाएं और चर्च चर्चा कैसे होना चाहिए। हमारे समय के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं क्या है यह जानने के लिए एक पादरी के रूप में परमेश्वर हम से क्या उम्मीद करता है हमें यह जानने की जरूरत है कि वह हमारी कलीसिया से क्या उम्मीद करता है उसी तरह अलग हैं पूर्व अधिकारी हैं जो पेट के पास रहने से क्या उम्मीद कर्ता करता है कलसिया की परिभाषा चर्च शब्द का इस्तेमाल बाइबिल में दो अलग–अलग तरीके से किया गया है। उन सभी भाषाओं का उल्लेख करता है कॉमर्स जो उस समय से परमेश्वर के पास आए हैं जब इस पृथ्वी पर था से लेकर आज वह वापस

नहीं आता इसे मैं इसके देने को कहा जाता कुरनतियों 12:27 एफसीओ 14 से लेकर किसी भी जगह के मसीहा से बना है शब्द का दूसरा उपयोग का तरीका किसी भी राशियों का उल्लेख करता है चौथी का चर्च जिसके बारे में बात करना चाहते हैं इसी समूह की तरह होते हैं मति 1820 केवल दो या तीन मछलियों को यीशु के नाम में खट्टा होने को चर्च कहा जाता है। परमेश्वर एक आदमी को अगवा और और पादरी होने के लिए देगा जो भेड़ों की इस ढूंढो को मार्गदर्शन कर आए नए नियम में कुछ चर्चा की संभावना योग में होती है, अधिकांश घरों में से थे और इसीलिए काफी छोटे थे और यदि वे बहुत बड़े 20 या 30 से अधिक लोग हैं कमर में नहीं बैठ सकते इसीलिए दो या तीन अधिक समूह में विभाजित होंगे और इस तरह बढ़ते रहेंगे कल शियाओं का सिर प्रमुख यीशु का सिर है(इकिसियो 1:22 5:23 कुलसियो 1:18) हम वह असली अगवा और योजनाकार है पूर्ण ब्रह्म हम सहायक चरवाहे हैं जिन्हें अपनी कुछ भेड़ों की देखभाल करने का सौभाग्य प्राप्त है क्योंकि वह उन सब की देखभाल करेगा। यीशु पवित्र आत्मा के माध्यम से कलीसिया की अगुआ करता है, जो कलीसिया में युवाओं को खड़ा करता है प्रेरिते के काम 20:28 कलीसिया के आत्मिक उपहार देता है इससे हमारे उपदेश को समर्थी बनाता है विश्वास से मार्गदर्शन करता है आराधना को प्रेरित करता है आओ 2018 और प्रार्थना रोमियो 8:27 और हमारी सब गतिविधियों में मार्गदर्शन करता है प्रेरितों के काम 13:20 कामा 16 पब्लिक सर्च।

पेज नंबर 35

35 कलीसिया का उद्देश्य आई विल में परमेश्वर सफाई से दिखाता है कि हम सब से क्या करने की उम्मीद करता है। आरंभिक कलसिया जिन इकट्ठे लोग होते थे तो वह शिक्षण, आराधना, और सौभाग्य था करते थे प्रेरित ओके काम आज भी परमेश्वर हम से यही उम्मीद करता है। कलीसिया में शिक्षण से भाव है जो परमेश्वर हमसे बोलता है। यीशु ने हमें उसका वचन सीखने के लिए आज्ञा दी मति 28 19:20 दवा को परमेश्वर के वचन की गफलत की मार्फत लोहिया गया था। नील को बताते हुए उनका विरोध किया इस बारे में अधिक बाद अध्याय 5 में करेंगे कि हमें कैसे करना है पूरा परमेश्वर हमारे साथ शिक्षा के माध्यम से बोलता है पर हम उसके साथ प्रार्थना और आराधना के माध्यम से बोलते हैं पूर्व रही परमेश्वर अपने लोगों से उम्मीद करता है जब वह इकट्ठा होते हैं पर हम से उम्मीद करता है कि हम उनकी सुने और उससे बात करें लेकिन हम वह हमसे यह भी उम्मीद करता है कि हम एक दूसरे के साथ सहभागिता से बात करें यहां को प्रोत्साहन और समर्थन के लिए एक दूसरे की जरूरत है (इवृनियो 10:25) यीशु को अपने चेलों के साथ संगीत की आवश्यकता थी। कलीसिया के रूप में से इकट्ठा होने से हमें दूसरे मशीनों से जानने और सीखने का अवसर मिलता है। इसीलिए परमेश्वर यह उम्मीद करता है कि हम शिक्षण परमेश्वर की सुनना आराधना और प्रार्थना परमेश्वर के साथ बात करना और सहभागिता दूसरों

के साथ बात करना रखें जब हम इकट्ठा होते हैं पूर्व राम हम उनके पास भी पहुंचना है जो हमारे शुभ समाचार प्राप्त प्रचार समूह का हिस्सा नहीं है (मती 28:19–20,) प्रेरित के काम जबकि प्रति एक कलीसिया को यह चारों काम करने चाहिए, प्रत्येक कलीसिया में कुछ भाग किसी काम से ज्यादा अच्छा होगा और दूसरों से ज्यादा कमजोर होगा। अक्सर एक कलसिया उन्हीं क्षेत्रों में मजबूत या कमजोर होगी जिन क्षेत्रों में पादरी मजबूत या कमजोर है पूर्व राम जिस कलीसिया का काम पासवान है वह शिक्षण और सहभागिता से मजबूत है। मेरे ऊपर शिक्षण के क्षेत्र में है इसीलिए मैं बहुत कुछ करता हूं। अधिकांश लोगों के ऊपर मदद के क्षेत्रों में है सेवा और इसीलिए दूसरों को सब्जी सहभागिता देने में अच्छे हैं पूर्व राम हम प्रार्थना और आराधना में कमजोर हैं हालांकि हम इन क्षेत्रों में अच्छा करने की पूरी कोशिश करते हैं पूरा यह हम सबसे

कमजोर है वह वह है सुसमाचार प्रचार करना पूर्व राम हम उस तक पहुंचने की कोशिश करते हैं लेकिन वह जगह नहीं है जहां हमारे उपहार या ताकत है। हमारे पास के अन्य चर्च बेहतर हैं उनमें कोमा परंतु हमेशा लोगों के साथ बात करने जिनकी बड़ी–बड़ी समस्याओं में सक्षम नहीं है इसीलिए हम उस क्षेत्र में हम उसकी मदद करते हैं परमेश्वर आदमी का आदमी शिक्षण आराधना सहभागिता बिना सुसमाचार प्रचार करना।

पेज नंबर 36

जब हमने उपहारों का ध्यान दिया तो हमने देखा कि एक देश है जिसमें कई तरह के अंग है जो इकट्ठे मिलकर किसी काम को पूरा करने में पूरा करते हैं रोमियो 12:38 परमेश्वर लोगों को विभिन्न तरीकों से उपहार देता है ताकि वह सभी के लाभ के लिए अपने उपहारों को साझा करते हुए एक साथ काम करें यह अक्सर उनकी सच्चाई है जो एक दूसरे के पास है पूर्व उनके पास अलग–अलग ताकत और कमजोरियां होंगी की आराधना और प्रार्थना का संगीत और सुसमाचार प्रचार करने को को पूरा करते हैं इसीलिए पादरियों को एक दूसरे को अच्छी तरह से जानना चाहिए और कल शियाओं को एक साथ काम करना चाहिए कौन एक दूसरे के साथ प्रतियोगिता मुकाबला नहीं कुरुंथिओं 3:8–9 हम सभी मसीह के अंग है। कल शियाओं के अगले कलीसिया के अगुवाई में स्थानीय चर्च अगले के दो समूह में अलग करती है। कुछ आत्माएं देती हैं और उन्हें बुजुर्ग कहा जाता है इसमें पादरी और अन्य पुरुष शामिल होंगे जो लोगों की शिक्षा और आत्मिक जरूरतों में मदद करते हैं। दूसरी कलीसिया में भौतिक आवश्यकताओं को ध्यान रखते हैं और उन्हें डिकॉन्स कहा जाता है। वैसे अमानत और संपत्ति चर्च के पास है यह की देखभाल करते हैं जरूरतमंदों की भोजन और कपड़े और किसी भी तरह की मदद करना इनके करता में आता है यह

पुरुषों द्वारा भरे जाने के लिए होते हैं (1 तीमुथियुस 2:11–15) महिलाओं के पास उपहार हो सकते हैं और इन उपहार पदों पर सेवा कर सकती हैं जैसे वह बच्चों और अन्य महिलाओं के लिए सेवक है। व पुरुषों की तरह मदद कर सकती हैं और कई मायने में पुरुष पादरी की तुलना में महिलाओं और बच्चों के साथ अधिक प्रभावी साबित हो सकते हैं। इसीलिए महिलाओं को आज्ञा दो और प्रशिक्षण दो कि वह महिलाओं और बच्चों की सेवा अपने उपहारों के अनुसार कर सकें। जो पहले ही पदों पर हैं उन्हें नए युवाओं को प्रशिक्षित और नियुक्त करना चाहिए। कुछ कलीसिया है सभी को अगवा चुनने के लिए वोट देने को कहते हैं पूर्व यह वह नई है जैसे उन्होंने नए नियम से किया। दूसरे अब वे जानते हैं कि हम किस चीज की जरूरत है और जिनको परमेश्वर नियर बाय पदों पर रख रहा है उनमें क्या होना चाहिए, इसलिए यह बहुत अच्छा है कि वर्तमान अगुवाई नए युवाओं की नियुक्ति करें। पाल उसकी आवश्यकता को

हमेशा याद रखें कि नया नहीं है (तीमुथियुस 5:22) लेकिन इसकी वजह से जो अपने विश्वास में बढ़ रहा है और परिपक्व हो रहा है। कलीसिया की शासन प्रणाली आज चर्च संगठन के विभिन्न रूप है। व्हाई विल सभी चर्चों के लिए एक कोई एक स्पष्ट मॉडल नहीं देती है पूर्व हर एक को परमेश्वर के मार्गदर्शन की तलाश करनी चाहिए जो उनके लिए सबसे अच्छा क्या है। यह चर्च की शासन प्रणाली के कुछ मुख्य रूप है। एक जन शासन यह एक व्यक्ति एक या एक से ज्यादा कल शियाओं पर शासन करता है। को पल रोमन कैथोलिक मैं थोड़ी और हाथों में शासन प्रणाली का रूप है प्रतिनिधि यह शासन प्रणाली का वह रूप है यहां पर बनाने के लिए कई सदस्यों को चुनते हैं जो अगुवाई करते हैं पूर्व रोटी और ऐसा करते हैं। सामुदायिक शासन प्रणाली वह है जहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार प्राप्त है और सभी हर निर्णय में एक वोट है पूर्ण ब्रह्म और समस्याओं का ऐसे होता है कोई नहीं है इनकी तरह अभ्यास किया जाता है जबकि हमें किस शासन प्रणाली का उपयोग करना चाहिए स्पष्ट रूप से यह बताता है कि हम सभी विश्वासी उनकी दृष्टि के समान है 25 और यह कि हम से प्रत्येक को सीधे परमेश्वर के पास जाना चाहिए किसी दूसरे के माध्यम से नहीं क्योंकि वह टेक्स्ट हूं मेरा मानना है यह शासन प्रणाली का सबसे

अच्छा रूप है और जो सबसे निकट पूर्व कलीसिया का पालन करता है कि चर्च में विधित और मतभेदों के लिए जगह है। एक पादरी की भूमिका एक परिवार की तरह है और पादरी एक पिता के समान होना चाहिए (तिमोतियुस 3:4–5) इसका मतलब के हर वह हर एक के साथ व्यवहार और सम्मान से पेश आए।

<u>पेज नंबर 37</u>

वह सभी की अफवाह और देखभाल करता है यह सब की कि जो कुछ होता है क्योंकि वह परिवार के सब सदस्यों के लिए परमेश्वर के सामने उत्तरदाई है। (ईबरानियो 13:17) यीशु हमारी उदाहरण है। हमें अपनी भेड़ों की अगुवाई उस तरह करनी है जैसे यीशु ने किया उन सब के सबसे जिन्होंने उसका पालन किया पूर्व ग्राम उसके जीवन का अध्ययन करें और उसकी नकल करें। वह सब बातों में हमारे लिए मुख्य उदाहरण है। चर्च के लिए पैसा देना जबकि पुराने नियम में अवधि के लिए 10 मार्च देना जरूरी है प्रोग्राम नया नियम किसी विशेष रकम या मात्रा के लिए जो हमें देना चाहिए बताता कुरुंथिओं 16:12 कहता है कि हर कोई जैसा परमेश्वर उन्हें दान दे 267 स्पष्ट करता है कि हम जो राशि देते हैं उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि हम इसके इरादे से देते हैं और कुछ 1241 1044 मैं व्यक्तिगत रुप में 10 मात्रा का उपयोग शुरुआत के रूप में करता हूं जो लोग कर सकते हैं और अधिक देना चाहिए वह शुरू करने के लिए एक अच्छा स्थान है पूर्व को कानूनी रूप से ना करें लेकिन प्यार और प्रशंसा से उस सब के लिए जो परमेश्वर ने हमें दिया है पूर्व लोग 10 दर्शक भी नहीं दे सकते और

ठीक है परमेश्वर हर एक के दिल को और संसाधन को जानता है। परियों की आर्थिक सहायता परमेश्वर चर्च में लोगों से पादरी की सहायता से अधिक रूप से योगदान करने की उम्मीद करता है। इस तरह उसके पास अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का समय होगा बिना इसके अपनी जीवन पालन में उपयोग करने से (तीमुथियुस 5:17—18) वयवसथाविवरण 25:4. 25:13) कुछ कलीसिया है बहुत छोटी और बहुत गरीब होती है यह सब करने के लिए पर यह ठीक है पूरा हल्ला की अलग लोगों के पास पैसा है लेकिन नहीं देते हैं तो यह गलत है। पादरी लालची नहीं होना चाहिए एक पतरस 5:14 हमें पैसे प्रेम नहीं होना चाहिए परंतु हमें अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए इसकी जरूरत है एक पात्री को अपनी कलीसिया के लोगों के सामान आर्थिक स्तर पर रहना चाहिए पूर्व चर्चों का मानना है कि पादरी गरीब होना चाहिए और यह कि गरीब गरीबी विश्वास से जीने का एक उदाहरण है पूर्णब्रह्म जो भी मानक परमेश्वर कलियों के रूप के लोगों को रहने की अनुमति देता है वह पादरी और उसके परिवार के लिए भी मानक होना चाहिए

दरी के लिए यह बहुत कठिन हो सकता है कि वह अपने लोगों को यह सिखाओ और उन्हें ऐसा करने के लिए प्रेरित करें ताकि वह अपने पूरे समय सेवा कर सके लेकिन हमें अपने लोगों को अपने पैसों के साथ अच्छे प्रबंधन बनने की शिक्षा देनी चाहिए और इसमें पादरी और उसके परिवार के लिए प्रावधान भी शामिल है बपतिस्मा का महत्व पानी में डुबकी से व्यस्त वाली 32 में उगने की तस्वीर है रोमियो 6:14. 2:10—12 खुशियां आएं यह ना तो मुकीत प्रदान करता है और इसके मुख्य को जोड़ा जा सकता है जल्दी आ रहे समय खुद भी नहीं होता है इस से 1 लोगों के सामने किए जाने वाला एक अभिनव है उसका जो पहले ही एक व्यक्ति के दिल में हो चुका है कौन जानी अपने लिए मरना और परमेश्वर के लिए जीना यह विश्वास का एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक गवाही है। इसे जीवन में एक बार ही किया जाना चाहिए कामा परंतु इसके बाद आई विल में इस शब्द का मतलब है डुबकी यमुना में डुबकी के द्वारा सीमा दिया और उसने जब पत्तीसीमा लिया तो डुबकी लगाई थी प्रारंभिक ने विष वासियों को डुबकी लगाने का अभ्यास किया प्रेरित का काम 8:36 आरंभ में जब एक व्यक्ति को सीमा दिया

जाता था तो उनका यूं ही परिवार उन का परित्याग कर देता था। क्योंकि यीशु की अनुयाई होना समनापुर इसीलिए परिवार उन्हें अस्वीकार कर देता कमा मानो के वह मर गए हो यह एक उन्हें अपनी चीजों को दफनाने के लिए जाना पड़ता था अंतिम संस्कार वह उनके साथ फिर कभी नहीं बोलते और ना कुछ मेलजोल रखते कमा वह बपतिस्मा लेने वाले जीवन को विश्वास का एक महत्वपूर्ण था पर उन लोगों को सम्मान करता जो इस प्रतिबंध को बनाते हैं और उन्हें आत्मिक रूप से असहाय देता है प्रभु भोज का महत्वऐसा कुछ नहीं कहती कि हम इसे कितनी बार करना हमारे लिए पालन करने के लिए कोई नमूना नहीं था।

पेज नंबर 38

प्रभु यीशु के देह का जिसे तोड़ दिया गया था और खूब जो मुकेश के लिए वाया गया था। उनका एक समृद्ध यादगिरी है जैसे की रोटी और से प्राप्त होता है उसी तरह मुकित बिना कीमत प्राप्त होती है पूरा भुगतान किसी और को पूरा किया गया था लेकिन हमें इस सेवाएं प्राप्त करना चाहिए पूर्व रविवारी रूप से होने वाली तस्वीर है उसकी जो अंदर होता है वह भी कुछ जुदाई का रहस्य में नहीं होता है जिन लोगों ने यीशु को उद्धार का मुफ्त उपहार स्वीकार किया कि उन्हें इसका पालन करना चाहिए क्योंकि यह हमारे प्रधान के लिए परमेश्वर को याद करने और उसकी आराधना करने में मदद करता है इसी ये भाग्य देते साथियों को सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके जीवन में कोई पाप नहीं है, (कुरिनिथियो 11:23.32)!

परमेश्वर क्या उम्मीद करता है परमेश्वर प्रत्येक पादरी से यह उम्मीद करता है कि वह अपने लोगों की अगुवाई करें मार्गदर्शन करें और निगाहे वाणी करे ठीक उसी तरह जैसे एक पिता अपने घर में एक प्रधानाचार्य एक स्कूल में करता है। हम से उम्मीद करता है कि वह जाने वह हमें कहां जाने के लिए चाहता है और वह जाने कि दूसरों को अपने साथ कैसे ले जाना चाहिए। वह चाहता है कि हमारे चर्च शिक्षण कमा अनुराधा संगीत और प्रचार बाद सुसमाचार से चरित्र हो। इनके बारे में सोचें अगुवाई में आपकी ताकत कहां है। आप किन महीनों में एक अच्छे अगवा हैं। अगुवाई में आप की कमजोरियां कहां है पूर्ण राम भगवान के रूप से आप कहां सुधार सुधार करना चाहेंगे पूर्णब्रह्म आपको कहां लगता है कि परमेश्वर चाहता है कि आप अपने परिवार की अगुवाई करें उनके लिए आपका लक्ष्य क्या है पूर्व राम आपको कहां लगता है कि परमेश्वर आपको चाहता है कि आप अपनी कलीसिया की अगुवाई कहां करें इसके लिए आपका लक्ष्य क्या है आप ही कलीसिया किस चीज से मजबूत है यह किस चीज में सबसे कमजोर है शिक्षण आराधना और प्रार्थना सहभागिता सुसमाचार का प्रचार करना पूर्व वर्तमान में किस क्षेत्र पर रमेश को चाहता है कि आप अपना ध्यान केंद्रित करें इब्रानियों 13:17 पढ़िए बाइबल कहती है कि प्रत्येक मसीह परमेश्वर को हिसाब देगा उसके द्वारा दिया हुआ जो कुछ भी था उसका हमने कैसे उपयोग किया (लुका 16:2 रोमियो 14:12) इसका हमारे उतार के साथ कुछ भी लेना चांदेना नहीं होगा क्योंकि वह सुरक्षित है

(रोमियो 8:1 यहुनना) परमेश्वर हमारे इस जीवन में उसके प्रति वफादारी के आधार पर अंत जीवन के लिए हमें आशीष और इनाम देगा कुर्तियां क्या आप उस समय को याद कर सकते हैं जब आप कठिनाई भरे समय में भी विश्वास नहीं है योग बन रहे हैं पास बानी आपके लिए कब खुशी है कब यह आपके लिए बोझ है प्रार्थना करें और परमेश्वर से मांगी कि वह उनकी अगुवाई करने में मदद करें जैसे मैं आपको चाहता है कि हम अगवाई करें उससे मांगे कि वह आपका मार्गदर्शन करें और दिशा बताएं जिसमें वह जो चाहता है कि आप जाएं पूरा होने के सही सौभाग्य के लिए उसका धन्यवाद करें।

पेज नंबर 39

परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसकी बहनों की रक्षा करें इस अध्याय का प्रमुख परमेश्वर प्रत्येक पादरी से उम्मीद करता है कि वह अपने चर्च के लोगों को पहचानने की वह वास्तव में परमेश्वर की भेड़ों है पूरा वह उन्हें झूठी शिक्षा और झूठे शिक्षकों शैतान और राक्षसों से और पाप से बचाए। उत्तरी अफ्रीका में बंदर की शिकारियों को अपने शिकार को पकड़ने की एक चतुर विधि है। कई मात्रा में लौकी दानों से भरी होती है और एक पेड़ की एक शाखा में मजबूती से बांध दिए जाते हैं प्रत्येक में एक बड़ा छेद होता है जो अनियंत्रित बंदर के लिए उसके पंजों की पिचकारी के लिए पर्याप्त होता है जब भूखे जानवरों की इस बात का पता चलता है कोमा तो वह जल्दी से अपनी मुट्ठी भर

ताने पकड़ लेते हैं लेकिन उसके लिए इतना छोटा होता है कि वह अपनी बंद मुट्ठी को उसमें से निकाल सके उसके पास अपना हाथ खोलने के लिए पर्याप्त नहीं है कि बचने के लिए उसे जाने दे इसीलिए वह आसानी से बंदी बंदी बना लिया जाता है आज कई मशीनों के साथ भी ऐसा होता है कि शिक्षा शिक्षक और शैतान के फंदे उन्हें पकड़ लेते हैं और हरा देते हैं फूलों की सुरक्षा की जरूरत है क्योंकि उनके पास बचाव का कोई रास्ता नहीं है वह उड़ नहीं सकते ना लड़ सकते हैं ना जीत सकते हैं और ना ही तेज दौड़ सकते हैं और हमारी भेड़ों की चेतावनी देने और उनकी रक्षा करने के लिए पादरी के रूप में हमें उपयोग करता है पूर्व रहे उन कर्तव्यों में से एक है जिसकी वह हम से उम्मीद करता है फूफा जी चरवाहों के रूप में पिछले अध्याय में हमने कुछ ऐसे नाम में पर ध्यान दिया, जिनकी उपयोग परमेश्वर पादरी की पहचान करने के लिए करता है। हम बुजुर्ग हैं और निगहबान है शब्दावली हैं जो कादरी की चर्च का अगुवा के रूप में दर्शाती है पूरा हम एक और नाम देखेंगे पादरी एक कलीसिया की अगुवाई करने वालों को के लिए सबसे आवश्यक है पादरी शब्द का अर्थ चार वह और वही और नाम से बेहद जो हम करते हैं उस को दर्शाता है कि के दिनों में लोगों से बहुत परिचित थे और जो कि वह करते थे उससे इसीलिए वह इस शब्दावली को अच्छी तरह से समझते थे पुराने नियम में भी यह अवधारणा आम थी परमेश्वर कहता है कि हम भीड़ की नई हैं

हम भीड़ कहना बहुत ही बड़ा झूठ मत है क्योंकि बेटा सा पशु है हमला होने पर वे अपना बचाव नहीं कर सकतीउन्हें दिशा की कोई समझ नहीं है और वह बहुत आसानी से हो जाती है पुणे में बिना मदद झुंड में वापस नहीं आ सकती मैं अपने दम पर पानी या भोजन भी नहीं हो सकती और बिना मदद के भूखे रहेंगे पूर्व बिना चरवाहे के जीवित नहीं रहेंगी और परमेश्वर के बिना जो हमारे चरवाहों के रूप में है हम भी जीवित नहीं रहेंगे (यशयाह 52:6)!

पेज नंबर 40

भेड़ परमेश्वर की है परमेश्वर अपनी भेड़ों के छोटे समूह में बैठता है और हमें उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी देता है। हम चारवाहे हैं लेकिन वास्तव में हम शायद जा रहे हैं क्योंकि वास्तव में भिड़े हमारी नहीं है उसकी है पूरा वह हमें केवल भेड़ों को उसको पति ने प्रतिनिधित्व करने का विशेष अधिकार देता है। पत्र समय बताता है कि परमेश्वर के झुंड के चारवाहे हैं पूर्ण जो आप की देखभाल में है पत्र 521 हमेशा याद रखें कि आपकी कलीसिया में लोग परमेश्वर

की भेंटे है, स्थाई रूप से आपसे कर जयपुर ग्राम आप उस का प्रतिनिधित्व करते हैं और उसके साथ वैसा ही व्यवहार करते हैं कौन जैसे वह चाहता है क्योंकि प्रत्येक पादरी परमेश्वर को उनके लोगों का हिसाब देगा जिनको उनसे हमें सौंपा है आदि के रूप में मेरा पसंदा हिस्सा है पूर्णमति 1618 जहां इश्क कहता है कोमा में अपनी कलाओं का निर्माण करूंगा यह उसकी आए हैं मेरी नहीं है मुझे बिलकुल अच्छा नहीं लगता जब लोग कहते हैं कि जैसी की कलीसिया में मैं समझता हूं उनका क्या मतलब होता है कौन है यह सिर्फ एक तरीका है इसे पहचाने का परंतु यह निश्चित रूप से मेरी कलीसिया नहीं है और ना ही मैं निर्माण इसका कर सकता हूं। कर सकते हैं केवल के द्वारा की रक्षा कर सकते हैं और ऐसा करने का वादा करते हैं पूर्व रहा है और उसके सहायक हैं हम भेड़ों के साथ वैसा व्यवहार करना चाहिए जैसा वह चाहता है पूरी होने से वह हमारे लिए उदाहरण है। हमें अपने लोगों के साथ वैसा व्यवहार करना चाहिए जैसा वह हमसे करता है। वह हमसे प्यार करता है और दिखाता है क्षमा करता है और हमें बहला करता है वह हमारा मार्गदर्शन करता है और हमें भोजन कर आता है वह हमारी रक्षा करता है और हमें सुकून देता है जब हम भटकते हैं तो वह हमें चुनौती देता है वह हम से उम्मीद करता है कि हम उसके उदाहरण पर चले जैसे हम उसकी भेड़ों की अगुवाई करते हैं 14 वह अपनी भेड़ों की रक्षा करता है हमने इससे पिछले अध्याय में एक पादरी के बारे में बात की है जो अपनी भेड़ों की अगुवाई और उनका मार्गदर्शन करता है इस समय हम बात करेंगे यह उम्मीद करता है कि उसकी भेड़ों की रक्षा करें और 14 वा की एक महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि अपने आप की रक्षा नहीं कर सकती तो 20 28 29 फालतू का मतलब है जब वह कहता है कि

हमारे लिए यह जरूरी है कि हम अपने आप पर और अपने झुंड पर निगरानी रखें एक रखवाला रात को शहर की रखवाली करता है एक चरवाहा खतरो में अपनी भेड़ों की रखवाली करता है एक प्रधानाचार्य अपने स्कूल की गलती और असफलता से रक्षा करता है एक पिता अपने परिवार को नुकसान से बचाता है एक पादरी अपनी कलीसिया को हर चीज से बचाता है जो उसके स्वास्थ्य से बढ़ने से रोकती है हमसे नहीं जानती कि कब खतरा है इसलिए चारबाग की

रक्षा सतर्क रहना चाहिए पूरे नाम से अज्ञात ढंग से आते हैं ताकि वह बड़खतरा पैदा कर सके। शैतान भी कल शियाओं के साथ ऐसे ही करता है 50 58 हम अपने लोगों को शैतानों से झूठी शिक्षिकाओं और झूठे शिक्षकों और पाप से बचाना चाहिए जो उनके जीवन में अज्ञात ढंग से घुस जाएंगे पूरा 20 शिक्षा से रक्षा झूठी शिक्षा की विप्लव का सबसे अच्छा तरीका है सच्चाई को जानने और उसका पालन करना। मैंने यह झूठी शिक्षाओं की सुनी बनाने की कोशिश नहीं की क्योंकि मैं जानता हूं कि वह बहुत सारी है अगर हम परमेश्वर की सच्चाई को अच्छी तरह जानते हैं तो हम जान जाएंगे कि इसमें क्या अंतर है और एक ऐसी झूठी है पूर्व शासन प्रणाली को खोजने के लिए प्रशिक्षित करती है कि नकली मुद्दा नहीं दिखेगी

<u>पेज नंबर 41</u>

उनको इस कदर असली मुद्दा से प्रशिक्षित और परिचित कराया जाता है कि वह छोटी की विभिन्नता भी बहुत जल्दी पहचान ली जाती है जितना बेहतर आप परमेश्वर के वचन को जानते हैं, उतना ही जल्दी आप उसको जो उस से मेल नहीं खाती पहचान लोगे पूरा मैं आपके साथ परमेश्वर के वचन को कुछ बुनियादी सच साझा करना चाहूंगा जो हम सबके लिए बहुत ही जरूरी है वह

मेरी कलीसिया के लिए लिखे गए विश्वास को व्यक्ति से से लिए गए हैं जो मैंने लिखे थे वह बताता है कि हमारी कठिनाई क्या मानती हैं और किसके लिए खड़ी है पूरा यह हमारा मानक है जो कुछ भी अलग है वह गलत और खतरनाक है फूल ग्राम पवित्र शास्त्र हम मानते हैं कि सभी छात्र परमेश्वर की प्रेरणा द्वारा दिए गए हैं जिसके द्वारा हम समझते हैं कि बिल नामक संपूर्ण सत्य और सटीक और मनुष्य के लिए थे उसने सर्दियों में बालों को सुरक्षित और निर्देशित किया है कि हमारे पास जो कुछ है वह उसके प्रकाशित वचनों का एक विश्वास योग दस्तावेज है 23 मकसूद 12 26 11 के काम एक 1626 हम मानते हैं कि ईश्वर तत्व सदा तीन व्यक्तियों पिता पुत्र और पवित्र आत्मा से विद्यमान है जीवित है और यह भी एक ही परमेश्वर हैं जिनके स्वभाव और दौड़ता एक समान है और ठीक उसी सम्मान आत्मविश्वास और आज्ञाकारी सा का योग है परमेश्वर पिता हम मानते हैं कि परमेश्वर सभी चीजों को निर्माता हैं हम मानते हैं कि परमेश्वर ने अपने वचन की शक्ति का द्वारा तुरंत आकाश और पृथ्वी के अस्तित्व को बोलकर बनाया है पूर्वी में विश्वास करते हैं जैसे पवित्र शास्त्र में प्रकाशित किया गया है उत्पत्ति 11:13 हम यह भी मानते हैं सर्जन सृष्टि 24 घंटे के 6 से अधिक दिनों में हुई है मसीही हम मानते हैं कि प्रभु यीशु मसीह परमेश्वर का अविनाशी आनंद पुत्र ईश्वर तक तुम्हें दूसरा व्यक्ति का और पवित्र आत्मा के साथ विद्वान है बिना मनुष्य द्वारा धारण किया गया था और कुमारी मरियम से पैदा और आदमी के रूप में हमेशा के लिए बने रहने दो व्यक्तियों के साथ एक व्यक्ति मानव और हम मानते हैं कि दो व्यक्तियों के साथ एक व्यक्ति मानक और ईश्वरीय 1353 पियो 258 मति 1:23 हम मानते हैं कि यीशु मसीह सच्चा ईश्वर पुरुष है 301 परिपूर्ण और फिर भी पाप रहित मानव स्वभाव के साथ एकपूर्ण और परिपूर्ण ईश्वरीय प्रकृति को एकजुट कर आता है यहुन्ना 1:4 कुरुंथियों 5:21 एक पर पतरस 2:22 हम उसके भौतिक शारीरिक सप्ताहिक से व्यक्तिगत स्थान को मनाते हैं गलतिओं 15:20–21 रोमियो 3:22 6:24 हम मानते हैं कि पापियों को छुटकारे के लिए उनकी प्रतिस्थापना उदाहरण है उधार देने वाला जिस पर उसने सभी पापों को सब समय पापों को असीमित प्रतिष्ठा किया जो सभी के लिए पर्याप्त है लेकिन परिचित केवल उन लोगों पर लागू होता है जो यीशु को व्यक्तिगत उधार कर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं रोमियो 3:5 अब्राहिम पतरस 2:22–24 यहां हम मानते हैं कि स्वर्ग में दाहिने हाथ और अधिवक्ता के रूप में विषयों के लिए भारत करने को मजबूर है हम यह भी मानते हैं कि वह जज के रूप में बसी के न्याय के विश्वासों के कार्यों में पुरस्कृत करेगा

वह महान सफेद न्याय और आशाओं को न्याय करेगा हम मानते हैं कि पृथ्वी पर वापस आएगा और एक पवित्र शास्त्र में दो अलग–अलग चरण है कमा स्रोतों का हवा में उठाए जाने और मसीह को दूसरा आगमन इन दोनों चरणों में 7 साल का फर्क है हम मानते हैं कि शोध के लिए मसीह की वापसी हवा में जीवित उठाए जाने का व्यक्तिगत रूप से निकटतम है जल्दी होने वाला है

पेज नंबर 42

सबसे पहले होगा हम मानते हैं कि वह किसी भी समय हो सकता है और यह कि विश्वासी और घड़ी के बीच कोई भविष्यवाणी नहीं होगी पूर्व राम यहुन्ना 14:23 कुरुंथिओं 5:5–9 प्रकाशतवाक्य 3:10,22:17–22, थिसलोनीकियो 5:9) पवित्र आत्मा

हम मानते हैं कि पवित्र आत्मा एक ईश्वरीय आनंद व्यक्ति है कोमा जो केवल एक प्रभाव नहीं है। उसके पास अपनी खुद की वृद्धि भावनाएं और इच्छाएं सकती है पूर्व प्रेरितों के काम 5:34 मति 28:19 गलतिओं 1:31—41 रोमिओ 1:4 कुरुंथिओं 12:11 हम मानते हैं कि परमेश्वर अपनी इच्छा से बीमारी और पीड़ितों के लिए कमा विश्वास की प्रार्थना सुनता है उनका जवाब देता है पूर्ण ब्रह्माण्ड हम मानते हैं कि पवित्र आत्मा की वर्तमान सेविका संसार में पापा को रोक रही है और धार्मिकता के लिए संसार को दोषी ठहराया है और विश्वास नहीं था सीने में रखता है पूर्ण रुप से विश्वास में रहता है और छूट काय के दिन तक उन्हें सील बंद करता है वह हर एक को आत्मिक उपहार देता है और जिन्होंने अपने आप को उसके हवाले किया है उनको भारत का है।(यहूनना3:8—16, 1कुरिनथियो 6:19,12:13, इफिसिओं 4:30, 5:18, 1कुरिनथियो 12:4—11 रोमियो 8:9) पाप स्वर्ग दूत हम मानते हैं कि लूसी का जो इस्तरसे ऊंचा सर्ग दूध था घमंड के पाप के माध्यम से पाप को शुरू करने वाला हुआ काम इस तरह परमेश्वर और उसके लोगों का दुश्मन बन गया यह सा यह केवल कलुआ मनुष्य का पतन हम मानते हैं कि आदम में सभी मनुष्यों ने पाप किया पूर्व राम मनुष्य पाप में पैदा होता है। व प्रकृति का व्यवहार दोनों से पापी है पूर्व में इस प्रकार आदम के पहले पाप को मूल्य पाप कहा जा सकता है पूर्व राम सभी मानव जाति मूल पाप के दोषी है, सभी मानव जाति पूरी तरह से वंचित है और केवल पिता परमेश्वर के न्याय अधीन अपने आप को मलकीत की कोई उम्मीद रखते हैं। रोमिया 15:12, 21:12 भजन संहिता 51:5, 12:13 यहां समिति मानते हैं कि यीशु मसीह अकेले कुंवारी जन्म के आधार पर पाप रहे थे पूर्व इसीलिए मनुष्य के पास ना कोई ईश्वरीय चिंगारी है, और ना ही वह चमकता है बल्कि अनिवार्य रूप से पूरी तरह से अपराध और पाप को निर्णय के अधीन है मुकेश हम मानते हैं कि मुकेश परमेश्वर के उपाय जो उसके अनुग्रह से मनुष्यों को दी जाती है और केवल उसका अनुग्रह मानव की अनंत मुकित एकमात्र उदाहरण मुकित किसी भी संस्कार अच्छे काम या मानवीय योग्यता से अलग है। पर 17 से रोमियो 6:23 प्रेरित ओं के काम 412 दलित या 434 हम मानते हैं कि मुक्त मनुष्यो

के लिए की गई एक पेशकार है, लेकिन उसको वही लोग प्रताप प्राप्त करते हैं जो पश्चाताप करते हैं और यीशु को अपना उद्धार करता के रूप में स्वीकार में विश्वास करते हैं इब्रानीओ 2:21 12:3,5,7 रोमियो 3:10—19, 3:26 पतरस 1:23

हम मानते हैं कि एक पापी अपने रूपांतर के क्षण में मन भी परिवर्तन परमेश्वर के द्वारा तुरंत न्याय संगत है और नया जीवन प्राप्त करता है रोमियो 3:24–4 हम मानते हैं कि पवित्रीकरण इस दुनिया का राज्य से उन सब को अलग करता है जो दोबारा जन्म के पवित्रीकरण शब्द का मूल अर्थ है, परमेश्वर की सेवा करने के लिए अलग किए जाना इबरानिओं 10:10–14 2 कुरुंथिओं 3:18 क्यों

हम विश्वास करते हैं परमेश्वर का वचन एक विश्वासी की अत्यंत सुरक्षा सिखाता है जो परमेश्वर की वफादारी में रहता है ना की इंसान की वफादारी में। हम मानते हैं कि परमेश्वर का वचन स्पष्ट रूप से बसी स्वतंत्रता को शरीर के लिए अवसर के रूप में उपयोग करने को रोकता है। कलीसिया हम मानते हैं की कलीसिया नए नियमों का एक संस्था है जो सभी जाति के लोगों रंगों और राष्ट्रों के उन लोगों से बना है जो फिर से जन्म लेते हैं और प्रदूषण के जीवित और ऊपर उठाए जाने वाले पुत्र में एकजुट होते हैं और यह है कि हम पवित्र आत्मा के माध्यम से एक दे में जो मसीह की दे हैं अपने देश में लेते हैं कुल सीओ ?रिश्तो का काम है हम मानते हैं कि स्थानीय कलीसिया मशीन की देखा 110 अभिव्यक्ति है इसलिए यह सभी जाति रंगों और राष्ट्रों के लोगों के लिए खुला होना चाहिए हम आगे मानते हैं कि इस युग के लिए परमिशन का कार्यक्रम स्थानीय चर्च के माध्यम से किया जा रहा है जो सच्चाई का संतुष्ट और आधार है यीशु

हम मानते हैं कि जब मशीन है अपनी कलीसिया की इस जीवन पर स्थापना की उसने चार महत्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए ऐसा किया एक यह कि कल जिया वही की दे आत्मा और सच्चाई में परमेश्वर की महिमा का बलिदान लगातार देते हुए परमेश्वर पिता की आराधना करें योजना दो नंबर यह की कलीसिया के माध्यम से वह कलवरी पर मसीह के समाप्त काम की विश्वास के माध्यम से संसार के उद्धार की घोषणा कर सके। यूहन्ना 3:16 मई 28,1920 तीन जैकी संतों की सेवक आई के काम के लिए आत्मिक संदेश से प्रेरित किया जाए और पूरी तरह तैयार किया जाए। इस और यह की अनुग्रह और पवित्र जीवन के माध्यम से कलीसिया खोए हुए और मर रहे संसार के लिए ज्योति पृथ्वी का नमक और कलीसिया के अंदर है और उनके लिए कलीसिया के बाहर है बसी के जीवित रहने के गवाह है रे जीवित गति नंबर 4 यह भी साथियों के बीच प्यार देखभाल नजदीक बल्ला और सहयोग एक दूसरे की सहायता और प्रोत्साहित करने में और यह है कि प्रत्येक विश्वासी जैसे इस निकटता को समाप्त करता है उसी तरह सीधी करता दूसरों को देख जिसने मशीन केंद्र है। मति 18:20 योजना के काम हम मानते हैं कि यहां पर दो धर्म ग्रंथ अध्यादेश हैं बप्पा एक विश्वासी का पानी में डुबकी लगाना है जो मसीह की मृत्यु , दफन और अनुष्ठान के साथ उसकी पहचान दर्शाता है प्रेरितों के काम 2:40–42 10 सत्रह अट्ठारह रोमियो 6:34 हम शिशु और बाल और पढ़ने भी विश्वास करते हैं जिसमें माता–पिता अपने बच्चे और अपने आपको परमेश्वर के लिए महसूस करते हैं हम मानते हैं कि प्रभु भोज की महत्वपूर्ण स्थापन के लिए यादगार स्मरण जब तक वह आता है इसे हमेशा आप परीक्षा के बाद होना चाहिए एक कुरुंथिओं 11:24–32 हम मानते हैं कि स्थानीय कलीसिया के द्वारा प्रभु भोज का प्रबंध नियमित रूप से किया जाना चाहिए हम मानते हैं कि नए

नियम की स्थानीय कलीसिया सा तत्व स्वशासी आत्मनिर्भर और स्वयं प्रसारित होने चाहिए प्रेम ऋतु के काम मती 18:15,17:28,18:20 हम मानते हैं कि प्रत्येक मशीन पवित्र शास्त्र द्वारा बाद है कि वह स्थानी कलीसिया को अपना निर्विवाद सहयोग दें मति 16:16–18 यहुन्ना 3:15–16 हम विश्वास के व्यक्तिगत रूप से उन सभी प्रथाओं से जो उधार करता का अनादर है अलग होने में विश्वास करते हैं। कलीसिया और राज्य के अलग–अलग होने में विश्वास करते हैं रोमियो 12:12–15हम मानते हैं कि नागरिक सरकार मानव समाज के हितों और अच्छे आदेश स्थित के लिए ईश्वरी नियुक्त होती है और सरकारी अधिकारियों के लिए प्रार्थना की जानी चाहिए कर्तव्यनिष्ठ के रूप में सम्मानित और पालन किया जाना चाहिए उन चीजों को चोर की इच्छा के विपरीत हो अंतरात्मा का एकमात्र और पृथ्वी के राजाओं को आने वाला राजकुमार है हमारा मानना है कि चर्च की अगुवाई इनसे बना है पादरी शिक्षक इस पुरुष या पुरुषों की एक छोटी मंडली जिनके पास स्थानीय दे मैं अगुवाई करने की जिम्मेदारी हो। एक बुजुर्ग भी है जो जो बुजुर्गों के परिषद की अध्यक्षता करता है बुजुर्ग आत्मिक अगुवाई के क्षेत्र में भी काम करते हैं कलीसिया के जीवन के लिए अधिकारों जिम्मेदारी साझा करते हैं उनके स्थित पादरी के अधीन होती है लेकिन वह कलीसिया के लिए समान रूप से जिम्मेदारी साझा करते हैं विकल जिन पुरुषों पर मुख्य रूप से कलीसिया की अलौकिक और भौतिक जरूरतों को पूरा करने की जिम्मेदारी है वह प्रकरण और बुजुर्गों के परिषद के अधीन है।

सूसमाचार का प्रचार और लक्ष्यः यह मसीह के पीछे चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य औरा विशेषधिकार है जो सभी देशों के लोगो को यीशु के शिष्य बनाने का प्रयास करें। परमेश्वर के प्रत्येक बच्चे का कर्तव्य है कि वह खोए हुओं का मसीह के लिए अीतने का प्रयास करे। उत्पत्ति 12:1–3, निर्गमन 19:5–6, यशयाह 6:1–8, मत्ती 9:37–38, 10:5, 13:18–30, 37–43, 19:19, 22:9–10, 24:14, 28:18–20, लूका 10:1–18, 24:16–53, यहून्ना 14:11–12, 15:7–8, 15:15, 20:21, प्रेरितों के काम 1:8, 8, 26–40, 10:42–48, 13:2–3, इफिसियों 3:1–11, थिसलोनीकयो 1:8,2 तीम्रथियुस 4:5, इब्रनवियों 2:1–3, 11:39–12:2, 1 पतरस 2:4–10, प्रकाशितवाक्य 22:17)

झूठे शिक्षकों से रक्षा

बाइबल चेतावनी देती है कि मसीहियों और कलिसीया के लिए सब से बड़ा खतरा उत्पीड़न के रूप में नहीं है, जो बाहर से आता है, परन्तु कलिसीया के अंदर ही से गलत शिक्षा से है। ये लोग ऐसे दिखाई पड़ते हैं मानो वह परमेश्वर के है। वह चलाकी से दूसरो को मूर्ख बनाते है कि वह परमेश्वर के विश्वासी है, परन्तु वे भेड़ के कपड़ो में भेड़िये है। बाईबल में उनके खिलाफ सख्त चेतावनी है (2 पतरस 2:1–3, मत्ती 7:15–20, 1 यहून्ना 4:1–3)।

उनके अनुकूल तरीकों और अच्छे लगने वाले शब्दों से नहीं बहना चाहिये। सुनिश्चित करे कि उनके विश्वास और कार्य परमेश्वर के बचाव के साथ मेल खाते हैं। जब आपके अंदर परमेश्वर का आत्मा आप को उनके विरूद्ध चेतावनी देता है तो परमेश्वर की सुनें और उनके विरूद्ध आपने लोगो की रक्षा करें। उन्हें किसी को गुमराह करने की अनुमति न दें। परमेश्वर के वचन से सच्चाई सिखाइये। यदि वे सीखने के लिए खले नही है और परिवर्तन नहीं होते, तो उन्हें छोड़ दें।

शैतानो से रक्षा

पौलुस कहता है, हम शैतान के उपकरणें से अज्ञान नहीं है (2 कुरिन्थियों 2:5–11), परन्तु मैं इस बात से बहुत अज्ञानी था कि मै अपनी कलिसीया को

शैतानों से कैसे बचा सकता हूँ, जब मैने पासवानी शुरू की। उस समय से मैने सीखा है कि आत्मिक युद्ध परामर्श की आवश्यकता वाले लोगों को कैसे सेवकाई दूँ। परमेश्वर मुझे सिखा रहा है और मेरी मदद कर रहा है कि मै उन लोगों की मदद कैसे करूं जिन पर शैतान और उसकी सेना हमला करती है। मेरी पहली पुस्तक, स्पिरिचुअल वारफेयर हैंड बुक, इस विषय पर विस्तार से जाती है। यदि आपके पास इसकी एक प्रति नहीं है, तो उस स्रोत पर जाएं अपने यह पुस्तक प्राप्त की है और उनसे पूछे कि आप प्रतिलिपि कैसे प्राप्त कर सकते है।

मसीहियों में, शैतान और उसके राक्षस सबसे ज्यादा पादरी और उनके परिवायें का विरोध करते हैं। यदि वे एक पादरी को हरा सकते हैं तो वे उसकी पुरी कलिसीया को अप्रभावी बना सकते हैं और परमेश्वर के काम को कई तरीकों से नुकसान पहूँचा सकते हैं। आपने राज्य के विकास के लिए, शैतान जानता है कि उसे चर्च के बन्द करना होगा। वह हम पर भीतर से और बाहर से भी हमला करेगें। पादरियों के लिए यह समझना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि शैतान और उसकी सैनाओं पर विजय कैसे प्राप्त की जाऐ। परमेश्वर हम यह उम्मीद करता है और इसी तरह हमारे लोग भी।

शैतान और राक्षसों की जड़ः

पदरी होना एक महान विशेषाधिकार और सम्मान हैं, लेकिन यह आसान नहीं हैं। यह कठिन कारण यह है क्योकि हमारा एक दुश्मन है जो हमे नष्ट करने के लिए दृढ़ है। वह दुश्मन शैतान और उसके राक्षस है। वह मूल रूप से पूर्ण स्वर्गदूत बनाऐ गये थे (याहेजकेल 28:12—15) लेकिन यह परेश्वर की सेवा नही करना चाहते थे (2 थिस्सलुनीकियों 2:4) शैतान का पाप अभिमान था (स्वयं केन्द्रित)(यशयाह 14:12—15) इसलिये परमेश्वर ने उसे स्वर्ग से बाहर फेंक दिया (यहायाह 14:12, ष्हजकेल 28:15—17, लूका 10:18)।

स्वर्ग में स्वर्गदूतों में से लगभग एक तिहाई ने स्वर्ग छोड़ने और उसका पालन करने का फैसला किया प्रकाशित वाक्य 12:4 अब उनका पूरा उदेश्य परमेश्वर का विरोध करना है ताकि परमेश्वर की बजाय वह लोगों का ध्यान और अराधना प्राप्त करें। वे विशेष रूप से परमेश्वर के लोगो को नष्ट करना चाहते हैं, ताकि उसकी सच्चाई न फैले (2 कुरिन्थियों 4:4, 1 थिसलोनीकीयों 2:18, मत्ती 13:19)। शैतान

और उसाके राक्षस हमसे (मानवों से) ज्यादा ताकतवर है (इकिसियों 6:12, 1:21, प्रकाशित वाक्य 9:3,10 अयूब 1:6, 19) लेकिन परमेश्वर उनसे कही ज्यादा ताकतवर है। (कुलस्सियों 1:16, 2:10,15)।

तान और उसके राक्षस विशेष रूप से मसीहियों का विरोध करते है क्योकि हम अंधेरे में प्रकाश लाते हैं क्योकि हम अंधेरे में प्रकाश लाते है (यहून्ना 1:5,3:19,8:12,12:35, 46)। चूँकि अब वह यीशु पर सीधे हमला नहीं कर सकता है इसलिऐ वह परोक्ष रूप से उसके बच्चों पर हमला करता है। वह परमेश्वर के सामने हमे आरोपित करता है(अयूब 1:6–21, 2 कुरिन्थियों 2:11, प्रकाशित वाक्य 12:9–16, जकयहि 3:1–2)। लेकिन यीशु हमारे बचाव पक्ष के वकील है, जब हम अभियुक्त हैं (1यहून्ना 2:1) शैतान वह हर काम करता है जो वह कर सकता है ताकि वह परमेश्वर के लिए हमारी सेवा में बाधा डाल सके (2 कुरिन्थियों 4:4, थिस्सलानीकियों 2:18, 2 कुरिन्थियों 11:27, जकयीह 3:1, मत्ती 13:19)। वह झूठी शिक्षा के जरिऐ कलिसीया में घुसपैठ करने की कोशिश करता है। (1 तीमुथियुस 4:1–2, 2 थिस्सलोनीकियों 2:9), झूठे शिक्षकों 1 तीमुथियुस 4:1–3, 1यहून्ना 4:1, 2 पतरस 2:1–2) और झूठे मसीह लोग (मत्ती 13:38–40)।

जबकि सभी प्रलोभन शैतान और राक्षसों की ओर से नहीं आते, वे निश्चित रूप से सभी पापों में लुभाने के लिए चले चलता है (2 कुरिन्थियों 2:11, 1 तीमुथियुस 3:7,2 तीमुथियुस 2:26) जैसे कि उसने यीशु को लुभाते समय किया। वह हमारे पाप के स्वभाव (याकूब 1:14–15) विश्व प्रणाली (1यूहन्ना 2:15–16) या राक्षसों के माध्यम से सीधे हमला का उपयोग करता है। (1 कुरिन्थियो 7:5) वह क्रोध को कारण बना सकता या उपयोग कर सकता है (इफिसियों 4:27), गौरव (1 तीमुथियुस 3:6, 1 इतिहास 21:1, 1 तीमुथियुस 3:6), अनैतिकता (1 कुरिन्थियों 7:5), झूठ (प्रेरितों के काम 5:1–3,) परमेश्वर के वचन और परमेश्वर की सच्चाई पर शक करना (उत्पत्ति 3:1–5, लूका 4:9–12), चमत्कार धोखा देने के लिए (मरकुस 4:8–9, 2 कुरिन्थियों 11:13–15, 2 थिस्सलोनीकियों 2:3, 9:11), पाखण्ड (यहून्ना 8:44, प्रेरितों के काम 17:22), आत्मनिर्भरता (1 इतिहास 21:1–7), चिंता और डर (1 परतरस 5:7–9, इब्रानियों 2:14, भजन संहिता 23,4) विश्वास की कमी (लूका 22:31–32, 1 पतरस 5:6–10), शरीरिक कलेश (अयूब 1:6–22, 2:1–7, यहून्ना 8:44, 1 कुरिन्थियों 5:5,

1 तीमुथियुस 1:20), और हर प्रकार का पाप (थिस्सलीनिकीयों 3:5, मत्ती 4:3, 1 कुरिन्थियों 10:19–21, 2 कुरिन्थियों 11:3, 13:15, 1 यहून्ना 3:8)।

राक्षस विश्वासियों के विरूद्ध निराशा द्वारा और परमेश्वर की पूर्ण इच्छा का विरोध करते हुऐ (प्रेरितों के काम 16:16–18), परमेश्वर के पीछे चलने वाले मार्ग में बाधाऐं डालते हैं। (थिसलोनिकिया 2:18, रोमियों 15:22) विश्वासियों को प्रभावित करते है (भ्रमित) तो कि वह दूसरे विश्वासियों को गुमराह करे (मती 16: 22–23), और ऐसी चीजों से उकसाते है जैसे ईर्ष्या, अभिमान और तकरार जैसे चीजों को उकसाते हैं (याकूब 3:13–16)। वे विश्वासियों को परमेश्वर के लिए जीवित रहने से हटा कर परमेश्वर की तरफ से मोड़ने की ताक में रहते है (तीमुथियुस 4:1) वे शारीरिक पीड़ा ला सकते हैं (2 कुरिन्थियों 12:7), और वह कोशिश करते हैं कि हम अपनी योग्यता और ताकत से संचालन करें (2 तीमुथियुस 3:5)। यह सब काम तेज हो जायेगा जैसे यीशु की वापसी करीब होगी।

परमेश्वर अत महान है

परमेश्वर शैतान और उसकी सेवाओं से बड़ा है (1 यहून्ना 4:4), इसलिऐ हमें उन से डरने की जरूरत नहीं (लूका 10:17–19)। हमे दीनता से परमेश्वर की शक्ति पर निर्भर करना चाहिए, आपने पापो और प्रलोभनों से अवगत रहे जो शैतान आप के जीवन में उपयोग करता है (भजन संहिता 32:5, 139:23–24) और किसी भी पाप का अंगीकार करें (1 यहून्ना 1:9)। और परमेश्वर की क्षमा को स्वीकार करे और उसकी मदद से पाप से मुड़े (आमोस 3:3, पहेजकेल 20:43)। प्रार्थना में किसी भी दावे को जिस का उपयोग शैतान आप के जीवन में कर रहा है उसको वापस लेने का दाबा करो (प्रेरितों के काम 19:18–19, मत्ती 3:7–8) आपने आप को हर सुबह परमेश्वर के कवच के साथ खुद को सुरक्षित करें (इफिसियों 6:10–18)। पवित्र शास्त्र को पढ़े और इसका अध्ययन करें (भजन संहिता 1:1–3)। वचन एक आईना है (याकूब 1:22–25) एक दीपक (भजन संहिता

119:105)। एक साफ करने वाला (इफिसियों 5:25–26) एक तलवार (इब्रानियों 4:12) और भोजन (1 पतरस 2:2, मत्ती 4:4)। इन सभी के लिऐ इसका इस्तेमाल करें। निरंतर प्रशंसा और

प्रार्थना का जीवन विकसित करें (1 थिसलुणोकियों 5:17) दूसरे विश्वासियों के साथ सहभागिता में रहो (इब्रानियो 13:)

परमेश्वर की योजना अपने लोगों के लिए प्रकाश और जीवन लाने की है, शैतान इसके बजाय मृत्यु और अंधकार लाता है। दानव किसी व्यक्ति के दिमाग में और भावनाओं को अपने दिल में डाल सकते है। व्यक्ति आम तौर पर सोचता है कि ये उसके अपने है इसलिए वे उन पर काम करता जाता है। ये अंधेरे, भय, क्रोध, हिंसा, बदला, वासना और विनाश के विचार और भावनाऐं है। वे एक व्यक्ति को दूसरों को नुकसान पहूँचाने और चोट पहूँचाने और यहां तक कि उनकी जान लेने तक उनकी अगुवाई करते है। दर्द को प्यार करते है और उन सभी दुखों और दुखों का कारण बनना चाहते है जा वे कर सकते है। वे परमेश्वर के बारे में नकारात्मक विचारों को एक व्यक्ति में भी डालते है ताकि वे यीशु को दोष दें, और उनके परमेश्वर पर शक करें और सवाल करें कि क्या उनका प्रेम उद्धार है या नहीं।

<u>**पेज नं0 46**</u>

क्या विश्वासी राक्षस हो सकते हैं:

जब हम उद्धार के लिऐ परमेश्वर के पास आते हैं तो हमारे पाप दूर हो जाते है और हम परमेश्वर के साथ अनंतकाल बिताऐगें, लेकिन इसका मतलब यह नही है और हम परमेश्वर के साथ अनंत काल बिताऐगें, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम राक्षसों के द्वारा पीड़ित नहीं किऐ जायेगे। बाईबल विश्वासियों और अविश्वासियों के बीच कोई अंतर नहीं करती है जहां तक राक्षसी का संबंध है। वास्तव में बाईबल कई विश्वासियों को संकेत करती है (संदर्भित) जो राक्षसी थे, पालुस के मांस में एक कांटा एक दानव था (2 कुरिन्थियों 12:7), राजा शाऊल एक विश्वासी था (1शैमुएल 11:6) और स्पष्ट रूप से राक्षसी था (1 शैमुएल 16:14–23), दाऊद को शैतान ने लोगो की जनगणना करने के लिऐ प्रेरित किया (1 इतिहास 21:1–2, शैमुएल 24:1–0) अन्नीया और सफीश विश्वासी थे (प्रेरितों के काम 4:32–35) लेकिन शैतान को आपने आप को भरने दिया उन्होंने (प्रेरितों के काम 5:3) और पतरस यीशु को क्रुस पर न जाने को लुभाने के लिए शैतान का प्रवक्ता था (मत्ती 16:23) पालुस विश्वासियों को चेतावनी देता है कि वह शैतान को आपने जीवन में एक कदम रखने की भी जगह ने दें। (इफिसियों 4:26–27), ऐसा दिखना संभव है। यीशु ने स्वयं उद्धार को बच्चों की रोटी कहा (मत्ती 15:22–28) जिसका अर्थ है उनके बच्चों के लिए थी। एक मसीही किसी और आत्मा को भी प्राप्त कर सकता है। (2 कुरिन्थियों 11:2–4) और विश्वासियों की उदाहरण है कि वे राक्षसी हुऐ (लूका 13:10–16, 1 कुरिन्थियों 5:4–5) मसीहों को इसके खिलाफ चौकन्ना रहने की चेतावनी दी जाती है। (1 पतरस 5:8–9, इफिसियों 6:10–18)।

एक विश्वासी प्रभु यीशु मसीह का है। शैतान उसे अपना नहीं बना सकता जैसा उसने उद्धार से पहले किया था (1 यहून्ना 4:4), लेकिन वह अभी भी उस व्यक्ति

पर हमला कर सकता है। जब तक हम शरीर में है हमारे अंदर पाप की प्रकृति है, पाप करने की क्षमता वैसी ही जैसे हमारे पास मुक्ति प्राप्त करने से पहले थी। मुक्ति हमारे अंदर एक नई आत्मिक प्रकृति का निर्माण करती है। लेकिन पाप करने

की पुरानी क्षमता अभी भी हमारे अंदर बनी रहती है। यह इस क्षेत्र में है, यह पाप प्रकृति, पाप करने की क्षमता, जो राक्षस काम करते है। हमारी नई प्रकृति अधिक हैं, लेकिन यह हमारे पाप को दूर करने के लिए हमारी पाप प्रकृति में कार्य करने की इच्छा को दूर नहीं करता। रोमियों 7 अध्याय में पालुस के संघर्ष में होने को यह अच्छी तरह व्यान करता है।

फिर भी ऐ मसीही के पास राक्षसी होने से मुक्त होने का एक अधिकार और संसाधन है। आप के पास जो सम्पत्ति है उसमें कोई भी व्यक्ति दखल–अंदाजी करने का गुस्ताक हो सकता है लेकिन आप के पास अपनी सम्पत्ति से हटा फेकने का हर अधिकार और संसाधन है। आपको बस यह सीखने की जरूरत है कि यह कैसे करना है।

रास्ते जो राक्षसी को इज्जत देते है:

कुछ लोग दूसरों की तुलना में राक्षसी हमलो का शिकार क्यो होते है? एक व्यक्ति की तुलना में दूसरे व्यक्ति पर एक राक्षस क्यो ज्यादा प्रभावी होता है? कई कारक है जो राक्षस को काम करने की अनुमति देते है और दरवाजा खोलते हैं।

जीवन में पापः अगर कोई व्यक्ति परमेश्वर को छोड़ किसी अन्य शक्ति की और मुड़ता है, तो एक दानव उस व्यक्ति की इच्छा का उपयोग करेगा और उससे जीवन में प्रवेश करके उस शक्ति का प्रतिकार करेगा, जिसकी उसे तलाश है। अगर कोई मूर्तियों के पीछे राक्षस है जो पूजा प्राप्त करते है और इस तरह व्यक्ति पर नियंत्रण प्राप्त करते है।

परिवार कतार में पापः

जब कोई व्यक्ति अपने आप को एक दानव के लिए खोलता है तो दानव उस व्यक्ति के जीवन और जो कुछ जीवन में है यहां तक कि उसक बच्चों पर भी दाबा करता है। जब उन बच्चों के बच्चे होते हैं तो उन पर भी दाबा करता हैं। इस प्रकार वह दानव परिवार में पीढ़ी–दर–पीढ़ी काम करता है। यही कारण है कि

कई बच्चे उन्ही पापों और कमजोरियों से जूझते है, जिनसे उन के माता पिता जूझतें रहे।

भूमि जहां हम रहते है या आराधना करते है:

जब भूमि का एक टुकड़ा परमेश्वर के अलावा अन्य शक्तियों के लिए समर्पित किया जाता है तब राक्षसों का दावा होता है कि वह भूमि एक विशेष तरीक से उनकी है और उस भूमि पर जो उनकी सेवा नही करता उस पर हमला करते हैं। पूरा देश बुराई और अंधेरे के लिए समर्पित रहा हैं, इसलिए शैतान और उसके राक्षस इस पर विशेष तरीके का अधिकार होने का दावा करते है। अगर आप उस जमीन पर रहते हैं या उस जमीन पर आप का चर्चा है जो परमेश्वर के अलावा अन्य शक्तियों को समर्पित थी, तो वे राक्षस आप के वहां होने के लिए आप पर हमला करेंगे। वे बीमारी, गरीबी, असहमती, भ्रम, क्रोध या किसी भी प्रकार के पाप को संभंव बनाने का प्रयास करेगे।

पेज नं0—47

अभिशाप (लानत):

अगर कोई आपको या आपके चर्च को पसंद नहीं करता क्योकि आप मसीही है और यह कामना करता है, कि आप के साथ कुछ बुरा हो, तो दानव उस अभिशाप को प्रार्थना के रूप में लेगा और उन्हें आप के खिलाफ काम करने की सरकत करेगा।

अच्छी खबर यह है कि परमेश्वर उन सभी दरवाजों/रास्तों को बरवाद कर सकता है और हमें राक्षसी शक्तियों से मुक्त कर सकता है जो हमें नियंत्रित करना चाहती है। यीशु हमारी जीत है।

राक्षसों को हटा फेंकने में यीशु हमारे लिएं उदाहरण है:

आपनी सेवकाई के शुरू में उसने बहुत राक्षसों को हटा फेंका (मत्ती 4:23—24, मरकुस 1:39—34) गेंदरेन्स में उसने दी मनुष्यों में से राक्षसों को निकाला (मत्ती 8:28—24, मरकुस 5:1—17, लूका 8:20)। उसने कनानी महिला की बेटी में से राक्षसों को निकाला और एक राक्षसी मनुष्य को चंगा किया (मरकुस 1:21—28, लूका 4:31—36) उसने एक लड़के को चंगा किया जिस पर राक्षसों का कब्जा था (मत्ती 17:14—20)। उसने मरीयम मगदलीनो में से सात राक्षस निकालें और अन्य महिला अनुयायियों में से भी राक्षसों को बाहर निकाला (लूका 8:2 मरकूस 16:9)।

यीशु राक्षसों को कैसे बाहर निकलता था? उन्हें बाहर निकालने से पहले वह उनकी फटकार लगाता (उनकी शक्ति को बाहर निकाला देता) (मत्ती 17:18, लूका 9:42)। त बवह उन्हे बाहर निकालता (मरकुस 1:39)। उसने यह अपने

बोलने से किया न कि किसी खास क्रिया को पूरा करने द्वारा। उसने किसी भी राक्षसों को बोलने नहीं दिया। बजाऐ लशकर वह भी इसलिऐ ताकि दूसरे जान सके कि कोई भी संख्या राक्षसों कितनी भी बड़ी यीशु के सामने टिक नही सकती (मरकुस 5:9)। उसने यह कभी नही कहने दिया कि वह कौन है (मरकूस 1:25, लूका 4:35, मरकूस 3:11–12)। उसने उनको कहा चुप रहो और बाहर आ जाओं (मरकूस 1:25) कई

बार उसने उनको कहा चले जाओ (मत्ती 8:32)। कई बार वह उस व्यक्ति से बहुत दूर होता जिसको वह आजाद कर रहा होता (मत्ती 15:21–28, मरकूस 7:24–30)। जब उसने उन्हें बाहर निकाला तो कभी वापस आने के लिए मना किया (मरकूस 9:25)।

हमारे पास कई उदाहरण है चेलो द्वारा राक्षसों को निकाल देने की:

यीशु ने उनको शक्ति दी और इसका उपयोग करने की आज्ञा दी (मत्ती 10:1, लूका 10:17, मरकूस 6:7, 16:17)। वह अपनी सेवकाई के एक नियमित हिस्से के रूप में राक्षसों को बाहर निकालते (मरकूस 9:38, लूका 10:17)। पालुस को रासक्षों को बाहर निकाल दिया (प्रेरितों के काम 16:16–18, 19:12)और इसी तरह पिलिपस ने भी किया (प्रेरितों के काम 8:7) जब वह इसे अपने बल में करने की कोशिश कर रहे थे (परमेश्वर पर निर्भरता के बिना) तो वे असफल हो गए (मरकूस 9:18, 28–29)।

प्रेरितों ने कैसे राक्षसों को बाहर निकाला:

पौलुस एक शब्द के द्वारा भी छुटकारा लाया। उसने कहा, मै यीशु के नाम में तुम्हे बाहर निकल जाने की आज्ञा देता हूँ (प्रेरितों के काम 16:16–18)। जब परमेश्वर यह साबित कर रहा था कि पालुस उस का प्रवक्ता था, एक समय था जब सिर्फ एक कपड़े को छुआ, जिसे पालुस इस्तेमाल करता था, छुटकारा लाता था (प्रेरितों के काम 19:12)। वह एक विशेष घटना थी, न कि एक तरीका

जिसका पालन करना हो। जब परमेश्वर ने निर्देशित किया तो पौलुस ने ऐलीमस नामें व्यक्ति को जो अविश्वासी था अंधा बनाकर राक्षसों को हराया था कि वह परमेश्वर के बचाव के साथ हस्तक्षेप करना बंद करें (प्रेरितों के काम 13:6–12)।

जैसा हमें आज यह करना है:

जब कोई घिर जाता है तो सबसे अच्छा काम इस स्थिति में होता है उस पर हमला करो। यही परमेश्वर हम से चाहता है जब शैतान की ताकतों से घिरा हुआ है। हमें प्रेरितों के उदाहरण पर चलना है। उन्होने वही किया जो उन्होने यीशु के उदाहरण और उसकी शक्ति की पालना करते हुए किया (मत्ती 10:1,8, मरकूस 3:5, 6:7, लूका 9:1)। हमें भी दुश्मन पर अधिकार दिया जाता है (लूका 10:19, मत्ती 10:1, जकयहि 3:15)। हमारे पास राक्षसों से उत्पीड़ित विश्वासियों को खोलने और आजाद करवाने और राक्षसों को बांधने का अधिकार है(मत्ती 16:18–19)। यह सब यीशु नाम की शक्ति में किया जाना चाहिए (मत्ती 8:22, लूका 9:49) इस लिए कि केवल यही एक शक्ति है जिस की राक्षस भी मानते हैं। हमेशा उसका पूरा नाम बोले, ‘‘प्रभु यीशु मसीह’’। हालांकि हम उस से भरे जाने के लिए साफ बर्तन होना चाहिए ता कि वह हमारा उपयोग छुटकारे के लिए करे प्रकाशित वाक्य (12:10–11)।

<u>पेज नं0 48</u>

छुटकारे के लिए प्रार्थनाः

यदि आप को लगता है कि आप कि या आप के परिवार के खिलाफ कुछ राक्षसी गतविधि हो सकती है, तो आप निम्नलिखित प्रार्थना कर सकते हैं यह ऐसे शब्द नहीं है जो छुटकारा लाते है। परन्तु यीशु मसीह में आप का विश्वास और उसकी शक्ति में आप का भरोसा। यह एक अच्छा नमूना है आप के लिए, अपने परिवार के लिए या आप की कलिसीया में किसी के लिए प्रार्थना करने का। आप ये बाते अपने शब्दों में कह सकते है, यह विचार है जो मायना रखता है।

प्यारे परमेश्वर यीशु के नाम में अपने जो हमें उद्धार दिया है हम उसके लिए धन्यवाद देते हैं। हम जानते है कि आप शैतान और राक्षसों के ऊपर महान है। हम जानते है कि उन पर भी आप का अधिकार है। हम जानते है कि आप ने हमें यीशु के नाम में वह शक्ति और वह अधिकार दिया है। यीशु के नाम में मै राक्षसों को मेरे, मेरे परिवार या मेरे चर्च के विरूद्ध कोई भी हरकत करने को रोकता हूँ। यीशु के नाम में मै वह हर कारण (संभव) और दरवाजे को बन्द करता हूँ जिसके जरिए वह मेरे विरूद्ध हरकत करने की सोचते है। अगर मैने कोई पाप किया है जिसकी वह मेरे विरूद्ध हरकत करने के लिए उपयोग करना चाहते हैं मैने उसको यीशु के खुन के आधीन करता हूँ। यीशु के नाम मै उन्हे हरकत करने को रोकता हूँ और चले जाने की आज्ञा देता हूँ। यीशु के नाम में मै हर उस दावे को तोड़ता हूँ जो मेरे परिवार की कतार से आता हैं। मै परमेश्वर के परिवार की नई रचना हूँ। मै अपने नाम या पारिवारिक कतार के माध्यम से

किसी भी तरह का दावा किऐ जाने को रोकता हूँ। यीशु के नाम में मैं इस भूमि को जहां मेरा घर है या चर्च है परमेश्वर को समर्पित करता हूँ। मैं प्रार्थना करता हूँ और मानता हूँ कि यह सारी जगह का उपयोग उसकी उपस्थिति से बढ़ जाऐ। यीशु के नाम में वह हर दावा तोड़ता हूँ जो राक्षस इस भूमि के माध्यम से दाबा करता है। यीशु के नाम में मै उन सारी लानतों (शाप) को तोड़ता हूँ जो किसी ने मेरे विरूद्ध मेरे परिवार के विरूद्ध और मेरी कलिसीया के विरूद्ध किया हो। यीशु ने मेरे सब शाप को सलीब पर ले लिया। उसकी शक्ति ने मेरे खिलाफ दुश्मन की हर शक्ति को तोड़ दिया

है। इस लिए मैं यीशु के नाम में मै राक्षसों को मेरे विरूद्ध, मेरे परिवार के विरूद्ध और मेरी कलिसीया के विरूद्ध और मेरी कलिसीया के विरूद्ध कोई भी हरकत करने से रोकता हूँ। मै खुद को और अपने परिवार को और अपनी कलिसीया को केवल परमेश्वर के लिए प्रतिबंद्ध करता हूँ। मुझे अपनी पवित्र आत्मा से भर दो। मुझे अपने स्वर्ग दूतों के साथ घेर लो। मुझे अपनी महिमा के लिए उपयोग करों। यीशु के नाम मे से प्रार्थना करता हूँ अमीन मेरी पहली पुस्तक, स्पिरिचुअल वारफेयर, हैंडबुक इस विषय पर विस्तार से जाती हैं। यदि आपके पास इसकी एक प्रति नहीं है, तो उस स्रोत पर जाएं जहां आपने यह पुस्तक प्राप्त की है और उनसे पूछे कि यदि आप प्रतिलिपि कैसे प्राप्त कर सकते है?

पाप की रक्षाः

अपने लोगो के दरमियान पाप पर रोक बाईबल सिखाने और अपने उदाहरण से अपने लोगों को पवित्रता में अगुवाई करनी है। हमे पाप के विरूद्ध चेतावनी देनी है और यह दिखाना है कि कैसे यीशु नाम पर विजय है। परमेश्वर पाप कर रहे विश्वासियों को अनुशासित करता है। हम जानते कि मसीह होते हुए हम पाप के लिए कभी दोषी नहीं ठहराये जायेगे (रोमिया 8:1)। यीशु ने हमारे सभी पापों के दण्ड, शर्म ओर अपराध लिए भुगतान किया है। इसलिए हमेशा के लिए स्वत्रंत है (रोमियों 6:18,12) हमारे लिए कभी कोई निर्णय नहीं है। (यहून्ना 3:18–19, 5:24, 4–7–8,5:1, गलतियों 3:13)। हांलाकि हम पाप में रहते हैं तो अनुशासन है। जैसे एक माता पिता अनआज्ञाकारी बच्चे को अनुशासित करते हैं, कि वह सीखे और बढ़ेंगें और इसी तरह परमेश्वर अपने बच्चे को अनुशासित करता है अगर हम पाप से नहीं मुड़ते (इब्रानियों 12:3–11)। हमारे पास इस बात का प्रमाण है

कि वह हमसे प्यार करता है। वह हमसे इतना प्यार करता है कि हमें पाप से जीने की अनुमति दे सके। हम अपना उद्धार नहीं खो सकते, लेकिन परमेश्वर हमारे जीवन में दुःख और कठिनाइयों को आने की अनुमति देता हैं ताकि हम पाप से हट कर उसकी तरफ मुड़े। हमे पाप कर रहे विश्वासियों को अनुशासित करना है इसके अलावा, परमेश्वर अपने लोगो से यह उम्मीद करता है कि वह एक दूसरे को अनुशासित करे जब कभी कोई पाप में हो और पश्चाताप नहीं करता हो तो ऐसा करने के लिए चरण (मति 19:15–20) में पाये जाते हैं। पासवानी करते हुए ऐसा करना यह सुखद या आसान नहीं है और मेरे लिए एक पादरी के रूप में सबसे

कम पसीन्दा कर्तव्यों में से है लेकिन यह पाप मे व्यक्ति के खातिर हमारे लिए परमेश्वर का पालन करने के लिए महत्वपूर्ण है।

पहले, हमे सकारात्मक होना चाहिए कि उनके जीवन में पाप है (1 तीमुथियुस 5:19)। तब हमें उनके पश्चाताप करने के लिए प्रार्थना करनी है, ताकि हम उस पाप में खुद न फंस जाऐ ंहमे बुद्धि के लिए प्रार्थना करनी है (गलतियों 6:1, मत्ती 5:23–24)। अगर पाप कर रहा व्यक्ति अभी भी कठोर है तो हमे उनके पास निजी रूप में जाना चाहिए और उने पाप के खतरे के बारे में चेतावनी देनी चाहिए (मत्ती 8:15)।

पेज नं0 49

यदि वह व्यक्ति अब भी पश्चात नही करता है, तो उसे अपने पाप गंभीरता दिखाने के लिए चर्च के कुछ अन्य अगुवाओं को अपने साथ जाऐं (मत्ती 18:16, 1कुरिन्थियों 6:1–6)। अगर वह फिर भी सुनने से इनकार करता है तो पूरे चर्च को स्थिति की घोषणा करे (मत्ती 18:17, तिमुथियुस 5:20)। यह इसलिये ताकि वह उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना कर सके, पश्चाताप करने के लिए उसे प्रोत्साहित करे सके, पश्चाताप करने के लिए उसे प्रोत्साहित कर सकें, और सावधान रहे कि वे स्वयं उस पाप में न पड़ जाऐ। यदि यह भी उसे वापस नहीं लाता है, तब इसकी घोषणा सार्वजनिक करे कि उसे तब तक एक अविश्वासी के रूप में माना जाऐ, जब तक वह पश्चाताप और वापसी नहीं करता (मत्ती 18:17, 1 कुरिन्थियों 5:3–13)। आप किसी से उसका उद्धार (मुकति) नहीं ले सकते, परन्तु एक तरीका है इस बात को दिखाने का कि पाप की गंभीरता क्या है और यह कि पाप हमें परमेश्वर से और साथ ही साथ दूसरों से अलग करता है। उनके लिए लगातार प्रार्थना करते रहें। लेकिन परमेश्वर को उनके जीवन में अपने तरीके से काम करने दें। वह उन पर पश्चाताप करने के लिए दबाव डालेगा क्योकि वह उन्हे भी अनुशासित करता है।

प्रार्थना के द्वारा रक्षाः

प्रार्थना कैसे करेः

प्रार्थना शक्तिशाली है (यहून्ना 14:13–14, 15:7,16, मरकूस 11:24, 11:22–24, लूका 11:9–10, 1यहून्ना 5:14, यकियाह 33:3)। आपकी प्रार्थना जीवन में छह भाग होने चाहिए, सभी समान रूप से विकसित हो।

1- अंगीकार (अपराध स्वीकृति)
(1 यहून्ना 1:9, भजन संहिता 66:18, 51:1) अंगीकार का मतलब है परमेश्वर के साथ सहमत होना कि हाथ में मुद्धा पाप है (गलती नहीं किसी और की गलती आदि)। जब आप अपने पाप को कबूल कर लेते हैं, तो सुनिश्चित करे कि आप परमेश्वर की माफी स्वीकार करते हैं (डैनियल 9:9,19, भजन संहिता 30:4, 86, 5, 78:30, 99:8, 103:3, आमोस 7:2)। केवल परमेश्वर ही पाप को क्षमा कर सकता है(मरकुस 2:7, 11:25, लूका 23:24, 5:24, मत्ती 6:14,

थिसलुणोकियों 3:13)। परमेश्वर पाप को अनदेखा नहीं करता, वह क्षमा करता है। क्योकि इसका क्रास पर यीशु के रक्त के साथ भुगतान किया गया था (इब्रानियों 9:22, इफिसियों 4:32, 1:7, 1 पतरस 2:24, 3:18, लूका 24:46–47, कुलन्थियों 1:14, यहून्ना 19:30)। यह क्षमा सभी के लिए उपलब्ध है (यशयाह 53:6, कुलस्सियों 2:13, रोमियों 8:1)। जब आप अपने पाप को कबूल करते हैं तो परमेश्वर इसे माफ कर देता है। इसका मतलब है कि वह इसे बाहर निकाल देता है (यशयाह 43:25, 1:18, 44:22, प्रेरितों के काम 3:19, कुलस्सियों 2:14, भजन संहिता 32:1)। इसे अपनी पीठ पीछे फेंक देता है (एक जगह जिसे वह नहीं देख सकता –यशयाह 38:17, यिर्मयाह 31:34) इसे भूल जाता है (इब्रानियों 8:12, 10:17, यशयाह 43:25, यिर्मयाह 31:34)। इसे गायब करे देता है यहाँ यह कभी नहीं मिलेगा (यिर्मयहा 50:20), इसे दोपहर के समय सुवह की धुंध की तरह गायब कर देता है। (यशयाह 44:22, यहून्ना 20:21, मत्ती 27:51) और इसे समुद्ध के सबसे गहरे भाग में डाल देता है (मीका 7:19) जो फिर हमेशा के लिए चला जायेगा (प्रकाशित वाक्य 21:1)।

2- प्रशंसा–
(भजन संहिता 34:1–3, 48:1, इब्रानियों 13:15) प्रशंसा, परमेश्वर कौन है और वह क्या है उसकी महिमा करना है। यह उसके द्वारा दी गयी चीजों

के लिए धन्यवाद देने से अलग है। हम सभी अंनतकाल के लिए परमेश्वर की प्रशंसा करेगे, इसलिए हमें अभी से शुरू करना चाहिए परमेश्वर हमारे स्तुति करने से प्रसन्न है (भजन संहिता 22:3, इब्रानियों 13:5)। बाइबल कहती है कि प्रशंसा में शक्ति है (भजन संहिता 22:3)। प्रशंसा शब्दों से या गीत के द्वारा की सकती है सुनिश्चित करे कि आप एक मजबूत प्रशंसा जीवन का विकास करते हैं। (फिलिपियों 4:4, इब्रानियों 13:15)। निम्नलिखित हिस्सों को पढ़े और उन्हे प्रार्थनाओं–प्रंशसा में बदलोंः निर्गमन 15:1–2, व्यवस्था विवरण 10:21, 32:3–4, 43, 1 शैमुऐल 2:1–2, 2 शैमुऐल 22:4, 50, 1 इतिहास 16:9, 25, 31, 29:10–12, 2 इतिहास 5:12–14, 20:21–22, 27, भजन संहिता 8:1–2, 9:1–3, 31:21, 44:8, 40, 16, 47, 1–3, 68:3–4, 72:18–19, 86, 12–13, 104:33, 108:3, 117:1–2, 119:108, 175, 138:1–4, 142:7, 149:1,3,6–9,150:1–6, यशयाह 25:1,9,38:18–19, 60:18, डैनियल 2:20–23, यिर्मयाह 20:13, हबककूक 3:17–19, जकयहि 9:9, लूका 1:46–47, लूका 10:21, यहूदा 1:25, प्रकाशित वाक्य 4:10–11, 5:5, 12–13, 15:3–4

3- धन्यवाद देना

(भजन 116:12, फितिप्पियों 4:6, 1थिस्सलुनीकियो 5:18)। धन्यवाद देने का मतलब है कि परमेश्वर ने आप के जीवन में जो कुछ भी किया है, करने जा रहा है कर रहा है (और दूसरो के जीवन में भी) उसके लिए परमेश्वर का शुक्र अदा करना। हमस ब की जो कुछ हम करते हैं उसके लिऐ धन्यवाद पाने में आंनदित होते हैं, और इसी तरह परमेश्वर भी। आपने धन्यवाद में विशिष्ट बने। याद रखें, सब कुछ उसकी ओर से आता है और हमारे भले के लिए होता है (रोमियो 8:28) हमे हर चीज के लिए उसका धन्यवाद देना चाहिए।

पेज नं0 50

4- मध्यस्थता (शिकायत)

(भजन 28:9, याकूब 5:14—20, 1 तिमुथियुस 2:1—4, 1 शैमुएल 12:23) दूसरे लोगों के लिए प्रार्थना करने को शिकायत कहा जाता है। प्रार्थना अनुरोधां की एक सची रखना अच्छा है ताकि उनके लिए प्रार्थना करना आप याद रखरे और इसलिए आप प्रार्थना करना आप याद रखे और इसलिए आप प्रार्थना करना आप याद रखे और इसलिए आप प्रार्थना के उत्तर को भी चिहिन्न कर सकते। तब उत्तर के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें। याद रखें कि परमेश्वर हर प्रार्थना का उत्तर या तो हां (अब) प्रतीक्षा (बाद में) और या नहीं (कभी नही)। प्रत्येक प्रार्थना को इनमें से एक उत्तर मिलता हैं। परमेश्वर कुछ भी करने में सक्षम है, लेकिन वह हमेशा वह करने के लिए तैयार नहीं है। जो हम सोचते है कि उसे करना चाहिएं (डेनिएल 3:17) इसलिए जब आप दूसरी के लिए प्रार्थना करते थे तो सब से पहले इस बात के लिए संवेदनशील हो जाओ कि परमेश्वर आप को कैसे प्रार्थना करने को चाहता हैं बहुत जल्दी एक समाधान को आपनी प्रार्थना बना कर मत ले आओ हो सकता है परमेश्वर के पास कोई दूसरा समाधान हो (आप से अच्छा) परमेश्वर के सामने समाधान ले के प्रार्थना मत करों, समस्याओं ले

कर प्रार्थना करों। वह अपना समाधान आप को देगा। जब आप उसकी किसी चीज की देखभाल करने दोगे तब आप को आप की प्रार्थना के उत्तर अधिक मिलेगें। अकसर कुछ निकालने की बजाय वह हमें इसे सहने का सार्मथ देता है। (2 कुरिन्थियों 12:7–10) दूसरों के लिए अपनी प्रार्थना में इस विकल्प को शामिल करें।

5- याचिका

(याकूब 4:2, इब्रानियों 4:15–16, यहून्ना 15:7) याचिका का मतलब है परमेश्वर से अपने लिए कुछ चीजे मांगना। यह वैध है। कुछ लोग केवल अपने लिए प्रार्थना करते है अन्य लोग स्वयं के लिए कभी भी प्रार्थना नहीं करते और न करने का दावा करते है। इन दोनो में से कोई भी सही नहीं है। जो कुछ भी मैने ''शिकायत'' के तहत ऊपर कहा है वह यहां फिट बैठता हैं। कुछ ऐसी बातें है जिनके लिए बाइबल कहती है कि हमे मांगना चाहिएः एक समने वाला दिल(1 राजा 3:7,9) दूसरे विश्वासियों के साथ संगीत (फिलेमोन 1:4–6,) क्षमा (भजन 25:11,18,20) मागदर्शन (भजन 25:4–5, 27:11) पवित्रता (1 थिसलोनीकिया 5:23), प्रेम (फिलिप्पियों 1:9–11), दया (भजन 6:1–6), शक्ति (इफिसियों 3:16), आत्मिक विकास (इफिसियों 1:17–19), और परमेश्वर की इच्छा को जानने और पूरा करने के लिए (कुलसियों 4:12)। जैसो आप अपने लिए प्रार्थना करते है तो बाइबल के वादे के बारे में सोचो जो है दाबा करो। परमेश्वर वादा करता है कि वह हमें कभी नहीं भूलेगा (यशयाह 1:15), न हमें असफल करेगे (यहोश 1:5), न हमें बताऐगा कि हम क्या करे(1 शैमुएल 16:3), हमारी मदद करेगा (यशयाह 41:10), और हमे मजबूत करेगा (यशायाह 41:10)।

6- सुनना

(1 शमूएल 3:10, इब्रानियों 1:1–2, 3:15, भजन 62:5, 46:10) अच्छा संचार क दो तरफा सड़क की तरह हैं। कुछ समय रूके और परमेश्वर की बात को सुने जैसे वह आप की बोलता है। आपको दिन भर ऐसा ही करना चाएि। आखिरकार, क्या अधिक महत्वपूर्ण हैः आप परमेश्वर को सूचना दे रहे है या फिर यह कि परमेश्वर को सूचना दे रहे है या फिर यह कि परमेश्वर आप को सूचना दे रहा है? आपने दिमाग में स्थिर रहो, विचारों, भावनाओं आदि जो कुछ आप की जरूरत है आप के मन में डालने दो। उसकी अगुवाई के प्रति संवेदनशील रहे। किसी भी रिस्ते की तरह, बेहतर आप किसी व्यक्ति को जानते है उतना ही बेहतर उस से संचार होता है। एक

अजनबी के साथ अच्छा गहरा संचार मुशकिल है, लेकिन जब आप किसी व्यक्ति के साथ अधिक समय बिताते है तो आप उसको बेहतर सुन सकते हैं, और परमेश्वर के साथ भी सच है। यह एक ऐसी कला है जिसे विकसित होने में समय लगता है। यदि आप इस पर काम नहीं करते तो ऐसा नहीं होगा।

परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसके लोगो के लिए प्रार्थना करें। वे उसकी भेड़े है वह चाहता है कि हम उनके बारे और उनकी जरूरतों के बारे में उस से बात करें। हमे सभी मसीहियों के लिए प्रार्थना करने की आज्ञा दी गयी है (इफिसियों 6:18)। हमने लोगो के जीवन में विशेष जरूरतों के साथ—साथ उनके आत्मिक रूप से विकसित होने के लिए प्रार्थना करनी है। हम ने उनकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करनी है। जैसे अयूब अपने बच्चों के लिए प्रार्थना करता था, हमे उनके लिए एक बाड़े या उनकी चारो और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करनी है।

(अयूब 1:10 1 पतरस 1:5, भजन 5:12,34:7)। मै अपने प्रत्येक दिन को ऐसे शुरू करने की कोशिश करता हूँ, अपने परिवार के लिए और अपने लोगो के लिए परमेश्वर से यह प्रार्थना करते हुए कि वह उन्हे पाप से और दुश्मन के हमलों से आने वाले दिन के दौरान व सुरक्षित रखें। मैं परमेश्वर से यह भी मागता हूँ कि वह उन्हे अपने आत्मा से भरे और उनके अन्दर आत्मा के फल उत्पन्न करे (गलतियों 5:22—23)। मै कवच के लिए भी प्रार्थना करता हूँ कि आने वाले दिन के लिए उन पर रखी जाऐ (इफिसियों 6:10—18)।

इन जरूरतों के लिए प्रार्थना के लिए प्रार्थना करने के लिए दिन में एक मानक समय रखना अच्छा है, लेकिन उनके बारे में प्रार्थना करना भी अच्छा है जो दिन में आते है या जो दिन के दौरान दिमाग में आते हैं। यह एक विशेषधिकार है और अपने लोगो के लिए बीच में खड़ा हो के शिकायत करने की जिम्मेदारी भी है। (यहेजकेल 22:30)। मूसा ने कई बार लोगो के लिए प्रार्थना की उनकी और से परमेश्वर के साथ शिकायत की और परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सूनी (गिनती 11:2, 21:7)। वास्तव में एक ऐसा समय आया जब परमेश्वर ने उनके पाप के लिए पूरी कौम को नष्ट करने वाला था तब मूसा उनके लिए प्रार्थना में परमेश्वर के पास आया और परमेश्वर ने उन्हे बख्श दिया (भजन 106:23)। प्रार्थना एक बहुत शक्तिशाली और प्रभावी हथियार है (मत्ती 7:1,11, यहून्ना 14:13—14, यिर्मयाह 33:3, याकूब 5:16—18)।

पेज नंबर 51

यह लिखना अच्छा विचार है, कि आपने क्या प्रार्थना करती हैं पूरा जब परमेश्वर प्रार्थना करने के लिए मेरे दिमाग में कुछ डालता है या कोई मुझे उनके लिए प्रार्थना करने को कहता है कोमा मैं लिख लिख लेता हूं नहीं तो मैं भूल जाऊंगा। जब लोग मुझे प्रार्थना करने के लिए कहते हैं तो मैं तुरंत वही प्रार्थना करता हूं कमा भले ही वह केवल एक मूल प्रवृत्ति प्रार्थना हो पूर्व राम हमने दूसरों के लिए पायल उसकी प्रार्थना के उदाहरण लिखे हैं और हम उनका प्रयोग कर सकते हैं, आपने लोगों के लिए प्रार्थना करने के लिए हम इन्हीं शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। यह प्रार्थनाएं कुर्सियों 19 14 और इस शियाओं 11523 में है। कुछ की प्रार्थना करने के लिए उपहार दिया गया है और वह बिना थके या विचलित हुए लंबे समय तक प्रार्थना कर सकते हैं पूर्ण काम आपने चर्च में उन लोगों के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें जिन को उपहार मिला हुआ है। इफिसियो 6.18 कुलरिसयो 4.12.13 मैं ऐसा नहीं कर पाता हूं पूर्व राम प्रार्थना करते समय मेरा

मन अक्सर विचलित हो जाता है, या चीजें सामने आती हैं और मैं प्रार्थना करना छोड़ देता हूं। मुझे युद्ध करना पड़ता है और परमेश्वर से ध्यान केंद्रित करने के लिए मदद मांगनी पड़ती है। कई बार जब मैं प्रार्थना करता हूं तो मैं अन्य कार्यों के लिए सोचता हूं, जिन्हें उनके आवश्यकता है मैं उन चीजों की लिखने के लिए पास में एक कागज और पेंसिल रखता हूं। इस तरह से मुझे उनके बारे में मुझे सोचते रहने की जरूरत नहीं मैं फिर जो लिखा है उसको पढ़ सकता हूं प्रोग्राम अक्सर मिलते हुए अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रार्थना करता हूं पूरा बैठे–बैठे नहीं। हम केवल विश्वास इयों के लिए ही नहीं बल्कि दूसरे सभी लोगों के लिए भी प्रार्थना करनी है पूर्व रामपाल उस हमें सरकारी अधिकारियों के लिए प्रार्थना करने की आज्ञा देता है कि हम शांति से रह सकते हमें उन लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना करनी चाहिए जो उसकी उद्धार करता के रूप में नहीं जानते पूर्णब्रह्म बहुत सी बातें हैं जिनके लिए प्रार्थना करनी चाहिए पूर्व रामजी जरूरतों को परमेश्वर तक पहुंचाना एक सौभाग्य की बात है कमल की एक बड़ी जिम्मेदारी भी है यह कुछ ऐसा ही है जिसकी परमेश्वर हम से उम्मीद करता है पूर्व राम वचन सीखने के द्वारा रक्षा अपने लोगों को परमेश्वर के वचन की सच्चाई सिखाने से हम उनसे बचना बचने में मदद करेंगे। हम उनको भी सही कर सकते हैं जो उन बातों में विश्वास करते हैं जो बातें सच नहीं है। अगले अध्याय में हम इसके बारे में बात करेंगे कि वह बिल का अध्ययन कैसे किया जाए और फिर अगले अध्याय में कि परमेश्वर के लोगों से कैसे संवाद किया जाए पूर्व यह दो महत्वपूर्ण बातें हैं जिनकी परमेश्वर पादरियों से उम्मीद करता है इनके बारे में सोचो वासवानी करते हुए क्या आपको कभी उन लोगों को जिनकी आकाशवाणी करते हैं आपको अपनी भीड़ के रूप में देखने की आजमाइश आई है पूरा याद रखें कि वही सुखी भिड़े हैं। है आपको उनकी देखभाल करने के लिए अनुमति देता है क्या आपके चर्च में किसी ऐसे व्यक्ति को आते पाया है जिसे सत्य नहीं सिखाया हो। आपने क्या किया। आपने इसे कैसे संभाला यदि आपको इसे फिर से करना पड़ा, तो आप अलग तरीके से क्या करेंगे। आप अपने परिवार को मां आप खुद और अपनी सेविकाओं के विरुद्ध दुश्मन की योजनाओं के बारे में कितने जागरूक हैं। अगर शैतान आपका यह आपकी सेविकाओं का विरोध करता, तो आप को हराने और हताश करने के लिए किन चीजों का इस्तेमाल करता इस पर विजय पाने के लिए आप क्या कर सकते हैं क्या आपके जीवन में कोई पाप है जो आपको हर आता है और आपको जीत से दूर रखता है पूर्व राम किसी दूसरे पादरी के पास जाओ और उससे प्रतिदिन तुम्हारे लिए प्रार्थना करने को कहो उसके साथ

संपर्क में रहने की आप इसके साथ कैसे कर रहे हैं पूर्व राम आपका प्रार्थना जीवन कैसा है क्या ऐसा कुछ है जो परमेश्वर आपके इस सुधार करने के लिए कहना चाहता है प्रोग्राम आज आप इसमें परमेश्वर पालन करते क्या कर सकते हैं

पेज नंबर 52

परमेश्वर उम्मीद करता है कि हम अपना पालन पोषण करें इस पाठ के मुख्य विचार परमेश्वर प्रत्येक पाली से उम्मीद करता है कि वह परमेश्वर के वचन के अध्ययन करें सीखे और अपने व्यक्तिगत जीवन में लागू करें पूर्ण राम जब एक बच्चा पैदा होता है तो हवा के बाद उसकी पहली जरूरत पोषण होता है बच्चे की बढ़ने के लिए अक्सर खाने की जरूरत होती है। उनके पास मजबूत भूख है। आत्मिक रूप से भी यह सच है परमेश्वर से पैदा हुए लोगों को लगता है कि उन्हें परमेश्वर का वचन सीखने की भूख है बाइबिल के लिए एक नई प्रशंसा भारी भावना और प्यार प्रकट होता है पूर्व राम बाइबल पढ़ने की इच्छा केवल बौद्धिक जिज्ञासा बनने के लिए ही नहीं बल्कि लोगों को आत्मा को सिखाने खिलाने के लिए होती है। शुरुआत शुरुआत से ही हम सब जानते हैं कि अति आवश्यक पोषण की जरूरत पड़ने वाली कुर्तियां 313 पत्र 2231 नंबर

का आपने आपका पालन पोषण क्यों करें उसकी पेड़ों की रक्षा करने के अलावा 14 वा अपनी भेड़ों को चलाने के लिए जिम्मेदार होता है। यह शायद उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है वह जिस अपना अधिकार समय बिताता है पूर्ण नाम भीड़ के अक्षर खिलाया जाने चाहिए इसी तरह से उन लोगों को जिनकी हम पासवान ही करते हैं परमेश्वर पादरियों से उम्मीद करता है कि वह अपनी भैंस चराए। लेकिन पहले हमें खुद को उसके बच्चों से सीखना चाहिए पूर्णविराम इसे हमें जानना चाहिए ताकि हम अपने लोगों से गलती से बच सके पूर्व राम हमें उनसे उन्हें सिखाना चाहिए ताकि वह तृप्त से बच सकें और इस तरह एक आत्मिक रूप से बचन पर विकसित हो सकते हैं पूर्ण अध्याय 6 में हम अपने लोगों को खिलाने के बारे में बात करेंगे लेकिन पहले हमें खुद को खिलाना होगा पूर्णब्रह्म सच्चाई के वचनों को सही ढंग से संभाला ऑब्लिक पकड़ना फालतू के आदेश देता है कि परमेश्वर के वचन को जानने और उसका सही उपयोग करने में सक्षम होता कि वह उस तरह का पासवान बन सके जैसा परमेश्वर चाहता है कि वह बने 215 अपने काम की गुणवत्ता से अपने मालिक को खुश करने के लिए एक कारीगर की उपमा का प्रयोग करता है चाहे वह परिणाम उत्पन्न करने के लिए उसे अपने औजारों का कुशलता से उपयोग करना चाहिए पूर्व राम पास बानो के रूप में हमें अपनी उपकरण, बाय विल्कॉम कुशलता से और सही तरीके उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए। इसका मतलब हम में बाइबल से बहुत परिचित होना चाहिए पूर्व राम हमें इस से सीखना चाहिए कमाई याद रखना चाहिए और अपनी जीवन भर पर लागू करना चाहिए भजन 119:11 तैयार रहें की आज्ञा देता है, बच्चन का प्रचार करो का मौसम और मौसम से बाहर तंदुरुस्त कारो कारो और बड़ी देर और सावधानी पूर्वक निर्देश के साथ प्रोत्साहित करो प्रचार का मतलब है घोषणा करना पूर्व यह एक यूनानी शब्द है जो राजा के अधिकार के साथ राजा के संदेश को घोषित करने के लिए राजा के द्वारा भेजे गए राजपूत का इस्तेमाल किया जाना चाहिए यह हमारी धरती हुई इच्छा होनी चाहिए एक गलतिओं 9:6 यह वचन है जिसका हमने प्रचार करना है पूर्व में परमेश्वर किसानों का कौमार्य रायका नहीं हमें हमेशा यह करने के लिए तैयार रहना होगा परिस्थितियां कुछ भी क्यों ना हो कभी–कभी यह आसान और स्वागत योग्य होगा कई बार परमेश्वर के वचन का मजाक उड़ाया जाएगा पूर्णविराम और स्वीकार किया जाएगा हमें किसी भी आकार के व्यक्तियों को यह समूह के साथ परमेश्वर की सच्चाई को साझा करने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह भी बताता है कि हम परमेश्वर के वचन का उपयोग उन लोगों को

प्रोत्साहित करने उनकी गलतफहमी को दूर करने ना तंदुरुस्त करने के लिए उपयोग करना चाहिए खासकर जो पहचानते हुए पाप की निराशा से संघर्ष कर रहे हैं हमें बड़े धैर्य के साथ ऐसा करना चाहिए क्योंकि अक्सर लोग प्रक्रिया देने की जल्दी नहीं करते हमारे साथ लगातार बहुत धन्यवाद है और हम भी दूसरों के साथ ऐसा होना चाहिए हम परमेश्वर की सच्चाई को विश वासियों और आशीष वासियों के साथ साझा करने में हर हार नहीं मान सकते।

पेज नंबर 53

पौलुस तिमुथियुस को आज्ञा देता है कि वह शीघ्र पूर्ण निर्देश में रहे क्योंकि लोगों को बाइबिल का विस्तार से जानने की जरूरत है। हमें परमेश्वर के वचन की गहराई सच्चाई यों को सिखाना चाहिए ना कि केवल आसान और सरल सत्य जो बच्चों को सीख सकते हैं। हमें परमेश्वर का वचन पूरा सिखाना चाहिए को माना कि केवल परिचित हिस्सों को ही ऐसा करने के लिए परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसके बच्चन को अच्छी तरह से जाने। हमें इसे पढ़ना चाहिए, इसका अध्ययन करना चाहिए इसके लिए हिस्सों को याद रखना चाहिए और यह जानना चाहिए कि इसे कब और कैसे लागू करना है। लेकिन यह हमारे दिमाग में सीखने के लिए कुछ ऐसा नहीं है जैसा कोई इंजीनियरिंग विज्ञान का

अध्ययन करना है। आई विल परमेश्वर को प्रकट करती है और उसे हमारे दिलों में भी जीवित रहना होना चाहिए पूर्व मेरे जीवन में परमेश्वर का वचन मैंने कॉलेज और मशीनरी में बाइबल के लिए एक विशाल प्रेषित की है कि वह परमेश्वर को जीवित और प्रेरित वचन है।मैं इसके लिए एक विशेष सम्मान के साथ आया था 4 ग्राम यह मेरे धंधे का मुख्य साधन है प्रोग्राम इसके बारे और उसका इस्तेमाल करने का कौशल जैसे में बड़ा मैं अंदर पड़ता है। एक मसीही के रूप में जब मैं अपने जीवन में अति काल में सोता हूं तो मुझे एहसास होता है कि वह बिल के प्रेरित मेरे दृष्टिकोण का एक सूक्ष्म बदलाव आया है। मैं इसका सम्मान पहले से अधिक करता हूं कोमल लेकिन मैं इसके लिए एक बार क्विक प्यार भी विकसित कर रहा हूं प्रोग्राम मैं इसे प्यार करता हूं क्योंकि यह परमेश्वर को प्रकट करती है और जितना अधिक मैं इसके बारे में जानता हूं उतना ही मैं इससे प्यार करता हूं प्रोग्राम अब यह मेरी सेविकाओं को पूरा करने में मदद करने के लिए सिर्फ एक उपकरण नहीं कमाई परमेश्वर के लिए मेरी जीवन प्रणाली बन गया है मेरा सहारा और चट्टान भजन 119:9–11 मैं केवल ना इसे पसंद करता और इसकी सराहना करता हूं मैं खुद को पूरी तरह से इसका मतलब जरूरतमंद समझता हूं जितना अधिक में बाइबल के तथ्यों को जानता हूं उतना ही मुझे इस बात का एहसास होता है कि मैं इस जीवन में इसकी गहराई कभी नहीं खत्म नहीं थी हो सकती मैं इसे अपने दिमाग से ज्यादा दिल से सीख रहा हूं यह मेरे लिए बहुत कीमती और खास बन गया है भारत में मेरी तीसरी यात्रा 2009 मेरे लिए बहुत कठिन थी पूर्णविराम मैंने अपने आपको परमेश्वर के वचन की और अधिक गहराई से गंभीर होते देखा पूर्व

जितना मैंने पहले कभी नहीं देखा इसके माध्यम से मुझे परमेश्वर के बाय–बाय दे और आराम मिले पूर्ण ब्रह्म परमेश्वर का वचन ही एकमात्र ऐसी चीज थी जिसने मुझे क्रियाशील रखा पूर्व मैंने पहले से कहीं ज्यादा अपने अंदर इसी सच्चाई यों की जरूरत महसूस की जब मैंने रात को सोने की कोशिश की तो मैंने बाइबल के पकड़े रखा मैं सारी रात उसे छूता रहा पूर्व शारीरिक संपर्क मेरे विश्वास की बताई रखने और परमेश्वर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए महत्वपूर्ण

था पूर्व नेहा को 1 अध्याय पढ़ने से शुरू किया और हर रात को एक पाठ पढ़ने में अपनी आखिरी काम समझा पूर्व मैंने इसे परमेश्वर की तरफ से प्रेम पत्र के रूप में पढ़ना की चीजों को तलाशना करने में अपने शिक्षण में उपयोग कर सकता हूं प्रोग्राम यह मुझे ताजा करने के लिए और मेरा ध्यान केंद्रित होना चाहिए यह मेरे दिल आत्मा और प्राण के लिए जीवन का वचन बोलता है। मैं सिर्फ अपने दिमाग से नहीं बल्कि अपने दिल और आत्मा से सुनना सीख रहा हूं पूर्व से मुझे अपनी या भारत यात्रा में भी मदद मिली पूर्व सेविकाओं में मेरी भागीदारी ने मुझे सिखाया है कि वह केवल परमेश्वर का वचन है को अधिकार रखता है कौन मेरा या किसी और का नहीं 412 जब हम इसका उपयोग करते हैं तो शैतान और उसके राक्षसों का परमेश्वर के वचन का पालन करना पड़ता है परमेश्वर के वचन में वास्तविक सकती है जब हम विश्वास करते हैं और इससे उधर करते हैं यही था जैसे यीशु ने जंगल में प्रलोभन ओ पर विजय पाई पूर्ण ब्रह्म यह आत्मा की तलवार है जिसके बारे में पौलुस बात करता है पूर्व राम हमारा एकमात्र रक्षात्मक हथियार। बाय भी मेरे लिए अधिक आश्चर्यजनक अद्भुत हो जाती है जैसे मैं जीवन में आगे बढ़ता हूं पूर्व राम जितना अधिक मुझे लगता है कि मैं इसको जानता हूं उतना ही अधिक मुझे पता चलता है कि मैं इसे वास्तव में बहुत कम जानता हूं। यह हमारे मन, भावनाओं और आत्मा को एक साथ बोलती है। जितना मैं बढ़ता हूं उतना ही मैं परमेश्वर के वादों के प्रति कठोर बनता हूं, केवल इसी जीवन के बारे में नहीं परंतु भविष्य के बारे में भी मैं अपने पढ़ने और अध्ययन में बहुत मात्रा को कवर करने के लिए इच्छुक नहीं कमा परंतु कुछ आई तो के साथ गहराई में जाने को इच्छुक होता हूं मात्रा के लिए नहीं परंतु गुणवत्ता के लिए अपने पढ़ने को मैं जल्दी मत करो धीमी

गति से जाओ ध्यान करो कोमा एक आयत या कहावत पर विचार करें परमेश्वर से मांगे कि वह आपके साथ इसके माध्यम से बात करें और जो वह कहता है उसकी सुने। गहरे जाओ जल्दी मत जाओ । मसीही पुस्तक के लोग रूप में जाने जाते हैं। मुझे यह अच्छा लगता है पूर्व राम मैं यह नहीं जानता कि केवल किताब मेरे सिर में हो, मैं चाहता हूं कि यह मेरे दिल में हो पूर्ण बना मुझे आशा है कि आप के पास भी यही इच्छा होगी।

पेज नंबर 54

हम अपने आप को क्या खिलाएं जैसे हमने देखा यह परमेश्वर का वचन है जो हमें खिलाता है। अन्य पुस्तकें हमें सच्चाई सिखा सकती है लेकिन परमेश्वर की बाइबिल का कोई विकल्प नहीं है। कभी भी कोई ऐसी किताब नहीं कमा जैसी यह है। भौतिक पुस्तकें का उपदेश और टीका की पुस्तक के सभी सहायक हो सकती हैं लेकिन उन्हें हमारे स्वयं के दिलों और जीवन में परमेश्वर के वचन का विकल्प नहीं होना चाहिए पूर्व। हम में से किसी एक को बाइबल अध्ययन

और सीखने की जरूरत है कोमा ना की किसी और पर निर्भर रहने की कोई हमें बताएं कि इसका क्या मतलब है। अरे जाने अपने आप को प्रभु के कानून के अध्ययन का पालन के लिए समर्पित किया, और इसराइल में इसके हुकुम और कानूनों को पढ़ने के लिए भी भेजा 710 पहले उसे बालवीर का अध्ययन करने और उसे लागू करने के लिए खुद को समर्पित करना पड़ा। परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसके बचन के अध्ययन की सेविका ए की किसी और चीज से अधिक महत्वपूर्ण बनाएं पूर्व राम हर बढ़ती चीज को जीने के लिए खाने की जरूरत है पौधे जानवरों और लोगों को ढेरों खाते में खाते हैं पूर्णब्रह्म इसी तरह सूअर भी और यह एक ही चीज नहीं खाते एक सा उनकी अलग—अलग भूख है, क्योंकि उनके अलग—अलग स्वभाव है। मुक्ति से पहले हमारे पास सूअर जैसी भूख कचरा कूड़ा का कुछ भी खाने को चलेगा। उधार के बाद हमारी भूख बदल जाती है और हम एक ऐसा पोषण चाहते हैं जो सुरक्षित कॉमर्स स्वस्थ और पौष्टिक हो हमें परमेश्वर के बचन की भूख है। आदिवासियों को बाइबल पढ़ने और सीखने की कोई इच्छा नहीं होती कामा केवल विश्वास इयों को पास बानो के रूप में हम अपने आपको परमेश्वर के वचन से बिल बिल आने की जरूरत है ताकि वह हमें सिखा सके और हमारे विश्वास को परिपक्व कर सके और इसलिए कि हम उसके और नजदीक आ सकते हैं कामा परमेश्वर हम से यह उम्मीद करता है कि जो वह हमें सिखा रहा है हम दूसरों को सिखाए। ऐसे समय और ऐसी जगह होती है यहां दूसरों को दोबारा लिखी हुई सामग्री कॉमेडी और उपदेश दिया आदि का उपयोग करना हो सकता है परंतु अधिकांश समय हमें अपने उपदेश खुद बनाने चाहिए आई विल हमारे आत्मत्राण के लिए पोषण है और हमें अपने विश्वास में मजबूत होने का सच्चा बनाती है पत्र 223 इसका कोई विकल्प नहीं है जब बच्चे छोटे होते हैं तो हम उन्हें भोजन देते हैं कि उनकी जवान आना पड़े जैसे जैसे वह बढ़ते हैं वह अधिक ठोस भोजन खा सकते हैं जिसमें उनके लिए बेहतर पोषण होता है आत्मिक रूप से भी यही सच है जब हम छोटे छोटे हैं तो हमें दूसरों को आत्मिक पोषण लेना चाहिए लेकिन जैसे—जैसे हम बढ़ते हैं हमें परमेश्वर के वचन को चलाते हैं और स्वयं ले कर लेते हैं। जैसे आप निकल सकते हैं वह भोजन जिससे आपने खुद जमाया है और फिर आपको निकलने के लिए दे दिया जाता है जवाब स्पष्ट है यही जल्दी और आसान है कि हम कोई हमारे लिए भोजन चलाएं और हम उसे निगलने, गए और बनाए गए उपदेशों का उपयोग करते हैं किसी और को आपके लिए बाइबल अध्ययन ना करने दें इसीलिए कि आप को केवल उनके परिणामों का उपयोग

करना है। अपनी जुगाली करो अपने लिए बाइबिल का अध्ययन करो। यह कठिन परिश्रम हो सकता है और इससे समय लगता है कमा ले के लिए एक ऐसी चीज है जिसकी परमेश्वर हमसे सब चीजों से ज्यादा उम्मीद करता है। ना करने से नियमित रूप से पौष्टिक भोजन 1 सप्ताह तक शरीर कमजोर और बीमार पड़ जाता है पूर्ण ब्रह्म यदि हम नियमित रूप से परमेश्वर के वचन का समय नहीं बताते तो वह हमारी आत्माएं कमजोर और बीमार पड़ जाती है। आपने आपको कब खिलाए 1 सप्ताह में कितनी बार आप खाना खाते हैं। शायद हर दिन जब तक आप उपवास नहीं करते सप्ताह में कितनी बार आपकी आत्मा को आत्मिक भोजन की आवश्यकता होती है हर रोज इसी भी यदि आप को भोजन की भूख नहीं है तो वह संकेत है कि आप स्वस्थ नहीं है पूर्व आत्मिक भोजन का भी यही सच है एकात्मिक मसीही को हर दिन परमेश्वर के वचन के लिए भूख होगी एक पत्र 223

पेज नंबर 55

हमें हर दिन खुद को खिलाने की जरूरत है आप आती स्थिति उत्पन्न होने पर कुछ अपवाद हो सकते हैं लेकिन हमें बाइबल के साथ प्रत्येक दिन की शुरुआत एक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने की आवश्यकता है जैसे हम अपने शरीर को सिखाते खिलाते हैं दिन की शुरुआत ताकत के साथ करने के लिए इसी तरह हम हमें दिन के लिए आत्मिक ताकत बनाए रखने के लिए अपनी

आत्मा को वचन खिलाना होगा। शैतान हमें इतना व्यस्त और विचलित करने की कोशिश करता है ताकि हम बाइबल अध्ययन और प्रार्थना के लिए समय ना दे सके। जब तक हम बाइबल पढ़ने और प्रार्थना करने में समय नहीं लगाते कमा और लोगों के लिए अच्छा काम करने की व्यस्त रहते हैं तो उसे शैतान की कोई परेशानी नहीं होती क्योंकि यहीं से तो हमारी ताकत और शक्ति आती है। और इसका बिना हम कमजोर होते हैं वाईवी का अध्ययन करने के लिए हर दिन समय निकालने की योजना सोच समझकर बनाना जरूरी है लेकिन यह आवश्यक है। इस समय का उपयोग हम अपने उपदेशों और पाठकों को तैयार करने के लिए कर सकते हैं, क्योंकि उन्हें समय से पहले करना बेहतर है ना की अंतिम समय पर हमारी पत्नियां जो समय रहते भोजन बना लेती हैं और अधिक अच्छा और शुगर होता है बजाय उसके जो आखिरी मिनट में जल्दी से एक साथ डालती हैं पूर्णब्रह्म यही आत्मिक भोजन के साथ है जो हम अपने लोगों को देते हैं सप्ताह की शुरुआत से प्रत्येक दिन अपने संदेश पर काम करें पूर्ण ब्रह्म अला कि आपका व्यक्तिगत बाइबल अध्ययन केवल आपके लिए परमेश्वर से बात करने और सुनने का समय होना चाहिए ना कि केवल उपदेश तैयार के लिए। सुनिश्चित करें कि परमेश्वर आपसे पहले बात करते हैं पूर्व कोई भी संदेश जिसे आप लोगों को प्रचार करना चाहते हैं पहले खुद को प्रचार करें और अपने जीवन पर लागू करें टीम 2926 यदि आप अपने संदेश को उसी दिन तैयार करते हैं जिस दिन आपको पेश करना है कोमा यह भले एक दिन पहले तैयार करते हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए इसीलिए प्रत्येक दिन परमेश्वर के वचन में समय बिताएं परमेश्वर के बारे में सीखे और उसे अपनी बात कहने दे पूर्णब्रह्मा प्रदेश की तैयारी करेंलिए कुछ समय का उपयोग कर सकते हैं यदि आप सुनिश्चित करते हैं कि आप दूसरों को यह उपदेश देने में पहले उसके वचनों को सत्य को अपने जीवन पर लागू करते हैं आपने आपको कैसे खिलाएं मान लीजिए आप बैठकर अपनी बाइबिल का अध्ययन करना चाहते हैं आप एक हिस्सा खोलते हैं और कुछ आयतों को पढ़ते हैं कोमल आश्चर्य करते हैं कि हम कैसे शुरू करें। फिर आप थोड़ा और पढ़ते हैं लेकिन आप उन चीजों के बारे में सोचना शुरु करते हैं जो आपको उस दिन करने की आवश्यकता होती है। जल्द ही आप अपनी बाइबल बंद कर देते हैं और अपने कामों की सूची के साथ आगे बढ़ जाते हैं आप अपनीबाइबल पढ़ने में बहुत कुछ प्राप्त नहीं किया, लेकिन कम से कम आय ने यह तो किया जब तक हम यह नहीं जानते कि हम अपनी बाई भील अध्ययन कैसे करें हम इससे बहुत कुछ प्राप्त नहीं नहीं करेंगे पूर्णब्रह्म मान लीजिए यह

खनिक किसी खान में काम करने वाला जमीन पर सोने की डेरी की तलाश में एक क्षेत्र से गुजरता है लेकिन उसे कोई नहीं मिलती इसीलिए वह खाली हाथ निकल जाता है। इसका मतलब यह नहीं कि वह सोना नहीं है इसका मतलब यह है कि वह जानता नहीं है कि इसे कैसे देखना है पूर्व सतह पर जल्दी करने की बजाय उसे रुकना चाहिए और गहराई खुदाई करनी चाहिए कि केवल उसी खजाना मिलेगा बाइबल का अध्ययन करने का यही सच है। बाइबल अध्ययन एक काम है पूर्ण ब्रह्म अला कि वह काम उपदेश पूर्ण और सार्थक होना चाहिए नहीं तो इससे कुछ भी नहीं मिलेगा। मैं आपकी मदद करना चाहता हूं जैसा कि मैं इसे देखता हूं का मोबाइल का अध्ययन को तीन मुख्य चरणों में तोड़ा गया है अवलोकन में क्या देखता हूं व्याख्या इसका क्या मतलब है और अनुप्रयोग मुझे कैसे जवाब देना है बाइबल हमारी आत्माओं के लिए आतम पोषण प्रदान करती है जैसे भोजन हमारे शरीर के लिए शारीरिक पोषण प्रदान करता है एक पत्र 22 भजन 119:105 पहले आइए हम अवलोकन के बारे में बात करें। इससे पहले कि आप जो भोजन खा रहे हैं, आप उसको निकलने और उपयोग करें आपको इस छोटे रूप में टुकड़े पर चलाना चाहिए। सच तो यह है कि जितना अच्छा आप अपने भोजन को जब आएंगे उतना ही आपको इससे फायदा होगा पूर्व यहीं पर बाइबल अध्ययन का कार्य भाग आता है किसी मार्ग में नया और गहरा देखने के लिए आपको पता होना चाहिए कि आपके कैसे और कहां देखना है।

आपको अपने आपको वह देखने के लिए प्रशिक्षित करना होगा जो आपने पहले नहीं देखा है। एक डाक सर आपको बारीकी से जांच करेगा तथ्यों को इकट्ठा करेगा और उनकी व्याख्या करने और कार्य योजना के साथ आने से पहले सवाल पूछे ना पूर्णविराम इसी तरह एक जासूस को उन चीजों की तलाश करनी चाहिए जो पहले स्पष्ट नहीं है। जो पहले एक वैज्ञानिक का भी यही कहना है इन सभी के लिए अंतिम विचार उतना ही अच्छा होगा जितना अच्छा इनका प्रारंभिक अवलोकन खोज की अवधि जितनी बेहतर होगी उतना ही निष्कर्ष उतना ही स्त्री और सहायक होगा। यदि आप एक डॉक्टर के पास जाते हैं और वे उपाय को बैठने के लिए कहता है कमा तो आप वह पर नजर डालते ही एक परिचय लिखना शुरु कर देता है तो आपको यह अच्छा नहीं लगेगा। उसे पूरी तरह जांच देखने करनी चाहिए और सवाल पूछने चाहिए और उस ने क्या खोजा है इससे पहले कि वह किसी निर्णय को लागू करें। बाइबल अध्ययन में भी यह बात लागू होती है बहुत बार हम अवलोकन अवधि को छोड़ देते हैं और तुरंत यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि इसका क्या अर्थ है और यह कैसे लागू होता है पूर्ण ब्रह्म यह हमेशा उठने परिणामों की ओर ले जाता है यह हम यह सोच कर छोड़ देते हैं कि हम बाइबल से कुछ प्राप्त नहीं कर सकते पूर्व में किसी हिस्से को पढ़ने के बाद यह ना सोचें कि यह आपके या आपके लोगों पर कैसे लागू होता है पूर्व आपको पहले देखना चाहिए कि वास्तव में वह क्या है जैसे हम बाइबिल का अध्ययन करते हैं तो ऐसे कैसे देखें मैं आपको खुद ढंग बताता हूं। अवलोकन जब आपके सामने खाना रखा जाता है तो पहला काम जो आप करते हैं वह है उसको पूर्व को देखना कि वह क्या—क्या है उसका अवलोकन करना जब परमेश्वर के वचन पर भोजन करते हैं तो यही करें पूर्व एक ही बैठक में पूरा हिस्सा कितना को किताब को पढ़ें एक छोटे से हिस्से के लिए ऐसा बार—बार करें। कुछ भी ना करें लेकिन इसे बार—बार पड़े पूर्णविराम ऐसा कई दिनों तक करें यह किसी पसंदा तस्वीर को देखने या किसी पसंद आ गाने को सुनने जैसा आप बार—बार नई चीजों को देखते हैं, आपको यह सब पहली बार कभी नहीं मिलेगी पूर्व राम जैसे आप पढ़ते हो एक कागज और पेंसिल के पास रखे पहले खुद कुछ समय के बाद मन में सवाल आने लगेंगे जो चीजें आपके समझ में नहीं आती उनके लिए उत्तर चाहेंगे उन्हें लिख लीजिए वास्तव में जितना हो सके उतने प्रसन्न लिखिए और प्रयास करिए अब उन्हें जवाब देने की चिंता मत करो आप के साथ जाते—जाते कई प्रश्न खुद अपना जवाब देंगे पूर्णब्रह्मा कि अगर आप सवाल नहीं पूछते हैं तो आप कभी भी

जीवन पर ध्यान नहीं देंगे जब हम आएंगे और आपसे उसे खो देंगे आप उन सवालों के जवाब नहीं देंगे जो आपने नहीं पूछे इसीलिए सुनिश्चित करें कि आप प्रश्नों को लिखें और पूरी तरह से रचनात्मक और धनवान है अपने आपको पूछे यदि तू यहां होता तो मैं उससे इस शब्द ऑब्लिक आयात के बारे में क्या पूछता पूर्व लिखने वाला व्यक्ति मेरे साथ बैठा होता तो मैं उसी से इसके बारे में क्या पूछता जो कौशल को अच्छी तरह से विकसित करने के महत्व को अधिक जोर नहीं दे सकता कोई प्रश्न बुरा प्रसन्न नहीं है। कुछ बहुत ही सरल और उत्तर देने में आसान हो सकते हैं कमा अन्य उत्तर देना असंभव होगा पूर्व जितना हो सके उतना लिखे पूर्णब्रह्म आप इस कदम को छोड़ नहीं सकते और नाही बहुत तेजी से इसके माध्यम से गुजर सकते हो नहीं तो आप उस डॉक्टर की तरह होंगे जो बिना आपकी बीमारी का पता लगाए बिना ही इलाज निर्धारित कर देता है।

जब आप पूरे को देखते हैं और प्रश्न पूछना शुरु करते हैं तब आप इसे भागों में विभाजित करते हैं। जब भी आप अध्ययन करते हैं कोमा तो प्रश्नों को जोड़ते रहे आप कभी भी प्रश्नों को लिखना बंद ना करें पूर्व रमेश पर भोजन से पहले आप उसे भागों में विभाजित करते हैं और अपनी प्लेट में कुछ डालते हैं आप इसे खाने के लिए भागों में विभाजित करते हैं पूर्व राम आप उसे एक ही बार मुंह में नहीं डाल सकते आपने भाई विल हिस्सों को प्रमुख वर्गों में तोड़ना शुरू करें पूर्व फिर इन्हें खंडों में तोड़ा जा सकता है आखिरकार आपके पास एक कठिन रूपरेखा होगी पूर्णब्रह्म आप एक रूपरेखा आपके बड़े वर्गों को समझाने और प्रबंधित करने में आसान बनाने के लिए शब्दों लेबल देती है।यह आपको हिस्सों में प्रभा के माध्यम से सोचने और विभिन्न भागों के संबंधों की खोज करने के लिए मजबूर करता है। यह आपको लाइनों के बीच पढ़ने को कहता है, इसी प्रकार आपके अवलोकन को सुधार करता है। मैं आपको अलग अगले अध्याय में उन उद्देश्य लिखने के बारे में उसका उपयोग के करने का तरीका दिखाऊंगा बेशक जब भी आपके मन में कुछ आता है कमा तो निश्चित रूप से अपने प्रश्नों की सूची में इसे शामिल करें। जब आपके पास अपनी प्लेट में भोजन टूट गया है और उसे खाना शुरु कर रहे हैं काम आ तो आपके यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप इसे अच्छी तरह से चलाएं वह अलग अगला चरण है व्याख्या

व्याख्या

अपना भोजन चबाने के बाद हम इसे निकलते हैं और हमारी शरीर इसे बचाता है। अवलोकन विवरण इकट्ठा करता है तथ्य प्रश्न अनिष्ट व्याख्या अवलोकन के लिए अर्थ, और संगठन और आपके प्रश्नों के कुछ उत्तर लाती है। आपको इस चरण के दौरान प्रश्न पूछना और लिखना जारी रखना चाहिए, लेकिन अब आए अपने प्रश्नों के उत्तर देना शुरू करते हैं। जैसे कि हम व्याख्या करते हैं कि आप अपने सवालों के जवाब दे पाएंगे इससे पहले कि आप छोड़े आप यह सुनिश्चित करें कि जितने सवालों को जवाब आप दे सकते हैं उतने दिए हैं यदिआपने प्रश्न नहीं पूछे होते तो आपने उत्तर कि नहीं पहचाना होता और यह बिना ध्यान में आए चला गया होता आपने व्याख्या करने के दौरान आपके मन में आए सवालों के जवाब मिलेंगे पूर्व राम डॉक्टर के लिए यह निदान चरण है जब निष्कर्ष निकालना जाता है जासूसी और वैज्ञानिक के बारे में भी यही बात है कमल जी ने इकट्ठा की गई जानकारियों में से एक बुद्धिमान निष्कर्ष निकालना चाहिए। बाइबल अध्ययन में हम यह कैसे करते हैं पूर्व राम भाई बिल की समाज को सही करने की कुंजी यह है कि आप अपने को लेखक के स्थान पर रखें और उसके दिमाग को पढ़ें की कोशिश करें उसके दिमाग में क्या था। उसने ऐसा क्यों लिखा यह क्या कहेगा इसका मतलब है अगर बाइबिल का हिस्सा जो आप पढ़ रहे हैं उसको लिखने वाला आपके साथ बैठा होता तो आप उसे क्या सवाल पूछेंगे इसके अलावा आपने आपसे पूछे कि मूल्य पाठकों ने इस हिस्सों को कैसे समझा होगा पूर्व राम मान लीजिए कि आप इस सूट में फैल उसके पास पत्र को पढ़ रहे पादरी की सुन रहे थे नवि को बोलते हुए सुन रहे हैं कोमा तो आप क्या समझेंगे पूर्णब्रह्म आप इसे कैसे देखेंगे मूल पाठकों की आंखों के माध्यम से बाई भील को देखेंगे क्योंकि यह विशेष रूप और सीधे उनके लिए लिखा गया था पूर्व राज्य हमारे लिए लागू होता है लेकिन हमारे लिए निर्देशित नहीं किया गया था। यह उनके ऐतिहासिक संदर्भ के माध्यम से हमारे सामने आता है कोमा सबसे पहले आइए आपने खाने की सहायता पर वापस जाएंगे पूर्व हराने के बाद भोजन पथ जाता है मुंह और लाल भोजन के छोटे–छोटे टुकड़ों में तोड़ना शुरू कर देता है लेकिन पाचन तंत्र से शरीर के बाकी हिस्सों के लिए उपयोगी बनाता है विभिन्न इंजॉय मोड द्वारा विभिन्न खाद्य पदार्थों को तोड़ा जाता है कुछ खाद्य

पदार्थ जल्दी पूछते हैं जैसे कार्बोहाइड्रेटसमय पर गौर करें हम पहले इतिहास को देखेंगे

इतिहास की व्याख्या

इतिहास बाइबल के उन हिस्सों के संदर्भित करता है जो लोगों स्थानों को मां घटनाओं का मा समूह या समय अभी के बारे में जानकारी देते हैं पूर्व राम उत्पत्ति के रूट चकवती से प्रेरित हों के काम तक मुख्य रूप से इतिहास है आज हमारे पास ऐसा ऐतिहासिक पुस्तके रमाबाई बिल और जीवनी जीवनी इतिहास के खाद्य पदार्थ में चर्बी के रूप में माना जा सकता है। यह दूध दही मक्खन और खाना पकाने का तेल आइसक्रीम जैसी डेयरी उत्पादों से बना है शरीर को इन्हीं पचाने के लिए लंबा समय लगता है पूर्व राम बाई भील के इतिहास के बारे में सभी अलग–अलग रीति रिवाज और ऐतिहासिक घटनाओं के कारण समझाने में ज्यादा समय लगता है चर्बी हमारे शरीर को जरूरत पड़ने पर वापस गिरने के लिए एक भंडार देती है पूर्णब्रह्म इतिहास के पाठ मार्गदर्शन, प्रोत्साहन का मिसाइलें उदाहरण और सिद्धांत देते हैं ताकि हमें जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग कर सके पूर्व स्वास्थ्य के लिए बुनियादी है जिसकी शिक्षाओं की जरूरत होती है और खाते हैं आई विल की बुनियादी कहानियां सीखना नए मशीनों के लिए बुनियादी है और लेट सामान्य और कुछ स्वास्थ्य की अनुमति देते हैं पूर्व में लोगों की ऐतिहासिक घटनाओं और जीवन को जानना हमारे मसीही जीवन में ऐसा करना है पूर्व ग्राम चर्बी के अन्य खाद्य पदार्थों के साथ मिलाया जाता है कामा और इतिहास साहित्य के अन्य वर्गों में है जैसे एक शिक्षण प्रोटीन और कविता का कार्बोहाइड्रेट मान लीजिए कि आपको किसी का पत्र मिला वह जो विदेश में है। इसको ठीक से समझने के लिए आपका यह जानने की जरूरत है कि इसे किसने लिखा और कब लिखा, और वह कहां था जब उसने लिखा। अगर वह किसी ऐसे व्यक्ति के द्वारा कुछ दिन पहले लिखा गया था जिसको आप जानते हैं और वे भारत में किसी पड़ोसी देश में है या किसी ऐसे व्यक्ति के द्वारा जो ग्रेट ब्रिटेन में है और बहुत साल पहले लिखा है जिसने लिखा है उसको आप नहीं जानते तो उसको समझने में बहुत बड़ा अंतर है।

पेज नंबर 58

इस पत्र को सही व्याख्या करने के लिए आज आपको यह जानना जरूरी है। यहां पर बाइबिल में ऐतिहासिक घटनाओं को समझने में मदद के लिए कुछ सवाल है। कौन शामिल है यह कैसे हुआ इतिहास में यह कब हुआ पूर्णब्रह्म यह उन पर कैसे प्रभावी हुआ यह कहा था यह क्यों हुआ क्या हुआ यह हमारे लिए क्यों लिखा गया उसे उस समय जीवन कैसे था। इनमें से कुछ सवालों के उत्तर नहीं जानते हैं तो आप अपनी बाइबिल में दिए गए सो को देख सकते हैं। इसका उत्तर शायद किताब में या बाइबल में कहीं और लिखा हो यदि आपके पास फुटनोट बाइबल या कमेंट्री है तो वह आपको उत्तर देने में मदद कर सकते हैं पूर्व इंटरनेट का उपयोग ही मदद कर सकता है आप किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर सकते हैं जो बाइबिल को आप से बेहतर जानता होगा उनसे आपके कुछ सवालों के उत्तर पूछने के लिए जो आप नहीं दे पाए हैं हालांकि पहले खुद जवाब ढूंढने की कोशिश करें शिक्षण की व्याख्या

शिक्षण या सिद्धांत एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के विचारों को किसी भी संचार करने को संदर्भित करता है। इससे यीशु का उपदेश कॉम अप्रैल उसकी पत्तियां पुराने नियम के न वालियों का प्रचार और पवित्र शास्त्र के कई अन्य भाग शामिल हैं आज इस प्रकार के साहित्य में अध्ययन पुस्तकें उपदेश व्याख्यान टीवी पर शैक्षिक कार्यक्रम और किसी भी प्रकार की गैर पुस्तकें शामिल होंगी। यह काफी बड़ा क्षेत्र है कोमा और एक जॉब आई विल अध्ययन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है हे परमेश्वर से मनुष्य को उसके वचन के माध्यम से सत्य का संचार करने का सीधा साधन है। इतिहास के अंशों की व्याख्या करने की तुलना में शिक्षण अनुभवों की व्याख्या करना थोड़ा अलग है पूरा शिक्षण भागों की पृष्ठभूमि को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कौन कौन कब कहां लेकिन फिर अन्य कदम भी उठाने होंगे हमारे खाद्य सदस्य को जारी रखने के लिए शिक्षण को खाद्य समूह कहा जा सकता है जिसे प्रोटीन कहा जा सकता है यह मांस मछली मुर्गा पनीर और 20 शब्दों में बना है विकास के लिए प्रोटीन आवश्यक है।

आत्मिक विकास के लिए बिल का सीखना और सिखाना आवश्यक है शरीर की मरम्मत और रखरखाव के भी प्रोटीन आवश्यक है हमें अपने खुद को मसीह जीवन को सुधारने और बताएं ने रखने के लिए विभिन्न शिक्षा में जो भी सीखा है उस पर हमें वापस आते रहना चाहिए जो सिखाती है वैसी रहना स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है प्रोटीन हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत संरचना की कुंजी है और यह हमारे शरीर और वह सभी के लिए रूपरेखा है पूरा बाइबल के शिक्षण खंड हमारी आत्मिक हड्डियां और मांसपेशियों के लिए पोषण प्रदान करते हैं हमारे मसीही जीवन के लिए अतिरिक्त संरचना एक शिक्षण अनुवाद की व्याख्या करने में सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से एक है अनुभाग के मुख्य विचार को खोज वास्तव में यह वही है जो आप कर रहे हैं जब आपको रूपरेखा बनाते हैं और फिर एक अनुभाग सिसक देते हैं शिक्षक को मुख्य विचार का संक्षेप में प्रस्तुत करना चाहिए पूर्व राम यह सभी प्रकार के हवाई बिल सहित सहित के लिए बहुत उपयोगी है और महत्वपूर्ण है लेकिन वर्ग को पढ़ाने के लिए यह एक वास्तविक अवश्य है राम एक अच्छा उपदेश या बाइबल अध्ययन के बारे में सोचो जो आप ने हाल ही में सुना हो कोमा या एक पुस्तक जिसका आपने आनंद लिया हो आपको इससे एक या दो वाक्यों को संक्षेप करने में सक्षम होना चाहिए पूरा एक बारे में सोचें जो कभी भी आप पर पकड़ नहीं बना सकता और अभी भी स्पष्ट है कोई मुख्य विचार नहीं था पूरा यह याद रखें जब आप पढ़ा रहे हो यह संवाद कर रहे हो पूरा हमें अगले अध्याय में आप के उपदेशों पर इसे लागू करने के बारे में बताएंगे पूरा जब आप एक उपदेश देने यह सिखाने की योजना बनाते हैं तो पहले अपना मुख्य विचार लिखें कि आप की सच्चाई को व्यक्त करना चाहते हैं पूरा आपने मुख्य विचारके साथ जुड़े रहे बहुत अधिक अतिरिक्त जानकारी ना मिलाएं। यह वह है जो एक अच्छे शिक्षक और ना अच्छे शिक्षक से बातचीत अंतर करता है एक अच्छा शिक्षक हमेशा एक स्पष्ट विचार रखता है। यदि आप इसे नहीं खोजते हैं तो आपको बाकी हिस्सों को सही व्याख्या नहीं कर पाएंगे याद रखें आपके पास उस व्यक्ति के दिमाग तक सीधी पहुंच पहुंच है जिसने हम सब लिखा है इसीलिए प्रार्थना के माध्यम से इस प्रक्रिया के दौरान निरंतर संपर्क में रहें।

पेज नंबर 59

आपने बाय भील अध्ययन में तब तक आगे मत बनिए जब तक उसी से जिस पर आप अध्ययन कर रहे हैं कि मुख्य विचार का संभवत कम शब्दों में नहीं लिख लेते हैं। जैसे आप करने की कोशिश करते हैं आप उसका तालमेल कर सकते हैं और कर लेंगे परंतु आपको यह सुनिश्चित करने के लिए सीधा कड़ी मेहनत करनी होगी पूर्णब्रह्म जो कुछ हिस्सा पढ़ कर बताएंगे यह उसके लिए बुनियादी होगा कविता की व्याख्या

आज हम का आइब्रो हाइड्रेट के बारे में बहुत सुनते हैं यामी इसे खर्च करने से पहले काफी मात्रा में लेते हैं पूरा हम सभी को उनकी जरूरत है वह हमारे शरीर के लिए ऊर्जा की आपूर्ति करते हैं और वह आनंददायक और स्वाद में अच्छे होते हैं पूर्ण ब्रह्म अनाज चावल फल और सब्जियां कार्बोहाइड्रेट करते हैं सरल कार्बोहाइड्रेट पचाने और उपयोग करने के लिए सबसे तेज और आसान खाद्य पदार्थ में से है पूरा विवाद तेजी से काम करने वाले और उत्पादक है पूर्ण परमेश्वर एकवचन हमारा आत्मिक भोजन कौन कुछ सामान बताएं रखता है पुणतांबा है एक प्रकार का साहित्य है जो सभी के लिए सुखद और आकर्षक है पुणे में आसान है और ऋत्विक ऊर्जा प्रदान करता है इसके द्वारा आत्मिक भोजन और अधिक रोमांचक बनाया जाना जाता है यह कविता है पूर्ण कविता बाल साहित्य के सबसे तेज और आसान रूपों में से एक है समझाने और लागू करने के लिए यह भावना और जीवन से भरा है और हमारे दिलों से बात करता है ए आत्मिक उड़ जाती तो वृद्धि वृद्धि प्रदान करता है जिसकी हमें कभी–कभी आवश्यकता होती है आई विल के काव्यात्मक अंशों में भजन नीति वचन और स्लोमन के गीत शामिल हैं कोई भी किताब होगी शायद जिसमें कविता अंश नहीं होगा पुराने नियम के नदियों ने जो कुछ लिखा उसमें बहुत कुछ काव्यात्मक रूप में था आपको इस खाद्य पदार्थ की कभी कमी नहीं होगी पूरा कविता को समझने

में विशेष मूल्य का एक साहित्यिक उच्चारण भाषण के आंकड़ों का उपयोग हैजबकि यह साहित्य के सभी रूपों में अचानक सामने आते हैं वे विशेष रूप से कविता में आम है यह पढ़ने को अधिक रोचक और खुद खुद बनाते हैं प्रोग्राम में अक्सर ऐसे प्रश्न पूछना शामिल है जिनके लिए वास्तव में उत्तर की आवश्यकता नहीं होती उत्तर पर जोर देने के लिए कथन को प्रसन्न का रूप दिया जाता है इन शब्दों में सामान बताएं दिखाई जाती हैं जैसे–जैसे और इस तरह कुछ परिचित का उपयोग किया जाता है हमें कुछ अपरिचित समझाने के लिए अति शोभित या किसी चीज को समझाने का उपयोग बिंदु बनाने के लिए किया जा सकता है वस्तुओं को कभी–कभी हम किसी गतिविधि या घटना को समझने के लिए जीवित लोगों के लक्षण का के रूप में संदर्भित कर सकते हैं। प्रत्येक भाषा के पास भाषण के आंकड़ों का उपयोग करने का अपना तरीका है और यह समझाने का तरीका है कि यहूदियों ने उनका उपयोग कैसे किया बाइबल की व्याख्या करने में मदद करता है विशेष रूप से का बयान तक अंश का कविता का हिस्सा है इसीलिए उनमें शामिल कविता के कुछ विशिष्ट रूपों को देखना आवश्यक है एक भाइयों की कविता समझाती है यह अंग्रेजी कविता की तरह शब्दों को नहीं तो सभी अनुवाद में खो जाएंगे परमेश्वर उसकी कविता विचार को जानता था मूल रूप से यह दूसरी पंक्ति का पहला का रिश्ता है जो उनकी कविता को लाइक करता है यह देखने के लिए विचार करें कि क्या काव्यात्मक खंड से दूसरी पंक्ति पहले पंक्ति के विपरीत जाती है इसमें कुछ जोड़ती है या कहती है यह वाली कविता को समझने में अति शायक रूपी साबित हो सकता है

दृष्टा तनु की व्याख्या

दोस्तों को मत लेने के रूप में माना जा सकता है क्योंकि दोनों का उपयोग उनके साथ परोसे जाने वाले मुख्य स्वाद कि बाहर लाने के लिए किया जाता है तो श्रद्धा आत्मिक सत्य का वर्णन करते हैं और उन्हें बाहर लाते हैं मसलेकर नमक काली मिर्च अदरक अजवाइन दालचीनी आदि एक ही काम करते हैं अधिक उपयोग या उनमें से बहुत अधिक बाहर निकालने की कोशिश करना कोई देह से ज्यादा नुकसान करेगा ना तो वह अकेले अच्छे हैं और ना आप सिर्फ उन्हें खाकर जीवित रह सकते हैं परंतु जब ढंग से उपयोग किए जाते हैं तो वह सुपर होते हैं एक दुष्टता किसी सच्चाई की चरित्र करने के लिए उपयोग किए जाने वाली एक छोटी कहानी है कोमा जैसे की कहानी या दुष्टता एक पादरी के द्वारा अपने उपदेशों में उपयोग किया जाता है। अक्सर उनका उपयोग

करते थे पुराने नियम में भी ऐसा कई बार हुआ है बाइबिल का अध्ययन करने में आपके द्वारा विकसित किए गए कौशल का उपयोग दोस्तों की व्याख्या करने में किया जाता है पूरा आपके इतिहास के प्रश्न कौन कब कहां कैसे और क्यों क्या सही उत्तर दिया जाना चाहिए यह कि लोग और समय जगह रोटी रिवाज और प्रथाओं का अत्यधिक महत्व आदि है।

पेज नंबर 60

भविष्यवाणी की व्याख्या

भोजन के अंत में भविष्यवाणी की मिठाई के रूप में माना जा सकता है। यह पीछे केक कुकीज या दूसरी मिठाइयों की तरह है पूर्ण ब्रह्म वास्तव में दूसरे खाद्य समूह का हिस्सा है ठीक उसी तरह जैसे भविष्यवाणी शिक्षण का हिस्सा है पूर्ण ब्रह्म अल्लाह की डेट की एक विशेष भूमिका है कि उनका उपयोग कैसे किया जाता है मिठाई अंतिम रूप में परोसी जाती है, और भविष्यवाणी आखिरी चीजें बातों का अध्ययन है यह दोनों ही आपको आगे देखने के लिए कुछ देती है फिर वह केवल उनके स्तर आहार के रूप में अच्छे नहीं है उपयोग स्वास्थ्य को कमजोर करता है वह अन्य अधिक बुनियादी खाद्य पदार्थ को पूरा के लिए भविष्यवाणी की तरह मिठाई को एक विशेष समय और तरीके से परोसा जाता है और इस प्रकार कुछ विशेष सिद्धांत है जो इसे खाने के लिए लागू होते हैं। आई विल के कुछ हिस्से एक इसके अलावा हम भविष्यवाणी पर विचार करते हैं हमें ध्यान रखना चाहिए कि पुराने नियम के नदियों ने जो कुछ कहा था भविष्य दारू पीता प्रकाशितवाक्य डेनियल खेलमती 24 25 भविष्यवाणी को सात्विक रूप से व्याख्या करना शब्दों को उनके सामान्य में लेना या भाषा और व्याकरण के समान नियम लागू होते हैं इसीलिए भविष्यवाणी की व्याख्या को इतना कठिन मत बनाओ जितना वह है इसको अन्य भविष्यवाणियों के साथ रखकर व्याख्या करें बिल के साथ होना चाहिए अक्सर भविष्यवाणी दूसरी सामान्यता घटनाओं का उल्लेख करेगी उदाहरण के लिए पुराने नियमों की बात करते हैं और दूसरी तरीके से भविष्यवाणी का उपदेश ध्यान केंद्रित करना और उसे महिमा देना है जैसे आप आत्मा की सतर्क में काम करते हैं वह इन सभी के माध्यम से मसीह की महिमा करेगा। प्रतीकों की व्याख्या करना अधिक कठिन हो सकता है जब भी लिखी जाती थी तो वह दीयों के लिए बहुत मायने रखते थे लेकिन आज हम

जो बातें समझते हैं वह अक्सर नहीं होती फिर वो खुद की व्याख्या करने में बस अपने सामान्य ज्ञान का उपयोग करें जब एक प्रतीक की व्याख्या करते तो मुख्य विशेषताएं को देखें और जो लेखक ने इसमें देखा होगा प्रत्येक अलग–अलग जगहों पर एक ही तरह उपयोग किए जाते हैं आई विल में यदि आप एक अर्थ के बारे सुनिश्चित नहीं है तो जबरदस्ती ना करें बस यह सुनिश्चित करें कि आप की व्याख्या बाइबल के बाकी हिस्सों में मेल खाती है आपके द्वारा अध्ययन किए गए इसकी व्याख्या करने के बाद आपने प्रश्नों की सूची पर वापस जाएं और देखें कि आपके कितने उत्तर नहीं दिए हैं यदि आप कर सकते हैं तो उनका उत्तर देने का प्रयास करें लेकिन कुछ का उत्तर नहीं होगा और कम से कम उस समय तक नहीं जाएं जब तक आप स्वर्ग में नहीं जाते हैं परमेश्वर और उसके बच्चन के बारे में बहुत सी बातें हैं जो हम पूरी तरह से नहीं समझते हैं पूर्व राम यह पहचानते हुए कि हमें नहीं पता वह अपने आप में बहुत मददगार साबित हो सकता है लागू करना

बाइबल अध्ययन का अंतिम चरण है उसे लागू करना जो आपने सीखा है। वह केवल सही अवलोकन और व्याख्या के बाद ही किया जा सकता है परमेश्वर ने बचन के जीवित भोजन को चबाने अवलोकन और पचाने व्याख्या के बाद इसे शरीर के विभिन्न भागों में उपयोग करने के लिए भेजा जाता है। उस विटामिन खनिज और कैलरी मांसपेशियों में जाते हैं अन्य हड्डियों में फिर भी दूसरों को जो कुछ भी अंग की आवश्यकता होती है। यही परमेश्वर के वचन के साथ भी है इसका अध्ययन और सीखने का उद्देश्य इसे अपने जीवन के उन क्षेत्रों में लागू करना है कोमा जहां आवश्यकता है। खाने का और हवाई बिल की सच्चाई यों का लागू करना एक धीमी गति का परंतु नियत प्रक्रिया है आपको इससे कितना लाभ होता है यह इस पर निर्भर करता है कि आपने इसे कितना चबाया और पचाया है आप सीधे ने निकले हुए भोजन से यह उम्मीद कर सकते हैं कि वह आपके शरीर में बहुत अच्छा काम करेगा। दुर्भाग्य से कई लोग एक हिस्सा पढ़ते हैं और फिर सोचते हैं कि यह उन पर कैसा लागू होता है पूर्व राम वह ज्यादा नहीं पाते क्योंकि उन्होंने पहले दो चरणों को ठुकरा दिया चूंकि बहुत दुख कुछ जो खाने निकलने के बाद होता है वह आपके हाथों में है आपका शरीर इसे करता है बहुत कुछ भाई बिल का जो लागू होता है वह आपके अपने हाथों से ही होता है केवल परमेश्वर का आत्मा ही इसे आपके जीवन में काम करने दे सकता है परमेश्वर हमें जो सिखाता है हमें उसके प्रति समर्पित करने की चाहत

रखनी चाहिए। लागू करना एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है यह 2 चरणों की परेड परिणामों में है इससे आत्मिक व्यक्ति और स्वास्थ्य आता है सभी खाने का लक्ष्य लागू करना सवाल पूछना और जवाब देना है मुझे कैसे जवाब देने चाहिए और मैंने जो सीखा है उसके साथ मुझे क्या करना चाहिए

<u>पेज नंबर 61</u>

बाइबल अध्ययन के अवलोकन और व्याख्या चरणों के दौरान आप परमेश्वर के वचन का अध्ययन करते हैं लागू करने में परमेश्वर का वचन आप का अध्ययन करता है लागू प्रक्रिया में आप सिद्धांतों सुझाव आदेशों और पाठों की तलाश करते हैं जो आपके व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं और आपको यीशु जैसा बना सकते हैं

लागू करने के प्रशन

हिस्से का अध्ययन पूर्वक लागू करें किसी की तलाश में पालन करने के लिए आज्ञा अनुसरण करने के लिए उदाहरण ध्यान लगाने के लिए चुनौती डालने के लिए पाप सीखने के लिए शिक्षण करने के लिए क्रिया कुछ ऐसा जिसके लिए प्रार्थना करना दावा करने के लिए वादा अन्वेषण करने के लिए याद करने के लिए अहिंसा अपने बाइबल अध्ययन पत्रों पर आप अपनी लागू करने वाली चीजों को लिखें या तो एक अलग शीघ्र पर या उन आई तो सहित जहां से यह आती है एक अलग रंग की पेंसिल का उपयोग करने में आपको उन्हीं और तेजी से देखने की बस मिलती है जैसे परमेश्वर आपके जीवन में काम करता है रिकॉर्ड करें कि क्या होता है और जब यह आपके और अन्य लोगों के लिए एक वास्तविक प्रोत्साहन हो सकता है तो इससे परमेश्वर में आपका विश्वास बढ़ेगा

और यह परमेश्वर की प्रशंसा करने में बहुत मददगार हो सकता है। आप जो कुछ भी सीखे चुकी है उसको लागू करने या उसके बारे में प्रार्थना करने के लिए जिससे आप को लागू करने में मदद मिल सकती है उसकी सूची बना सकते हैं एक आत्मिक डायरी कुछ ऐसी अच्छी चीज है जिसको आपके बच्चे बच्चे भी शुरू कर सकते हैं परमेश्वर क्या उम्मीद करता है परमेश्वर उम्मीद करता है कि प्रत्यक्ष एवं अध्ययन करें सीखे और परमेश्वर के वचन को अपने व्यक्तिगत जीवन में लागू करे

इसके बारे में सोचें

क्या आप परमेश्वर के वचन का अध्ययन करने में विश्वास योग्य हैं क्या आप 1 साल पीछे की तुलना में बाइबिल को बेहतर जानते हैं याकूब 31 कहती है तुम में से बहुतों को शिक्षक नहीं बनना चाहिए मेरे भाइयों क्योंकि तुम जानते हो हम जो शिक्षक हैं हमें अधिक शक्ति से आंका जाएगा परमेश्वर के वचन को शिक्षक के रूप में इसका आपके लिए क्या मतलब है परमेश्वर क्यों जो सीखते हैं उनका न्याय अधिक सख्ती से करेगा उनकी तुलना में चीन को सिखाया जाता है जो आप प्रचार करते हैं उसके प्रति आप कितने अभ्यास शील हैं 223 मुथुस 215 कहती है परमेश्वर के सामने अपने आपको ऐसा पेश करो जैसा एक मान्यता प्राप्त कर कारीगर जिस को शर्मसार होने की जरूरत नहीं और जो बच्चन की सच्चाई को कहीं मायने में संभालता है क्या आप परमेश्वर के लिए अपनी तरफ से अति उत्तम कर पाते हैं यही उम्मीद करता है अपना सर्वश्रेष्ठ करें क्या आप हवाई दिल की जो सच्चाई का वचन है उसको सही मायने में संभालना सीख रहे हैं।

पेज नंबर 62

परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसकी भेड़ों को खिलाएं

इस अध्याय में प्रमुख

परमेश्वर प्रत्येक पादरी से उम्मीद करता है कि वह अपनी भेड़ों को खिलाएं कमा परमेश्वर का वचन सीखने के द्वारा कुछ समय पहले एक ऐसे व्यक्ति के बारे में एक कहानी पढ़ी जो बहुत गरीब में मरा था वास्तव में उचित भोजन और घर की कमी से मरा था। उसकी चीजों में से एक बाइबल मिली और बाइबिल में हजारों डॉलर रखे हुए मिले आई विल एक माता पिता ने उसके लिए छोड़ी थी लेकिन उसने इसको कभी नहीं खोला अगर उसने ऐसा किया होता तो उसे यह सब मिल गया होता जिससे उसकी जरूरतें पूरी हो गई होती अक्सर कई बार मसीह उस व्यक्ति कैसे होते हैं हमारी आत्मा भूख से मर रही होती है और हम आत्मिक गरीबी में जो रह रहे होते हैं जबकि हमारी जरूरतों को पूरा करने का प्रावधान हमारी हवाई बिल के कवर के बीच में है हमें इस को पाना चाहिए और इसका उपयोग करना चाहिए सेवकों के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लोगों के लिए बाय भी खोल ले ताकि वह उस धन की प्रति जागरूक हो

सके जो परमेश्वर ने उनके लिए इसमें रखा है वह बिल के पास वह सब कुछ है जिसकी उनको जरूरत है और हम इसे ज्ञात कर आने वाले हैं ताकि वह इसे अपने जीवन पर लागू कर सकें भेड़ों को क्यों खिलाएं हमने पहले देखा है कि हम सेवक को अपनी भेड़ों की रक्षा करनी चाहिए उसे इन्हें खिलाना भी चाहिए भाई बिल का अध्ययन करना और इसकी शिक्षा देना शायद उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है जिस पर वह अपना अधिकांश समय वितरण बिताता है भेड़ों की अच्छी तरह और अक्सर खिलाया जाना चाहिए और इसी तरह उन लोगों को जिनकी हम वासवानी करते हैं परमेश्वर पास वालों में से यह उम्मीद करता है कि वह अपनी भेड़ों को खिलाएं

एक सेवक एक शिक्षक है

104 1113 मैं पोलूशन विशेष उपहारों की सूची बनाता है जो उसने परमेश्वर ने उन लोगों को दिए हैं जो उसके लोगों की अगुवाई करते हैं पूर्णब्रह्म उसने प्रेतों को जो यीशु के साथ थे बकस दिया और उनका पूर्ण अधिकार था इस कार्यालय की कब समाप्ति हुई जब 90 ईसवी में आखिरी प्रेरित की मृत्यु हो गई थी उसने नदियों को भी यह दिया जिन्होंने परमेश्वर से जानकारी प्राप्त की और उसे पारित किया नया नियम लिखे जाने पर यह कल कार्यालय भी बंद हो गया पुर ग्राम सुसमाचार के प्रचारक वह हैं जो आदिवासियों के पास सुसमाचार की सेवा के लिए भेजे जाते हैं और सेवक शिक्षक विश वासियों के पास सेविकाओं के लिए।

पादरी शिक्षक शब्द एक ही व्यक्ति की संदर्भित करता है जो दोनों भूमिकाओं को पूरा करता है आधा करता है पादरी शिक्षक होने के लिए चारवाहे पाली शिक्षक का अर्थ है अपनी भेड़ों की खिलाएं के लिए है परमेश्वर सेविकाओं का उपहार देता है कि वह उसके पचन से संचार करने को सक्षम ठहरे उसकी शिक्षिकाओं के रूप में बहुत उपहार दिया जाता है और यह उनका मुख्य उपहार है लेकिन सभी सेवक बढ़ने में सक्षम है सेवक शब्द का अर्थ हमारे प्राधिकार की ओर संकेत करता है जो अपनी भेड़ों को हर तरह से देखभाल करना है शिक्षक परमेश्वर का शब्द सिखाने के लिए विशिष्ट कार्य का वर्णन करता है सेवक वचन सिखाना चाहते हैं यीशु जी उठने के बाद समुंद्र के किनारे जब पतरस में से बात करता था तो उसने पतरस की तीन बार बताया जो उसको करना था मेरी बहनों को खिला शिक्षा देने का मतलब है किस की जानकारी के आगे पहुंचाना ताकि लोग

उसे समझ सके अपने दिमाग में और अपने जीवन में लागू कर सकें परमेश्वर ने मुझे सिखाने का उपहार दिया है यह कुछ ऐसा है जिस में करना पसंद करता हूं मैं परमेश्वर का वचन का अध्ययन करने और सीखने के आनंदित होता हूं तब दूसरों को सिखाने के लिए संदेश विकसित करने में और आखिर में परमेश्वर के वचन की सच्चाई यों के साथ लोगों के साथ संचार करने में सक्षम होने में आनंदित होता हूं सभी सेविकाओं को अलग–अलग क्षमताएं हैं कि वह किस तरह से सीखते हैं लेकिन सभी को यह इच्छा होती है कि वह दूसरों की परमेश्वर का वचन सीखने में मदद करें उसने खुद किया था उसने कहा कि हाय मेरे लिए अगर मैं सुसमाचार प्रचार ना करूं तो कुर्थिया 916

पेज नंबर 63

सेवक के रूप में हमें परमेश्वर के वचन का अच्छा ज्ञान होना चाहिए 2 तिमोथी शो 215 पवित्र शास्त्र में सक्षम करता है और हमें इस ज्ञान से दूसरों तक पहुंचाना चाहिए यह वही है जो हमें और दूसरों को परमेश्वर के लिए जीने की शक्ति और आत्मिक पोषण देता है।

मसीही इच्छा परमेश्वर के वचन को सीखने की एक स्वस्थ व्यक्ति को भोजन की भूख होती है, और एक स्वस्थ मसीही को परमेश्वर के वचन की भूख होती है प्रेरित के काम 17:11–12 तो इसीलिए सेवक होते हुए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनको जब भी संभव हो वचन से भोजन कराएं

भेड़ों को क्या खिलाए

14 वह जानता है कि उसकी भेड़ों के लिए स्वस्थ पौष्टिक भोजन क्या है कुछ भी कम करना उनके स्वास्थ्य और उत्पादन में को प्रभावित करेगा यह हमारे लिए उन लोगों के लिए जिनके हम पास बानी करते हैं कोमा सच है उन्हें मजबूत

और विकसित होने के लिए परमेश्वर के वचन ही जरूरत है पुलिस टॉप हम राजा के राजदूत हैं, और यह राजा के संदेश हैं और हमने इसे फैलना है हमें राजनीति पर या विचारों पर ध्यान केंद्रित नहीं करना हमें परमेश्वर के वचन प्रचार करना है जो हमारे लिए परमेश्वर की आज्ञा है पीयूष 412

जो कुछ भी बढ़ रहा है उसे पोषण की आवश्यकता है सभी जीवित चीजों को भोजन की आवश्यकता होती है लोगों को अपने शरीर के लिए भोजन की आवश्यकता होती है मशीनों को उनकी आत्माओं के लिए आत्मिक भोजन की आवश्यकता है पतरस 2:23 जब भी पलुस किसी नए कलियों को बनाता है तो वह बाइबल की शिक्षा देने को अपनी मुख्य जिम्मेदारी बनाता है प्रवृत्तियों का काम अट्ठारह 911 बाइबिल में सभी अगुआ ने ऐसा ही किया ब् इब्राहिम न्यू 13310 यह परमेश्वर का वचन है जो हमारे लिए नया जीवन लाता है पतरस 1:23 यह परमेश्वर का वचन है जो हमारे लिए रूहू की तलवार है एक्सियों 6 सत्रह अट्ठारह परमेश्वर के वचन में किसी दूसरे वचन से अधिक सकती है बाइबिल परमेश्वर के द्वारा प्रेरित की गई है और यह वही है जिसकी हमें जीवित रहने और सेवा रखने की जरूरत है भेड़ों को कब खिलाना है

पालुस तीमुथियुस से कहता है उसे बचन का प्रचार करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए कॉमन जब यह आसान हो या जब यह कठिन होगा क्योंकि परमेश्वर अपने बच्चन का उपयोग दिलों से बात करने और जीवन को बदलने के लिए करेगा हमें पाप को दिखाने के लिए बचन का उपयोग करना है कमजोर ऊपर समर्थ और जो चोटिल हैं उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए हमें इसे धैर्य पूर्वक और सटीक रूप से करना है। हमने अपने घरों को सावधानीपूर्वक निर्देश देना है 2 (तीमुथियुस 1 4–1–2) हम अपने उपदेशों में ऐसा करते हैं लेकिन उदाहरण के द्वारा भी जब हम पर परामर्श करते हैं और जब हम अपने लोगों से बात करते हैं, लोगों को यह जानते मैं मदद करने के लिए हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए कि परमेश्वर आपने वचन में क्या कहता है व्यवस्था विवरण ६रू५–६)

भेड़ों को कैसे खिलाएं

मुझे लगता है कि अधिकांश सेवक इस बात से सहमत होंगे कि आपने लोगों को बाइबल सिखाना महत्वपूर्ण है लेकिन सभी ऐसा करना नहीं जानते हैं आइए हम इस बात तो करते हैं कि अपनी भेड़ों को कैसे खिलाना है वह बिल में सही ढंग से सिखाना बाइबल को सही ढंग से सिखाना सुनिश्चित करें कि आप जो कहते

हैं वही सही है परमेश्वर देख रहा है और हम एक अच्छा काम करके उसे खुश करना चाहते हैं हम उसकी स्वीकृति चाहते हैं, जैसे किसी को भी चाहिए होती है जो किसी के लिए काम करता है।

पेज नंबर 64

बाइबिल को सूक्ष्मता से सिखाएं

सारी बाइबिल प्रेरित है और हमें जानना महत्वपूर्ण है हमें इसे पूरी तरह पढ़ना चाहिए ताकि हम लोगों को पूरी तरह सब सिखा सकें जब हम खाते हैं तो हमें तरह तरह का भोजन पसंद आता है। तो हम हर भोजन में एक जैसा खाना नहीं पूर्व राम जब हम अपने लोगों को सिखाते हैं तो हमें उन्हें पूरी बाइबल सीखनी चाहिए, ना किगिने–चुने हिस्से जिनको हम अच्छी तरह से जानते हैं। इसीलिए बाइबल की एक किताब को आयत आयत सीखना अच्छा है इस तरह हम सब कुछ सिखाते हैं जो किताब में होता है, कई बार सच्चाई हमने अनदेखी कर चुके होते हैं यह साधारण रूप से उनको छोड़ कर आगे बढ़ गए होते हैं। हमेशा एक सुनिश्चित विषय के बारे में प्रचार करने और उसके बारे में बात करने वाली बाइबल आयतों को छोड़ने की बजाय पूरी किताब को आयत आयत पढ़ना चाहिए

हो सकता यह पहली बार कठिन लगे परंतु यह आपके और आपके लोगों के लिए बहुत अच्छा होगा। बाइबल की वफादारी से सिखाएं विश्वास योग्यता से हमें बाइबल में बहुत कुछ कीमती और खास दिया गया है पूर्व राम परमेश्वर के प्रति ऐसी चीज है जिन्हें सावधानी से संभालना चाहिए, जब हम सुनिश्चित करते हैं कि हमें के हम इन्हें केवल अपने तक ही सीमित नहीं रखते पोड़ग्राम हमें यह सिर्फ हमारे लिए ही नहीं बल्कि दूसरों को देने के लिए दिया गया है जो कुछ हम जानते हैं उसे दूसरों को देना यह एक चीज है जिसकी परमेश्वर सेविकाओं से बहुत अधिक उम्मीद करता है। ,(तिमुथियुस ३रू२,२ तीमुथियुस २रू२४) बाइविल ही कौशल पूर्वक सिखाएं

हमें परमेश्वर की चाई सिखाने के सक्षम होना चाहिए हमें बाई भील सीखना चाहिए और इसको कैसे सिखाना है यह भी सीखना चाहिए। एक भोजन जिसको कुशलतापूर्वक तैयार किया गया और परोसा गया कौन ज्यादा आनंद में होता है उसकी तुलना में यदि वह खाना प्लेट में ऐसे ढेर लगा दिया जाए हमें परमेश्वर के वचन को सा प्रेषित करने में निपुण होना चाहिए पूरा मैं इस तरह से अपने पाठ या उपदेश को तैयार करता हूं ।

उपदेश कैसे तैयार करें

मैं यह संज्ञा करना चाहता हूं कि मैं एक हिस्से का अध्ययन करने के बाद कैसे एक उपदेश तैयार करता हूं। मेरी पत्नी हमें स्वस्थ पौष्टिक भोजन देने में बहुत निपुण है लेकिन वह इसे आकर्षक और लुभाना बनाती है पूर्णा भी अच्छा लगता है खाने और देखने में इस प्रकार हम उसके भोजन का आनंद लेते हैं पूर्ण ब्रह्म परमेश्वर ने हमें बाइबिल में हमारी आत्माओं के लिए स्वस्थ और पौष्टिक भोजन दिया है यह सेवक के रूप में हम पर निर्भर करता है कि हम लोगों को इस तरह से खिलाए जो उनके लिए सुखदायक और सुखद हो।

उपदेशों के प्रकार

दो मुख्य प्रकार के भोजन है जो हम अपने लोगों को खिला सकते हैं, उपदेश में हम प्रचार कर सकते हैं एक को प्रकार उपदेश का यह है कॉमर्स जब हम किसी विषय के बारे में सोचते हैं और जिसके बारे में हम बोलना चाहते हैं काम उनके बारे में बात करने वाली बाइबल आया तो को खोजते हैं। इसको प्रसंग इक उपदेश कहा जाता है उदाहरण के लिए अगर हम प्रार्थना की महत्व के बारे में

बात करना चाहते हैं कोमा तो इसके बारे में हम बाइबल आओ आयतों को ढूंढने ढूंढते हैं कि हमें क्या प्रार्थना करनी चाहिए और उनका उपयोग कैसे करना चाहिए पूरा इसमें कुछ भी गलत नहीं है लेकिन अगर हम सब यही करते हैं तो हम बाइबल और परमेश्वर की सच्चाई यों का अधिक हिस्सा को बैठेंगे, एक किताब में कई अध्याय पढ़ो आयात दर आया तो तब आपको कई महत्वपूर्ण सच्चाई या शामिल करने को मिलेंगी जो अक्सर अनदेखी हो जाती हैं। इसे मूल पाठ उपदेश कहा जाता है मूल पाठ उपदेश में आपका मुख्य विचार उस हिस्से में आता है जिसका आप उपयोग कर रहे हैं पूरा प्रसंगिक उपदेश में आप मुख्य विचार पहले खोजते हैं, और फिर सहायता के लिए पवित्र शास्त्र की तलाश करते हैं।

जानना और करना

उनके पास बुनियाद हो जिस पर निर्माण करना है।

पेज नंबर 65

हर बार जब मैं बोलता हूं मैं ठीक उसी तरह की योजना बनाता हूं जब मैं चाहता हूं कि लोग जाने जब मैं बोल बोल लेता हूं तब यह भी चाहता हूं कि वह उसे करें क्योंकि वह इसे जानते हैं पूर्ण ब्रह्म है बाय बिल की जानकारी उनके दिमाग में डालना चाहता हूं, लेकिन यह भी चाहता हूं कि उनके जीवन का हिस्सा बन जाए। इसीलिए मैं अपने आप को हर संदेश के बारे में 2 प्रश्न पूछता हूं पहला है आपने आपसे पूछता हूं कि मैं क्या चाहता हूं कि लोग जाने प्रोग्राम तब मैं पूछता हूं कि मैं क्या चाहता हूं कि लोग करें बोलने से पहले इनके बारे में सोचें और इससे आपको परमेश्वर के वचन को बेहतर ढंग से बताने में मदद मिलेगी

अपने लक्ष्य को पाना

मेरे बेटे को तीर कमान चलाना पसंद है। वह अपने लक्ष्य पर निशाना बनाता है और मारता है। वह जानता है कि वह कहां निशाना बना रहा है इसीलिए वह जानता है कि क्या यह उसको मारेगा या नहीं जब मैं बोलता हूं तो मुझे जरूर जाना चाहिए कि मैं किस लक्ष्य पर मार रहा हूं मुझे आपने शब्दों के साथ अपने लक्ष्य को पाने के लिए अपनी तरफ से उत्तम करना जरूरी है पूर्व जाम कितना बेहतर है उसे मारूंगा उतना ही बेहतर लोगों को सिखाया जाएगा मेरा वेट आज इन तीनों को अपने लक्ष्य को मारता है वह सीधे होने चाहिए नहीं तो वह अपने निशाने पर नहीं लगेंगे पुर ग्राम अगर वह मरे हुए हैं या पड़े हैं तो फिर किसी भी दिशा में जाएगा। जब मैं बोलता हूं तू मेरे शब्द भी उसी तरह होने चाहिए पूर्व सभी एक ही लक्ष्य पर केंद्रित होने चाहिए हमने ऐसे वक्ताओं को सुना है जो एक विषय से दूसरे पर जाते हैं और फिर दूसरे से तीसरे पर और आखिर में उन चीजों को समाप्त करते हैं जो उससे बिल्कुल अलग होती हैं जिनके बारे में जिन्होंने बात शुरू की थी हो सकता है प्रार्थना के बारे में बात करना शुरू करें कौन जब सुसमाचार प्रचार किए जाने का महत्व के बारे में बात करें तब प्रभु यीशु मसीह के वापस आने के बारे में बात करें और तब पवित्र आत्मा के बारे में बात करते–करते या फिर चर्च वेतन देने के बारे में समाप्त कर दें हो सकता है कि वह अच्छे वक्ता और दिलचस्प कहानियों का उपयोग करते हो और लोगों का ध्यान सीखने में सक्षम होगा परंतु लोग वहां से उलझी हुई स्थिति में जाएंगे और ना वास्तव में अच्छी तरह भोजन किए हुए आत्मिक भोजन वहां ऐसा कुछ भी नहीं होगा जो उन्हें सिखाया गया हो या जिसका उनके प्रशिक्षण दिया गया हो कुछ करने के लिए जब ही यीशु या पौलुस बोलते थे तो उनके एक प्रमुख विचार होता था एक सीधा तीर कॉमन जिससे वह अपने लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलती थी। हमेशा योजना बनाएं कि आप क्या चाहते हैं कि लोग जाने और आप क्या चाहते हैं कि वह करें इससे पहले कि आप बोले।

लक्ष्य

यदि आपको यह नहीं पता कि आपका लक्ष्य क्या है तो आप इसे नहीं मारेंगे भारत में बोलने से पहले मैं यह जानने की पूरी कोशिश करता हूं कि मैं किस से बात कर रहा हूं, और उनकी जरूरत क्या है और वह आत्मक रूप से कहां है प्रोग्राम फिर मैं ज्ञान के लिए प्रार्थना करता हूं और सुनता हूं जैसे मैं परमेश्वर से मांगता हूं कि इस समूह के साथ किसके बारे में बोलना अच्छा होगा प्रोग्राम लेकिन मुझे हमेशा पता होता है कि मेरा लक्ष्य क्या है, मैं क्या हासिल करना

चाहता हूं मैं क्या चाहता हूं कि वह क्या जाने और क्या करें मैं केवल शब्द नहीं बोलता मैं उनके दिमाग में विचारों और सच्चाई यों को बनाने के लिए शब्दों का उपयोग करता हूं जो उन्हें यीशु पिता ने बनाने में मदद करेंगे। लोगों की है वह है वहां से लेकर वहां ले जाना यहां उनको होने की जरूरत है जब मैं लोगों से बोलता हूं कि मैं उन्हें एक लक्ष्य तक ले जाऊंगा मैं तो मुझे सबसे पहले उन लोगों के साथ वहां शुरू करना होगा यह वह है मैं शुरू करता हूं इसके साथ ही वह जो जानते हैं और जो कुछ उनसे जीवनों में हो रहा है कोमा तब मैं अपने शब्दों में उस दिशा में यहां से मैं उन्हें ले जाना चाहता हूं वहां यह जाना शुरु करता हूं अगर मैं चाहता हूं कि वह मेरे पीछे आए तो मुझे वहीं से शुरू करना चाहिए जहां वहां है जब आप बोलते हैं तो आपको अपने लोगों का पता चल होना चाहिए आपको पता होना चाहिए कि उनके जीवन किस तरह है कोमा यह क्या जानते हैं कौन यह वह संघर्ष कर रहे हैं और कहां विजय प्राप्त कर रहे हैं पूर्व राम पर चिपक विश्वास क्यों के समूह से बात करना उन लोगों से बात करने की तुलना बहुत अलग है जो मसीही नहीं है यदि हम बच्चों किशोरों व्यस्क से बात कर रहे हैं तो हमें एक अलग जगह का शुरू करना चाहिए काउंसलिंग और लोगों के साथ व्यक्तिगत तौर से बात करने में भी यही सच्चाई है पूरा हमेशा वहां से शुरू करो जहां वह है ताकि आप उन्हें अपने साथ निर्धारित लक्ष्य की ओर ले जा सके जिसकी धारणा आपने उनके लिए की है। पहले प्रार्थना करें हमारी तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है प्रार्थना तो भी हम अक्सर प्रार्थना करना भूल जाते हैं इतने व्यस्त हो जाते हैं प्रार्थना नहीं करते परमेश्वर से मदद और बुद्धि मांगने के अलावा और कोई चीज इतनी महत्वपूर्ण नहीं है जिसका वह हमसे वादा करता है याकूब 1:5–7 अंतर्दृष्टि के लिए प्रार्थना करना परमेश्वर की अगुवाई के लिए और इसीलिए कि परमेश्वर हमारे उपदेशों का उपयोग करें अति महत्वपूर्ण है। बखत सिंह एक ऐसा आदमी है।जिसकी मैं बहुत प्रशंसा करत३

पेज नंबर 66

बाहरी रेखा से शुरू करो

सबसे अच्छा तरीका होगा वहां से शुरू करना यहां पर लोग हैं तब वहीं रेखा से उनके वहां ले जाना यहां आप चाहते हैं कि वह दो मैं हमेशा एक उपदेश तैयार करते समय इसका उपयोग करता हूं प्रोग्राम यह एक ढांचा है जिस पर निर्माण किया जाना है यह आपके शरीर की हड्डियों के ढांचे की तरह जो बाकी सब को अपनी अपनी जगह पर रखता है। मैंने लिखने से पहले इससे किताब की रूपरेखा तैयार की ताकि इसका आयोजन हो सके पूर्व मैं जो कुछ भी कहना चाहता था उसे 9 अध्याय में थोड़ा प्रत्येक अध्याय के मुख्य भागों में विभाजित

किया और उन्हें छोटे वर्गों में विभाजित किया। इस तरह से सारी सामग्री का आयोजन हुआ और यह सहज ढंग से चलती है पूरा जब मैं एक कमरे में चलता हूं तो मैं एक जगह से शुरू करता हूं और दूसरी जगह पर समाप्त करता हूं और ग्राम मैं वहां कैसे पहुंचता हूं यह कदमों की श्रंखला है। प्रचार करना भी इसी तरह है पूर्व राम हम कदमों को श्रंखला से एक बिंदु से दूसरी तक पहुंचते हैं पहले एक फिर दूसरा और उसके बाद फिर अगला फिर उसके बाद जो उससे अगला है वह सभी एक ही आकार के हैं और सभी एक ही दिशा में आगे बढ़ते है,एक शुरू होता है जहां दूसरा खत्म होता है। एक पाठ था उपदेश को विकसित करते समय नीचे दिए गए चरणों की श्रंखला को लिखिए यह लोगों को उस जगह से लेकर जहां वह है वहां तक ले जाने में जहां उनको होना चाहिए मदद करेगी । पृसंगिक उपदेशों की रूपरेखा करना

जब मैं उस घर में आया जहां मैं अब रहता हूं तो मुझे अपना सामान पैक करने के लिए कुछ वक्त से मिले जिनमें मैंने अपना सामान पैक करना था पुर्जा मुझे कई बड़े–बड़े बस से मिले जिनमें मैंने अपना सामान डाल दिया था मैं चाहता था कि सभी व्यक्ति एक से हूं एक दूसरे से बढ़ाया भारी ना हो मैंने रसोई की चीजें एक बोकस में डाल दी बाथरूम के सभी चीजें दूसरे बकस में डाल दें और इसी तरह दूसरी चीजें दूसरे दूसरे में मैंने हर एक तृतीय बोकस पर लेबल चिपका दिया ताकि मुझे पता चले कि पहले किसको खोलना है और फिर अगला और फिर इसी तरह फिर आखिर वाला प्रत्येक बॉक्स के अंदर मैंने छोटे बॉक्स और बैग आदि बीए प्रोग्राम हम प्रत्येक बॉक्स में बहुत कुछ नहीं भर सकते नहीं तो वह इतना भारी हो जाएगा और इसे हम स्थानांतरित नहीं कर सकते हैं मेरे घर के सामान को इस जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करना इस तरीके से आसान था। अगर मैंने घर एक बक्सर में कमरे की प्रत्येक चीज भेज देता हूं इसे खोलना बहुत नामुमकिन होता है इसी तरह से हम अपने दिमाग में किसी और के दिमाग में विचारों को इतना अंतरित कर सकते हैं जब विचारों को एक साथ सामूहिक किया जाता है क्रम से व्यवस्थित किया जाता है और एक से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है तो हमारे श्रोताओं को उन चीजों को समझना और याद करना आसान होता है जो हम उन्हें सिखा रहे हैं। यहां एक उपदेश की धारणा है उदाहरण है जो मैंने पतियों के अपनी पत्नियों को सेवक अगवा होने का महत्व पर किया था

सेवक अगुवाई मुख्य विचार

जानने के लिए अपनी पत्नियों के लिए सेवक अगवा होने का क्या मतलब है इसे सिखाएं करने को यह दिखाएं कि कैसे मनुष्य पुरुष जन्म को आपने रोजाना जीवन में परमेश्वर की मदद के द्वारा यीशु मसीह की उदाहरण के साथ ऐसा कर सकते हैं पूरा परिचय नंबर एक सेविका ए प्रधानता की जरूरत इकाइयों 525 31

सेवक प्रमुखता जिम्मेदारी निभाता है

सेवक प्रमुखता सक्रिय रुप से पहल करता है

सेवक प्रमुखता सेवा के द्वारा अगुवाई करता है

सेवर प्रमुखता देता है लेता नहीं आयात 25

सेवक प्रमुखता पत्नी की प्रशंसा चाहता है आयात 26

सेवक प्रमुखता माफी बढ़ावे से संचार करता है आयात 26

छ सेवक प्रमुखता का अर्थ है बेसरते व्यापार करना आयात 28

ज सेवक प्रमुखता चोट खाते भी याद करता है आयात 28

झ सेवा प्रमुखता का अर्थ है पत्नी की देखभाल करना आयात 28 , 29

त्र सेवक प्रवक्ता पत्नी के कौशल पर भरोसा निर्भर करता है

ट सेवक प्रमुखता का अर्थ है पत्नी प्राथमिकता पर आयात 31

पेज नंबर 67

क परमेश्वर के आज्ञा पालन करना

ख परमेश्वर से बरकत पाना

३ सेवक प्रमुखता के संसाधन

क परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत गहरा संबंध

ख बलिदान रुपी प्रेम दिखाने के लिए प्रतिबंधित

ग आत्मिक कलाओं से भरे होना

घ यीशु के उदाहरण पर चलता निष्कर्ष

प्रासंगिक उपदेश की रूपरेखा करना बाइबल के एक हिस्से या पुस्तक को पढ़ाने के दौरान एक रूपरेखा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है हम वहां से शुरू करते हैं यह हिस्सा को लिखने वाला शुरू करता है पूर्ण राम हम इसे लेखक की तरह विकसित करते हैं हमें यह देखना चाहिए कि उसने बक्से कि कैसे पैक किया है और उसने प्रत्येक बक्से में क्या डाला है ताकि हम उन लोगों के लिए उन्हें खोल सके जो सुन रहे हैं प्रोग्राम प्रत्येक बिंदु पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लोग समझते हैं कि उन पर कैसे लागू होता है। अगर वह नहीं सीखते और ना ही लागू करते हैं जैसा उन्हें करना चाहिए पूर्व राम महान है वह जो आपके अंदर हैं मुख्य विचार यह जाने कि इस राक्षस से प्रभावित लोगों को मुक्त करता है क्योंकि वह शैतान से कहीं बड़ा है। करें शैतान और राक्षसों पर विजय पाने के लिए इस पर भरोसा रखें। परिचय

यीशु मनुष्य से मिलता है बैकग्राउंड पृष्ठभूमि

<u>पेज नं0 68</u>

उपदेश का परिचय

जब एक सेवक उपदेश देता है तो सभी उसके शुरुआती शब्दों को ध्यान से सुनते हैं परंतु बहुत लोग अपना ध्यान हटा लेते हैं यदि उनको उसमें कुछ दिलचस्पी महसूस नहीं होती द्य हमारे पहले वाक्य लोगों को दिखाते हैं कि उन्हें यह सुनने की क्यों आवश्यकता है हम उनकी रूचि हासिल करते हैं और वे संदेश से बाकी सब कुछ प्राप्त कर लेते हैं द्य मैंने इस पुस्तक के प्रत्येक अध्याय को आपकी रूचि प्राप्त करने के लिए एक कहानी या चित्रण के साथ शुरू करने

की कोशिश की है ताकि आप बाकी हिस्से का अध्ययन करने को इच्छुक हो जाओ,उपदेश का यही परिचय है द्य यह श्रोताओं की विशेष में दिलचस्पी प्रदान करता है उस पर ध्यान देने के लिए जो मैं बोलने को होता हूं

जब मेरा बेटा तीर मारता है तो वह लक्ष्य में चिपक जाता है क्योंकि उस पर एक तेजधार होती हैद्य यह वजन एक सीधी रेखा में अपने लक्ष्य के लिए उड़ान भरने में मदद करता हैद्य उपदेश बिंदु और परिचय जिस दिशा में आप जाना चाहते हैं उस दिशा में चलते हैं और लोगों का ध्यान आकर्षित करते हैं द्य उनको यह जानने में मदद करता है क्या आप किस के बारे में बात कर रहे हैं इसलिए वह ध्यान से सुने,मैं अपने जीवन में से एक कहानी, एक घटना, इतिहास की एक उदाहरण,प्रकृति से एक समानता या कुछ वर्तमान घटनाओं का उपयोग करता हूंद्य यह हर किसी की दिलचस्पी बनाता है उन्हें दिखाता है कि उन्हें ध्यान से सुनना चाहिए जो कुछ भी मैं बोलने पर हूं और इसका परिचय भी देता है जिसके बारे में बात कर रहा हूं ऐसे हम सब एक जगह से शुरू करते हैंद्य एक तीर की नोक लगने और चिपकने के लिए तेज होनी चाहिए और एक संदेश में हमारे शुरुआती शब्द बिंदु सही उचित होने चाहिए ताकि वह घर को लगे।

उपदेश का निष्कषर्रू–

धर्म उपदेश का निष्कर्ष आपके मुख्य विचार का एक संक्षिप्त सारांश होना चाहिए रू आप क्या चाहते हैं कि वह जाने और आप क्या चाहते हैं कि वह क्या करेंद्य यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि यह उनके दिमाग में ताजा है और पूरी तरह से समझा गया हैद्य आपने जो उन्हें सिखाना चाहा,उस पर यह उनके अंतिम विचारों के साथ उन्हें छोड़ देता है द्यनिष्कर्ष नई सामग्री को प्रस्तुत करने या कोई नया बिंदु बनाने के लिए नहीं है, बस संक्षेप में बताएं जो आपने उन्हें पहले बता दिया है ताकि वे इसे स्पष्ट रूप में समझ सकेद्य।

उदाहरण और   चित्रण

जब यीशु सिखाता था तो वह हमेशा एक बिंदु बनाने के लिए कहानियों का उपयोग करता थाद्य यह दृष्टांत उसके आसपास के रोजमर्रा के जीवन से थे,

और लोगों को यह समझने में मदद करते, कि वह उनसे क्या कहता थाद्य यह शिक्षण को सीधे और लक्ष्य तक ले जाता थाद्य उदाहरण और चित्र तीर के पिछले हिस्से की तरह हैंद्य वह तीर का मार्गदर्शन करने में मदद करता है इसलिए यह सीधा निशाने पर जाता है और उस जगह पर चिपक जाता है यह जीवन में एक घटना, इतिहास के एक उदाहरण, प्रकृति से एक समानता या कुछ वर्तमान घटना के रूप में हो सकते हैंद्य यह किसी को एक नक्शा या तस्वीर दिखाने की तरह है, जिससे उन्हें यहसमझने में मदद आप क्या कह रहे हैंद्य लोगों की गोपनीयता का सम्मान करने के लिए सावधान रहें ताकि नामों का उपयोग ना हो या उन कहानियों को ना बताएं,जिनसे श्रोता जानते हो कि आप किस बारे में बात करते हैंद्य जब तक कि आपको व्यक्ति की पूर्ण स्वीकृति नहीं मिल जाती इसमें आपकी पत्नी और बच्चों के बारे में बात करना भी शामिल है

कहानियां और उदाहरण यह दिखाने का एक अच्छा तरीका हो सकता है कि सच्चाई कैसे लागू होती हैद्य यह लोगों को यह दिखाने में मदद करता है कि आप क्या चाहते हैं वह करेंद्य मैं जादू कला का उपयोग करना पसंद करता हूं जो उन बिंदुओं पर जोर देने में सहायता करता है जो मैं सिखा रहा हूंद्य यह श्रोताओं को बिंदु को देखने और इसे याद रखने में मदद करता हैद्य यह लोगों का ध्यान भी खींचता है और भी अधिक नाम से सुनते हैं हर कोई एक अच्छी कहानी पसंद करता है, इसलिए इनका अभ्यास करें और कहानियों को कहने में एक कौशल विकसित करें, यदि आप करते हैं तो आपके संदेशों को बेहतर ढंग से समझा और याद किया जाएगा।

आपके संदेश का मूल्यांकन

एक रसोईया अपने भोजन पर प्रतिक्रिया पसंद करता है ताकि वह जान सके कि लोगों ने इसके बारे में क्या सोचा है और अगर किसी तरह से जरूरत हो तो वह उसमें अगली बार सुधार कर सकती है जब आप उद्देश्य कर चुके हो और हर कोई घर जाने वाला हो इससे पहले आप किसी को उसे संक्षेप करने के लिए कहें जो आप कह रहे थे आप देख सकते हैं कि क्या उन्हें मुख्य बिंदु मिला

है या जो आप चाहते थे कि वह जाने, क्या जान पाए हैंद्य उनसे पूछो कि क्या कुछ भ्रमित था कठिन था आपके परिवार के किसी व्यक्ति या कलीसिया के अगुआ से यह पूछना अच्छा होगा क्योंकि वह मददगार और इमानदार होंगेद्य मेरी पत्नी अच्छी मददगार प्रतिक्रिया देने में मेरी बहुत मदद करती है ताकि मैं अपने प्रचार में सुधार कर कर सकूं एक अच्छा वक्ता बनने के लिए समय और अभ्यास की आवश्यकता होती है लेकिन बहुत सारी बातें बोलने से यह पूरा नहीं होता आप को जूही योजना बनानी होगी कि आप क्या कह रहे हैं और बाद में इसका मूल्यांकन करें ताकि आप अगली बार बेहतर कर सकेंद्य

पेज 69

परमेश्वर क्या उम्मीद करता है?

परमेश्वर प्रत्येक सेवक से यह उम्मीद करता है कि वह अपनी भेड़ों को परमेश्वर का वचन सुनाकर उन्हें भोजन कराएं इसके बारे में सोचोरूपवित्र शास्त्र पूर्ण रूप से परमेश्वर द्वारा भरा हुआ स्रोत है और धार्मिकता में शिक्षण,फटकार,सुधार और प्रशिक्षण के लिए उपयोगी है,ताकि परमेश्वर का जब हर अच्छे काम के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हो सके (2 तीमुथियुस 3रू16–17)

क्या आप अपने बाइबल ज्ञान के द्वारा पूरी तरह सुसज्जित हो रहे हैं?

क्या आप लोगों को परमेश्वर का वचन सिखाने के द्वारा सुसज्जित रहे हैं ?

परमेश्वर और यीशु मसीह की उपस्थिति मेजो जीवित और मृत लोगों का न्याय करेगा और उसके प्रकट होने और उसके राज्य को देखते हुए मैं तुम्हें यह अधिकार देता हूं की अनुकूल या विपरीत परिस्थितियों में बचन का प्रचार करने के लिए तैयार रहना ,बड़े धीरज और सावधानीपूर्वक सही करनाध्सुधार करना फटकार और प्रोत्साहन करना (2 तिमुथियुस 4रू1–2)

इस आयत में दिए गए सभी आदेशों की सूची बनाएं यह यह हिस्सा हमें यह भी बताता है कि हम कैसे वचन का प्रचार करें उन्हें भी लिखें

च्ंहम छव. 70

परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम दूसरों को सेवक होने के लिए प्रशिक्षित करें

इस अध्याय में प्रमुख विचाररूपरमेश्वर प्रत्येक सेवक से उम्मीद करता है कि वह मसीही लोगों का प्रशिक्षण करें ताकि वह यीशु के लिए जियें और जिस तरह के उपहार उनको प्राप्त हुए हैं,उनके अनुसार दूसरों की सेवा करें द्य

मूसा परमेश्वर एक महान व्यक्ति था इजराइल के इतिहास में सबसे अच्छा अगुवा था उसको परमेश्वर की तरफ से बहुत उपहार दिया गया था और मिश्र से अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया गया था लेकिन उसकी एक कमजोरी थी जो उसकी प्रभावशीलता को सीमित कर देती थी वह सब कुछ अपने आप करने की कोशिश करता था नतीजे में वह थक गया और अप्रभावी हो गया उन सभी

महत्वपूर्ण काम को करने में सक्षम नहीं था जिनको करने की जरूरत थी क्योंकि वह सभी विवरणों की देखभाल करने में व्यस्त हो गया था द्य जहां सबसे ज्यादा जरूरत थी वह वहां काम करने में सक्षम ना रहा वह थक चुका था और लोग उसे खुश नहीं थे क्योंकि वह बहुत कुछ नहीं कर रहा था करने के लिए बहुत कुछ था लेकिन वह सब करने की कोशिश कर रहा था,तब उसके ससुर जेठों ने उसे बताया कि उसे कुछ काम दूसरों को सौंपने की जरूरत है दूसरों को बोझ में मदद करने के लिए प्रशिक्षित कर ताकि तू केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर सके जो तुम ही कर सकते हो जेथ्रो ने सलाह दी(निगर्मन 18रू17—23) मूसा ने इस बुद्धिमान सलाह का पालन किया और सभी लोग इसकी वजह से बेहतर हुए जेठों का सुझाव आज भी सेवकों के लिए अच्छा व्यवहार हैद्य परमेश्वर हम से यह उम्मीद नहीं करता कि हम अपने चर्चा मेंध कलिसियों में सबकुछ खुद करें,लेकिन वह हमें दूसरों को प्रशिक्षित करने की उम्मीद करता है ताकि वह भी सेवक बनेंद्य

दूसरों को प्रशिक्षित करने का हुक्म

परमेश्वर के लोगों को सेवा के लिए तैयार करना हमने इकिसियों 4रू11—13 मैं देखा है, जहां सेवक शिक्षकों को यह हुक्म दिया गया है कि वह परमेश्वर का वचन अपनी भेड़ों को खिलाएं ध्पोलुस कहता है कि इसका कारण है लोगों को सेवा कार्यों के लिए तैयार करना, ताकि मसीह की देह का निर्माण हो सके (इकिसियों 4रू12) हमारे शिक्षण का लक्ष्य हमारे लोगों को तैयार ब सुसज्जित करना हैद्य इसका मतलब यह हुआ कि हम उन्हें प्रशिक्षित करें और सेवा के लिए तैयार करेंद्य सैनिकों को दी गई तैयारी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला सैन्य शब्द था,ताकि वह दुश्मन के कब्जे वाले क्षेत्र पर आक्रमण कर सके और इसे अपने राजा के लिए जीत सकेद्य यही हमारा भी लक्ष्य है इस आयत के अनुसार सेवक के रूप में यह हमारा मुख्य उद्देश्य है, हमें अपने लोगों को परमेश्वर की सेवा करने के लिए तैयार करना हैद्य

हमें खुद सब कुछ करने की आवश्यकता नहीं है लेकिन अपने लोगों को प्रशिक्षित करने और तैयार करने के लिए ताकि वह सेवक बने और परमेश्वर की सेवा करें,ताकि वह हमारे राजा के लिए दुश्मन के कब्जे वाले क्षेत्र को वापस लेसकेंद्य

एक चरवाहे को सुनिश्चित करना है कि उसकी भेड़ों को खिलाया जाता हैद्य जो उनको अच्छा खिलाया जाता है तभी वह और अधिक भेडें पैदा करती हैंद्य चरवाहा उन या नई भेड़ का उत्पादन नहीं कर सकता, ऐसा केवल भेड़ ही कर सकती है द्यचरवाहा केवल भेड़ की मदद कर सकता है उसको वह करने में सक्षम बनाने के लिए जिसके लिए उनको बनाया गया हैधजिसके लिए वह बनी है द्य उनको यह देखने की जरूरत नहीं है चरवाहा क्या करता है परंतु चरवाहे की मदद से अपना काम करने की जरूरत है यह चरवाहे के लिए बहुत संतुष्टि और खुशी लाता है,जैसे यह एक सेवक के लिए करता है द्य

सत्य को विश्वसनीय पुरुषों तक पहुंचाएं (दें)

जो दूसरों को सिखाएंगे

पौलुस तीमुथियुस को बहुत उत्कृष्ट सलाह देता है,एक युवा सेवक को को सेवकाई के लिए के लिए प्रशिक्षण दे रहा था वह तीमुथियुस से कहता है कि पौलुस से सीखी बातों को भरोसेमंद लोगों को सोंपे,वह ऐसे पुरुष होने चाहिए ,जो यह सब चीजें दूसरों को सिखाएंगे (2 तीमुथियुस 2रू1–2)

तीमुथियुस को इन सच्चाईयों को दूसरों को सोंपना है,यूनानी में यह शब्द बैंकिंग शब्दावली से है जिसमें पैसा जमा करने की विचार भावना द्य पालूस ने तीमुथियुस के पास वह सारी सच्चाई जमा कर दी है जो उसने सीखी हैद्य

अब यह तीमुथियुस का विशेषाधिकार और जिम्मेदारी है कि वह दूसरों को दे, और वह और भी अधिक लोगों को सिखाएंगेद्य और इस तरह वचन बड़े और फैले,2000 वर्षों में जब से पौलुस ने कहा है कि परमेश्वर के सत्य का अर्थ पृथ्वी के सब भागों में फैल गया है, और पीढ़ी से पीढ़ी तक चला आया है जब तक यह आज मेरे और आप तक नहीं पहुंच पायाद्य

जब किसी को ज्ञान प्राप्त होता है तो यह उसकी जिम्मेदारी है कि वह दूसरों को सिखायें (तीमुथियुस 2रू2)द्य यह मुख्य रूप से पासबानों की जिम्मेदारी है,जिसकी परमेश्वर किसी भी चीज से अधिक उम्मीद करता है (यहुन्ना 21रू 15–17, 1 तीमुथियुस 3रू2,2 तीमुथियुस 2रू24)द्य इससे पहले कि हम इसे पारित करें हमें परमेश्वर की सच्चाई को सीखना चाहिए लेकिन हम यह जानते हैं कि हमें साझा करना आवश्यक हैद्य

जब मैं भारत में यात्रा करता हूं तो मैं सेवक सम्मेलन का आयोजन करता हूं ताकि मैं उन चीजों को पारित कर सकूँ जो मैंने अन्य सेवकों से सीखी हैंअगर मैं प्रत्येक मसीही व्यक्तिगत को सिखाने की कोशिश कर रहा होता तो यह काम असंभव होताद्य लेकिन अगर मैं सेवकों को प्रशिक्षित करता हूं तो वह इसे अन्य सेवकों के साथ साथ अपने लोगों को भी दे सकते हैं ,इस तरह से सच्चाई कई गुना बढ़ जाती है यही वह तरीका है जिससे परमेश्वर चाहता है कि हम उसका कार्य करेंद्य

यीशु ऐसा करने के लिए अपने लोगों को आज्ञा देता है महान अधिकार,में वह अपने पीछे चलने वालों को उन सेवकों को जो सब देशों में से शिष्यों को बनाना शुरु कर रहे हैं द्य इस आयत में यह मुख्य आज्ञा है मति 28रू19 –20 हमें यह जाने के द्वारा,बपतिस्मा देने के द्वारा और शिक्षण के द्वारा करना हैद्य यह तीनों अंत के साधन हैं द्यअंत ,उद्देश्य शिष्य बनाने का है अतः हमारे शिक्षण का लक्ष्यलोगों को आत्मिक रूप से विकसित करने में मदद करता है ताकि वह अपने जीवन में परमेश्वर की सेवा कर सके और दूसरों के साथ उसके सत्य को पारित कर सकें हमें जाना है और दूसरों को मुक्ति के बारे में बताना है और फिर उन्हें बपतिस्मा देना है जैसे वह परमेश्वर के संदेश का जवाब देते हैं और उसका मुफ्त उपहार स्वीकार करते हैं जब वे विश्वासी हो जाते हैं हमे उन्हें पढ़ाना, खिलाना और सुसज्जित करना है,ताकि वह स्वस्थ और बढ़ती हुई भेड़े हो सकें द्य इस तरह वह सेवक बनकर सेवा कर सकते हैंद्य

परमेश्वर की योजना हमारे लिए यह नहीं है कि चर्च मैं जो कुछ होने की जरूरत है वह सब कुछ हम करें,परंतु यह कि अपने लोगों की शिक्षण और प्रशिक्षण पर अपना ध्यान केंद्रित करें,तब वह सेवकाई में भाग ले सकते हैं और सेवकाई में मदद करने के लिए अपने अनूठे उपहारों का उपयोग कर सकते हैं इस तरह बहुत कुछ पूरा किया जा सकता है,बजाय इसके कि अगर हम उन चीजों को करने की कोशिश में लगे रहे जो दूसरे कर सकते हैंद्य

नहेमायाह मेरे पसंदीदा बाइबल अगुवों में से एक है उन्होंने शांति लेकिन पूरी तरह से काम किया वह तैयारी और योजना बनाने वाला व्यक्ति था यह बहुत महत्वपूर्ण है वह अपनी आज्ञाकारिता में भी साहसी था जब उसने जाना की परमेश्वर उससे क्या करवाना चाहता है वह यरूशलेम की दीवार का पुनः निर्माण करने में सक्षम था,कुछ ऐसा जिसे वर्षों से कोई नहीं कर पाया था वह सफल हुआ क्योंकि उसने सब को शामिल किया उसने सारे काम खुद करने की कोशिश नहीं की उसने लोगों के समूह को दीवार के विभिन्न हिस्सों में काम करने को विभाजित किया प्रत्येक अपने घर के पास दीवार की मरम्मत के लिए जिम्मेदार था? इस तरह से उन्हें काम करने के लिए दूर की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी,अगर उनके घर पर या उस दीवार पर कोई हमला होगा तो वह उसका सामना करके अपने घरों और दीवार की रक्षा करने के लिए बने रहेंगे, अपने परिवारों के कल्याण को,खतरे पर देखते हुए बेहतर काम करेंगे उसने उनका नाम दीवार पर रखकर उनके काम को पहचाना उसने भार साझा करने के लिए

सभी को प्रशिक्षित किया और सब से उम्मीद की, यही एकमात्र तरीका था जिसके माध्यम से यह सारा काम हो सका (नहेयामाह 3रू1—32)

खरू दूसरों को प्रशिक्षित करने के कारण हम दूसरों को प्रशिक्षण देते हैं ताकि वह आत्मिक रूप से बढेंरू–

कुछ लोग अपने पादरी से उम्मीद करते हैं कि वह आए और उनके लिए सब कुछ करें,उनके लिए प्रार्थना करें,हर फैसले में सलाह दें,और उनकी हर तरह से मदद करें द्य उन्हें लगता है कि पादरी के पास इससे अच्छा और कोई काम नहीं है कि वह उन लोगों की उन सब कामों में मदद करें जो उन्हें खुद करना चाहिए यदि कोई पादरी उनकी मांगों को पूरा नहीं करता है तो वह दूसरों से शिकायत करते हैं और हो सकता है चर्च भी छोड़ दे द्य अक्सर इस पादरी को लगता है कि उसके पास उनकी अनुचित मांगों को मानने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है लेकिन ऐसा नहीं है हमें केवल वही करना चाहिए जो परमेश्वर हम से उम्मीद करता है मेरे 6 बच्चे हैं जिन्हें में बहुत प्यार करता हूं उन्होंने मेरे जीवन में बहुत खुशी दी है अब वह परिपक्व व्यस्क हैं जो प्रभु के लिए जी रहे हैं और अपने परिवारों की अगुवाई कर रहे हैं द्य कि वह उसके पीछे चले (यीशु के) लेकिन मेरी पत्नी को और मुझे उनको प्रशिक्षित करते रहना पड़ा जैसे वह बड़े हुए कई बार हमें उनको ना कहना पड़ता था और उन चीजों को करने के लिए मजबूर करना पड़ता था जो वह नहीं करना चाहते थे ,जिन चीजों को हम खुद आसानी से कर सकते थे,क्या होता है जब आप अपने बच्चों के लिए सब कुछ करते हैं बजाय इसके उनको अपने आप करने की शिक्षा दें,वह खराब हो जाएंगे,आलसी हो जाएंगे और आत्म केंद्रित लोग बन जाएंगे जो सोचते हैं कि हर किसी को उनकी सेवा करनी चाहिए द्य आप और मैं नहीं चाहते कि हमारे बच्चे इस तरह बड़े होद्य हमारा आसमानी पिता नहीं चाहता कि उसके बच्चे इस तरह से बड़े होद्य

हम दूसरों को प्रशिक्षण देते हैं ताकि उनके उपहार इस्तेमाल किए जा सकते हैं जैसे हमने पहले देखा है,परमेश्वर हम में से प्रत्येक को आत्मिक उपहार देता है,लेकिन हम में से कोई भी दो एक से नहीं है (1 कुरिनिथियो 12रू12–27) मसीह की देह भी हमारे शरीर की तरह बहुत विभिन्न अंग रखती है जो इकट्ठे मिलकर एक साथ काम करते हैं हमें अपने सिर की आवश्यकता है,परंतु अपने हाथों और पैरों के बिना यह कुछ भी पूरा नहीं कर सकता हमें अपने सब अंगों की जरूरत है,शरीर का हर अंग महत्वपूर्ण है और इसका अपना काम हैद्य चर्च में भी यही सच्चाई लागू होती है सेवक होते हुए जब हम बहुत कुछ करने की कोशिश करते हैं उससे भी ज्यादा जिस जिसकी परमेश्वर हम से उम्मीद करता

है,हम अंत में वही करते हैं जो किसी और को करना चाहिए द्यमूसा अन्य लोगों को अपने उपहारों का उपयोग करने से रोक रहा था जब उसने खुद सब कुछ करने की कोशिश की द्य हम अपने लोगों को प्रशिक्षित और सूचित करते हैं ताकि वह अपने उपहारों का उपयोग कर सकें और अपने उपहार के जरिए सेवा कर सकें द्ययह करना हमेशा आसान नहीं होता क्योंकि कुछ लोग आगे बढ़ना और सेवा करना नहीं चाहतेद्य अक्सर यह किसी और को प्रशिक्षित करने की बजाय हम स्वयं के लिए कुछ करना जल्दी और आसान होता हैद्यतब शायद इतना अच्छा काम नहीं होता जितना हमने कर लिया होता लेकिन हमारे बच्चों की परवरिश के साथ यह महत्वपूर्ण है कि वह सीखना और अपना सर्वश्रेष्ठ करना शुरू करें वे परिपक्व होंगे और बेहतर होंगे, और फिर वे दूसरों को भी प्रशिक्षित कर सकते हैं द्य

जब पोलुस एक नई कलीसिया शुरू करता तो वह लोगों को सिखाने और प्रशिक्षित करने के लिए रुकता,जब तक उसे कुछ ऐसे लोग नहीं मिल जाते जो अगुवाई करने के लिए परिपक्व होते और उपहार पा चुके होते द्य उनको प्रशिक्षित किया जाता और नियुक्त किया जाता,तव पोलुस नई सेवकाई पर चला जाता (प्रेरितों के का 14रू21–23)द्य पोलुस उन कलीसिया के संपर्क में रहता जिन्हें उसने शुरू किया होता,उनको जांचता रहता और जिस तरह भी जरूरत होती उनकी मदद करता जब तक वह आत्मनिर्भर नहीं हो जाते फिर वह बाहर पहुंचना शुरू होते और नई कलीसिया को शुरू करतेद्य यही वह प्रतिमान है जिसकी पालना करने की परमेश्वर हम से उम्मीद करता है हम यह तभी कर सकते हैं जब हम दूसरों को उसकी सेवा में अपने उपहारों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण देते हैंद्य

हम लोगों को प्रशिक्षित करते हैं ताकि उनका विश्वास में खिंचाव आ सके,जब अन्य लोग अपने उपहारों का उपयोग करना शुरू करते हैं और सेवा करते हैं तो उनके सामने चुनौती और खिचाव की स्थिति आती है जैसे वह परमेश्वर पर भरोसा करना और उसकी आज्ञा का पालन करना सीखते हैं,और उनका विश्वास बढ़ेगाद्य जैसे छोटे बच्चे धीरे धीरे चलना सीखते हैं और आखिर इसमें बहुत अच्छे हो जाते हैं इसी तरह से यह उनके साथ होता है जो सेवा शुरू करता है उनके कदम धीमे होते हैं और वे कई बार नीचे गिरते हैं,लेकिन जब तक ऐसा नहीं होता वह अपने

पैरों पर चलना नहीं सीखते द्य ऐसा ही उन लोगों के साथ होता है जिनको हम प्रशिक्षित करते हैं जो वह जानते हैं उसका अभ्यास करने की प्रक्रिया हमारे द्वारा सिखाये जाने में उन्हें सुसज्जित करने के तरीके का हिस्सा है द्य

आइए हम एक बार और पोलुस के शब्दों को जो इकिसियों 4रू 11 13 मैं दर्ज है, उन पर ध्यान करें द्यसेवकों को परमेश्वर के लोगों को सिखाना है ताकि पूरी कलीसिया परिपक्व हो जाए (आयत 12) लेकिन इस लिए भी कि वह भी परिपक्व हो जाएंगे (आयत 13) वह कहता है कि जब लोग परमेश्वर की सेवा करना सीख जाते हैं तो वह उनको यीशु के ज्ञान और विश्वास में एकता तक पहुंचाने में मदद करेगाद्य यह उन्हें यीशु की तरह अधिक बनने और परिपक्व होने में मदद करेगाद्य जैसे वह यीशु के बारे में अधिक जानते हैं वह उसकी नजदीकी में बढ़ेंगेद्य वे परिपूर्ण नहीं होंगे, हम में से कोई भी इस जीवन में कभी परिपूर्ण नहीं होगाद्य लेकिन वे परिपक्व होंगे,वेबढ़ते रहेंगे, वे यीशु की तरह अधिक से अधिक हो हो जाएंगे, अपनी सोच और अपने काम मेंद्य यह तब तक नहीं होगा जब तक हम प्रत्येक दिन अपने जीवन में परमेश्वर की सेवा करने के लिए उन्हें प्रशिक्षित और प्रोत्साहित नहीं करतेद्य

हम दूसरों को इसलिए प्रशिक्षित करते हैं ताकि हम अपने उपहारों के उपयोग पर केंद्रित कर सकेंरू शुरुआती कलीसिया में प्रेरितों ने खुद को अच्छे काम करते पाया(जरूरतमंद विधवाओं को भोजन और कपड़े वितरित करते हुए) और वह सबसे उत्तम काम नहीं कर सके (बाइबल पढ़ना और प्रार्थना करना) इसलिए उन्होंने 7 आदमी चुने जिनको डीकन्सकहा गया ताकि वहविधवाओं की मदद करेंऔर जिस क्षेत्र में उनको उपहार मिले हैं उनमें सेवकाई करने के लिए उन्हें मुक्त करें (प्रेरित के काम 6रू1–4)द्य यह उनके लिए और चुने हुए पुरुषों के लिए बहुत अच्छा रहा जैसे ही लोग अपने उपहारों का उपयोग कर सकें परमेश्वर ने उन्हें अगली सेवकाई के लिए परिपक्व किया (प्रेरित के काम 6रू5–6) स्टीकन और फिलिप्स उन पांचों में से थे अगर प्रेरित वह काम करते रहते जो दूसरे कर सकते थे तो ना कलीसिया इतनी बढ़ गई होती,न यह लोगद्य

हम दूसरों को इसलिए प्रशिक्षित करते हैं ताकि हम अपने आप को सेवा के लंबे समय के लिए गति पर रख सकेंरूमुझे व्यायाम करने के लिए दौड़ने में आनंद आता है और मैं अपनी बाल्यावस्था से ही नियमित रूप से दौड़ रहा हूं द्य मैं उतना तेज तो नहीं जा सकता जितना जाता था लेकिन अभी भी जितनी दूर जाता था उतनी दूर जा सकता हूं,इसमें थोड़ा सा ज्यादा वक्त लगता है मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि दौड़ने की प्रक्रिया वहां पहुंचने के लिए है,ना कि वहां जल्दी पहुंचने के लिए द्य मैंने सीखा है कि जीवन में भी यही बात सच है द्य जैसे–जैसे में अपने सेवानिवृत्त के वर्षों को देखता हूं और अपनी सेवकाई के जीवन को देखता हूँ,में बेहतर मानता हूँ कि जीवन एक मैराथन है,न कि तेज दौड़,इसलिए यह स्वयं को गति देने के लिए महत्वपूर्ण है सेवकाई गुणवत्ता के बारे में है,मात्रा के बारे में नहीं द्य मैं जानता हूं कि शुरुआत करने में यह अभ्यास करना कठिन है जब हर कोई आप का मूल्यांकन उससे कर रहा होता है जो आप का उत्पादन होता है, याद रखें कि आपकी कलीसिया में उन लोगों की तुलना में जो आप को मापते हैं परमेश्वर की माप छड़ी पूरी तरह से अलग है जिससे वह आपको मापता हैद्य आने वाले वर्षों के लिए प्रभावी होने को, हमें अब आराम करने, जीवन का आनंद लेने और उन पसंदीदा की चीजोंध्कामों को अपनी पासबानी के कर्तव्यों के लिए समय लेना चाहिएद्य कभी–कभी यह कठिन होता है क्योंकि हमें लगता है कि हमें अपना हर मिनटध्पल सेवकाई में उपयोग करने की आवश्यकता हैद्य परमेश्वर .यह उम्मीद नहीं करता क्योंकि वह जानता है कि ऐसा करने से हम अति–प्रभावी नहीं होंगे द्य

जब प्रेरित यहुन्ना से पूछा गया कि उसके कबूतर पालने के शौक को कैसे उचित ठहराया, जबकि राज्य के लिए इतना कुछ करने की आवश्यकता थी,तो यह कहा जाता है कि उसने अपना धनुष उठाया और उसकी तरफ इशारा किया की आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी होने के लिए हम इसे हर समय कसकर नहीं पकड़ सकतेद्य इसी तरह का एक चित्रण वहैल शिकार के दिनों का है वहेलपुनर जिसका काम था वहैल को नेजा मारना उसको नौकायन में शामिल होने की अनुमति नहीं थी जिससे नाव की स्थिति मिली थी उसे आराम दिया जाना चाहिए और महत्वपूर्ण काम के लिए जो उस को सौंपा गया था तैयार किया जाना चाहिएद्य सब मसीहियों को अपने आप को गति देनी चाहिए ताकि वह जीवन के प्रमुख घटनाओं के लिए तेज और तैयार होंद्य

इसका मतलब यह नहीं कि हम आलसी हो जाएं या कड़ी मेहनत से बचें लेकिन इसका यह मतलब है कि हम खुद को गति दें ताकि हम मैराथन खत्म कर सकें,खत्म होने से पहले ही ना थक जाए हमें उस समय,उर्जा और अवसरों का अच्छा भंडारी होना चाहिए, जो परमेश्वर हमें देता है यहां तक की यीशु ने भी अच्छे कामों को "ना" कहां ताकि वह उत्तम कामों को कर सकेद्य उसने लगभग 3.50 साल समय की कम मात्रा जैसे समय के बावजूद अपने आप को गति दी, ताकि वह सब कुछ होना चाहिए इसी के दौरान पूरा कर सकें,(लूका 5रू16) आज परमेश्वर के जीने वालों को अक्सर उनकी व्यस्तता के लिए प्रशंसा की जाती है,जैसे कि इसका मतलब है कि वे अंत काल में महत्वपूर्ण और उत्पादक होंगे कोई भी बहुत व्यस्त हो सकता है,और ऐसे समय होंगे जब यह अपरिहार्य (जिसे टाला न जा सके) है ,लेकिन एक विशिष्ट जीवन शैली के रूप में यह वह नहीं है जो परमेश्वर चाहता है वह हमे दिन के 24 घंटे देता है हम जानते हैं कि हमें 25 घंटों में होने वाला काम नहीं देगाद्य यदि हमारे पास समय से ज्यादा काम है तो इसका मतलब है यह वह काम नहीं जो उसने हमे दिए हैं वह चाहता है कि हम खेल, मस्ती,विश्राम और आनंद को शामिल करें (सभोपदेश 3रू1–8) परमेश्वर ने हमारे लिए आनंद के लिए रंगों,ध्वनिओं,गंधों और स्वाद से भरी एक सुंदर दुनिया बनाई है क्या हम जीवन में अच्छी चीजों का आनंद लेने में समय ले रहे हैं?

मैं सेवानिवृत्ति की आयु के करीब हूं,लेकिन मैं कभी भी सेवक होना नहीं छोड़ना चाहता आयु और स्वास्थ्य के कारण मुझे धीमा करना पड़ सकता है लेकिन मैं इस बात पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद कर सकता हूं कि सेवकाई में,मैं जितना अच्छा हो सके उसे करूँ और उसका आनंद लूँ द्य मैं कभी भी सब कुछ पूरी तरह से रोकना नहीं चाहता कई मायनों में मेरे सबसे उत्पादक वर्ष आ रहे हैं मुझे बस अपने आप को ठीक तरह से गति देने की आवश्यकता है ताकि मैं आगे बढ़ता रहा,कछुआ और खरगोश की कहानी हमेशा मेरी पसंदीदा कहानियों में से एक रही है और इसने मेरे जीवन दर्शन को आकार दिया है खरगोश ने दावा किया कि वह अपनी गति से किसी को भी हरा सकता है किसी ने दौड़ के लिए उसकी चुनौती को स्वीकार नहीं किया लेकिन कछुए ने जो उसकी घमंड और डींग सुनकर थक गया था द्य खरगोश दौड़ में आगे निकल गया और इसलिए उसने थोड़ी देर खेलने का फैसला किया ,कछुआ बस धीरे—धीरे आगे—आगे चलता रहा जब तक कि वह वहां नहीं पहुंच गया जहांखरगोश खेल रहा था फिर खरगोश ने फिर से तेज गति से दौड़ लगाई और आगे बढ़ गया,इतना आगे कि उसे अब कछुआ नहीं दिखाई दे सकता था,वह थोड़ी देर आराम करने के लिए लेट गया और सो गया द्य यहतब तक नहीं था जब तक कि कछुआ उस रेखा को पार करने वाला नहीं था जो उसने देखा कि क्या हो रहा था और वह जितनी तेजी से भाग सकता था,भागा परंतु बहुत देर हो चुकी थी कछुआ जीत गया,क्योंकि वह द्रढ था इसमें बहुत ज्ञान है जिस गति से स्थिरता जिसे हम लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं,वह मैदान फतेह करने का एकमात्र तरीका है दृढ़ता के साथ दौड़े,किसी के साथ नहीं अपने आप को गति दो जितनी कि आप जा सकते हैं इतना तेज मत जाओ जब तक आप थक जाते हैं और कुछ देर के लिए आराम करने लग जाते हैं और फिर से चलने लग जाते हैं एक स्थिर काम का बोझ रखें जो आराम करने और जीवन का आनंद

लेने के लिए समय की अनुमति देता है इशु ने समय निकाला,दूर होने का समय द्य वह जल्दी में या हमेशा व्यस्त नहीं था और उसके पास काम करने के लिए केवल 3 साल ही थे द्य हम दूसरों को प्रशिक्षित करते हैं ताकि हम उनके साथ दोस्ताना विकसित करने के लिए समय निकाल सकें जब मैं और मेरी पत्नी अपने क्षेत्र से बाहर जाते हैं तो ऐसा लगता है कि परमेश्वर ने अन्य मसिहिओं को हमारे रास्ते में रख दिया है हम इन दोस्तों के साथ अपने रास्तों पर चलने के लिए उत्सुकता से देखते हैं जिनको हम अभी तक मिले नहीं है हाल ही में हमने प्युर्टो रिको की यात्रा की और परमेश्वर ने हमारी यात्रा के दौरान विश्वासिओं की एक स्थिर धरा का छिडकाब किया द्यजब मैं भारत जाता हूं तो विश्वासिओं की मदद और समर्थन जरूरी हैद्य जितना अधिक मैं घर से दूर होता हूं उतना अधिक में यीशु में भाई बहनों के साथ संगति में होने की सराहना करता हूं यहां तक कि जब मैं यात्रा नहीं कर रहा हूं,तब भी मैं अपने वास्तविक घर "स्वर्ग" से काफी दूर हूं द्ययहां भी अन्य विश्वासिओं के साथ संगति बहुत महत्वपूर्ण है विश्वासिओं के साथ निकट संपर्क का होना बहुत ही कीमती और मूल्यवान संपत्ति है जिसको मैं बहुत समय पहले जान चुका हूं मैं जितना बड़ा होता हूं उतना ही ज्यादा मसीही सहभागिता को महत्व देता हूं उन लोगों के साथ जिन्हें में जीवन भर जानता हूं और उनके साथ जिन्हें में चलते—चलते मिलता हूं मैं वर्षों से सीख रहा हूं कि मैं लोगों को अपने करीब कैसे आने दूँ और साथ ही यह कि मैं उनको गहराई से कैसे जान सकूं मैं उन्हें संपत्ति रूप में देखने के बजाय जो मैं जीवन में पूरा करना चाहता हूं,मैं दूसरों को अधिक से अधिक साथी यात्रियों के रूप में जो उस अनंत शहर के लिए यात्रा कर रहे हैं जिसके लिए मैं भी कर रहा हूं,सराहना करता हूं में उनकी दोस्ती का आनंद लेता हूँ ,मुझे उनके प्रोत्साहन की जरुरत है और उनके उदहारण से सीखता हूँ द्य एक लंबी कठिन यात्रा वफादार साथियों की मंडली में आसान हो जाता है इसलिए परमेश्वर इस जीवन में हमें एक दूसरे की मदद करने को देता है क्या आपने देखा है कि जब आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलते हैं जो एक मसीही है तो एक त्वरित बंधन कैसे बनता है ?इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह किस संस्कृति या देश से आते हैं वह किस रंग के हैं या कौन सी भाषा बोलते हैं हम समान मूल्य और प्राथमिकताओं को साझा करते हैं हमारे पास एक ही संसार दृ ष्टि है मुझ में यीशु उनमे यीशु के साथ जोड़ता है हम एक ही पिता की संतान है और यह हमें भाई—बहन बनाता है हम एक ही दुश्मन से लड़ते हैं हम एक साथ अंतकालबिताएंगे,तो यहां रहते हुए एक दूसरे का आनंद क्यों नहीं लेना

चाहिए इशु को स्वयं मानवीय संगति की आवश्यकता थी वह भीड़ से हट जाता और चेलों के साथ दूर चला जाता है उसे उनकी जरूरत थी,दुर्भाग्य से वह हमेशा उसके लिए उपलब्ध नहीं थे,जैसे उसकी गिरफ्तारी से पहले गतसमनी को हालाँकि अगर उसे दूसरों की जरूरत होगी तो हम निश्चितरूप से ऐसा ही करते

पेज 75

जितना अधिक में जीवन और सेवकाई में आगे बढ़ता हूं मैं एहसास करता हूं कि मुझे अन्य विश्वासिओं की कितनी आवश्यकता है और वह कितनी बड़ी आशीष है,कि परमेश्वर उन्हें मेरे जीवन में लाता है और (इवातिओं 10रू25) द्यजब मैं दूसरों को सेवक होने के लिए प्रशिक्षित करता हूं तो मेरी उनके साथ बहुत करीबी सहभागिता होती है द्य फिर जब बे सेवकाई में मदद करते हैं तो मुझे मुक्त कर दिया जाता है ताकि मैं स्वयं मित्रता और संगति का आनंद ले सकूँ द्य

हम दूसरों को प्रशिक्षित करते हैं ताकि राज्य का विकास हो रू जब आप दूसरों को परमेश्वर की सेवा करने के लिए प्रशिक्षित करते हैं जैसे उसने उनको उपहार दिए हैं तो पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य का विकास होता है द्य बे बढ़ते,आप बढ़ते हैं और चर्चा बढ़ता है वास्तव में ,आप और अधिक पूरा कर सकते हैं जब आप दूसरों के प्रशिक्षण को अपनी पहली प्राथमिकता बनाते हैंद्य

.मान लीजिए आप महसूस करते हैं श्री परमेश्वर आपको एक ऐसे क्षेत्र में कलीसिया शुरू करने के लिए बुला रहा है इसमें कोई सुसमाचार का गवाह नहीं है आप लोगों को जीतने के लिए,उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए सब कुछ खुद करने की कोशिश कर सकते हैं,लेकिन क्या होगा आप बहुत थक जाएंगे,वह जो कुछ होना चाहिए वह सब कुछ नहीं कर पाएंगे और आपका परिवार और चर्च दुख उठाएंगेद्य यह कितना अच्छा होता है कि आप अपने लोगों को लोगों को प्रशिक्षित करें ताकि वह अपने उपहारों को,प्रचार, आथित्य,शिक्षण और संगठन के रूप में उपयोग कर सकें यह उन्हें बढ़ने में भी मदद करेगाद्य

अपने लोगों में और उन लोगों में जो आपके द्वारा शुरू की गई कलीसिया में है यह बात उनके अंदर भर दो कि वह यीशु मसीह के लिए दूसरों को जीतने और नई कलीसिया शुरू करने को अपनी चुनौती मानेद्य शिक्षण और उदाहरण के द्वारा अपने लोगों को अवसर ढूंढने की महत्वता दिखाएं,उन लोगों तक पहुंचने को जो यीशु को नहीं जानते द्यजब मेंढक खाते हैं तो वे सभी मोटे और आलसी हो जाते हैं द्य तब वह कीड़े,मकोड़ों को उनके पास आने का इंतजार करते हैं छिपकली पूरी तरह से अलग वह कीड़ों की तलाश में हमेशा इधर–उधर चलती रहती हैं यदि कोई भी मौजूद नहीं है तो वे जल्द ही एक अलग स्थान पर चली जाती हैं हमेशा यह देखते हुए शायद उनको इस बार कुछ मिल जाए कुछ चर्च के मसीही मेंढक की तरह है,बड़े आराम से इस बात का इंतजार करते हैं,लोग उनके पास आए और यीशु के बारे में पूछें द्य दूसरे लोग छिपकली की तरह है,किसी को भी सेवकाई के लिए सतर्क कर सकते हैंद्य आप कौन से हैं? आपका चर्च किस जैसा है ?एक छिपकली की तरह शिकार करने के लिए अधिक ऊर्जा और बलिदान लगता है लेकिन परिणाम इसके लायक है यीशु मसीह हमेशा अपने आसपास के लोगों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील था,हमेशा सेवा करने के लिए तरीके की तलाश में था हमारे चर्च में कुछ लोगों को यीशु मसीह के बारे में दूसरों के साथ बातचीत करने का उपहार दिया गया है और इसे अक्सर अच्छी तरह से निभाते हैंद्य आमतौर पर अधिकांश के लिए,हालांकि यह आसान नहीं होता इसलिए इससे बचते हैं (इसे टाल देते हैं) परमेश्वर हमसे उम्मीद करता है कि हम सभी को प्रशिक्षित करें यहां तक कि जो लोग बाहर पहुंचाने में संकोच करते हैं उन्हें याद दिलाएं कि परमेश्वर उन्हें गवाह बनने की उम्मीद करता है वकील बनने की नहीं कानून की अदालत में एक वकील अपने विश्वासों का तर्क देता है और दूसरों को उससेसहमत होने की कोशिश करता है गवाह सभी यह बताते हैं कि वह क्या जानते हैं उन्होंने क्या अनुभव किया है परमेश्वर हमें गवाह बनने के लिए बुलाता है वकील नहीं हमें किसी को सच्चाई का तर्क देने या बहस करने की जरूरत नहीं परमेश्वर हम से यह उम्मीद नहीं करता है वह हमसे यह उम्मीद करता है हम दूसरों को बताएं जो उसने हमारे लिए किया है यह गवाह बनना है कोई भी कर सकता है उसे दूसरों को बताना चाहिए की इशु ने उनके जीवन में क्या किया है यह परमेश्वर के वचन को फैलाने और प्रचार करने का सबसे अच्छा तरीका है हमेशा याद रखें यीशु मसीह की कलीसिया है वह इसका निर्माण करेगा और कुछ इसे बंद नहीं करेगा वह हमें काम का हिस्सा बनने

और इसे होते हुए देखने का विशेषाधिकार देता है लेकिन यह चर्च हमारा नहीं सिर्फ उसका

गरू दूसरों को प्रशिक्षित करने की रहा अनुभवी परामर्श क्या है जब मेरे बेटे लड़कपन में थे तो उन्हें खेल खेलना पसंद था जब वह एक टीम में शामिल हुए जिस टीम की मैंने स्वयं इच्छा से कोचिंग की

पेज .76

कोच के रूप में मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं उन्हें आने वाली एथलीट प्रतियोगिता मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रशिक्षित करूँ मैंने उन्हें उतना ही सिखाया जितना मैं सिखा सकता था लेकिन मैं मैदान पर नहीं जा सका और उनके लिए नहीं खेल सका क्योंकि यह उन पर था (यह उन पर था उनका काम था) मैंने प्रशिक्षण दिया उन्होंने खेल खेला सेवक के रूप में हम एक कोच की तरह जो अपने लोगों को मसीही जीवन जीने के लिए बहुत ही बेहतरीन तरीके से तैयार करते हैं प्रत्येक मसीही को इसके लिए तैयार रहना चाहिए शिष्यत्व कहते हैं लेकिन इससे परे कुछ ऐसे भी हैं जिनके पास विशेष सेवकाई या अगुवाई कौशल है और उन्हें इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण की आवश्यकता है हम सभी को सुसज्जित करते हैं लेकिन जिन्हें सेवकाई के साथ मदद के लिए बुलाया जाता है उन्हें अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है जिसे आमतौर परअनुभवी परामर्श कहते हैं और मैं इस अध्याय में इसके बारे में बात करना चाहूंगा

पुराने नियम के अनुभवी परामर्शदातारू–

बाइबल अनुभवी परामर्श और कोचिंग की उदाहरणों से भरी हुई है इसमें लिखा हुआ है कि पीढ़ी दर पीढ़ीपरमेश्वर के वचन को प्राप्त किया और फिर अगली पीढ़ी के साथ पारित किया इसमें से अधिकांश व्यक्ति से व्यक्ति को अनुभवी सलाह और कोचिंग संबंधों में किया जाता है क्योंकि एक व्यक्ति दूसरे को प्रभावित करता है अनुभवी परामर्श का सबसे बड़ा उदाहरण परमेश्वर है जो सिखाने वाले के पास पहुंचता है और मानव जाति का मार्गदर्शन करता है जैसा

कि वह आज भी करता है वह परम गुरु सही कोच और विकसित करने वाला है द्य

एक मानवीय स्तर पर हालांकि हम परामर्श के कई उदाहरण पुराने नियम में देखते हैं मूसा सबसे अच्छा उदाहरण है अपने जीवन के पहले 40 वर्षों के दौरान मूसा को मिस्रिओं के तरीकों से सिखाया गया अगले 40 साल तक वह जंगल में भेड़ों की रखवाली कर रहा था तो परमेश्वर ने उसे सिखाया इस अनुभव ने मूसा को सिखाया और परिपक्व किया इसलिए कौम की अगुवाई करने के लिए इसके दौरान उसने जेथ्रो के साथ करीबी रिश्ता स्थापित किया बाद में जेथ्रो ने प्रतिनिधि काम की महत्व के लिए मूसा को प्रशिक्षित किया उसकी सलाह से जो मूसा ने ली मूसा का काम का बोझ काफी कम हो गया और यह मूसा और उन लोगों के लिए एक बड़ा सुधार था जिन्हें सहायता की आवश्यकता थी मूसा ने फिर दूसरों को सलाह देना शुरू किया हारून के साथ मिलकर काम किया उसने हारून को सिखाया कि वह फिरौन से बोले जब हारून ने मूसा का रहा रोका तो मूसा ने कमाल संभाली हारून मूसा की तुलना में उतना उत्तरदाई नहीं था जितना वह हो सकता था क्योंकि जब मूसा उसके साथ नहीं था तो वह दूसरों के प्रभाव में आ गया (सोने का बछड़ा)

यहोशु मूसा के मार्गदर्शक का एक प्राप्तकर्ता था उसके साथ साथ काम करने वाला जिसको वह अगुवाई संभालने के लिए तैयार कर रहा था द्य यहोशु ने मूसा के साथ रहने और सहायता करने मेंवर्ष बिताये उन्होंने अपने शब्द अच्छी तरह से सीखे क्योंकि वह वास्तव में धर्मी और बुद्धिमान अगवा बन गया ऐसा लगता है कि मूसा ने कालेब के साथ भी काम किया वह एक और आदमी था जिसने मूसा की शिक्षा का अच्छा प्रतिउत्तर दिया और एक इश्वरिय विरासत छोड़ दी शायद मूसा के मार्गदर्शक प्रभाव का कारण है कि यह दोनों एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जो मानते थे कि परमेश्वर दिग्गजों को हरा सकता है और इनको जमीन दे सकता है द्य

सैमुअल शिक्षा का एक और उदाहरण है जब वह छोटा ही था तभी से एली के द्वारा सलाह और शिक्षा दी जाती थी उसे विशेष रूप से पुरोहिति सेवा करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था लेकिन सामान्य रूप से जीवन के लिए भी वो एक वफादार,धर्मी इंसान बन गया,सैमुअल दूसरों को सलाह देता हुआ नजर आया उसने शाऊल परमेश्वर का पालन करने के लिए प्रभावित करने की

कोशिश की और जब शाउल ने पाप किया तो सैमुअल ने उसे पश्चाताप करने के लिए असफल प्रयास किया सैमुअल का जीवन दाऊद के साथ भी करीबी से जुड़ा हुआ है उसने न केवल दाऊद को राजा के रूप में अभिषिक्त किया बल्कि कुछ कठिन समय में उसकी मदद भी की जब शाऊल दाऊद को मारने की कोशिश कर रहा था सैमुअल ने दाऊद को सलाह दी और उसने उसका पालन किया इससे पहले शाऊल ने दाऊद को प्रशिक्षण देने की कोशिश की,कि गोलियत कैसे मारा जाए लेकिन दाऊद उस की पेशकश से इनकार कर दिया

यरूशलेम में नहेम्या,धर्मनिरपेक्ष गवर्नर और आत्मिक शिक्षक एज्रा ने यहुदिओं के बीच अन्य अगुवा को प्रशिक्षित करने के लिए एक साथ काम किया कई अन्य उदाहरण भी हैद्य

यीशु मसीह की सलाह के उदाहरणरू

कोई भी यीशु मसीह से बेहतर प्रशिक्षक या संरक्षक का बेहतर उदाहरण नहीं है उसके जीवन का पूरा नमूना इसी के इर्द–गिर्द घूमता रहा पुरुषों को उसके पीछे चलने रहने और प्रतिदिन उसके साथ यात्रा करने और उन्हें वचन और कर्म से सिखाने के लिए उसने बुलाया

पेज 77

यह हर रब्बी का शिक्षण ढंग था यीशु ने यह कोशिश नहीं की,किवह अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे और ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपने पीछे चलने वाला बनाए उनकी सेवकाई का केंद्र बिंदु था कुछ समर्पित लोगों को जो उनके आसपास थे,इकट्ठा करना और उनको प्रशिक्षित करना कि वह बाहर जाए और दूसरे लोगों को प्रशिक्षित करें येही परमेश्वर का आप हमारे लिए ढंग है जिसकी वह हमसे उम्मीद करता हैद्य

सुसमाचार मैं यीशु का उन लोगों को जो उसके पीछे चलते थे सिखाने के कई उदाहरण,उन सबसे उसने केवल 12 को विशेष रिश्ते में और विशेष प्रशिक्षण के लिए बुलाया उन 12 में से उसने 3 के साथ विशेष गहरा संबंध विकसित किया,पतरस,याकूब और यहुन्ना

उनकाप्रशिक्षण पतरस के लिए निकोडेमस से अलग थी यहुन्नाके लिए मत्ती से अलग और मरियम के लिए मार्था से अलग हालांकि सभी मामलों में वह स्पष्ट रूप से मार्गदर्शक और शिक्षक था

यीशु कभी भी इतना व्यस्त नहीं था कि अपने चेलों के लिए समय ना निकाल पाएद्य वह अक्सर भीड़ को दूर भेज देता था ताकि उन 12 के साथ समय बिता सकें यह उनकी पहली प्राथमिकता थीद्य उसने अपने आप को कभी भी अच्छे कामों के लिए व्यस्त नहीं होने दिया कि उसके पास उत्तम काम करने का वक्त ना रहे और इसके अलावा वह कभी भी इतना व्यस्त नहीं था कि परमेश्वर के साथ समय ना बिता सके द्य वह अक्सर प्रार्थना के लिए निकल जाता थाद्य कभी—कभी वह सुबह बहुत जल्दी उठ जाता था,कई बार रात को बहुत देर तक बैठा रहताद्य उसने यह सुनिश्चित किया कि परमेश्वर के साथ उसका रिश्ता मजबूत और स्वस्थ था द्य

जिस तरह से यीशु ने अपने शिष्यों को परामर्श दिया और उनको सिखाया उसके सीखने के लिए स्पष्ट शब्द हैं वे उन चरणों से गुजरे जिनसे आज भी यीशु के अनुयायी गुजरते हैं सबसे पहले वह उसे मसीह के रूप में मानते थे और जब कभी उनके लिए सुविधाजनक होता वह उसके साथ होतेद्य तब उनको उसके साथ पूरा समय यात्रा करने और सीखने की चुनौती दी गईद्य इस बड़े समूह में से एक छोटे से चुनिंदा समूह को चुना गया और विशिष्ट भविष्य सेवा के लिए प्रशिक्षित किया गयाद्य शुरू से ही यीशु धैर्य के साथ उनके साथ काम कर रहा था ताकि उनसे उनकी गलतफहमियों और गलत विचारों को दूर कर सके और इस तरह वह अपने जीवन को उस सच्चाई पर आधारित कर सके जो वह उन्हें देगाद्य उनकी मुख्य संपत्ति यीशु के लिए उनका समर्पण और बलिदान देने की इच्छा थीद्य यीशु ने इन लक्षणों को पहचाना और उन पर धैर्य से निर्माण कियाद्य उसने प्रत्येक को स्वयं के आत्मिक उपहार और कौशल विकसित करने में मदद कीद्य यह हमारे लिए एक अच्छा उदाहरण है क्योंकि हम दूसरों को प्रशिक्षित करते हैंद्य

प्रारंभिक शिष्य देहाती,सरल,ईमानदार और ऊर्जावान थे यीशु ने उनको कान और आंख से सिखाया उन्होंने उसके शब्दों को सुना और उसके जीवन के कार्यों को देखा यही तरीका आज हम पर भी लागू होता है मैं ना केवल जो कहता हूं बल्कि मैं कैसे जीता हूं के द्वारा सलाह देता हूंद्य

ध्यान दें कि यीशु ने अपने प्रशिक्षण के दौरान शिष्यों को 2–2करके भेजा और इसकी प्रतीक्षा नहीं की,कि ऐसा पूरा होने के बाद ही हो(लूका 10रू1–20) जबकि उसने शुरुआत में ऐसा नहीं किया,लेकिन उसने मूल बातें सिखाई , उसने उन्हें जो सिखाया उसको लागू करने के लिए भरपूर समय दिया मैं उन पुरुषों के साथ जिन्हें में सिखाता हूं और सलाह देता हूं उनके साथ ऐसा करने की कोशिश करता हूं उन्हें अभ्यास करना चाहिए जो कुछ उन्हें सिखाया जा रहा है इसी तरह से डॉक्टर,मैकेनिक और किसान सीखते हैं जो कुछ वह सीख रहे हैं उसे लागू करने के लिए अवसर देते हुए जैसे वह प्रगति करते हैं उसमें और अधिक सीखने के लिए प्रेरित करने के द्वारा जब कोई जवाब नहीं देता कि उसे सिखाया जाए यीशु अपने शिष्यों को हुक्म दिया कि वह अपने पैरों से धूल झाड दें और उनके पास चले जाए जो जवाब देते हैंद्य

समय पर यीशु ने अपने चेलों से कहा आराम करो–आराम करो मेरे अपने जीवन और जिनको मैं सिखाता हूं उनके जीवन में संतुलन जरूरी है जैसे मैं अपने दिमाग में जानता हूं कभी–कभी अपने जीवन में इसे लागू करना कठिन होता है जब अन्य बहुत सारीआवश्यकताओं को पूरा करना होता है अगर यीशु को 3 साल से अधिक के छोटे समय में इस बात का पता था कि उसने अपने आप को गति देनी हैं और अपने अनुयायियों को भी यही करना सिखाया हैतब मुझे भी इसी ढंग का पालन करना चाहिए जिनके साथ में काम करता हूं उनके साथ संतुलन रखना और आराम करने के लिए समय निकालना महत्वपूर्ण है यीशु उनके प्रति संवेदनशीलता था जिसे परमेश्वर चाहता था कि वह उसके

साथ काम करें उसने केवल शिक्षित या लोकप्रिय लोगों की तलाश नहीं की,मत्ती के बारे में उसकी पुकार एक मामला है कर वसूल वाले के रूप में वह यहूदियों के द्वारा नफरत की निगाहों से देखा जाता था ,साइमन सरगना एक आतंकवादी था और वह अलोकप्रिय थाद्य कई शिष्य अशिक्षित और मछुआरे थे यीशु ने उनके दिल को देखा उनके प्रशिक्षण या सामाजिक स्थिति को नहीं द्य

पेज 78

यीशु ने सेवा के द्वारा नसीहत किया हम अगले अध्याय में इसके बारे में विस्तार में बात करेंगे लेकिन हमें यहां पर यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि उसने शिष्यों से उसकी सेवा की जाने की उम्मीद नहीं की उसने उनकी सेवा की

(यहून्ना 13) उसका एक विनम्र सेवक रवैया था जो हमारे पास होना चाहिए अगर हम उसके जैसा होना चाहते हैंद्य

प्रारंभिक कलीसिया के परामर्शदातारू

प्रेरितों की किताब में परामर्श की अनेकों बातें हैं क्योंकि शिष्यों ने दूसरों को प्रशिक्षण देने में अपने स्वामी के उदाहरण का पालन किया

जैसे अगुबाईकर्ता की भूमिकाएं विकसित हुई यह कार्य नसीहतीरिश्तो पर आधारित था द्य   चतरस और यहुन्ना प्रारंभिक कलीसिया में अगुआ बन गए और उन्होंने सारी कलीसिया को नसीहत किया उन्होंने इस नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को बहुत सक्षम

नसीहतकर्ताओं के रूप में किया जब उनका कार्यभार बोझिल हो गया तब मदद के लिए डीकनर्स को चुना गया,ताकि अगुवे अपने मार्गदर्शक और नसीहतकर्ता के रूप में अपनी भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें द्य स्थानीय चर्च के सेवकों ने भी प्रशिक्षण की इस भूमिका का पालन किया उन लोगों को नसीहत करने में जिन की वह सेवा (देखभाल करते थे)

उन्होंने युवा विश्वासियों को अनुशाषितकिया और नए नए अगुवो को प्रशिक्षित किया नया नियम की प्रतियाँपौलुस की शिक्षाएं की उदाहरण है जिन्हें वह प्रशिक्षण और

सलाह दे रहा था तीमुथियुस और तीतुस को उसके पत्रों से स्पष्ट होता है कि पौलुस ऐसा कैसे कर सका प्रारंभिक चर्च में स्पष्ट और विशिष्ठ नसीहत के उदाहरण है परमेश्वर ने पतरस के साथ अपनी नासिहती प्रक्रिया में ,उसे कनिलियस के पास भेजा जो परमेश्वर के साथ अपना सम्बन्ध बनाने को ढूंढ रहा था पतरस ने उसका पालन किया और जवाब दिया सुसमाचार को एक ऐसा व्यक्ति के पास ले जाकर जो एक गैर यहूदी था,भले ही यह उसके लिए कुछ नया था वरनबास सलाह देने का एक उत्कृष्ठ उदाहरण था वह परमेश्वर के द्वारा चुना गया था कि वह शुरुआती वर्ष में पौलुस को अपने साये तले रखे

सलाम और विश्वास में पौलुस को सलाह मशवरा दे उसने मरकस को और शायद कई दूसरे लोगों को भी नसीहत किया,पौलुस शुरुआती कलीसिया में एक महान कलीसिय नियोजक बना और मरकस सुसमाचार को लिखने के अलाबा एक इमानदारी से सेवा करने वाला बना बरनबास ने पौलुस मरकस और कई और जिनका नाम दर्ज नहीं है के साथ आपने कामों के माध्यम से मसीही धर्म पर कितना बड़ा प्रभाव डाला स्वयं पौलुस ने कई अन्य लोगों को नसीहत किया मरकुस,ओबेसिमस,फिलेमोन,तिमिथियुस,तितस,और बहूत जिनके नाम दर्ज नहीं हैं स्थानिए कलीसिया के अगुवा तिमुथियुस उदाहरण के लिए,पौलुस के साथ कई बार यात्रा में गया और जो कुछ उसने सीखा था उसको इफिसियों में स्तिथ अपनी कलीसिया में लागू किया तितस भी कुछ समय पौलुस के साथ यात्रा मैं निकला तब खुद

पासबानी करने लगा यह सलाह देने की प्रक्रिया पौलुस की सेवकाई के सबसे पुरस्कृत और उत्साहजनक भागो में से एक रही होगी जिन्हें हम देख रहे हैं उन्हें देखकर दूसरों को नसीहत देना शुरू करना बहुत फायदेमंद है यह उसके जीवन के काम के बुनियादी सिद्धांतों में से एक था क्योंकि यह उसके मालिक का काम था (हम आपको इतना प्यार करते थे कि हम आप के साथ ना केवल परमेश्वर के सुसमाचार को बल्कि अपने जीवन को भी साँझा करते हुए प्रसन्न थे क्योंकि आप हमारे लिए इतने प्रिय हो गए थे) (थिसलोनिकयो 2रू8)

उस समय से लेकर आज तक सुसमाचार हमारे लिए आया है क्योंकि एक पीढ़ी ने अगली पीढ़ीको नसीहत किया है यही नमूना आज हमें भी पालन करना है प्रभु यीशु हमें पवित्र आत्मा और बाइबिल के माध्यम से मार्गदर्शन करता है हमें यह विशेषधिकार प्राप्त हैं

कि हम दूसरों को नसीहत और शिक्षित करने के लिए उसके द्वारा उपयोग किए जाएंधकिए जाते हैंध्जीवन में इससे बढ़कर कोई बदलाव नहीं हो सकती

एक अच्छी नसीहतकर्ता के लक्षणरू–

एक अच्छा संरक्षक बनने के लिए प्रतिबद्धता चाहिए इसका मतलब है कि आपको अपने जीवन को किसी के साथ सांझा करने के लिए तैयार होना चाहिए (थिसलोनिकियो 2रू8)

यह कठिन कार्य हो सकता है हमें इसे एक प्राथमिकता बनाना चाहिए और अन्य चीजों का त्याग करना चाहिए ताकि हम किसी अन्य पुरुष या पुरुषों के जीवन में निर्माण कर सके क्योंकि हम उन्हें सेवक के रूप में प्रशिक्षित करते हैं द्ययदि बे इसे प्राप्त नहीं करते तो हमें उनकी मदद तब तक करते रहना चाहिए जब तक वह ऐसा नहीं करते यह उस कौशल को संदर्भित करता है जिसकी उन्हें आवश्यकता है जैसे वह सीखते हैं और एकइश्वरिये चरित्र विकास करते हैं हमें उनके साथ उसी तरह काम करना चाहिए जिस तरह परमेश्वर हमारे साथ काम करते हैंद्य

अच्छा नसीहतकर्ताहोने के लिये इमानदारी आवश्यक है हमें अपनी कमियों के बारे ईमानदार होना चाहिए ना ही उनसे लगना चाहिए कि हम सही हैं और नाही उन को प्रभावित करना चाहिए हमारे पिछले संघर्ष या विफलताएं हो सकती हैं जिन्हें हमें उनके साथ सांझा नहीं करना चाहिए

दूसरों को नसीहत देने के लिए दृढ़ता का होना आवश्यक है यह छोड़ना आसान हो सकता है जब वे इतनी जल्दी नहीं बढ़ते जितना हम चाहते हैं या जब वे हमारे लिए अजीत काम का कारण बन जाते हैंद्य इसका मतलब हमें धैर्य से उनके साथ रहना चाहिए उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें अपनी गति

से बढ़ने देना चाहिएद्य इसका मतलब है उन्हें यह बताना कि उन्हें क्या करना है, उन्हें अपने कार्यों से दिखाना और फिर उन्हें उन के दम पर प्रयास करने देना चाहिए द्य जो एक रास्ते पर दूसरे के साथ चलता है उन्हें यह बताना चाहिए कि हम समझते हैं और उनके साथ जिनका अब वह कर रहे हैंद्य जब हमें उनके साथ प्यार में सत्य बोलने की जरूरत हो हमें इसमें भी ईमानदार होना चाहिए (इकिसियों 4रू15) द्य अगर उनके जीवन में पाप है तो हमें उसे खुले में लाना चाहिए और उससे निबटने के लिए उनकी मदद करनी चाहिए (गलतियों 6रू1) हमे उनको अपनी प्रतियों में शामिल करने की कोशिश नहीं करनी है जिनको हम नसीहत देते हैं क्योंकि हम में से प्रत्येक एक दूसरे से अलग है जो कुछ परमेश्वर ने उन्हें बनाया है उनको उसी में ही विकास करने में हमें उनकी मदद करनी चाहिए हमारे पास कुछ कौशल नहीं होंगे जो उनके पास है और उनके पास कुछ उपहार नहीं होंगे जो हमारे पास है वह जो है उन्हें होने दे उन्हें प्रोत्साहित करें कि जो परमेश्वर उन्हें चाहता है वह बने उनका निर्माण करने में अधिक से अधिक और अच्छे से अच्छा करें उन्हें प्रोत्साहित करें और उनका समर्थन करें उनके लिए एक आध्यात्मिक पिता की तरह बने,हो सकता है वह इस कदर बड़े कि अगुवाई करने में आप की तुलना में बड़ा स्थान पाएं बरन बास ने

पौलुस को नसीहत किया लेकिन जल्दी महसूस करने लगा कि पौलुस परमेश्वर के द्वारा अगुवाई करने के उपहार प्राप्त कर रहा है इसलिए बरनबास ने पौलुस को अगुआई करने के लिए छोडा और जैसे भी

हो सका उसका समर्थन किया द्य

जैसे हमने अध्याय 2 में देखा हमें आगे भी बढ़ते रहना चाहिए हमें उनसे सीखने के लिए तैयार होना चाहिए जिनके हम नसीहत दाता है क्योंकि परमेश्वर हमारी परिपक्वता के लिए उनको हमारी मदद के लिए उपयोग करता है वास्तव में हमारे पास कोई ऐसा जन होना चाहिए जिसे हम नसीहत करें हमें किसी परिपक्व विश्वासी की आवश्यकता है जो प्रशिक्षण देने में हमारी सहायता करें उदाहरण के लिए पौलुस ने तिमुथियुस और तितस को नसीहत किया उसको

बरनबास ने नसीहत किया था और मैं यकीन करता हूं कि उनका रिश्ता जीवन भर के लिए बना रहे पौलुस के पास भी एक ऐसा व्यक्ति था जो उसके स्तर पर था और जिसके साथ वह दोस्ती बना सकता था और वह थालूका हमें हमेशा

अपने से एक छोटा व्यक्ति चाहिए होता है जिसका हम निर्माण करें(पौलुस को तिमुथियुस) एक ऐसा जन जो विश्वास में परिपक्व हो और हमारे अंदर निर्माण कर सकें (बरनबास को पौलुस) और एक ऐसा व्यक्ति जो लगभग उसका हमउम्र थे जिसके साथ वह अपने जीवन और शिक्षा को साझा कर सकें (पौलुस और लूका) मूसा के पास जेथ्रो एक बुजुर्ग नसीहतदाता था यहोशुआ एक ऐसा व्यक्ति था जिसे मूसा नसीहत देता था और हारून ऐसा व्यक्ति जो उसका हम उम्र जिसमें वह समर्थन और सहभागिता पा सके क्या आपके पास यह तीनों हैं? तुम्हारे पास होने चाहिए इन संबंधों को विकसित करने के लिए अति उत्तम करें भले ही यह सेवकाई के अन्य हिस्सों का समय लें आपके लिए वह व्यक्ति और बासबान होना जैसा परमेश्वर चाहता है महत्वपूर्ण हैद्य

नसीहत देना बहुत फायदेमंद और संतोषजनक हो सकता है ससेवकाई के लिए मुझे पूर्ण को प्रशिक्षित करने व मदद करने की मेरी गहरी इच्छा होती है परमेश्वर ने मुझे इसके लिए बोझ दिया है आर ऐसा करने में समक्ष होने का उपहार दिया है यह मुझे बढ़ने में मदद करता है और मैं धन्य है जैसे मैं परमेश्वर को दूसरों के जीवन में काम करता देखता हूं यह आश्चर्यजनकध्अद्भुत परमेश्वर उन चीजों का दूसरों की सहायता करने में कैसे उपयोग करता है जो उसने मुझे वर्षा में सिखाया है शायद मुझसे जो गलतियां हुई है वह नहीं करते,मेरा शिक्षण और परामर्श के उपहार मिलकर काम करते हैं जब मैं किसी को जो सेवकाई करने की शिक्षा ले रहा हो उसको तैयारी करवाता हूं मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं जो कुछ उसने मुझे सिखाया है और इसे दूसरों को पारित करने के लिए जो विशेषधिकार दिया है भारत में सेवकों की सेवकाई करना मेरे लिए बहुत ही अद्भुत और आनंदमय है और मेरे लिए आशीष है मैं उस विशेषधिकार के परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं यीशु के प्रति उनकी वफादारी और प्रतिबद्धता से मैं बहुत प्रोत्साहित होता हूं मैं उनमें से प्रत्येक के साथ समय बिताने में सक्षम होने को देखता हूं जब मैं स्वर्ग जाऊं मैं परमेश्वर का इसलिए भी धन्यवाद करता हूं इस पुस्तक को लिखने के विशेषधिकार के लिए,जो सेवकाई में है उनकी मदद करने कोद्य

किस को नसीहत करना है उसका चुनाव रू जब आप किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हैं जो आपको लगता है कि वह एक अच्छा शिक्षक या अगुवा हो सकता है,तो उसके बारे में सब जानो उनको चुनौती दो कि परमेश्वर आपको अगुवाई के लिए बुला रहा है हो सकता है वह आपकी कलीसिया में एक सेवक, एक

सुसमाचार का प्रचारक,किसी अन्य चर्च का अगुवा हो सकता है सिर्फ परमेश्वर जानता है कि उसके पास उनके लिए क्या है मुझे अपने चर्च में या उनके चर्च में अगुवाई करने के लिए पुरुषों को प्रशिक्षित करने में आनंद मिलता है द्य

12 लोगों को चुनने से पहले यीशु से उन्हे अच्छी तरह जानाद्य उनकी प्रतिबद्धता सिद्ध हुई उन्होंने अपने काम धाम को 1 वर्ष यीशु के साथ यात्रा करने के लिए छोड़ दीया दिन–ब–दिन उनके साथ रहने से उन को अच्छी तरह जानने में उनको मदद मिली जिन लोगों को आप नसीहत करोगे उनके बारे में जानें सुनिश्चित करें कि उनकी प्रतिबद्धता ठोस है और वह बनी रहेगी,यदि वह

पूरे समय आपके साथ नहीं रह सकते तो जब वह समक्ष हों उनके साथ उनके साथ काम करें यह धीरे–धीरे निर्माण शुरू कर सकता है अगर उन्हें बुलाया जाता है और दिलचस्पी बढ़ती है तो रिश्ता बढ़ेगा धैर्य रखें परमेश्वर हमारे साथ बहुत धैर्यवान है

वह दोस्त कौन सेवकाई में जिसके साथ आप अपना बोझ और साथ ही साथ अपनी जीत सांझी कर सकते ?

आप का लूका कौन है?

यदि आप वर्तमान गति को जारी रखते हैं,तो क्या आप सेवकाई में सक्षम बने रहेंगे या क्या थक जाएंगे और एक विराम की जरूरत महसूस करेंगे?अगर आप इन नासिहती रिश्तो में समय बिताते हैं तो आपके पास अन्य कुछ कामों के लिए समय नहीं रहेगा वह कुछ अच्छे काम क्या है जिनको आप करना बंद कर सकते हैं ताकि वह सर्वश्रेष्ठ कामों के लिए वह समय का उपयोग कर सकें,जिन की उम्मीद परमेश्वर आपसे करता है? यदि आप सुनिश्चित वही हैं तो कुछ समय प्रार्थना में व्यतीत करें और परमेश्वर की सुनने को जैसा वह आपके समय की उपयोग के बारे में आपका मार्गदर्शन करता है आपको करने के लिए वह उससे ज्यादा नहीं देगा जितना आपको उसने समय दिया है,इसलिए आप उसकी सुनने वह आप से उम्मीद करता हैद्य

परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम उसकी भेड़ों की सेवा करें

इस अध्याय में प्रमुख विचाररू

परमेश्वर प्रत्येक सेवक से उम्मीद करता है कि वह उसकी भेड़ों की नम्रता से अगुवाई करेंद्य

एक दास या एक गुलाम होना कुछ ऐसा नहीं है जिसको ज्यादातर लोग पसंद करेंगे यदि आप किसी बच्चे से पूछते हैं कि वह बड़ा होकर क्या बनना चाहता है तो वह कई बातें आपको बता सकता है परंतु गुलाम होना या दास होना उस सूची में नहीं होगा एक कॉलेज छात्र से बात करें और उससे तुझे कि उसके जीवन के क्या लक्ष्य हैं और फिर देखो एक गुलाम होने उल्लेख कभी भी नहीं किया जाएगा द्यदूसरों के द्वारा हमारी सेवा किए जाना,इज्जत पाना और प्रतिष्ठा हासिल करना,सम्मानित होना और महत्वपूर्ण होना हमारे लिए स्वाभाविक हैद्य परंतु यह वह नहीं जो परमेश्वर के पास सेवकों के लिए है सेवक दूसरों द्वारा अच्छी नजरों से देखे जाते हैं और उनकी प्रशंसा होती है कुछ लोग हो सकता इस कारण सेवक बनना चाहते हो हालांकि परमेश्वर स्पष्ट रूप से कहता है कि अगर हम सेवकहोना चाहते हैं जैसे वह चाहता है तो हमें उसके दास और गुलाम होना है इसी की वह उम्मीद करता है यह आसान नहीं हैद्य

अब तक हमने इस किताब में देखा है कि परमेश्वर हमसे क्या चाहता है कि हम करें द्य वह चाहता है कि हम उसके दिए उपहारों का उपयोग करें, लगातार बढ़ते रहें उसके लोगों की अगुवाई करें व उनकी रक्षा करें और दूसरों को सेवक होने के लिए प्रशिक्षित करें द्य

इस अध्याय में हम इसके बारे में बात नहीं करेंगे कि वह हमसे क्या चाहता है परंतु जो बताई गई बातें हैं वह कैसे करें उसकी इच्छा के अनुसार हमें इन सब चीजों को एक विनम्र सेवक के व्यवहार में करना है

करू एक पादरी एक सेवक है

परमेश्वर ने सेवकों का वर्णन करने के लिए कई शब्दों का उपयोग किया है हमें पादरी कहा जाता है कोई ऐसा व्यक्ति जो परमेश्वर के लोगों की पासबानी करता है उनको खिलाता है और उनकी रक्षा करता है और गलाबानी करता हैद्य

हमें बुजुर्ग और निगेहबान कहा जाता है कोई ऐसा व्यक्ति जो लोगों की अगुवाई करता है और काम का प्रबंधन करता हैद्य

अब हम पादरी के लिए एक और परिचित शब्द देखेंगे – सेवक द्य यूनानी भाषा में शब्द डायकोनोस जिसका अनुवाद सेवक या दास होता है इस शब्द का बुनियादी मतलब उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो दूसरों की सेवा करता है यह उन लोगों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला शब्द है जो टेबल पर इंतजार करते हैं (वेटर) द्य पौलुस इस शब्द को पादरी का वर्णन करने के लिए उपयोग करता है (तिमुथियुस4रू6,2 तिमुथियुस 4रू5)

सेवक के लिये नये नियम की शब्दावली

यूनानी शब्द एपिस्कोपस परेशक्षी टेरोस पोइमेंन डयाकोनोस

लिम्पय्तरण अपिसकोपल परेसबितरी पाईमैन डीकन

अनुबाद विशेष दृनिगेहबान बुजुर्ग पादरी सेवक

शाब्दिक अर्थ अभी भावक कमान अधिकारी चरवाहा वेटर

मुख्य विचार काम काम काम व्यवहार

परिवार के मुखिया ,नीति बनाने वाला परिवार का पिता

गैर यहूदी

शिनागोग का प्रमुख अधिकारी ,व्यक्तिगत सम्मानित परिपक्व यहूदी भेड़ों को सिखाने वाला रक्षा करने वाला अगुबाई करने वाला चरवाहा दास परमेश्वर का गुलाम नम्र सेवक

जैसे देखा गया है दूसरे दूसरे परमेश्वर स्वयं

शास्त्रों द्वारा तीमुथियुस 3रू17

तीतुस 1रू7–9

पतरस 5रू1–4   पतरस 5रू1–4

तीमुथियुस 5रू1,17,19

तीतस 1रू5–6   इफिसियों 4रू11

पतरस 5रू1–4   तीमुथियुस 4रू6,2

तीमुथियुस 4रू5

पेज 82

तीमुथियुस 4:6–11 आयत में पौलुस ने तीमुथियुस को विस्तृत निर्देश दिए वह उसे बताता है की यीशु के एक अच्छे सेवक बनने के लिए उसे क्या करने

की आवश्यकता है वह तीमुथियुस को बताता है की वह सब झूटी शिक्षाओं को रद्द करें और अपने आपको परमेश्वर के वचन से पोषण करें आयत 71 वह उसे आत्म अनुशासन और

आत्म–साक्षात्कार के महत्व को याद दिलाता है ताकि वह परमेश्वर और दूसरों की सेवा प्रभावी रूप से कर सकें (आयत न. 7–8 ,1 कुरिन्थियों 9रू27) पौलुस तीमुथियुस को परमेश्वर का वचन सिखाने की आज्ञा देता है (आयत न.रू11,13) द्य यह विनम्र ढंग से एक सेवक के रवैये में किये जाने चाहिए द्य हम अपने लोगों की अगुवाई इस तरह नहीं कर सकते कि जैसे हम उनके ऊपर थे जो उन्हें बता रहे थे कि क्या करना लेकिन साथी शिक्षार्थियों और परमेश्वर के सेवकों के रूप मेंद्य यह न केवल हमारे शब्दों के द्वारा बल्कि हमारे कामों के द्वारा भी किया जाता है (आयत 12) पौलुस तीमुथियुस को याद दिलाता है कि वह अपने आत्मिक उपहारों का उपयोग दूसरों की सेवा करने के लिए करें (आयत 14) क्योंकि इसी के लिए परमेश्वर हमें यह उपहार देता है द्य पौलुस तीमुथियुस को कड़ी मेहनत और ईमानदारी से इन क्षेत्रों में काम करने की चुनौती देते हुए यह निष्कर्ष देता है कि वह इसे छोड़े नहीं परंतु ऐसा करने में पूरी तरह प्रतिबद्ध बना रहे (आयत 15–16) पौलुस कहता है की यही है जो एक सेवक है और करता है।

पादरी सेवा के द्वारा अगुवाई करता है जब कुछ लोग एक अगुवा होने के बारे में सोचते हैं तो उन्हें लगता है कि इसका मतलब यह है कि दूसरों को वही करना चाहिए जो वह उन्हें करने के लिए कहते हैं। यह वह तरीका नहीं है जिस से सेवकों को अगुवाई करनी है यह वह तरीका नहीं है जिस से यीशु ने अगुवाई की उसने अपने शिष्यों की अगुवाई उनकी सेवा करने के द्वारा की वह खुद को अच्छा चरवाहा कहता है (यहुन्ना 10: 11–13) एक चरवाहा अपनी भेड़ों की सेवा करता है। वहां वह उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए है न कि उनसे अपनी जरूरतें पूरा करवाने के लिए वह वही करता है जो भेड़ों के लिए सही और सर्वोत्तम है वह सब कुछ जो करता है भेड़ को स्वस्थ,सुरक्षित और विकसित रखने के लिए करता है द्य यही तरीका है जिस से यीशु हमारी सेवा करता है और पादरियों के रूप में हम भेड़ों की कैसे सेवा करते हैं जो उसने हमारी देखभाल में दी है।

कौशल् या प्रशिक्षण से भी अधिक एक चरवाहे को अपनी भीड़ के लिए प्यार की आवश्यकता है उसको उनके बारे में सब कुछ पता होना चाहिए और उनको नाम से जानना चाहिए उसको उनकी जरूरतों के बारे में उनसे ज्यादा पता होना चाहिए अगर वह उनकी सेवा प्यार से नहीं करने वाला तो वह अच्छा चरवाहा नहीं हो सकता वास्तव में यीशु ने कहा कि अगर ऐसा है तो वह भेड़ियों के आने पर उनको असुरक्षित छोड़ कर भाग जाएगा (यहुना 10:12) एक अच्छे चरवाहे को अपने से पहले अपनी भेड़ों की भलाई की चिंता होनी चाहिए जैसे यीश ने क्रूस पर जाने के द्वारा हमारे लिए किया।

अगर कोई चरवाहा अपनी भेड़ों का उपयोग महत्वपूर्ण और सफल महसूस करने के लिए करता है तो वह उन्हें पहल नहीं देता हमें उनकी सेवा करनी चाहिए अपने गर्व और अहंकार के लिए उपयोग नहीं करना चाहिए भेडें हमेशा अपने चरवाहे का पालन नहीं करती वह विद्रोह करेंगे,आलोचना करेंगे जो उन्हें करना चाहिए वह करने में असफल होंगे और अतिरिक्त काम और परेशानी का कारण बन सकते हैं वह भटके और अपनी मनमर्जी करेंगे वह हमें कुछ संतुष्टि और खुशी दे सकते हैं लेकिन केवल परमेश्वर जो भेड़ों का मालिक है हमें शांति और अर्थ दे सकता है जिसकी हमें अंदर गहराई से जरुरत हैद्य जब हम उसकी भेड़ों की सेवा करते हैं तो यह वास्तव में परमेश्वर होता है और वह हमें बहुत आशीष और पुरस्कार देता है यह करने के लिए।

यीशु के पास कुछ स्पष्ट शब्द थे कि उसकी भेड़ों का अगुवा होने का क्या अर्थ है द्य जो तुम्हारे बीच महान होना चाहता है वह तुम्हारा दास बने और जो पहला बनना चाहता है वह तुम्हारा गुलाम बने ठीक उसी तरह जैसे मनुछ का पुत्र सेवा कराने के लिए नहीं बल्कि सेवा करने आया है और बहुतों के लिए फिरौती के रूप में अपना जीवन देने के लिए आया है (मति 20:26—28,मरकस 10:43—44) सेवक शब्द यहां पर वह है जिसे हम डीकन या दास के रूप में देख रहे

हैं कोई ऐसा जो मेज पर उडीक रहा हो (वेटर) यही यीशु हम से उम्मीद करता है।

फिर वह दोहराता है जो वह कहता है और अधिक कठोर शब्द का उपयोग करता है शब्द जो गुलाम (बंदुआ) के लिए है (यूनानी शब्द डूलोस) एक दास का कुछ समय अपना हो सकता है कुछ निजी संपत्ति और कुछ आजादी परंतु एक गुलाम के पास उसका अपना ना तो समय ना कोई धन दौलत कुछ भी ऐसा नहीं जिसको उसका निजी भाग माना जाए।

सब कुछ स्वामी का है और स्वामी के लिए किया जाता हैद्य यीशु ने जो कहा उसका यही मतलब है कि वह उसकी भेड़ों की चरवाही करें द्य

नौकर का यह रूप हमारे दिमाग में शुरू होता है यह सब कुछ वह नहीं जो हम करते हैं बल्कि जो हमारे दिमाग में एक दृष्टिकोण है यह परमेश्वर और उसके लोगों की सेवा करने की इच्छा है सेवा करने के लिए आया ना की सेवा करवाने के लिए,और हम जो उसकी तरह बनना चाहते हैं, हमें सेवकाई को उसी तरह से देखना चाहिए जैसे उसने देखा (फिलिपियो 26रू5–11) द्य जब याकूब और यहुना की माँ ने उनके लिए यीशु के राज्य में उच्च स्थानों की चाहत की तो यीशु ने उनसे कहा कि हमसेवा करने से महान होते हैं सेवा करवाने से नहीं (मत्ती 20रू26–28,मरकस 10रू43–44)

सेवक स्थिति एक दृष्टिकोण है सेवकाई को देखने का हमारा अंदाज यह इन बातों पर लागू होता है कि हम उन कामों को कैसे करते हैं जिनकी परमेश्वर हम से उम्मीद करता है द्य

सब कुछ एक नौकर जैसे दिल से किया जाना चाहिए,याद रखते हुए कि हम यीशु मसीह के गुलाम हैं और पूरी तरह से उनके हैं द्य वह हमारा किसी चीज का करजाई नहीं है द्य हम कुछ भी प्राप्त करने के हकदार नहीं हैद्य हमें उसकी भेड़ों की सेवा करके उसकी सेवा करते हैंद्य मदर टेरेसा के बारे में सोचिए जिसने अपना जीवन कोलकाता में पीड़ित लोगों की सेवा करने में बलिदान कर दिया द्य 1 माँ के बलिदान के बारे में सोचे जो अपने बच्चों की देखभाल में करती है द्य एक चरवाहे के बारे में सोचें जो अपनी भेड़ों की रक्षा के लिए भालू या भेड़ियों से लड़ जाता हैद्य यीशु के बारे में सोचें जो मेरे और आपके लिए (सलीब) क्रूस पर चढ़ गया द्य यही है जिस तरह से सेवा स्थिति नजर आती है (कुरिन्थिओ 4रू1)

एक नौकर को पहल नहीं लेनी चाहिए क्योंकि यह उसकी नहीं बनती,उसे सम्मानित, मान्यता, प्रशंसा और पुरस्कृत करने की आवश्यकता नहीं हैद्य वह लोकप्रियता या उच्च स्थिति की तलाश नहीं करता यीशु ने जो उसके लिए

किया है उसकी खातिर वह परमेश्वर की भेड़ों की बड़े प्यार से परवाह करता हैद्यएक पादरी सेवा करने के द्वारा अगुवाई करता है जैसे यीशु

गरू

एक अच्छा अगुवा एक सेवक अगुवा है यदि आप परमेश्वर के लोगों के प्रभावी अगुवा बनना चाहते हैं तो आप को प्यार से सेवा करनी चाहिए यहां कुछ सिद्धांत दिए गए हैं जिनसे मुझे एक बेहतर सेवक अगुवा बनने में मदद मिली है द्य मैं यह दावा नहीं करता की मुझे जैसा सेवक होना चाहिए था मैं वैसा बन गया हूं लेकिन परमेश्वर के अनुग्रह से जो मैं कुछ साल पहले था उसकी तुलना में अधिक सेवक बन गया हूंद्य

आप केवल उस स्तर तक अगुवाई कर सकते हो यहां तक आप सेवा करने के लिए तैयार हो इच्छुकद्य

जब संयुक्त राज्य अमेरिका की सेवा के लिए अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाता है जो सबसे पहले उन्हें यहाँ सिखाया जाता है हर हुकुम को मानना उनके पास कोई अधिकार या विशेषाधिकार नहीं है जो वह कर सकते हैं बजाय इसके कि जो शिक्षण अधिकार उन्हें बताता है यह बहुत कठिन और मुश्किल काम है परंतु आज्ञा मानना सीख कर वह ऐसे पुरुष बन जाते हैं जो बेहतर अगुवाई कर सकते हैं और आदेश दे सकते हैं यदि आप दूसरों की सेवा करने के लिए तैयार नहीं है तो आप एक अच्छा पादरी बनने में सक्षम नहीं होंगे जो दूसरों की अगुवाई करता है जितनी अधिक आप सेवा करते हैं उतना अधिक आप बढ़ जाते हैं जैसे दुनिया चीजों को देखती है यह उससे विपरीत है दुनिया कहती है जितने ज्यादा लोग आपकी सेवा करने के लिए होंगे उतने ही बड़े आप होंगे परंतु परमेश्वर इसके विपरीत रहता है यीशु ने कहा वह जो तुम में बड़ा होना चाहता है सबका दास बने (मरकुसब 25) यीशु मसीह ने खुद अपने शिष्यों के पैर धोए उस रात सलीब पर जाने से पहले(यहुन्ना 13) एक सेवक बनना हमें यीशु के समान बनाता है जितना हम उसकी समानता में बढ़ते हैं उतने ही बड़े हम उन बातों में हो जाते हैं जो वास्तव में मायने रखती हैद्य

एक अगुवा जानता है कि वह अपने आप में अपर्याप्त हैं यदि आपको लगता है कि आप अपने दम पर एक पादरी होने का अच्छा काम कर सकते हैं अगर आपको लगता है कि परमेश्वर का यह बहुत बड़ा सहभागिता है कि आप उसकी मदद कर रहे हैं तो आप एक धर्मी अगुवा के रूप में असफल होंगेद्य आप एक अच्छा व्यवसाय या राजनेता बन सकते हैं लेकिन आप उस तरह के पादरी नहीं होंगे जिस तरह की पादरी परमेश्वर चाहता है और जिस तरह के पादरियों की उसे आवश्यकता हैद्य यदि आपको लगता है कि परमेश्वर के लोगों की अगुवाई करना कुछ ऐसा है जो करने में आप सक्षम या योग्य नहीं है यदि आप जानते हैं कि उसकी मदद के बिना आप से गड़बड़ हो जाएगी आप ढंग से काम नहीं कर पाएंगे तो आप एक ऐसे अगवा हैं जिसका उपयोग कर सकता है द्य

हमें महसूस करना चाहिए कि यीशु के अलावा हम कुछ नहीं कर सकते(यहुन्ना 15रू5)

परिपक्वता उम्र के साथ नहीं आती बल्कि जिम्मेदार स्वीकार करने के साथ होती है सिर्फ उम्र बढ़ जाने से हम अधिक धर्मी या बेहतर पादरी नहीं बन जाते मैं 40 साल के अधिक समय से बासबानी कर रहा हूं और मैं तभी बड़ा हुआ हूं जब मैंने परमेश्वर की इच्छा अनुसार जीने को खोजा और उससे मांगा कि वह मुझे सिखाये और मुझे ढाले द्य यह तभी होता है जब हम उसकी राहों पर चलते हैं और उसकी सेवा करते हैं तो हम बढ़ते हैंद्य वह बीते हुए वर्ष हमारी कुछ मदद नहीं करेंगे,अगर हमने उनको विनम्रता में परमेश्वर और उसके लोगों की सेवा करने में नहीं बिताए हैं तोद्य

प्रत्येक अगुवा को अपने विश्वास और परमेश्वर के साथ अपने रिश्तो में विकास करते रहना चाहिए हम कभी अगुआ के रूप में नहीं पहुंचते द्य हम हमेशा प्रक्रिया में हैंद्य हमेशा सीखने के लिए बहुत कुछ होता है जैसे हमने अध्याय में देखा हम हमेशा बढ़ते रहेंगे द्य उस समय की तलाश में ना रहे जब एक पादरी या अगुवा के रूप में आप विकसित हो चुके होंगे और अपनी शिक्षा पूरी कर ली होगी द्य वह कभी नहीं होगा द्य जब तक आप जीवित रहेंगे परमेश्वर के लोगों की अगुवाई करना एक चुनौती होगा द्य परमेश्वर आपको प्रचार करने और आपके विश्वास को बढ़ने के लिये सेवकाई का उपयोग करेगा द्य

परमेश्वर के लोगों की सेवा करने का यह मतलब नहीं है कि वह सब कुछ करें जिसकी वह उम्मीद करते हैं कुछ पादरी सोचते हैं कि उन्हें वही करना चाहिए जो लोग चाहते हैं ताकि लोग उन्हें पसंद करें और उनके चर्च में आएंद्य मैंने अपने जीवन में इससे संघर्ष किया और अभी भी यह कठिन है मेरे पास किसी जन का होना जो मेरी आलोचना करे द्य लेकिन मुझे पता है कि परमेश्वर है जिसकी सेवा मैं सबसे पहले करता हूं द्य अगर मैं सब कुछ करता हूं ताकि लोग मुझसे खुश रहे तो मैं परमेश्वर की नहीं अपनी सेवा कर रहा हूं मैं उन लोगों की भी सेवा नहीं कर रहा हूं मैं नहीं जो उनके लिए अच्छा है वह कर रहा हूं द्य मैं

सिर्फ वही कर रहा हूं जो मेरे लिए सबसे अच्छा और आसान है अपने लोगों की सेवा करने का मतलब है मैं वह करूं जो यीशु करता था जो दीर्घकाल में उनके लिए सबसे अच्छा है द्य

अगर आपके बच्चे हैं तो आप समझ सकते हैं कि मेरा क्या मतलब है द्य माता पिता अपने बच्चों की सभी बातें नहीं मानते वह वही करते हैं जो बच्चों के लिए सबसे अच्छा होता है अगर बच्चा समझता है और सहमत है या नहीं इस तरह से हम अपने बच्चों की सेवा करते हैं और यह भी कि हम अपने लोगों की सेवा कैसे करें कभी—कभी हम जो कुछ अपने लोगों की मदद करने के लिए करते हैं वह वास्तव में उनकी मदद नहीं करता,वह सिर्फ लोगों को हम पर अधिक निर्भर होना बना देता है उनके लिए अधिक करके हम उनको विकास होने को रोक सकते हैं किसी भी समय जब हम अपने बच्चों के लिए कुछ ऐसा करते हैं जो खुद कर सकते हैं तो हम उन्हें हम पर निर्भर करते हैं यह हमारी कलीसिया में लोगों के साथ भी सच है एक दिन हमने परमेश्वर के सामने खड़ा होना है औरइसका हिसाब देना है कि हमने बच्चों की परवरिश कैसे की हैं उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि वह सदा हमारे साथ खुश हैद्य

पादरियों के रूप में हमें परमेश्वर के सामने खड़े होना है कि हम ने अपने लोगों की अगुवाई कैसे की है इसका हिसाब किताब देने के लिए(इबातिओं 13रू17) द्य मैं परमेश्वर के सामने खड़ा होकर यह नहीं चाहता कि वह मुझे पूंछे की मैंने क्यों अपने चर्च के लोगों को मेरा समय उन कामों के लिए लेने दिया जिन कामों को वह खुद अपने समय में कर सकते थे मेरा एकमात्र स्पष्टीकरण यह होगा कि मैंने ऐसा इसलिए किया कि मैं यह चाहता था कि वह मुझे पसंद करें मैं जानता हूं कि मैं यह परमेश्वर से नहीं कहूंगा यह कोई बहाना नहीं है जो कुछलोगों के लिए करना उचित है वह ना करने का भले ही वह उस समय सहमत ना हो द्य यह वास्तव में परमेश्वर है जिसकी में सेवा कर रहा हूं क्योंकि वे उसकी भेडें हैं उसके बच्चे हैं जो मुझे कर्ज पर दिए गए हैं परमेश्वर के लोगों की सेवा करने का यह मतलब नहीं कि जो कुछ वह हमसे उम्मीद करते हैं वह सब करें इसका मतलब है कि हम सब कुछ वह करते हैं जिसकी परमेश्वर उम्मीद करता है

सच्चे अगुवापन में विनम्रता की आवश्यकता होती है द्य अभिमान विनाश से पहले और घ्रणित भावना पतन से पहले हैं (नितिवचन 16रू18) एक अच्छा

सेवक होने के लिए नम्रता एक महत्वपूर्ण घटक है यह इतना महत्वपूर्ण सिद्धांत है कि मैं इसे अधिक समय देना चाहता हूं

एक पादरी को नम्र होना आवश्यक है जब पौलुस पादरी के लिए योग्यताओं को सूचीबद्ध करता है तो आवश्यकताओं में से एक यह है कि वह एक नया विश्वासीध्आस्तिक नहीं है इस लिए कि वह गर्व के साथ मोह में ना पड़े जैसे शैतानध्लूसीकर (तिमुथियुस3रू6)था द्य अभिमान सभी मसीहीयों के लिए लेकिन विशेष रूप से पादरियों के लिए बहुत ही सूक्ष्म खतरा है द्य किसी और में अभिमान को पहचानना आसान है लेकिन खुद में देखना असंभव है जब तक परमेश्वर की आत्मा हमें इसके लिए दोषी न ठहरा दे द्य

कभी कभी किसी चीज को समझने के लिए सबसे अच्छा तरीका है इसके विपरीत देखना,अभिमान के बजाय परमेश्वर चाहता है कि विनम्रता का रवैया अपनाया जाए जो चीजें उसने की है उनका श्रेय न लिया जाये वह चाहता है कि हम दूसरों की जरूरतों पर ध्यान दें ना कि केवल अपनी जरूरतों पर स्वार्थी और स्वयं केंद्रित होना पाप है क्या आप अपने बारे,परमेश्वर बारे और उनकी लोग जरूरतों के बारे में अधिक सोचते हैं ?क्या आप अपने व्यक्तिगत हितों या परमेश्वर और दूसरों के हितों के प्रति अधिक चौकस हैं?क्या आप परमेश्वर को प्रसन्न करने में या अपने आप को प्रसन्न करने में अधिक रुचि रखते हैं ?क्या आप अपनी प्रार्थना उसकी बेहतर सेवा करने के लिए केंद्रित करते हैं या जो आप चाहते हैं कि वह आपकी मदद के तौर पर करें?

ड

नम्रता सीखना आसान नहीं है मुझे परमेश्वर की जरूरत नहीं उसे मेरी जरूरत हैरू

जब मैंने सेवकाई शुरू की तो में परमेश्वर के लिए अपने उपहारों और प्रतिभाओं का उपयोग करने के अवसर पर बहुत उत्साहित था बहुत कुछ था जो मैं पूरा करना चाहता था मैं परमेश्वर से महान चीजों की उम्मीद कर रहा था और परमेश्वर के लिए महान काम कर रहा था मुझे पता था कि मुझे इन इच्छाओं को पूरा करने के लिए उसकी सहायता की आवश्यकता है और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं था कि परमेश्वर की सहायता से वे होंगे द्य

हालांकि मैं जितना बूढ़ा होता हूं इतना स्पष्ट देखता हूं कि मेरे पास अपील करने के लिए कुछ भी नहीं है यह कोई सहयोग भावना से किया गया कोई सामूहिक ऑपरेशन नहीं है यह सब उसका अनुग्रह उसकी करुणा है द्य मुझे लगता है कि एक छोटा लड़का ऐसे सोचता है कि जब उसके पिता उसके पीछे खड़े होकर उसको अपनी बाहों में लपेटे हुए उस बैसबैट को पकड़ते हैं जो गेंद से संपर्क बना रहा हो तो एक मील तक मार सकता है द्य बिना मेरे स्वर्गीय पिता की बाहों में लिपटे हुए मैं इसे हर बार हर मील तक मात नहीं दे सकता

हूँ द्य हर बार एक समय मैं चीजों को अपने तरीके से करने पर जोर देता हूं परमेश्वर मुझे देखने की अनुमति देता है कि मैं अपनी इच्छा के अनुसार उत्पाद करने में कितना असमर्थि हूँ द्य

सच में यह मेरे बारे में नहीं यह सब उसके बारे में है जैसा कि मैं धीरे–धीरे लेकिन निश्चित रूप से आत्मिकता में परिपक्व होता हूं मुझे लगता है कि परमेश्वर बड़ा और बड़ा होता जाता है मैं तुलना में छोटा और छोटा होता जाता हूं और यह एक बुरा एहसास नहीं है यहां पर कुछ आजाद किए जाने के बारे में है किसी चीज को जाने दो और परमेश्वर को करने दो जब मैं सेवकाई में बहुत कुछ पूरा कर सकता हूं तो परमेश्वर मेरे कुछ कामों में उसके लिए अच्छी तरह से करने में दिलचस्पी रखता है जब मुझे लगता है कि मेरे पास पेश करने के लिए कुछ भी नहीं लेकिन एक बुरा उदाहरण वह मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कुछ करता हैद्य

एक वास्तविक शांति है जो तब आती है जब हम परमेश्वर को परमेश्वर होने देने के साथ–साथ इसे पहचानने से कि उसको यहां पर अपना राज्य चलाने के लिए मेरी जरूरत नहीं है विनम्रता पूर्वक इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि मैं उसके बगैर कुछ भी नहीं कर सकता हूं जब यह शब्दों से अधिक मेरे जीवन में वास्तविकता बनता है तो मैं उसको अधिक सुनना शुरू करता हूं द्य मैं उसे यह कहने में कि जो कुछ मैं कर रहा हूं उसमें मेरी मदद कर कम समय बिताता हूं और ज्यादा समय इस में बताता हूं कि कि तू मुझे बता कि तू क्या चाहता है मैं करूं द्य मुझे अपनी कुछ विशाल योजनाएं राह के किनारे खंडरों में पड़ी दिख रही है ,परंतु मुझे लगता है कि उसने मुझे कई जीवनों को छूने के लिए भिन्न भिन्न समय पर और राहों में जिनकी मुझे उम्मीद नहीं थी मेरा उपयोग किया है मैं सीख रहा हूं कि लोग कार्यक्रम से पहल में आते हैं मैं यहां अपने लोगों की सेवा करने के लिए हूं वह यहां मेरे कार्यक्रम की सेवा करने के लिए नहीं है मुझे अधिक शांति और अधिक धैर्य मिला है क्योंकि मैं जानता हूं कि अगर मैं उसकी इच्छा में हूं तो वह जो कुछ भी हो और जब कभी भी वह चाहता हूं उसकी इच्छा के अनुसार नतीजे देगा परमेश्वर सफलता को गिनती द्वारा नहीं (लोग, डॉलर, धन दौलत आदि) बल्कि वफादारी के द्वारा मापता है इसलिए मैं अधिक से अधिक समय यह सुनिश्चित करने में बिताता हूं कि मैं वही कर रहा हूं जो वह चाहता है और कम से कम मुझे जो चाहिए उसे पाने की कोशिश कर रहा हैद्य

मुझे यकीन है कि आप पहले से ही सीख रहे हैं और जो मैंने कहा है उसे जोड़ सकते हैं यह महत्वपूर्ण है कि आप इसे अपने दिमाग में रखें– – कि परमेश्वर को हम में से किसी की जरूरत नहीं है परंतु हम में से प्रत्येक को उसकी जरूरत है (गलतियों 2रू20 रोमियो 12रू1–2)

नम्रता प्राकृतिक नहीं आतीरू जीवन की सबसे बड़ी लड़ाइयों में से एक है मेरी अभिमान के साथ लड़ाई,अभिमान एक बहुत ही शातिर बात हो सकती है पर ये बेहद खतरनाक है जब में सोचता हूँ कि मैंने इसे एक क्षेत्र में मात दी तो यह दूसरे में उठ खड़ा होता है केवल इतना ही नहीं बल्कि अपने जीवन में मेरे लिए इसे पहचानना बहुत कठिन है मैं इसे दूसरों में आसानी से देख सकता हूं लेकिन अपने जीवन में मैं इसके प्रति लगभग अंधा हूं द्य

मुझे बताया जाता है कि मुझे अपने आप के बारे में अच्छा महसूस करने की जरूरत है जो मैं मानता हूं उसमें विश्वास रखने को और जो मैं हूं और जो कुछ मैंने पूरा किया है उस का आनंद लेने को ऐसा करते समय मुझे बहुत सावधान रहना होगा कि कहीं मैं अभिमान में ना फिसल जाऊं फिर भी अगर मैं विपरीत चरम पर जाऊं और हर समय अपने आप को नीचे रखूं तो यह अभी भी अभिमान है यह आत्म केन्द्रित्ता और स्वयं अत्यधिक ध्यान देना है वास्तव में यह कहने में कोई अंतर नहीं है कि मैं दूसरों से बेहतर हूं या कि मैं दूसरों की तुलना में बुरा हूं,ध्यान तो अभी भी मुझ पर है जैसे आप बता सकते हैं मेरे पास निश्चित रूप से अभी तक इन पर कोई सबक नहीं है फुटबॉल में एक टीम स्थापित करना शुरू कर देगी जो उन्हें लगता है कि क्या बहुत अंक जुटाने वाला खेल हो सकता है वास्तविक खेल शुरू होने से काफी समय पहले वह छोटी चीजें करते हैं जो रक्षा को प्रभावित करेंगी ताकि जब वे विशेष खेल खेलें तो उनको इसे सफल बनाने के लिए अधिकतम लाभमिलेद्य मुझे ऐसा लगता है कि शैतान मेरे साथ भी,ऐसा ही करता है,कहता कुछ हूँ होता कुछ और है इससे पहले की मैं जानू कि यह अभिमान है जिसने मुझ पर फिर हमला किया हैद्य

सबसे अच्छा मैं यह कर सकता हूं कि मैं परमेश्वर से मेरे जीवन में मुझे अभिमान दिखाने के लिए विनती करूं ताकि मैं इसके लिए पश्चाताप स्वीकार करूं और इससे वापस आ सकूं मैं वास्तव में अभिमान में काम नहीं करना चाहता लेकिन मैं अपने शुरुआती दौर में इससे अनजान भी हूं मुझे रोज परमेश्वर से विनती करनी चाहिए कि वह मुझे इस से बचाएं मुझे इसे दिखाएं और इससे बचे रहने में मदद करें,मैंने सीखा है उस नुकसान के लिए जो यह कर सकता है मैं एक स्वस्थ सम्मान रखूं औरउन धोखेबाज तरीकों के प्रति जिनसे यह स्वयं प्रकट हो सकता है यह मतलब नहीं है कि अगर यह मुझे चोट मारता है परंतु यह कि यह कब चोट मारता है,पर यह तो तय है कि यह चोट मारेगा जरूरद्य

मेरी पत्नी मेरे लिए बहुत बड़ी मदद है मुझे मेरा अभिमान दिखाने के लिए इससे पहले कि मैं खुद इसे पहचानू हमेशा इस चाहत में रहना कि मैं सही हूं रचनात्मक आलोचना के खिलाफ प्रतिक्रिया करते हुए छोटी आलोचनात्मक बातें जो मैं दूसरों के बारे में कहता हूं अन्य सेविकाओं के प्रति दृष्टिकोण जो मेरे मुकाबले और मेरी तुलना में अलग करते हैं यह और अन्य सूक्ष्म तरीके हैं जो मेरे देखने से पहले वह देख लेती है कि यह अभिमानी हैद्यअसफलता की तरह महसूस करना बिना अपनी असफलताओं को स्वीकार करना मेरे लिए कठिन है अपने आप को प्यार करना और दूसरों से प्यार चाहना जब मैं गलत हूं यह आसान नहीं है यह सब अभिमान से आता हैद्य

अभिमान सभी पाप की जड़ है आत्म केन्द्रित्ता परमेश्वर केन्द्रित्ता और अन्य केन्द्रित्ता के विपरीत हैद्य यह हमारे शारीरिक जीवन का इतना बड़ा हिस्सा है कि जब तक हम इस देह में रहते हैं तब तक हमें इससे निपटते रहना होगा द्य परमेश्वर का धन्यवाद हो कि वह हमारे साथ दया और धैर्य से हमारे साथ बना रहता है (नीतिवचन 11रू1,16रू18 दानिय्येल 4रू37)

जितना अधिक मैं बढता हूं उतना ही दूर में होता हूंरू कुछ साल पहले मैंने भारत में सेवकाओं की सहायता करने के लिए हिंदी सीखने लगा द्य मैंने सोचा कि अगर मैं वर्णमाला कुछ सरल वाक्य संरचना और थोड़े शब्द सीख सकूँ तो ठीक रहेगा नहीं तो मैंने इससे कहीं अधिक सीखा है पर मुझे यहां होना चाहिए उससे काफी आगे हूँ मुझे ऐसा लगता है जितना अधिक मैं सीखता हूं उतना ही मुझे महसूस होता है कि मुझे और सीखना चाहिएद्य

जब मैं आत्मिक रूप से विकसित हो गया हूं मेरी जागरूकता के परमेश्वर कौन हैं और क्या है वास्तव में परिपक्व हो गई हैद्य बजाय इसके कि मैं यही महसूस करूँ कि मैं मसीह समानता के लक्ष्य के करीब हूं मुझे लगता है कि मैं उतना ही दूर हूंद्य मैं अपने जीवन में अधिक से अधिक ऐसे क्षेत्र देखता हूं जो उसकी पूर्णता तक नहीं मापे जा सकते द्य जब मैं एक कमजोरी के क्षेत्र में जीत हासिल करता हूं तब मुझे पांच और जगह दिखाई देती हैं यहां काम करने की जरूरत हैद्य जितना अधिक मैं पढ़ता हूं मैं उतना ही सचेत होता हूं कि मुझे बढ़ने की कितनी आवश्यकता हैद्य जितना महान परमेश्वर मेरे मन और हृदय में बनता है उतना ही बड़ा अंतर उसके और मेरे बीच में बढ़ता हैद्य

मेरे लिए यह जानना उत्साहजनक है की पौलुस ने इसका अनुभव किया अपनी सेवकाई के शुरुआत में लिखा कि वह सभी प्रेरितों में सबसे कम था (कुरिन्थिओ 15रू9) द्यबाद में उसने कहा यह सभी विश्वासिओं में सबसे कम है (इफिसियों 3रू8) अंत में उसने पहचाना कि वे सभी पापियों में सबसे बुरा है (तिमुथियुस 1रू15) यही तरीका है जिससे वह काम करता हैरू जितना अधिक हम बढ़ते हैं उतना ही बढ़ने की आवश्यकता का हमें पता चलता हैद्य

उदाहरण के लिए मैं बच्चों को पालने की सलाह देने में अच्छा था मेरे पास सभी उत्तर थे बस पूंछो और में आपको बताता हूं कि क्या करना है तब मेरे अपने बच्चे हुए तो जल्द ही मुझे एहसास हुआ कि जितना मैं सोचता था कि मुझे पता है मैं लगभग उसके करीब भी नहीं हूं विकास और अनुभव ने मुझे आत्मिक रूप में यही बात का एहसास करने में मदद की हैद्य मुझे सभी उत्तर पता नहीं है जैसे जैसे समय आगे बढ़ता है मुझे लगता है कि मेरे पास कम से कम हैद्य परंतु मैं जानता हूं कि परमेश्वर के पास वह सब है मैं उन सभी के माध्यम से उस पर भरोसा करने में सक्षम हूंद्य

मैं अपने जीवन के शेष वर्षा का इंतजार कर रहा हूं यह जानते हुए कि परमेश्वर मेरे अंदर काम करना जारी रखेगा मैं उन सभी कामों के बावजूद जिन्हें किए जाने की आवश्यकता है मैं अपने गुजरे वर्ष में देखता हूं यहां उसने मुझे बदल दिया मुझे पता है कि वह ऐसा करता रहेगा मेरे जीवन में हमेशा ऐसे क्षेत्र होंगे जिनपे काम करना जरूरी होगा कुछ को बहुत अधिक काम की आवश्यकता है जबकि अन्य ने वर्षा में प्रगति की है यह एक मूर्तिकार की तरह एक मॉडल पर नक्काशी है सबसे पहले वह पत्थर के बड़े टुकड़ों को हटाता है जो उत्पाद की अंतिम स्थिति का हिस्सा नहीं है और फिर रंदा करता है और अंत में पॉलिश करना शुरू कर देता है इसके बाद वह दूसरे भाग में जाता है और हथौड़े और छेनी से फिर से शुरू होता है क्या आप उसको अपने जीवन में ऐसे काम करता हुआ देख सकते हैं?

वह हमारे जीवन में कुछ भी निकालता है जो यीशु की तरह नहीं है क्योंकि वह हमें अपनी छवि में बनाना चाहता है आप इसके बारे में सोचें और आप उसका

काम देखेंगे वह सर्वोच्च मूर्तिकार है और आपको अपने बेटे की छवि में बनाने के लिए प्रतिबद्ध है कभी–कभी धीमा और दर्दनाक हो सकता है लेकिन उत्पाद हमेशा इसके लायक है (फिलिपिय्यो 1रू6,रोमियो 1रू14,19)द्य

परमेश्वर क्या उम्मीद करता है? परमेश्वर प्रत्येक पादरी से उम्मीद करता है कि वह परमेश्वर और उसके लोगों की विनम्रता से सेवा करता हुआ अगुवाई करें

इसके बारे में सोचेंरू

अगर परमेश्वर अपने अनुग्रह और मदद आपके जीवन से हटा लेता है तो यह कैसा होगा ?आप अपने दम पर उसकी मदद के बिना उसके लिए क्या कर पाएंगे? कितना अक्सर आप इसे करने की कोशिश करते हैं?

अभिमान के साथ आप की सबसे बड़ी मुश्किल कहां और कब है? आप इसके बारे में क्या कर सकते हैं ?आप आलोचना का कैसे जवाब देते हैं ?जो आप को चुनौती देते हैं आप उनकी कितनी आलोचना करते हैं?

आप अपने पतिध्पत्नी या अच्छे मित्र को पूछे कि वह आपको ईमानदारी से बताएं कि वह आपके अंदर अभिमान को कहां देखते हैं उनको कहें कि वह आपको हर बात बताएं जब भी वह आपको अभिमान में प्रतिक्रिया करते देखते हैं ताकि आप इसे स्वीकार करें और इससे फिर जाएंद्य

आप पिछले साल आत्मिक ता में कहां बढे? क्यों वर्तमान में परमेश्वर आपके जीवन में कहां बढ़ने में सहायता कर रहा है परमेश्वर आपके जीवन पर वर्तमान कहां काम कर रहा है? आपको परिपक्व बनाने और आपको खींचने के लिए (फैलाने के लिए)

परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम अपने परिवार की पहले सेवा करें इस अध्याय में प्रमुख विचाररू

परमेश्वर प्रत्येक पादरी से यह उम्मीद करता है कि वह एक धार्मिक पति बने और अपनी पत्नी और बच्चों को अपनी सेवकाई से पहले रखें यीशु की प्यार भरी अगुवाई करने की उदाहरण की पालना करते हुएद्य पादरी प्रभु यीशु मसीह का प्रतिनिधित्व करते हैं हमारे जीवन हमारे उद्देश्य की उदाहरण है हमें इस बारे में बहुत सावधान रहने की कोशिश करनी चाहिए कि हम कैसे बात करते हैं और क्या करते हैं कभी–कभी जब हम घर में होते हैं तो हम इतने धर्मी नहीं होते जितने हम घर से बाहर लोगों के आसपास होते हैं अमेरिका में पादरी अपनी कलीसिया की देखभाल करने में इतना व्यस्त होता है कि वह अपनी पत्नी और अपने बच्चों को अनदेखा करता है बहुत से बच्चे विश्वास को कड़वाहट में छोड़ देते हैं क्योंकि उनके पिता उनके साथ समय बिताने के लिए बहुत व्यस्त थे कई पादरियों की पत्नियां अकेलेपन और नाराजगी से ग्रस्त होती है क्योंकि उनके पति हर किसी की मदद करने में इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास अपनी पत्नियों के पास आने के लिए समय नहीं है परमेश्वर पादरियों से नहीं चाहता कि वह अपने परिवारों को अनदेखा करें वह चाहता है कि हम अपने परिवार को अपनी एक प्राथमिकता बनाएं

क

आपकी पत्नी आप की पहली भेड़ है पादरियों के रूप में हमें अपनी भेड़ों की रक्षा मार्गदर्शन अगुवाई और उन्हें खिलाने के लिए जिम्मेदार हैद्य हमारी भेडें हमारी कलीसिया के लोग हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी सबसे महत्वपूर्ण भेड़ कौन है ?क्या आप उस व्यक्ति के बारे में जानते हैं जो आप की

कलीसिया में बाकी सब से ऊपर और पहले स्थान पर हैं ?यह वह व्यक्ति नहीं है जो सबसे अधिक पैसा देता है या सबसे अधिक शिकायत करता है यह आपकी पत्नी है वह आपकी नंबर 1 भेड़ है (तिमुथियुस 3रू2,4रू5 तीतुस 1रू6,2रू6,इकिसियों 5रू22—33,1 पतरस 3रू1—7 उत्पति 2रू23—24) द्य

पादरी आसानी से इस परीक्षा में पढ़ सकते हैं कि वह परमेश्वर के काम में व्यस्त होने के नाम पर अपने परिवारों को अनदेखा करें दूसरों की मदद करते हैं तो हमें उनकी प्रशंसा और जरूरत और चाहत भरी नजरें प्राप्त होती हैं घर में नहीं होता हमारी पत्नियां जानते हैं कि वास्तव में हम कैसे हैं क्योंकि वह हर समय हमारे साथ रहती हैं और कभी—कभी हम अपने परिवार में यीशु के अच्छे उदाहरण नहीं बनते हैं तो भी हमारी पत्नियों को हमारी कलीसिया के सदस्यों की तुलना में हमारी ज्यादा जरूरत होती है आप एक मात्र पादरी हैं अपनी पत्नी के लिए वह जीवन भर तुम्हारे साथ रहेगी अन्य लोग आप की कलीसिया में आते जाते रह सकते हैं परंतु वह हमेशा आपके लिए वही रहेगी परमेश्वर स्पष्ट रूप से कहता है कि अगर एक आदमी अच्छा पति और अच्छा पिता नहीं बनता तो वह अच्छा पादरी नहीं है विशेष रुप से हमारी पत्नी के साथ रिश्ते का हमें यीशु की तरह बनने के लिए सिखाने और प्रशिक्षित करने के लिए हम शादी में प्यार,धेर्य और त्याग सीखते हैं द्य

जिस तरह से हम अपने परिवारों के साथ व्यवहार करते हैं उसी तरह से हम कलीसिया के साथ व्यवहार करेंगे अगर हम अपने घर में तानाशाही या कंट्रोल कर रहे हैं तो हम चर्च में भी उसी तरह रहेंगे अगर हम दूसरों के डर से नहीं करेंगे जिसे हम जानते हैं कि सही हैं तो हम कलीसिया में ऐसा करेंगे अगर हम गुस्सा करते हैं जब काम हमारी मर्जी के मुताबिक नहीं चलते हैं तो हम कलीसिया में भी इसी व्यवहार से प्रतिउत्तर देंगे।

पेज नंबर 89

पत्नी के लिए शिकायत करना बहुत मुश्किल हो सकता है जब उसका पती परमेश्वर की सेवा करने और लोगों की मदद करने में व्यस्त हो। यदि हम एक व्यवसाय में कई घंटे बिता रहे होते हैं वह हमें हमारी जिम्मेदारी की याद दिला सकती है, लेकिन जब हम परमेश्वर की सेवा कर रहे हैं तो उसे नहीं लगता कि वह शिकायत कर चर्चाओं के लिए योगिता की अपनी सूची में पालिश विस्तार से कहता है कि एक पात्री को अपने परिवार को अच्छा प्रतिबंध होना चाहिए नहीं तो वह अपनी कलीसिया की देखभाल करने में सक्षम नहीं होगा (तीमुथियुस ३रू४–५) कलीसिया की तुलना में अपने परिवार की अगुवाई करना कठिन हो सकता है ग्राम परमेश्वर हमारे घर के रिश्तो का उपयोग करता है अक्सर हम इसका फायदा उठाते हैं परमेश्वर की उम्मीद से ज्यादा समय खर्च करते हैं पूर्ण ब्रह्म परमेश्वर हम से उम्मीद करता है कि हम अपनी पत्नी को अपनी अपनी एक भेड़ बनाएं और अपनी सेविकाओं के लिए हमें अनदेखा ना करें। आपके लोगों के लिए सीखना यह महत्वपूर्ण है कि अपनी पत्नी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है यहां तक कि कल इससे भी ज्यादा यह दूसरे पत्नियों के लिए अपनी पत्नियों का पहला पहल पर रखने के लिए उदाहरण प्रस्तुत करता है पूर्व नौजवान लड़कों को सिखाता है कि उनकी पत्नियों को पहले स्थान पर रखा जाना चाहिए और इससे महिलाओं और लड़कियों को पता चलता है कि उनकी अपने पतियों के जीवन में पहले स्थान पर होने की योग्य है और वह इसकी उम्मीद कर सकती हैं आपके बच्चों के लिए भी एक बहुत महत्वपूर्ण उदाहरण है एक पत्नियों से भी बहुमूल्य है परमेश्वर ने मुझे एक शानदार पत्नी से किया है नहीं तो मैं जो आज हूं हो सकता ना होता जैसे हमारी शादी का जीवन बढ़ता है हम उसकी अच्छे व्यक्ति के रूप में जो वह ऐसा करता हूं और उतना ही अधिक मैं परमेश्वर का विशेष उपहार के लिए धन्यवाद करता हूं मेरी सेवाएं में उसकी विश्वास और आपका काम जो मेरे जीवन में हैवह बहुमूल्य है

उसका विश्वास योग्य गहरा प्रार्थना जीवन राज्य के लिए मेरा उक्त व्यवसाई की तुलना में अधिक संपन्न होता है वह मेरी सबसे बड़ी प्रार्थना समर्थक है। इसके माध्यम से मैंने अपने लिए बिना शर्त वाले प्यार के बारे में सीखा है क्योंकि मैंने देखा है कि यह उस के माध्यम से प्रदर्शित होता है पूर्व नाम मैं समझता हूं कि परमेश्वर उसे समझा कर सकता क्योंकि उसने बार–बार इसका उदाहरण स्थापित किया है। क्योंकि उसने बार–बार इसका उदाहरण स्थापित किया है मैं उसकी परमेश्वर इमानदारी और बेहतर विश्वास करता हूं क्योंकि मैं देख रहा हूं कि उसके मेरी पत्नी के जीवन में था।

कभी–कभी हमें लगता है कि हम अपने जीवन में बहुत कुछ कर सकते हैं अगर हमारे परिवार की जरूरत के लिए हमें सामना करना पड़ता। हम उनके द्वारा दिए गए समय पर नजर हो सकते हैं शायद मैं अपनी पत्नी और बच्चों के बिना अधिक मात्रा में काम कर सकता होता परंतु यह स्थित नहीं होता है गुणवत्ता बहुत कम होती है यहां तक कि मुझे यकीन है कि मैं उसके बिना अपने आप को या तो आयो घोषित कर चुका होता यह जला चुका होता। उसकी जरूरतों को पूरा करने के लिए सीखना मुझे मेरी सेविकाओं से दूर नहीं ले जाता कमाई है मुझे धनी करता है और परिपक्व बनाता है जो कुछ भी मैं उसे देता हूं मुझे उतना कई बार वापस मिलता है। किसी को अपने आप से पहले रखना सीखना आसान नहीं है लेकिन यह शादीशुदा जीवन और सेविकाओं में आवश्यक है। मैंने अपने जीवन में जो मुख्य सबक सीखे हैं और जीवन में जो सबसे बड़ी आत्मिक और भावनात्मक बुद्धि मैंने अनुभव की है वह मेरी शादी के माध्यम से आई है। जीवन हमेशा आसान या परिपूर्ण नहीं रहा और वह अभी भी नहीं है पूरा परमेश्वर हमें हमारे विनम्रता सेवा का मध्यमा और क्षमा स्वीकार करने के बारे में सीखने के लिए हमारे संघर्षों और आप अपूर्व आत्मक का उपयोग करता है। यह बातें किताबों में नहीं सीखी जा सकती हैं केवल जीवन से किसी भी समय आप दो विपरीत व्यक्तियों को एक साथ लाते हैं तो संघर्ष होगा पूर्व राम नर और मादा विपरीत हैं हमारे व्यक्तिगत भी अक्सर विपरीत होते हैं हम में से प्रत्येक में पूरी तरह से सक्रिय पाए प्राकृतिक जोड़े आदि आपके पास निश्चित संघर्ष सूत्र है जीवन प्रेम और विकास के प्रमुख शाखाएं जो मैंने सीखे हैं वह मेरे और परिवार के माध्यम से आए हैं ना कि मेरी सेविकाओं के तुलना में सेविका ए आसान है एक अच्छे पति और पिता की तुलना में एक अच्छा पादरी बनना आसान है। दूसरों को प्रभावित करना आसान है उन्हें मुझसे इतनी जरूरत नहीं है और ना

उन्हें सुरक्षित दूरी पर रख सकता हूं लेकिन मेरी पत्नी के लिए इनमें से कोई भी लागू नहीं होता पूर्व राम मैं इस बात से हैरान होता हूं कि हम प्रतिदिन प्यार से किस तरह से और गहराई से आगे बढ़ते रहते हैं कैसे हम एक दूसरे का आनंद लेते हैं कैसे हम एक साथ बन जाते हैं और अभी सभी यादों को हम साझा करते हैं पूर्व राम हमारे सबसे बड़े दर्द एक दूसरे के कारण होते हैं लेकिन हमारी सबसे बड़ी खुशियां भी और खुशियां दर्द को दूर करती हैं प्रोग्राम में जितना बड़ा होता जाऊंगा और जीवन में सेविका में आगे बढ़ता जाऊंगा उतना ही अधिक मुझे एहसास होता रहेगा कि एक अच्छी पत्नी मणियों और लोगों से अधिक बहुमूल्य है। और इसी तरह पढ़ने वाली महिलाओं के लिए अच्छा पति है (सभोगदेशक ३१रू१०–१२य३०–३१ १ पतरस ३रू७)

पेज नंबर 90

बच्चे कलीसिया से पहले आते हैं

आपकी पत्नी के ठीक बाद आपके बच्चों का महत्व है पूर्व राम प्रभु के कार्यों के लिए उनको भी अनदेखा ना करें आप अपने उनके जीवन को किसी और की तुलना में अधिक प्रभावित करेंगे पूर्व राम आपके शिष्य हैं जिनको आप सेविकाओं के लिए प्रशिक्षित करते हैं पूर्व हमने अध्याय 7 उल्लेख करने के बारे में बात की है पूर्व हम आपके बच्चे आपकी पहली जिम्मेदारी है और नसीहत ता नसीहत दाता के रूप में मैं आपका उत्तम अवसर हूं और ग्राम पिता के प्यार और ध्यान के रूप में उनकी जरूरतें उनके द्वारा पूरी की जानी चाहिए पूर्व सांसारिक पिता होते जिस तरह से आप उनके साथ व्यवहार करते हैं उसी तरह से अपने स्वर्गीय पिता परमेश्वर को देखते हैं। क्या आप चाहते हैं कि वह सोचे कि वे महत्वपूर्ण नहीं है कि आप पास बहुत काम है जो उनसे ज्यादा महत्वपूर्ण है अगर उन्हें आपसे यह संदेश मिलता हैतो परमेश्वर के बारे में भी ऐसा महसूस करेंगे। उसके व्यवहार के माध्यम से जो आप उनसे करते हो आप उनके जीवन में परमेश्वर कैसा है इसकी तस्वीर बना रहे हो। परमेश्वर आपसे उम्मीद करता है कि आप अपने बच्चों की जरूरतों को पूरा करें चाहे आपको वह कितनी भी चीजें करनी हो मेरा परिवार मेरी सेविका ए मेरी पहली प्राथमिकता है जैसे मैं अपने पिछले जीवन को देखता हूं मेरा एक नजरिया है जो आप छोटे हैं उनके पास नहीं होगा। मेरे 6 बच्चे बड़े हो चुके हैं उनमें से चार की शादी हो चुकी है और वह अपना अपना जीवन जी रहे हैं पूर्व उनके जीवन पर मेरा प्रभाव बन चुका है प्रोग्राम में परमेश्वर का धन्यवाद करता हूं कि उसने मुझे प्रेरित किया कि मैं

अपनी सेविकाओं के शुरू से ही अपने परिवार को अपनी पहली कलीसिया के रूप में मांस का पूर्व नाम दूसरे लोग आए और गए लेकिन मेरा परिवार अभी भी मेरा परिवार है। कोई ऐसा नहीं है जिस पर मेरा अधिक प्रभाव रहा हो यह रहेगा मेरी पत्नी और बच्चों को छोड़कर पूर्व धरती पर यीशु की सर्वोच्च प्राथमिकता उसका परिवार शिष्य था फिर नहीं और ना ही नए कार्यक्रम और नई परियोजनाएं उसने अक्सर अपने नजदीकी और उनकी जरूरतों को सबसे आगे रखा अक्सर अपने आप को भीड़ से पीछे हटाते हुए या दूसरे लोगों को कहीं और भेजते हुए ताकि वह अपना समय शिष्यों के साथ बिता सके पूर्व राम उसका यह नमूना आज अनुसरण के लिए हमारे पास है ऐसा कोई नहीं है जिसे अपनी अपने बच्चों की तुलना से अधिक पूरी तरह से खुद को पुनः पेश करेगा। आप उनके जीवन को पूरी तरह से अच्छे या बुरे के लिए प्रभावित करेंगे आप पद त्यागी नहीं कर सकते आप उनके जीवन को पूरी तरह से प्रभावित करेंगे पूर्णब्रह्म एकमात्र सवाल यह है कि प्रभाव क्या होगा अच्छा इतना अच्छा नहीं पूर्व मिट्टी की तरह होते हैं जिनको आप बनाते हैं और अपनी चुनी हुई छवि में डालते हैं यदि आप उनके साथ होने के लिए बहुत व्यस्त हैं तो यह स्वीकृत है और महत्वपूर्ण ताकि छवि बनाता है पूर्व आप उन्हें बना रहे और इसी तरह और की तुलना में उन्हें बनाएंगे यह शर्म की बात है कि अमेरिका में पादरियों और मशीनरी ओ को बच्चों के आकार अक्सर विरोध और अनुजा की प्रतिष्ठा मिलती है किसकी गलती है पता है कि यदि हम अपने परिवारों का प्रबंधन नहीं कर सकते तो हम उसकी कलीसिया का प्रबंधन नहीं कर सकते पूर्व राम आपके बच्चों को आपकी उससे अधिक जरूरत है जितनी आप के चर्च और आपकी जरूरत है यह बहुत बुरा है कि हम परमेश्वर की सेवा और अपनी सफलता दूसरों की नजर में कि अहंकार में इस तरह से लिपटे हुए हैं कि हम सबसे महत्वपूर्ण काम को छोड़ देते हैं परमेश्वर ना हमें बच्चे दिए है ताकि हम उसके लिए शिष्य बनाएं पूर्णब्रह्म कुछ भी अधिक महत्वपूर्ण नहीं है वह कभी भी हमें दूसरी चीजों के लिए अपने बच्चों को प्रति लापरवाही करने की प्रेरणा नहीं देगा वह उसके लिए अनमोल है और वह उनको हमें सकता है पूर्व वह हमें कभी भी इतना काम नहीं देगा कि हमारे पास उनके लिए समय ना हो यह गलत प्राथमिकताओं से आता है पूर्व अब हमारे बच्चे बड़े हो चुके हैं और मेरी सबसे बड़ी खुशियां में से एक है कि मैं उन्हें प्रभु की सेवा करते और उसकी आज्ञा का पालन करते हुए देख रहा हूं

(यहूनना १रू४)उनमें से हर एक ने परमेश्वर के प्रति वफादार रहना और पूरी ईमानदारी से उसकी सेवा करते हुए चुना है पूर्व राम मुझे इससे बहुत आनंद है हालांकि मैं इस का क्षेत्र नहीं लेता यह उनके और परमेश्वर के बीच है और मेरे लिए इसका से है लेने के बहुत सारे कारण शामिल है पूर्णब्रह्म यह सब उसका अनुग्रह है मैं इस तथ्य में सकून पा सकता हूं कि यहां तक मैं उस समय सक्षम था मैंने उन्हें प्यार किया और उन्हें परमेश्वर के बारे में सिखाया। में निश्चित रूप से परिपूर्ण नहीं था कलीसिया के प्रति मेरी जिम्मेदारियां थी जो मेरा समय और ध्यान की मांग करती थी लेकिन मैं हमेशा जानता था कि वे मेरी जीवन एक प्राथमिकता थे और मैंने उन्हें प्रभु के लिए बड़ा करने का आनंद लिया। क् वह कैसे निकले इसका से परमेश्वर को जाता लेकिन मैं धन्यवाद दी हूं कि मुझसे बहुत पद दावे के साथ नहीं रहना पड़ा जैसा कि वे कहते मृत्यु शैया पर कोई भी यह कामना नहीं करता कि उन्होंने अपना अधिक समय काम पर बिताया होता प्रोग्राम सुनिश्चित करें कि आपका परिवार आपकी पहली प्राथमिकता है और हमेशा के लिए (१तीमुथियुस ३रू४—५ तीतुस १रू६ नीतीवचन २२रू६)१

पेज नंबर 91

परमेश्वर पतियों से क्या उम्मीद करता है एक बार संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति केनेडी ने कहा यह ना पूछो आपका देश आपके लिए क्या कर सकता है पर आए अपने देश के लिए सकते हैं। यह विवाहित जीवन के लिए अच्छी सलाह है पत्तियों यह मत पूछो कि आपकी पत्नी आपके लिए क्या कर सकती है कौन है इसके बजाय पूछे कि आप उसके लिए क्या कर सकते हैं। पतियों ने अपनी पत्नियों के लिए प्यार भरी अगुवाई दिखानी है

पतियों के लिए परमेश्वर का प्रमुख आदेश है कि वह अपनी पत्नियों सेवा शर्ते प्यार करें इसका मतलब है कि वह जो कहती है या करती है उसको प्रभावना किए बिना उससे प्यार करो यह हमारे लिए यीशु की बसंती प्यार जैसा होना चाहिए पुट बना पुरुष अपने परिवार के मुखिया होने के लिए परंतु अगुवाई प्यार में की जानी चाहिए इस तरह की अगुवाई तानाशाही नहीं है पूर्व से केंद्रित नहीं है जहां पति को हर काम उसके तरीके से होता मिलता है प्यार भरी अगुवाई का अर्थ है कि वह करना जो हमारी पत्नियों के लिए सही और उत्तम है भले हमारे लिए वह कठिन है पूर्व राम महिलाओं को प्यार और सुरक्षा की जरूरत है पत्नियां बनने के लिए जैसा परमेश्वर उन्हें चाहता है कि वह बने। इसीलिए परमेश्वर हमें हुकुम देता है कि हम अपनी पत्नियों को मां शक्ति और बलिदान होते प्यार करें।

परमेश्वर की दृष्टि में समान

क्योंकि पुरुष ही अगवा है इसका यह मतलब नहीं है कि औरत से वरिष्ठ है। दोनों परमेश्वर की दृष्टि में समान है जब आप किसी नियोक्ता में के लिए काम

करते हैं तो वह आपका मालिक होता है पूर्णब्रह्म इसका यह मतलब नहीं है कि वह एक श्रेष्ठ इंसान है, इसका मतलब केवल यह है कि उसकी जिम्मेदारी आप से अलग है पूर्व किसी भी अगुवाई करना चाहिए और अन्य लोगों का पालन करना चाहिए लेकिन परमेश्वर की दृष्टि से सब समान मूल रूप के हैं पूर्व राम कुछ लोगों को यह समझने में मुश्किल होती है कि हर कोई सभी स्त्री और पुरुष परमेश्वर के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है पूर्व पतियों को यह भी याद रखना चाहिए और उनकी पत्नी आपके बराबर का व्यक्ति है पुणे के लिए उसकी भूमिका है परंतु किसी भी तरह ही नहीं है ऐसा सोचते हैं कि वह अपनी पत्नी के लिए श्रेष्ठ कार्य करें तो यह उन्हें सम्मान देता है लेकिन उनके साथ सम्मान का व्यवहार करना है उचित नहीं है महिलाओं के सम्मान का व्यवहार किया और पुरुष के बराबर जानना है हमें भी ऐसा ही चाहिए परमेश्वर हमें सम्मानित करता है कि जब हम अपनी पत्नियों का सम्मान करते हैं पति को एक प्यार करने वाला क्यों होना चाहिए हमें प्यार करने वाली दवाई देनी चाहिए ताकि हमारी पत्नियां मसीही महिलाओं और पत्नियों को विकसित करने के लिए सुरक्षित बुनियाद पता है कि हमें अपनी पत्नियों के साथ इस समझ से रहना चाहिए क्योंकि वह कमजोर कोमल सहयोगी और पत्र 37 इसका मतलब हमें उनकी रक्षा करनी चाहिए और उनके लिए एक चरवाहे की भूमिका निभानी चाहिए पूर्व रहता है अगर हम ऐसा नहीं करते तो हमारी प्रार्थनाएं रुक जाएंगे दूसरे शब्दों में इस तरह से प्यार करने वाला गाना हो कि मैंने परमेश्वर हम से उम्मीद करता है परमेश्वर के साथ हमारा रिश्ता भी प्रभावित होगा और यह हमें आत्मिक रूप से विकास करने से भी रोक देगा। एक प्यार करने वाला अगुआ कैसे बने हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि हम एक प्यार करने वाले क्योंकि यही है जिसकी उम्मीद करता है इसके बारे में बात करें और हमने इसे कैसे पूरा करता है

प्यार करने वाले अगुवाई का अर्थ है मसीही की तरह होने की शुरुआत फाइल उस कहता है कि पतियों को अपनी पत्नियों से प्यार करना चाहिए जैसे मशीनें कलसिया को किया। 215 नीतू ने हम से प्रेम किया भले ही हम उसके लायक नहीं थे पूर्व राम उसने हमारी प्रतीक्षा नहीं की कि हम उस से प्रेम करें उसने हमसे पहले प्रेम किया प्रोग्राम भी कई तरीकों से हमारे लिए अपना प्यार दिखाते हुए पहल करता है पूरा जब हम उससे दूर हो जाते हैं तो वह हमसे प्यार करता है फिर चाहे कुछ भी हो पूर्णब्रह्म हमारे लिए उसका प्यार निस्वार्थ विनम्र और बलिदान रुपी है (फिलिपियो २रू ५—८)१

पेज नंबर 92

प्यार करने वाले युवाओं का मतलब है खुद का बलिदान देना पूर्ण ब्रा ना केवल यीशु ने कलीसिया से प्यार किया बल्कि उसने खुद को उसके लिए कुर्बान कर दिया (इकिसियो ५रू२५)१ उसने अपनी दुल्हन के लिए सब कुछ बलिदान कर दिया, कलीसिया के लिए पति होते हुए हम कभी–कभी स्वार्थी और आत्म केंद्रित हो जाते हैं पूर्व राम हम पहले आपने आपके बारे में सोचते हैं और महसूस करते हैं कि हमारी पत्नियों को हमारे लिए अधिक काम करना चाहिए पूरा जब ऐसा लगता है कि वह हमारी जरूरतों को पूरा नहीं कर रही हैं तो हम शिकायत करते हैं पूरा यह ऐसा नहीं है जैसा ही हमारे साथ और हमें भी अपनी पत्नियों के साथ ऐसे नहीं होना चाहिए यीशु ने हमारे लिए सब कुछ बलिदान कर दिया क्योंकि वह हमसे प्यार करता था। यहां तक कि अपनी जान भी दे दी उड़ जा हमारी पत्नियों के लिए हमारा प्यार उनकी सुविधा के लिए अपनी सुविधा का बलिदान करने में दिखाई देगा प्रोग्राम उसने हमारे लिए सब कुछ छोड़ दिया और यही उदाहरण है जिसका हमें अपनी पत्नियों से प्रेम करते हुए अपनाना चाहिए। पूछी क्या आप अपनी पत्नियों के लिए मरने को तैयार हैं। क्या आप उसे और उसकी जरूरतों को अपने और अपनी जरूरतों को पहले रखकर हर दिन मरने के लिए तैयार हैं। यीशु अगर हम यीशु की तरह बनने को हो तो परमेश्वर हम से यही उम्मीद करता है। प्यार करने वाली अगुवाई का अर्थ है सेवा करने के माध्यम से अगुवाई करना पूरा अध्याय 8 में हमने देखा है कि हम पादरी के रूप में नौकर बन के लुका 22 25 26 मती 26 28 अगर हमारी पत्नी ने एक भीड़ तो वह पहली व्यक्ति है जिसे हम सेवा दे दे रहे हैं हमें प्यार से सेवा करनी चाहिए सिर्फ इसीलिए नहीं कि हमने करना पड़ रहा है पूरा हमें यह अपने

सम्मान के लिए नहीं करना है बल्कि पत्नियों को सम्मान दिलाने के लिए करना है पूरा सेवा करने का अर्थ है वह करना जो उसके लिए सही और सर्वोत्तम हो चाहे कोई दूसरा कुछ भी क्यों नहीं सोचता यीशु ने क्रूस पर जाकर हमारे पापों का भुगतान करके अपना सम्मान छोड़ दिया। हमें अपनी पत्नियों की सेवा करने के लिए सब कुछ छोड़ देने के लिए कहा जाता है इसका मतलब कि हमने उस काम में उनकी मदद करनी है जिससे उनको मदद चाहिए पूरा हमें उनसे बात करने और सुनने में समय बिताना है पूरा में उन्हें अच्छी तरह से जानना है ताकि हम उन चिंताओं और वोटों को समझ सके उनके भय और खुशियों को जो उनके पास है जब कोई उन्हें परेशान कर रही है तो हमें उनके पास प्यार से पहुंचने और उनके यह बताने में सक्षम होने चाहिए पूरा हम उनके समय पर विचार करते हुए उनकी सेवा करते हैं उसकी उम्मीद ना रखते हुए कि वह हमारे लिए और हमारी सेविकाओं के लिए हमेशा काम करती है हमें उन्हें अपना प्यार और सम्मान दिखाते हुए उनकी सेवा करते हैं हम उन्हें रिश्तेदारों को मक्खियों के लोगों और यहां तक कि हमारे बच्चों की आलोचना से बचाते हुए उनकी सेवा करते हैं हम उन्हें यह जानकर सेवा देते हैं कि उन्हें किन चीजों में बातों में खुशी मिलती है हम उनके साथ और जल और जब हम कर सकते हैं उन्हें प्रदान करते हैं हम उनके साथ मौज मस्ती करने और उनकी पसंद की खास चीजें करने के लिए समय निकाल कर उनकी सेवा करते हैं दूसरे शब्दों में हम उनकी सेवा करते हैं जैसे यीशु हमारी सेवा करता है पूरा शिष्यों के पैर धोने के बाद उसने उनसे कहा कि वह भी जाए और उसी तरह करें 13 14लेकिन परमेश्वर ने यही करने की उम्मीद करता है। परमेश्वर हम से प्रत्येक को दिन में 24 घंटे देता है और वह हमें 25 घंटे का काम नहीं देता है। जितना हमारे पास समय है उससे ज्यादा हम करने के लिए काम नहीं देता पर मुश्किल यह है कि हम काम करते हैं इतने व्यस्त हो जाते हैं कि हमारे पास जो परमेश्वर की उम्मीद है उनको करने के लिए समय ही नहीं रहता और वह हमसे यही उम्मीद करता है कि हम प्यार करने वाली अगुवाई अपनी पत्नियों की सेवा करने में दिखे प्यार करने वाली अगुवाई का मतलब है बेज्जती प्यार दिखाना हम खुद को बेहद प्यार करते हैं यह ध्यान कोई गलती करते हैं या कुछ गलत करते हैं तो हमें बुरा लगता है लेकिन हम उस पर काबू पा लेते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। हम अभी भी खुद को स्वीकार करते हैं चाहे कुछ भी हो इसी तरह से अपनी पत्नियों से प्यार करना चाहिए जैसा हम खुद से प्यार करते हैं इप्सों 533 इसका मतलब यह नहीं कि हम अपनी पत्नियों को 200 और कमजोरियों को

नजरअंदाज कर रहे हैं क्योंकि हम उनके बारे में बहुत जागरूक है इसका मतलब उसे हर पल प्यार करना हम परमेश्वर हमें यह हुकुम नहीं देता कि हम हमेशा अपनी पत्नियों को पसंद करें क्योंकि कभी–कभी ऐसे काम करती हैं जो हमें पसंद नहीं करते परंतु परमेश्वर कहता है कि उन्हें हमेशा प्यार करोवह हमेशा जो कुछ हम करते हैं उसे पसंद नहीं करता परंतु वह हमसे हमेशा प्यार करता है। उसे बेसर टी प्यार करने का मतलब है कि हम उसकी ढलना अन्य लोगों की पत्नियों से नहीं करते और ना ही अपनी मां से एक और हम से यही पसंद नहीं करते कि हां वह हमारी तुलना दूसरे आदमियों से करें हमें उसकी शक्ल सूरत दूसरी महिलाओं के साथ तुलना नहीं करने का मन ना उसके खाने पकाने की और घर व्यवस्था की हमें उसको प्यार करना है जैसे भी वह है बसंती उसी तरह जैसे यीशु हमें करता है उससे बेहतर प्यार करने का मतलब है कि हम उसे वैसा सोचने और कार्य करने की उम्मीद नहीं करते जैसा हम सोचते हैं और करते हैं। महिलाओं पुरुषों की तुलना में बहुत अलग है कोमल सहयोगी पत्र पतरस 37 उनकी जरूरतें विशेष रूप से भावनात्मक रूप से बहुत अलग है अपनी पत्नी से यह उम्मीद ना करें कि वह ऐसा महसूस करें जैसा आप महसूस करते हैं उससे उसके वास्तव रूप में जाने।

पेज नंबर 93

प्यार करने वाली अगुवाई का अर्थ है विचारशील होना पतरस अपनी पत्नियों पर विचार करने के लिए पतियों को आज्ञा देता है पतरस 37 क्या आप की पत्तियां कहेंगे कि आप उसके बारे में विचार शील है जब आपने शादी की तो उस समय की तुलना में अब आप क्या कम है या ज्यादा विचारशील हैं यह क्या कहेंगे कि आपकी अधिक विचारशील होने की आवश्यकता है पूरा विचारशील होने का अर्थ है कि हम जीवन को उसके दृष्टिकोण से देखें ना केवल अपने से इसका मतलब है कि हम उसकी जरूरतों के प्रति उतने ही संवेदनशील होने सीखते हैं जितना हम अपनी जरूरतों के लिए इसका मतलब है कि हर दिन उसके लिए प्रार्थना करना और प्रार्थना कर ने से हम उसे बेहतर प्यार करेंगे और समझ भी पाएंगे विचारशील होने का मतलब है कि जब वह चाहती है उसको बात करने दें और बिना रुकावट उस पर ध्यान दें इसका मतलब यह है कि आप उसके साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उसके बारे में क्या कहते हैं यदि आपको कुछ सही करना है तो यह प्यार से करें प्यार से सच बोले अंखियों 415 यदि आप उसे सही कर रहे हैं तो आवाज से उस ग्रुप में बोले जैसा आप चाहते हैं कि अगर कोई दूसरा आपसे सही बोले कर रहा हो तो बोले विचारशील होने का मतलब है कि आप अपनी निराशा और समस्याओं को उसके जीवन में नहीं उतारेंगे जितना भी करने में सक्षम है आप उससे अधिक और उम्मीद नहीं करते और आपसे उन चीजों के लिए दोषी नहीं ठहरा थे जो उसके नियंत्रण में नहीं है। विचारशील होने का मतलब है कि आप उसकी प्रशंसा करते हैं जो कुछ वह आपके लिए कहती है

उसके लिए उस का धन्यवाद करते हैं उसे बताते हैं कि आप उसे प्यार करते हैं उसे प्रोत्साहित करते हैं दूसरों के सामने उसके लिए गर्म महसूस करते हैं और प्रत्येक दिन उसे शुभकामनाएं देते हैं। इन चीजों को करें और अपनी शादीशुदा जीवन खुश खूबसूरत होगी जैसा आपका प्यार गहरा और मजबूत होता है प्यार करने वाली अगुवाई का मतलब है सम्मानजनक हो ना पूर्णविराम पतरस का यह भी कहना है कि वह अपनी पत्नियों से सम्मान के साथ पेश आएं पत्र 37 यह सामान्यता के विचार है लेकिन इसके साथ उसके बारे में अत्यधिक सोचने के लिए विचार को जोड़ना है। उसका जीवन अब आप पर केंद्रित है इस पर नहीं है क्या वह एक अच्छी पत्नी बनने की कोशिश करती है क्या वह आपसे प्यार करती है और आपके जीवन को बेहतर बनाना चाहती है क्या वह आपके बच्चों के लिए अच्छी और प्यारी मां है क्या वह आप की सेविका ए मैं आपका समर्थन करती है उसके बिना आपका जीवन कैसे अलग होता है इन सवालों के जवाब देने से आपको उसकी सराहना करने में मदद मिलनी चाहिए कि वह कौन है और क्या करती है क्या आप उसके जीवन में सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश करने के लिए उसका सम्मान करते हैं पूर्व यदि हां तो क्या आप उसे बताते हैं या उसे दिखाते हैं कि आप उसका सम्मान करते हैं इसके लिए कि वह कैसे रहती है और आपकी और दूसरे की सेवा करती है यही उसको दिखाना होगा कि अच्छी है क्या आप उसके समय उसकी भावनाओं का सम्मान करते हैं क्या आप संवेदनशील होते हैं जब मैं संघर्ष करती है या यह चोटिल होती है क्या आप मामलों के बारे में उसकी राय चाहते हैं और उसके सुझावों का ध्यान से सुनते हैं यदि कोई पति अपनी पत्नी की राय नहीं मानता तो मूर्ख है क्योंकि महिलाओं के पास एक समझदारी और अंतर्दृष्टि है जो पुरुषों में अक्सर नहीं होती। क्या आपको उस पर भरोसा है और आप उस पर भरोसा करते हैं वह सभी सम्मानजनक होने के तरीके हैं पूरा

इब्राहिम और सारा उदाहरण

जब हम पहली बार इब्राहिम और सारे सारा से मिलते हैं उत्पत्ति 112:73 तो रिश्ते में कुछ भी गलत नहीं लगता वास्तव में सारा को अपने घर और परिवार को छोड़कर किसी अज्ञात जगह पर जाने में कोई समस्या नहीं है जब इब्राहिम सामान बांध दें और चलने के लिए कहता है उत्पत्ति 1215 हो सकता है जब पत्र सारा को अब्राहिम के प्रति समर्पित होने और विनम्रता से बात मानने का उल्लेख करता है तो पत्र किसी को संदर्भित करता है (पतरस ३रू१–६) परंतु मुश्किलों

तब उत्पन्न होती हैं जब हम आखिरी वादा किए गए देश में आते हैं तो आकार आता है पूर्व ना बजाए परमेश्वर पर भरोसा करते और उस में बने रहने के अपराधी मामले को अपने हाथ में लेता है और एक विचार के साथ उभरता है पूर्व वे खुद को देखभाल करने के लिए जाते हैं लेकिन क्योंकि सारा 60 की आयु के बावजूद भी देखने में सुंदर थी इसीलिए अब्राहिम डरता है कि फौरन उसे मार डालेगा ताकि वह सारा को अपने हरम राज महल में औरतों को रखे जाने का कक्ष में ले जा सके इस प्रकार उसने अपने रिश्ते के बारे में उससे झूठ बोलकर बढ़ने के लिए कहा कि वह उसकी बहन थी उत्पत्ति 12 10 20 सारा को यह कैसा लगा होगा वह अब्राहिम की रक्षा के लिए बलिदान कर रही थी जब अब्राहिम को उसकी रक्षा के लिए बलिदान करना चाहिए था इब्राहिम अपनी पत्नी के खर्च पर अपनी रक्षा कर रहा था। वह उसकी देखभाल नहीं कर रहा था परंतु इसीलिए उसको अपनी देखभाल खुद से ही करने की आवश्यकता थी सारा को एक महिला को अपने पुरुष के प्यार से समझा संरक्षित और सुरक्षित महसूस करने की आवश्यकता होती है सारा के पास यह नहीं था।

पेज नंबर 94

इस तरह उसने अपने और अब्राहिम के बीच दीवारें बनाई उसे अभी भी परमेश्वर पर भरोसा करना चाहिए था और उसके प्रति समर्पित रहना चाहिए था जो वास्तव में नियंत्रण करता है पूर्व पत्नियों को आज एहसास कराना चाहिए कि जब वह अपने पतियों के साथ ऐसा करती हैं तो वह वास्तव में अपने परमेश्वर के साथ उस पर भरोसा करके और उसके प्रति समर्पित रहे कर ऐसा कर रहे हैं पूरा मैं सारा के पाप को माफ नहीं कर रहा हूं ना उनकी सिद्ध कर रहा हूं ना कि मैं यह बताना चाहता हूं कि जब कोई पुरुष अपनी पत्नी की जरूरतों को पहल में नहीं रखता और उसे सुरक्षित और संरक्षित महसूस कराता है तो फिर क्या होता है अगर वह इब्राहिम के साथ सिर्फ एक ही बार हुआ होता तो हो सकता वह सका होता मुझे नहीं लगता 20 साल बाद भी वह यही काम करता है जब परमेश्वर उसे एक प्रतिशोध देता है इस बार वह नागिन भाग गया लेकिन बाकी सब कुछ उसी तरह से था उत्पत्ति 2018 वास्तव में हम देखते हैं कि उसके बेटे इस आपने यही नमूना उठाया और बका के साथ इसी रिश्ते से बता रहा (उत्पत्ति २७रू५–१३) और यहां तक कि यह फूल और राहिल (उत्पत्ति ३०रू१–३) के साथ उसके रिश्ते में जारी रहा प्रोग्राम मुझे लगता है कि वह इब्राहिम के जीवन में एक नमूना था पूर्णविराम कि जब एक आदमी अपनी

जरूरतों को पहले रखता है और अपनी पत्नी को जो एक अनमोल खजाने की तरह है महसूस नहीं करता जिसका मतलब है कि वह उसको अपने से ज्यादा लगनी चाहिए तो वह वास्तव में एक महिला के लिए मामलों को अपने हाथों में लेना आवश्यक बताता है। बस यही सारा ने किया पूर्णब्रह्म दुर्भाग्य से बरसों के बाद उनके बेटे इस हाथ में भी यही कहा कि उसकी पत्नी नहीं बहन थी सिर्फ अपने आप को बचाने के लिए उसने अपनी सुरक्षा के लिए खुद की जिंदगी पर नियंत्रण कर लिया जैसा इब्राहिम ने मिस को जाते वक्त किया था उसने अब्राहिम से कहा कि वह हाजरा में अपना उत्तराधिकारी पाएंगे उत्पत्ति जब उसे ईसाइयों से जलन हुई और आहत होकर उसने इब्राहिम को मजबूर किया कि वह आज रात को घर से बाहर निकाले (उत्पत्ति १६रू४—६) अविष्कार वह इतनी कठोर और कड़वी हो गई जब परमेश्वर की भविष्यवाणी पर हंसते हुए दिखाई देती है जो परमेश्वर ने आने वाले बेटे के बारे में की थी (उत्पत्ति १८रू६—१५) जब साहब का जन्म हुआ तो ऐसा लगता है कि उसने उसको उन जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग किया जिनको उसका पति पूरा नहीं कर रहा है महत्वपूर्ण महसूस करवा आवश्यक और पूरा (उत्पत्ति २१रू१—७) इसलिए साहब को एक मजबूत महिला के प्रति विनम्र होता सिखाया एक नमूना जो उसने जारी रखा और अपने बेटे याकूब को विरासत में दिया। सारा ने इब्राहिम कोई सा को भी दूर भेज देने के लिए मजबूर किया (उत्पत्ति २१रू८—१३) जब परमेश्वर ने इन सब के बारे में अब्राहिम पर काम करता शुरू किया और उससे कहा कि वह इस आग को ले जाए और उसका बलिदान करें तो ऐसा लगता है कि उसने सारा को यह नहीं बताया (उत्पत्ति २२रू१—३) गौर कीजिए कि यह रिश्ता कैसा बिगड़ा था जिसकी शुरुआत इब्राहिम ने अपने आपको पहल पर रखकर की थी। आज पुरुष इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं पूरा क्या आपकी पत्नी कह सकती है कि वह अपनी पहचान सारा की तरह करती है वह क्या महसूस करती है कि पहले स्थान पर क्या आप उसको देखते हैं या अपने आपको चीजों को घुमाते देर नहीं लगती पूर्व उसकी जरूरतों को पहल पर रखो ताकि आप उसका भरोसा और उससे इज्जत पाशा को। परमेश्वर हमारे विवाह के लिए हमें जिम्मेदार ठहराते अब्राहिम से सीखे

युसूफ और मरियम की उदाहरण

सभी रिश्ते अब्राहिम और सारा जैसे नहीं है एक जो ठीक इसके विपरीत था वह था यूसुफ और मरियम यूसुफ ने मरियम को पहले स्थान पर रखा प्रोग्राम जब

उसे पता चला कि वह गर्भवती है तो और उनकी शादी भी नहीं हुई है वह तलाक के लिए मुकदमा दर्ज कर सकता था और अपनी इजाजत बचा सकता था अपनी इज्जत बचा सकता था ऐसा कहते हैं कि वह उसको पत्थर मरवा कर मौत के घाट उतरवा सकता था क्योंकि उस गर्व का दोष और अपमान उसे अकेली को जाता था। एक पक्के अवधि ने ऐसा किया होता यूसुफ और उसकी बेवफाई के बारे में पता लगने से बहुत दुख हुआ होगा तो भी वह कड़वा नहीं हुआ और उसने बदला लेने की कोशिश नहीं की कानून के अनुसार वह उससे शादी नहीं कर सकता था लेकिन उसने उसे इस तरह से खत्म करने का इरादा किया कि उसे मरियम कम से कम नुकसान उठाना पड़े पूरा उसने अपने अभियान प्रतिष्ठा और धन के बलिदान पर उसकी रक्षा करने का फैसला किया अपनी बाकी जीवन के लिए उसका मजाक उड़ाया गया कि वह किसी और की बच्चे की मां बनने वाले के साथ शादी करता है (यहूनना ८रू५१)का अर्थ है कि उन्हें लगा कि यह किसी रोमन सफाई के दोबारा मरियम गर्भवती हुई अब आप क्या सोचते हैं कि मरियम ने इस प्यार और बलिदान बूटी रक्षा का प्रतीक उत्तर कैसे दिया इससे कोई आश्चर्य नहीं है कि परमेश्वर ने यूसुफ जैसे व्यक्ति को अपने पुत्र के पालन पोषण और बड़ा करने के लिए चुना हम हमेशा यूसुफ और मरियम और उसकी जरूरतों को पहल में रखते देखते हैं लूटा दो 120 कोई आश्चर्य नहीं है कि वह गर्भवती होने के बावजूद उसके साथ खेले हम जाना चाहती थी कोई आश्चर्य नहीं है कि जब परमेश्वर ने यूसुफ के माध्यम से मरियम के माध्यम से नहीं उनको रात में जगह छोड़कर मिस जाने के लिए कहा बुद्धिमान पुरुष की पूरे दिल के संगीत के बाद और फिर उन्हें नफरत से लौट जाने के लिए कहा जहां सारी बातचीत उनके प्रति आलोचना भरी थी मति दो 1323 मैं सोचता हूं कि हवाई फिल्म में यूसुफ अति उत्तम लोगों में से एक हैं आज भी पतियों के लिए एक महान उदाहरण है वह इब्राहिम के सीधे विपरीत हैं। यही कारण है कि मरियम भी सारा के विपरीत है।

पेज नंबर 95

आप अधिक किस की तरह है शायद मुझे सबसे पहले यह पूछना चाहिए कि आपकी पत्नी ज्यादा किस की जैसी है क्या वह ज्यादा सारा के जैसी है आप क्या करते हैं ताकि वह आप पर भरोसा करते हुए सुरक्षित महसूस करें अगर वह ज्यादा मरिया मरियम की तरह है वह लेकिन थोड़ी देर रुके सभी श्रेय लेने से पहले क्या आप मरियम को इस तरह इसीलिए है क्योंकि आपसे बलिदान रुपी प्यार करते हैं और उसकी रक्षा करते हैं या फिर इसीलिए क्योंकि वह परमेश्वर पर भरोसा करती है भले ही उसके साथ आप कैसा व्यवहार करते हो वह महत्वपूर्ण चीजें हैं सोचने के लिए जिन चीजों पर हम डाल देते हैं। हालांकि अगर हम उस तरह की पति बनना चाहते हैं जिस तरह से परमेश्वर हमें चाहता है तो हम इन्हें संशोधित करें और इन पर काम करें आप अपनी पत्नी और अपने प्यार से अधिक सुरक्षित महसूस करवाने के लिए क्या कर सकते हैं आप किस तरीके से उसको अपना अधिक प्यार दिखा सकते हैं आप उसे बहुत मेहनत से बचाने के लिए क्या कर सकते हैं उस आलोचना से जो उसको घर से या घर के बाहर से मिलती है अपमानजनक बातों से बहुत अधिक जिम्मेदारी से और

बहुत अन्य बातों से जो उसे प्राप्त होती हैं। हम सबको मरियम जैसी पत्नियां रखना पसंद होगा हम सभी कर सकते हैं हमारा पहला कदम भी यूसुफ की तरह है पूरा महिला उत्तर देता है अगर उसके साथ प्यार और दया का व्यवहार किया जाता है तो वह उसी तरीके से जवाब देगी पूर्व राहत औरत है तो यह उसके कामों से दिखाई देगा पुर ग्राम इसीलिए परमेश्वर हम पत्नियों को हमारी पत्नियों के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं अगर आप अपनी पत्नी प्यार और सम्मान से पेश आएंगे वह भी ठीक उसी तरह जवाब देगी उसके साथ क्रोधित और अपेक्षित व्यवहार किया जाता है तो उसके उत्तर में दिखाई देगा जैसा इसमें पहले प्यार करता है और हमारे पास पहुंचता है और इसीलिए हम उसे प्यार का जवाब देते हैं इसी तरह हम पत्नियों और पत्नियों और प्यार और सुरक्षा का एहसास कराने के लिए अपने प्यार भरी अगुवाई में उन तक पहुंचाना चाहिए जैसे परमेश्वर हमसे व्यवहार करता है वह चाहता है कि हम अपनी पत्नियों से व्यवहार करें तब वह हमें जवाब देगी जैसे हम परमेश्वर को जवाब देते हैं पूरा याद रखें जैसे पत्नी मिलती है उसी भली चीज मिलती है और वह परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त करता है नीति वचन महिला जो परमेश्वर का भय मानती है उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए उसकी कीमत मोतियों से भी कहीं अधिक है यह मत कहो कि आपकी पत्नी आपके लिए क्या कर सकती है परंतु यह कि आप अपनी पत्नी के लिए क्या कर सकते हो परमेश्वर पत्नियों से क्या उम्मीद करता है पुस्तक का यह हिस्सा आपकी पत्नी को पढ़ने के लिए दो जब वह पढ़ लेती हो

इससे हैरान मत हो जाना जब इस हिस्से को पढ़ लेती है कि कमर्शियल पतियों से क्या उम्मीद करता है कोई उसको यह भी पढ़ने दो इससे उसे पता चलेगा कि आपके लिए प्रार्थना की जाए और आपने उसे पढ़ते से जो कुछ सीखा है उसका अभ्यास करने के लिए जवाब देखेंगे राष्ट्रपति केनेडी के शब्द यह मत पूछिए कि आप देश आपके लिए क्या कर सकता है लेकिन आप अपने देश के लिए क्या कर सकते हैं पत्नियों के साथ—साथ बच्चियों पर भी लागू होता है पूर्व में महिलाएं यह न सोचें कि आपके पति को आपके लिए क्या करना चाहिए इसकी वजह कि आपको अपने पति के लिए क्या करना चाहिए इसके बारे में सोचें और वह आपकी सेवा करने के लिए हैं लेकिन आप भी उनकी सेवा करने के लिए हैं पूर्व ना हम एक दूसरे की सेवा कर रहे हैं (इकिसियो ५रू १२)! पत्नियों को अपने पतियों को प्रति समर्पण की आत्मा दिखाना चाहिए जबकि पतियों के लिए परमेश्वर का मुख्य आदेश एक प्यार करने वाला अथवा होना है

पत्नियों को उसकी आज्ञा एकदम भावना है (इकिसियो ५रू२२रू२४,पतरस ३रू१,५)१ समर्पण करना एक यूनानी शब्द से निकला है जिसका अर्थ है अधिकार का जवाब देना। एक महिला उत्तर देता है अगर उसके साथ प्यार और सौभाग्य का से पेश आया जाए तो वह उसी तरह से जवाब देगी यदि उसके साथ कठोर व्यवहार किया जाता है तो वह बंद हो जाएगी और कठोर हो जाएगी पाल उसका कहना है कि पत्नियों को अपने पतियों से उसी तरह से प्रक्रिया देना है जैसे वैसे करती है मनुष्य की अगुवाई करने और प्रदान करने की आवश्यकता के साथ बनाया गया और वह उसी जो परमेश्वर उसे करने के लिए आज्ञा देता है पूर्व राखी ऐसा करने के लिए महिला को उसे अगुवाई करने की अनुमति देनी चाहिए। इसीलिए उसे समर्पण करने की आज्ञा है महिलाओं को प्रति प्यार और सुरक्षा की जरूरत होती है पूर्व में यही कारण है कि पुरुषों को अपनी पत्नियों के लिए बलिदान रुपी प्यार करने की आज्ञा दी जाती है

पेज नंबर 96

हम इसकी चित्र इस तरह से बना सकते हैं

जब परमेश्वर ने आदमी को बनाया तो मैं अधूरा था पूर्व उसने देखा कि जानवरों के साथी हैं और उसका नहीं है उसे किसी भी जरूरत थी इसीलिए उसने हवा को उसके लिए सहायक बनाया उत्पत्ति 2 अट्ठारहस्त्री के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा था जो उसमें नहीं था उसमें था। वह दोनों मिलकर पूर्ण हुए एक पत्नी का कर्तव्य शेखर को साफ करना और भोजन बनाना है यह उससे कहीं अधिक गहरा है पूर्व में यह मनुष्य के दिल में खाली जगह को भरना है परमेश्वर ने पुरुषों और महिलाओं को बहुत अच्छा अलग बनाया अधिकांश पुरुष तरक्की विचारक होते हैं जो जीवन में कार्य को पूरा करने में रुचि रखते हैं पूर्व ज्यादातर महिलाओं भावुक महसूस करती हैं जो पहले रिश्ते निभाते हैं पुरुष के पूरा करना चाहते हैं महिलाओं को अन्य लोगों के साथ समय बिताना अच्छा लगता है

महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक बात करती हैं क्योंकि इसी तरह दूसरों के साथ जुड़ती हैं पूरा अपनी भावनाओं को साझा करते हुए खुली हो सकती है शायद ही कभी पुरुष ऐसा करते हो पुरुष अधिक आरक्षित होते हैं और अपनी भावनाओं को प्रदर्शित नहीं करते हैं पुरुषों को और अगुआ की भूमिका निभाने को बनाया गया है इन चीजों में अच्छे हैं वह दूसरों की जरूरतों और भावनाओं के प्रति संवेदनशील नहीं है यह नहीं है जिसमें महिलाएं परिपूर्ण है पूर्व महिलाएं प्राकृतिक मां है परमेश्वर की दृष्टि में पुरुष और महिला दोनों सम्मान मनुष्य है पहले ही परमेश्वर ने उन्हें अलग–अलग भूमिकाएं देती पुरुष परिवार की अगुवाई करने के लिए निर्णय लेने के लिए तरक्की रूप से देखता है लेकिन महिलाएं अपने आसपास के लोगों की जरूरतों को उनकी मदद करने के लिए भावनात्मक रूप से समझते हैं पुरुषों के एक समूह में महिलाओं की कोमलता और कोमल प्रेम गायब है महिलाओं को एक समूह में रक्षा और अगुवाई करने की इच्छा गायब है पूर्व अपनी भूमिका के लिए बनाया है इसीलिए कहता है कि महिला पुरुष के खाली स्थानों को भरने के लिए है तो वह प्यार भावना संवेदनशीलता सौभाग्य था और मां के कौशल के बारे में बात कर रहा है खाली जगह नहीं है जो सुरक्षा और मार्गदर्शन करता है उसकी जिम्मेदारी है वह जगह है जहां उसको महिला के खाली स्थान है और उन्हें वह पुरुष भरता है खाली स्थान परमेश्वर उसे प्रस्तुत करने की आज्ञा देता है ताकि उसके स्थान को अगुआई करने से भर सके

मैं समर्पण एक बाहरी कृत्य नहीं बल्कि एक प्रस्तुत भावना है जो समर्पित आत्मा से आती है पतरस 334नोट करें कि बाइबल भी कहती है कि एक पत्नी अपने आप का अपने पत्नी का समर्पण करें यह नहीं कहा जाता है कि सभी महिलाओं को अपने आप को सभी पुरुषों के लिए समर्पण करना है यह सच नहीं है और कभी भी नहीं यह एक प्रेम संबंध का हिस्सा है जहां पुरुष अगुवाई करता है और महिला प्रक्रिया देती है। महिलाओं को अपने महिला प्रक्रिया दे देती है महिलाओं को अपने आपको सभी पुरुषों के समर्पण नहीं करना है परंतु अपने ही पति को अपने आप को समर्थन करता है। क्योंकि एक पत्नी की समर्पण भावना आत्मा नहीं होनी चाहिए जब एक पत्नी अपने पति को जवाब देती है उसको अगुवाई करने देने के लिए वह धर्म में महिलाएं के उदाहरण का पालन कर रही होती है पत्र 35 और वह उसको अपने आंखों की कर्ज को पूरा करने की अनुमति दे रही होती है उत्पत्ति 316 महिला को लाभ हो है क्योंकि परमेश्वर पति के माध्यम से

परिवार का मार्गदर्शन करेगा पूरा महिला अपने पति को आत्मिक रूप से विकसित होने में मदद करती है ताकि उसके लिए एक धर्म उदाहरण स्थापित हो सके जब एक पत्नी का यह रवैया होगा तो वह अपने पति के लिए रोज प्रार्थना करेगी ऐसा लगता है कि उसके पास उससे बेहतर है क्योंकि वह है लेकिन एक ऐसे व्यक्ति के लिए जो परमेश्वर का पालन करना चाहता है यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है उसके लिए बहुत जरूरी है परमेश्वर का अनुसरण करें और अपने परिवार की अगुवाई करें ना कि उसके लिए जो वेबकुल चाहता है धर्म पुरुष इसमें जिम्मेदारी का एहसास करते हैं प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें ज्ञान और मार्गदर्शन दें धर्म मनुष्य होना आसान नहीं है अधिकांश लोग अपने जीवन में एक धर्म व्यक्ति के उदाहरण के साथ नहीं पढ़े यह उनके लिए कठिन बना देती है परमेश्वर से प्रार्थना करें कि आपके पति की वह मदद करें कि परमेश्वर जैसा उसे चाहता है वह वैसा पुरुष बने क्योंकि आप दोनों के लिए फायदेमंद है

पेज नंबर 97

अगर एक पति यह चाहता है कि उसकी पत्नी पाप करे तो क्या होगा कई बार ऐसा समय आता है कि जब पत्नी को अपने आप को अपने पति के प्रति समर्पित नहीं करना है और वह तब है जब वह चाहता है कि उसकी पत्नी पाप करे परमेश्वर ने आदमी और अपने जीवन में निजी तत्व करने का अधिकार दिया है पूरा जब वह परमेश्वर के का प्रतिनिधित्व नहीं करता बल्कि परमेश्वर का बहुत करता है उस पर पत्नी पर उसका अधिकार नहीं रह जाता पूर्ण ब्रह्म परमेश्वर आदमी कोई अधिकार नहीं देता कि वह औरत को परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करने का हुकुम दे सेना में एक सैनिक को अपने कमान अधिकारी को आदेशों का पालन करना चाहिए क्योंकि उसको सरकार से प्रतिनिधित्व अधिकार मिला है। लेकिन अगर कमान अधिकारी सैनिक को सरकार के खिलाफ कुछ

करने का आदेश देता है तो सैनिक अब तक उस आदेश को मानने के लिए बाध्य नहीं है क्योंकि कमान अधिकारी अपने अधिकार से बाहर आ चुका है। यों के बारे में सच है जो परमेश्वर के खिलाफ अपने अधिकार का उपयोग करते हैं। बसंती कारणों से अपने पति की बाकी सारा अब्राहिम में 7 गई जब उसने उसके कहा कि तू कहने में उसकी बहन हूं और उसके इसके नतीजे भुगतने पड़े सारा फिर अपने पति के साथ गई जब उन्होंने चर्च को दिए पैसे के बारे में झूठ बोला प्रेरित ओके काम पांच 110 भयभीत आपके लिए मर गई उसको कोई छूट नहीं थी क्योंकि उसका पति उससे यह करवाना चाहता था। अलीगढ़ नेहला कि अपने पति का समर्थन नहीं किया जब मैं पाप में था और परमेश्वर ने बहुत जिंदगियां बचाने के लिए उसी का इस्तेमाल किया के रूप में हमने अपनी सरकार का पालन करना है लेकिन जब यह हमें कुछ ऐसा बनाती है तो बाइबल ने सिखाया है कि हमें पुरुषों की बजाय परमेश्वर का पालन करना चाहिए या नहीं यदि आपका पति कुछ ऐसा कर रहा है जो आपको लगता है कि गलत है तो एक मशीन साथी के रूप में आपके पास अधिकार है कि आप उससे प्यार से बात करें भले ही पाप नहीं है लेकिन सिर्फ विचारों का अंतर है जब तक आप इस प्यार से बात करने में संक्षेप में आपको अपनी राय जरूर बतानी चाहिए इसे एक बार कहे तंग ना करें नीति 24 जो आवश्यक हो परमेश्वर को उसे दोषी करार देगा आप अपनी भावनाओं और जरूर अपने पति की जानकारी में ला सकती हैं नहीं तो आपके पति को उनका पता ही नहीं होगा। अर्पित का आत्मा कैसे पाएं एक पति के पास समर्पण भावना कैसेआ सकती हैसे जवाब दे जो यीशु को क्यों अगर आपका पति

एक विनम्र आत्मा का मतलब है कि आप उसको उस तरह जवाब देती है जैसे यीशु को पॉलिश पत्नियों से कहता है कि वह अपने पतियों को उसी तरह जवाब दें जो कि यीशु को क्सियों 522 अगर आपका पति आपके साथ ऐसा व्यवहार करने की कोशिश कर रहा है जैसे इश्क तो वह आपके लिए आसान होगा पूर्णब्रह्म वह कभी भी परिपूर्ण नहीं है अगर आप उसे बता सकती हैं अगर वह कोशिश कर रहा है पूर्ण ब्रह्म अला कि अगर ऐसा नहीं लगता है कि वह उसकी कोशिश कर रहा है तो भी आप ऐसा ही जवाब दें जैसे यीशु की याद रखेगी परमेश्वर आपके जीवन का प्रभारी है और कुछ ऐसा नहीं होने देगा जो उसकी इच्छा के अहिंसा ना हो अपने पति को समर्पण करने और परमेश्वर को समर्पण करती हूं जो आपको समर्पण करने के लिए कहता है और जो एकमात्र

और वास्तव में सब कुछ का प्रभारी है आप इसको कैसे समर्पित होते हैं आप स्वतंत्रता से स्वच्छता प्यार से और पूरी तरह बिना आलोचना या शिकायत के जवाब देती हैं इसी तरह से मरियम ने यूसुफ को समर्पण किया पूर्व इसी तरह धर्म में पत्नियों को अपने पतियों को जवाब देना चाहिए पूर्व राम आत्मा का अर्थ है शुद्ध जीवन जीना पत्नियों को पाप से मुक्त पवित्र जीवन जीना चाहिए आप सोचने महसूस करने कहने और करने में इस जैसा बनाने की कोशिश करनी है आत्मा के फल आपके जीवन में स्पष्ट होने चाहिए गलियां 522 24 यदि आप यीशु के लिए आज्ञाकारी ताका जीवन जी रहे हैं तो इससे आपके पति को वैसे जीने में आसानी होगी जैसे यीशु उसे जीना चाहता है। आप अपने पति के लिए एक अच्छी मिसाइल कायम करते हैं और उसे प्रभु के साथ चलने में प्रोत्साहित करते हैं। यीशु को समर्पण करने का मतलब है अपने पति को भी समर्पण करना एक दिन आती है पता है की पत्नी सुधा का जीवन जीने वाली है और कहता है कि पत्नी अपने पति के सम्मान करें 533 इसका मतलब लगभग एक ही है हर पति को अपनी पत्नी से सम्मान की आवश्यकता होती है पुरुषों को भी उसी तरह सम्मान की आवश्यकता होती है जैसे पत्नियों को प्यार की पत्नी आपको कैसे लगता है जब आप महसूस करते हैं कि आपके पति आपको प्यार नहीं करते।

पेज नंबर 98

यहीं से महसूस होता है कि जब वह सोचता है कि आप उसका सम्मान नहीं करते पुरुष अपनी चोट को छुपाना सीखते हैं हालांकि कुछ गुस्से में प्रक्रिया करते हैं और दूसरों को चोट पहुंचा ते हैं। पुरुषों का सम्मान चाहिए उनको यह जानने की जरूरत है कि वह अपने परिवार की अगुवाई करते हैं और परिवार के लिए प्रदान करने में अच्छा काम कर रही है। ध्यान दें कि आई विल एक महिला को अपने पति से प्यार करने का हुकुम नहीं देती यह स्वाभाविक रूप से होता है और इसे हुकुम की आवश्यकता नहीं है लेकिन पति का सम्मान करना अक्सर महिलाओं के लिए मुश्किल होता है और यह केवल परमेश्वर की मदद से किया जा सकता है उसको शुभकामना देकर उसका सम्मान करो और उसकी आलोचना ना करो दूसरों के सामने उसकी सराहना करो सराहना करें कि वह कैसे अच्छा पति बनने की कोशिश करता है और उसे यह बताओ जब बात

करता है तो सुनो उस करता है उसको समझने की कोशिश करो जो कुछ कह रहा है अगर आपको समझ नहीं आता तो उससे सवाल पूछो अपनी जरूरतों से पहले उसकी जरूरतों को बारे में सोचें उसकी तुलना दूसरों के साथ मत करो पूर्णब्रह्म आप नहीं चाहती हैं कि वह आप की तुलना दूसरी औरतों के साथ करें जो कुछ भी आप कर सकते हैं उसे प्रोत्साहित करने के लिए करें पूरा उसे हर दिन कुछ दया भरा कहें उसे बताएं कि आप उस पर विश्वास करती है और उसे भरोसा रखती हैं पूर्व यह मत समझो कि वह जानता है आप या बच्चे कैसा महसूस करते हैं पूर्व आपको उससे सम्मान पूर्वक और प्यार भरे शब्दों के साथ बताने की जरूरत है। जब आप किसी बात से असहमत होते हैं तो उसे सम्मान पूर्वक बताएं अलीगढ़ नेताओं को उस वक्त साला जब उसके परिवार को घात करने आ रहा था परंतु उसने यह बड़ी ध्यानपूर्वक और नमी से किया अपनी आवाज के लिए बहुत सावधान है कि आप कितना ऊंचा बोलते हैं नीतिवचन 1821 आप कितना ऊंचा बोलते हैं आप को ध्यान नहीं होगा कि लोग आसानी से आपके पैसों को उठा सकते हैं सुनिश्चित करें कि जब आप बोलते हैं तो उसमें कोई क्रोध ना हो उसके बारे में प्रार्थना करें और बोलने से पहले प्रभु के साथ मिलकर उस पर काम को करें याद रखें कि जब आप तर्क करते हैं तो हर कोई हारता है प्रोग्राम एक विनम्र आत्मा को बल और शांति होती है कोई भी ऐसी महिला को पसंद नहीं करता जो ऊंची आवाज में बोलने वाली और हुकुम चलाने वाली हो हर कोई जानता है कि वह यीशु की तरह काम नहीं कर रही है पूर्ण परमेश्वर कहता है कि एक महिला को कोमल और शांत स्वभाव होना चाहिए हमेशा दयालु और सो रहे यहां तक कि जब आप अपने पति के साथ आ सहमत होते हैं और उसको दूर संत करते हैं पूर्व उसकी कमजोरियों पर ही ध्यान केंद्रित ना करें जब वह जानता है कि उसके पास यह है पूर्णिमा उसकी वजह कि आप उसे आए दिन उन सबके लिए ताना मारती है आपको चाहिए कि उनको दूर करने में उसकी मदद करें। यह उसे बहुत अपमान करता है क्योंकि यह बहुत ही अपमानजनक है जैसे बाहर आप उसके साथ व्यवहार करती हैं पैसा घर परी भी व्यवहार करें। वह जो अच्छा करताहै उसके बारे में सोचें उसकी गलतियां और असफलताओं के बारे में नहीं फिलिपिनो 48

एक विनम्र आत्मा कोई डर नहीं है पूर्व राम सही बात कहने या करने में डरे ना विलास होने से ना डरे ना सलमान भीगी महसूस करें जब तक तुम जानते हो कि तुम वही कर रहे हो जैसे यीशु चाहता है और उसका अनुसरण करें रहे तो

इस बात से मत डरो कि दूसरे आपके बारे में क्या सोचेंगे। इस बात से मत डरो कि आपका क्या होगा अगर वह सही ढंग से परमेश्वर का अनुसरण नहीं करता पूर्ण परमेश्वर अभी भी उनके जीवन और उनके परिवार और सभी चीजों पर नियंत्रण में है और वह इन सबका आपकी भलाई के लिए उपयोग करेगा रोमियो 828 डरो मत अगर आपका पति आपकी जरूरतों को पूरा नहीं करता कि आपका क्या होगा पुर ग्राम इसकी बजाय उन्हें यीशु के पास ले जाएं कोई भी पुरुष अपनी पत्नी की जरूरतें कभी पूरा नहीं कर सकता पूर्ण परमेश्वर यह सुनिश्चित करता है कि वह चाहता है कि वह उसके पास आए उन चीजों के लिए जो उनके पति पूरा नहीं कर सकते प्रार्थना करें और बाइबिल पढ़े और आत्मिक ता में लगातार विकास करें एक धर्मी जीवन जीने चाहिए कुछ भी हो किसी दूसरे के पाप के अपने पाप करने का बहाना मत बनाने दो अपनी आयु अपूर्ण जरूरतों को यीशु के पास ले जाएं कि वह पूरी करें। अपने पति के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करो प्रोग्राम आपने लिए प्रार्थना करो यह मत पूछो कि आपके पति आपके लिए क्या कर सकते हैं पर यह कि आपने पति के लिए क्या किया सकती हैं अगर आप उसकी जरूरतों के पहल देती हैं और आपकी जरूरतों को पहल देता है तो आपका विवाहित जीवन ऐसा होगा जैसा परमेश्वर चाहता है पूर्व आपके रिश्ते का नमूना ऐसा होगा जैसा यीशु के साथ का इसीलिए वह अपने आप को दूल्हा और हमें दुल्हन कहता है परमेश्वर क्या उम्मीद करता है परमेश्वर प्रत्येक पादरी से उम्मीद करता है कि यीशु के प्रेम पूर्वक के उदाहरण के बाद एक धर्म पत्नी और अपने बच्चों और पत्नी के लिए सेव काम से पहले रखें

इसके बारे में सोचें

आप अपने जीवन साथी के पास तब में कितना मूल्य अंकित है यह आपको लिए कितना महत्व रखती हैं कितना अक्षर आपसे बताते हैं आप अपने जीवनसाथी को जरूरतों को पूरा करने के लिए क्या बलिदान करते हैं पूर्ण ब्रह्म आपको और

ज्यादा क्या करना चाहिए प्रार्थना में परमेश्वर का धन्यवाद करते हुए समय बिताएं और अपनी पत्नी की जरूरतों के लिए प्रार्थना करें क्या आपकी पत्नी और आपके बच्चे कहेंगे कि वह आपके लिए महत्वपूर्ण है क्या आप की कलीसिया में लोगों को यह पता है कि वह अति महत्वपूर्ण है आपने इस अध्याय में क्या सीखा है जो आपको एक अच्छा पति बनने में मदद करता है आज आपको क्या करना चाहिए जो आपने सीखा है उसका अभ्यास शुरू करने के लिए अपने परिवार के एक एक जन्म के लिए प्रार्थना करें उनकी जरूरतों को उनकी कमजोरियों को और उनके भविष्य से प्रार्थना में प्रभु के सामने लाएं।

पेज नंबर 100

तक का निष्कर्ष

मैं इस पुस्तक को लिखने के लिए अवसर और विशेष अधिकारी के लिए आभारी हूं पूर्व राम इसलिए मुझे यह सोचने में मदद की है कि परमेश्वर पास वाहनों से क्या उम्मीद करता है और मुझे अपना एक बेहतर सेवक बनाएगा पूर्व राम मुझे आपसे सुनने में अच्छा लगेगा कि यदि आपके पास इस पुस्तक को बेहतर बनाने के लिए कोई भी सुझाव है जो पाठ आपने पास बानी करने के लिए सीखा है मेरे लिए प्रशांत और प्रार्थना के लिए अनुरोध मेरे साथ संपर्क करने के लिए मेरा पता है धन्यवाद परमेश्वर आपको आशीष दे दे जैसे आप उसकी सेवा करते हो पूर्व राम अगर मैं आपसे इस जीवन में नहीं मिलूंगा तो मैं आप को स्वर्ग में देख लूंगा और साथ में हम अपने जीवन में परमेश्वर की करुणा को साझा कर सकते हैं।